वार्षिक रिपोर्ट | Annual Report

2021-2022

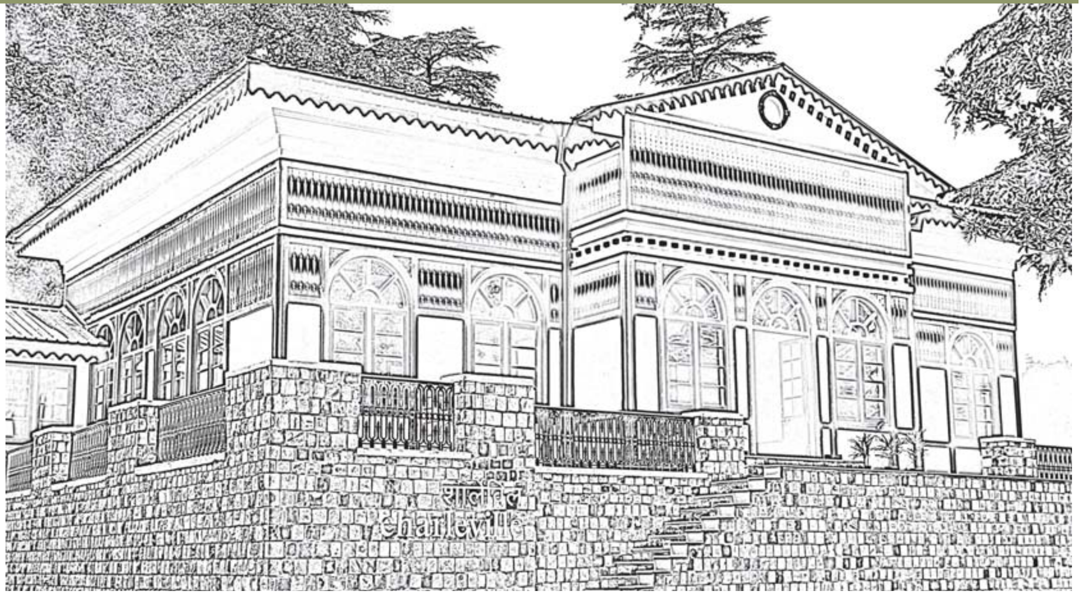

लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
मसूरी-248179
ईपीएबीएक्स लाइंस: +91-0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405
वेब: http://www.lbsnaa.gov.in

Lal Bahadur Shastri
National Academy of Administration
Mussoorie-248179
EPABX . : 0135-2222000, 2632236, 2632489, 2632367, 2632374 & 2632405
Fax No. : 0135-2632350 & 0135-2632720
Website : http://www.lbsnaa.gov.in

वार्षिक रिपोर्ट

2021-2022

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
मसूरी

विषय सूची

अकादमी मिशन एवं आधारभूत मूल्य......6

मिशन......6

आधारभूत मूल्य......6

अध्याय-1

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

परिचय......7

प्रारंभ एवं विकास......7

कालक्रम......8

प्रशिक्षण पद्धति 9

क्षेत्र दौरा......11

मैत्रीभाव को प्रोत्साहन 11

परिसर......11

अध्याय-2

वर्ष 2021-2022 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 12

अध्याय-3

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां-मुख्य अंश......15

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2021 बैच)......16

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II (6 सप्ताह ऑनलाइन) (2019 बैच)......30

पाठ्यक्रम के उद्देश्य**......31**

पाठ्यक्रम की रूपरेखा**......31**

कोर्स कॉर्डिनेटर की रिपोर्ट......32

प्रख्यात अतिथि वक्ता 34

96वां फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह)......39

पाठ्यक्रम के लक्ष्य 40

पाठ्यक्रम के उद्देश्य......**40**

पाठ्यक्रम की रूपरेखा......**41**

शैक्षणिक इनपुट्स......42

96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रख्यात अतिथि वक्ता......44

सेवा वार ब्रेक-अप 54

2020 बैच का जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह)......55

आई.ए.एस. अधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम 56

मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम फेज़-IV का 15वां दौर (4 सप्ताह)......56

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण (4सप्ताह)......63

आईएएस अधिकारियों के लिए 123वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम......63

पाठ्यक्रम के उद्देश्य......64

पाठ्यक्रम की रूपरेखा......64

साप्ताहांत मॉड्यूल 65

देश एवं विदेश अध्ययन दौरा......65

कोर्स कॉर्डिनेटर की रिपोर्ट 65

प्रख्यात अतिथि वक्ता......66

27वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम 73

कोर्स का परिचय **73**

उद्देश्य, पाठ्यक्रम गतिविधियां एवं मुख्य अंश......74

प्रख्यात अतिथि वक्ता 74

अध्याय-4

अनुसंधान केंद्र......77

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम)....77

बी.एन. युगान्धर ग्रामीण अध्ययन केंद्र (बीएनवाईसीआरएस)....93

नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर (एनजीसीसी)....104

सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र (एसपीएलसी)....108

फूड प्लानेट एवं हेल्थ केंद्र (सीएफ़पीएच)....110

अध्याय-5

क्लब एवं सोसाइटियां....118

साहसिक खेल क्लब....118

कंप्यूटर सोसायटी....119

ललित कला एसोसिएशन.... 120

फिल्म सोसायटी....122

अभिरूचि क्लब 122

हाउस जर्नल सोसायटी....123

नवोन्मेष क्लब 123

मैनेजमेंट सर्किल....125

प्रकृति प्रेमी क्लब....127

अधिकारी क्लब 128

अधिकारी मेस....129

राइफल एवं तीरंदाज़ी क्लब....133

समकालीन क्रियाकलाप सोसायटी....134

समाज सेवा सोसायटी....134

राहुल सांकृत्यायन हिंदी मंच 136

अध्याय 6

एनआईसी प्रशिक्षण इकाई....138

गांधी स्मृति पुस्तकालय 144

राजभाषा..146

कंप्यूटर केंद्र 147

अध्याय 7

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वित्तीय विवरण...149

संकाय तथा कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम...150

प्रकाशन..152

शिष्टमंडल/टीम जिन्होंने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का दौरा किया......................153

अध्याय 8

परिशिष्ट-1: भौतिक अवसंरचना 155

परिशिष्ट-2: हमारे निदेशक एवं संयुक्त निदेशक..156

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संयुक्त निदेशक..158

परिशिष्ट-3: आई.ए.एस. फेज़-II के प्रतिभागी (2019 बैच)...159

परिशिष्ट-4: 96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी..160

परिशिष्ट-5: फेज़-IV (एमसीटीपी) का 15वां दौर 02-27 अगस्त, 2021...161

परिशिष्ट-6: 123वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीपी)..162

परिशिष्ट-7: पहले कॉमन मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी..163

परिशिष्ट-8: राष्ट्रीय सुरक्षा पर 27वें संयुक्त सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी...............164

परिशिष्ट-9 राष्ट्रीय सुरक्षा पर 28वें संयुक्त सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी................165

परिशिष्ट-10: अकादमी में संकाय सदस्य एवं अधिकारी..166

अकादमी मिशन तथा आधारभूत मूल्य
मिशन

"हमारा लक्ष्य है गुणात्मक प्रशिक्षण द्वारा कार्यकुशल और जवाबदेह सिविल सेवा का निर्माण करके सुशासन स्थापित करना और इसके लिए सहयोगपूर्ण, नैतिक और पारदर्शी परिवेश स्थापित करना।"

आधारभूत मूल्य

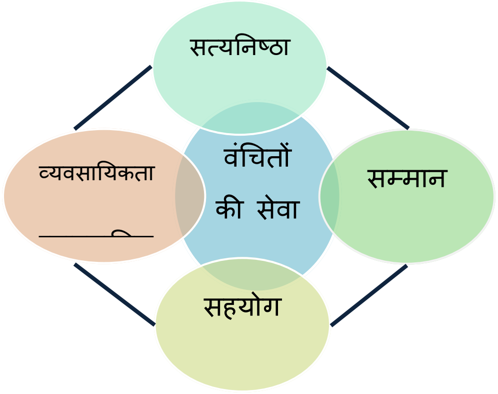

वंचितों की सेवा

लोगों के साथ व्यवहार में अपने दृष्टिकोण में मानवता रखें, वंचितों की ताकत बनें तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय को रोकने में सक्रिय रहें। आप इस इन विशिष्ट कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।

सत्यनिष्ठा

अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप रहें जो आपको विश्वसनीय बनाती है। अपनी बात कहने का साहस रखें तथा सदैव बिना किसी भय के, यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलें। किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, भले वह राशि, सामग्री या बौद्धिक हो।

सम्मान

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति की भिन्न्ता को अपनाएं। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

व्यावसायिकता

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहें, कार्य तथा परिणाम के लिए दृढ़ता के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहें और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखें।

सहयोग

एक मत बनाने के लिए सभी के साथ सम्मिलित होकर कार्य करके विचारों तथा कार्यों में सहयोग करें। दूसरों को प्रोत्साहित करें, टीम भावना को बढ़ावा दें तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करें। पहल करें तथा जिम्मेदारी लें।

परिचय

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) के अधीन लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। इसका नेतृत्व निदेशक द्‌वारा किया जाता है जो भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी हैं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, विभिन्न रैंकों पर नियुक्त सिविल सेवकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल्स का संचालन करती है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और अन्य केन्द्रीय सेवाओं के समूह 'क' के नव-नियुक्त युवा अधिकारियों के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स संचालित किया जाता है। यह अकादमी फाउंडेशन कोर्स के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों तथा रॉयल भूटान प्रशासनिक सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। इसके साथ-साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी नियमित अंतराल पर आयोजन किया जाता है।

प्रारंभ एवं विकास

तत्कालीन गृह मंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव रखा था जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। कुछ वर्षों के लिए इस अकादमी ने गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य किया। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है।

कालक्रम

1958	लोकसभा में केन्द्रीय गृह मंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत द्वारा राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने की घोषणा।
1959	मसूरी में अकादमी की स्थापना और निदेशक कार्यालय, भाषा ब्लॉक (बाद में नवीनीकरण के उपरांत शार्लेविल नाम रखा गया), सरदार पटेल हॉल (एसपीएच) और हैप्पी वैली गेस्ट हाउस स्थापित।
1960	भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा अन्य सिविल सेवाओं के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत।
1969	अकादमी में सेंडविच पैटर्न की शुरूआत जिसमें फेज़-I, संबंधित संवर्गों में जिला प्रशिक्षण और तदुपरान्त फेज़-II प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
1970	अकादमी ने 1970 तक और 1977 से 1985 तक गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया।
1970-1977	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय के अधीन कार्य-किया।
1972	अकादमी का नाम बदलकर ''लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी'' किया गया।
1973	तदुपरान्त ''राष्ट्रीय'' शब्द जोड़ा गया और अकादमी का नाम ''लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी'' के हो गया।.
1975-1978	गंगा, कावेरी और नर्मदा छात्रावासों का निर्माण किया गया।
1984	मई 1984 में कैम्पस का एक भाग, जहां अधिकारी मेस, पुस्तकालय, वीआईपी गेस्ट हाउस, निदेशक आवास इत्यादि थे, आग की चपेट में आ गया।
1985	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट की स्थापना की गई।
1989	ग्रामीण अध्ययन केंद्र (पूर्व में भूमि सुधार यूनिट) की स्थापना की गई।
1991	अक्टूबर, 1991 में, उत्तरकाशी के भूकंप से महिला ब्लॉक तथा जीबी पंत ब्लॉक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और इन दोनों स्थानों पर "ध्रुवशिला" तथा "कालिंदी गेस्ट हाउस" का निर्माण किया गया।
1991	उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संपूर्णानंद सभागार का निर्माण किया गया तथा उसका नाम राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के नाम पर रखा गया।
1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन द्वारा किया गया।
1995	नेशनल जेंडर सेंटर की स्थापन, यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसाइटी है।

1996	कालिंदी भवन का उद्घाटन तत्कालीन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री एस.आर. बालासुब्रहमणयम द्वारा किया गया।
1996	ध्रुवशिला भवन का उद्घाटन तत्कालीन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री एस.आर. बालासुब्रहमणयम द्वारा किया गया।
2004	अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन तत्कालीन गृह मंत्री श्री शिवराज वी. पाटिल द्वारा किया गया।
2004	आपदा प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।
2010	ज्ञानशिला भवन को क्रियाशील बनाया गया। सिल्वरवुड एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2012	महानदी एग्जिक्यूटिव हॉस्टल का उद्घाटन किया गया।
2014	नेशनल सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट एण्ड कॉम्पिटेंसी एसेसमेंट (एनसीएलडीसीए) की स्थापना, यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसायटी है।
2015	आधारशिला ब्लॉक का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन, डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।
2016	1995 में सेन्टर फॉर कोऑपरेटिव्स एण्ड रूरल डेवलपमेंट की स्थापना की गई थी बाद में इसका नाम बदल कर सेंटर फॉर पब्लिक सिस्टम मैनेजमेंट (सीपीएसएम) रखा गया।
2021	सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र की स्थापना की गई।

प्रशिक्षण पद्धति

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी-तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य-विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। यह कार्य राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से भी समय-समय पर विचार-विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रशिक्षुओं की प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा-व्याख्यान की विधि हर समय बहुत उपयुक्त नहीं होती इसलिए अनेक पद्धतियां अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके विशेष मुद्दों के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:-

- **अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय द्वारा व्याख्यान**
- **विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा**

- **प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)**
- **फिल्में**
- **समूह परिचर्चा**
- **अनुकरण (सिमुलेशन) अभ्यास**
- **संगोष्ठियां**
- **मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल**
- **आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास**
- **व्यावहारिक प्रदर्शन**
- **समस्या समाधान अभ्यास**
- **रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)**
- **समूह कार्य**

क्षेत्र दौरे

हिमालयन ट्रैक

ऐसे ट्रैकों के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी कठिन भू-क्षेत्र, अप्रत्याशित मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य-पदार्थों की समिति उपलब्धता जैसी परिस्थितियों का सामना करते हैं। ऐसी दशाओं में प्रशिक्षु अधिकारियों की हिम्मत की परीक्षा होती है तथा उन्हें मजबूत बनाया जाता है।

पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा

प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है। इन फील्ड दौरों तथा लाभार्थियों के साथ विचार-विनिमय के जरिए, समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव का क्रियात्मक अनुसंधान भी किया जाता है।

"मैत्री-भाव को प्रोत्साहन"

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच मिलजुल कर काम करने की भावना कायम करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे इस संस्था में अपने पुराने दिनों को याद करते हैं और इन मूल्यों को अपनाने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

परिसर

अकादमी की मुख्य विशेषता यह है कि उसकी नवीनतम अवसंरचना के अतिरिक्त, उसके अद्वितीय पुरातन एवं नवीनता का मेल है। प्रसिद्ध शार्लेविल होटल जिसका निर्माण 1870 में किया गया था, अकादमी की अवस्थिति एवं आरंभिक अवसंरचना का परिचायक है, तत्पश्चात इसका विस्तार किया गया। विभिन्न विगत वर्षों के दौरान नये भवन निर्मित किए गए तथा अन्य का अधिग्रहण किया गया। अकादमी तीन परिसरों शार्लेविल, ग्लेनमायर तथा इंदिरा भवन में फैली हुई है। प्रत्येक की अपनी विशिष्ट प्रकृति है। शार्लेविल में नये प्रशिक्षणार्थियों को संरचित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्लेनमायर में पूर्व का एन.सी.जी.जी. अवस्थित है तथा इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अन्य 10 विशिष्ट पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। अकादमी की अवसंरचनाओं का अतिरिक्त विवरण परिशिष्ट-I में दिया गया है।

वर्ष 2021-2022 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2021-2022 के दौरान अकादमी में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रम संख्या	कोर्स का नाम	समन्वयक श्री/सुश्री	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिला	कुल
अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग						
1.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2021 बैच) (22 सप्ताह)	शैलेश नवाल	21 मार्च से 19 अगस्त, 2022 तक	121	62	183
2.	आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-II (2019 बैच) (6 सप्ताह)	मिलिंद रामटेके	17 मई, 2021 से 25 जून,2021 तक	127	58	185
3.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए 96वां फाउंडेशन कोर्स (2021 बैच)	मोनिका धामी	5 दिसंबर, 2021 से 17 मार्च, 2022 तक	332	156	488
आईएएस अधिकारियों के लिए मिड करियर कार्यक्रम						
4.	मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के फेज़-IV का 15वां दौर	प्रो. विजय बाबू वसंता	02 से 27 अगस्त, 2021 तक	35	15	50
5.	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए 123वां इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम	मोनिका धामी	05 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2021 तक	68	16	84
6.	कंबाइंड मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला दौर	आनंदी	25 अक्तूबर से 02 नवंबर, 2021 तक	182	60	242
7.	27वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिशा पन्नू	06 सितंबर से 11 सितंबर, 2021 तक	51	02	53
शॉर्ट टर्म कोर्स/सेमिनार/वर्कशॉप/अन्य						
8.	चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रबंधन और न्यूनीकरण रणनीतियाँ	आपदा प्रबंधन केंद्र	29 सितंबर, 2021 से 1 अक्तूबर, 2021 तक	24	8	32
9.	जलवायु परिवर्तन: महिला वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविद् के लिए चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया	आपदा प्रबंधन केंद्र	09 से 13 अगस्त, 2021 तक	0	56	56

10.	वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका	आपदा प्रबंधन केंद्र	08 से 12 नवंबर, 2021 तक	17	7	24
11.	जलवायु परिवर्तन: वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए चुनौतियां और प्रतिक्रिया	आपदा प्रबंधन केंद्र	20 से 24 दिसंबर, 2021 तक	29	5	34
12.	वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका	आपदा प्रबंधन केंद्र	7 से 11 फरवरी, 2022 तक	26	9	35
13.	घरेलू हिंसा से निपटने में सुरक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनजीसीसी	उत्तर प्रदेश (बैच 1) – 28 जून से 2 जुलाई, 2021 तक हरियाणा (बैच 2) – 05 से 09 जुलाई, 2021 तक उत्तर प्रदेश (बैच 3) – 12 से 16 जुलाई, 2021 तक उत्तर प्रदेश (बैच 4) – 26 से 30 जुलाई, 2021 तक			
14.	पोषण अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए पोषण चुनौतियों से निपटने के लिए कदम उठाना	एनजीसीसी	07 अक्तूबर, 2021 तक			
15.	लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आर्बिट्रेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	सीपीएसएम	02 से 03 सितंबर 2021 तक	16	13	29
16.	ईट राइट इंडिया मूवमेंट का परिचय	सीपीएसएम	26 अप्रैल, 2021			67
17.	रात्रि भोज से पूर्व सुश्री रुजुता दिवेकर की बातचीत	सीपीएसएम, सीएफ़पीएच	26 अगस्त, 2021			49
18.	आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सनंदन थपलियाल	सीपीएसएम, सीएफ़पीएच	10 अगस्त, 2021			49
19.	सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक एफएसएसएआई द्वारा ईट राइट	सीपीएसएम, सीएफ़पीएच	16 जुलाई, 2021			24

	इंडिया मूवमेंट पर टीओटी					
20.	एफएसएसएआई का कोविड-19 FoSTaC कार्यक्रम	सीपीएसएम, सीएफ़पीएच	12 अक्तूबर, 2021			40
21.	विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए लीडरशिप मॉड्यूल के डिजाइन और डिलिवरी पर ब्रैनस्टोर्मिंग सत्र	एसपीएलसी	27 दिसंबर, 2021			19
22.	इंक्लूसिव लीडरशिप पर ऑनलाइन टीओटी, यह सत्र 27 दिसंबर, 2021 को आयोजित लीडरशिप वर्कशॉप के बाद किया गया।	एसपीएलसी	18 से 19 जनवरी, 2022 तक			
23.	96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए अंतिम लीडरशिप मॉड्यूल आयोजित करने से पूर्व रिफ्रेशर टीओटी	एसपीएलसी	18 से 20 फरवरी, 2022 तक			
24.	96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लीडरशिप मॉड्यूल	एसपीएलसी	21 से 22 फरवरी, 2022 तक			
कुल प्रतिभागी						

संक्षिप्तियां

सीडीएम - आपदा प्रबंधन केंद्र
एनजीसीसी - नेशनल जेंडर एवं चाइल्ड सेंटर
सीपीएसएम - सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र
सीएफ़पीएच - फूड प्लानेट हेल्थ केंद्र
एसपीएलसी - सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां - मुख्य अंश

1. परिचय

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के प्रशिक्षण के लिए शीर्ष संस्थान है। अकादमी इंडक्शन स्तर और सेवकालीन प्रशिक्षण प्रदान करती है। संघ की अखिल भारतीय सेवाओं और सभी समूह 'क' सेवाओं के नए अधिकारियों के लिए एक संयुक्त फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया जाता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (भा.प्र.से.) और रॉयल भूटान सिविल सेवा के नियमित भर्ती अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, फाउंडेशन कोर्स के बाद आयोजित किया जाता है। अकादमी भा.प्र.से. के अधिकारियों के लिए सेवकालीन और मिड-करिअर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमसीटीपी) तथा राज्य सिविल सेवा से भा.प्र.से. में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित करती है, साथ ही लोक प्रशासन में विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करती है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रासंगिक है, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और अन्य विद्वानों एवं प्रेक्टिशनरों के प्रतिनिधियों की व्यापक परामर्श के माध्यम से इसकी लगातार समीक्षा की जाती है और इसे अद्यतन किया जाता है। पारंपरिक कक्षा व्याख्यानों की सीमाओं को देखते हुए, प्रशिक्षण विषय को और अधिक प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने के लिए नई शैक्षणिक पद्धति शुरू की गई है। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूलर संरचना के आधार पर संचालित किए जाते हैं, जिसके तहत प्रासंगिक विषयों को चुना जाता है और समेकित तरीके से अध्ययन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनसे संबंधित सभी पहलुओं को व्यापक रूप से शामिल किया जाए।

व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए आउटडोर और पाठ्येत्तर गतिविधियों पर बल दिया जाता है। शारीरिक प्रशिक्षण, टीम गेम और टेनिस, बैडमिंटन, क्रॉस-कंट्री दौड़, योग, घुड़सवारी, साहसिक खेलकूद जैसे रिवर राफ्टिंग, पैरा-ग्लाइडिंग, बंजी जंपिंग और राइफल शूटिंग कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनमें प्रशिक्षु अधिकारी शामिल होते हैं। युवा प्रशासकों को कराई जाने वाली कुछ पाठ्येत्तर गतिविधियों में पब्लिक स्पीकिंग, थिएटर कार्यशालाएँ, मोटर मैकेनिक कौशल, बागवानी, फोटोग्राफी और संगीत आदि शामिल हैं।

सत्यनिष्ठा, नैतिक साहस, वंचितों के प्रति सहानुभूति और सम्मान के मूल्यों को बढ़ावा देने और धर्म, क्षेत्र, जाति, वर्ग या जेंडर के आधार पर किसी भी सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर, प्रशिक्षु अधिकारियों को विविध सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभिन्न क्लबों और सोसाइटियों का गठन किया गया जिनमें प्रशिक्षु अधिकारी को पदाधिकारी के रूप में चुना जाता है। वे कक्षा सत्र के बाद प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, कविता प्रतियोगिताओं और कई अन्य गतिविधियों

का आयोजन करते हैं और उनमें भाग लेते हैं। इससे सौहार्द की भावना पैदा होती है और मैत्री भाव को भी बढ़ावा मिलता है।

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I (2021 बैच)

(21 मार्च से 19 अगस्त, 2022 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों के लिए प्रोफेशनल कोर्स
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री शैलेश नवाल, उप निदेशक
एसोसिएट-पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री दिशा पन्नू, उप निदेशक श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर श्री रोमियो वी. टेटे, सहायक निदेशक श्री हरि लाल चौहान, सहायक निदेशक
उद्घाटन संबोधन	श्री राजीव गौबा, कैबिनेट सचिव, भारत सरकार (ऑनलाइन)
समापन संबोधन	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
कुल प्रतिभागी	कुल 183 (180 प्रशिक्षु अधिकारी, 2021 बैच, 01, 2021 बैच से और 02 रॉयल भूटान सिविल सेवा से) (पुरुष प्रशिक्षु अधिकारी - 121; महिला प्रशिक्षु अधिकारी -62) **आईएएस फेज़-I के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-1 में दिया गया है।**

पाठ्यक्रम के लक्ष्य

- **अकादमी का लक्ष्य युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों में नेतृत्व के गुणों को विकसित करके उन्हें वास्तविक कर्मयोगी बनाना है ताकि उनमें एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के साथ-साथ सृजनशील एवं रचनात्मक, कल्पनाशील और नवीन, सक्रिय और विनम्र, प्रोफेशनल तथा प्रगतिशील, ऊर्जावान और सक्षम, पारदर्शी और तकनीकी गुणों का विकास किया जा सके।**
- **नीति-परक एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित लर्निंग एक्सपीरियंस से अवगत कराना।**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- **अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में नए सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक-विधिक रुझानों से अवगत कराना, आईएएस की नई भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।**
- **सेवा (करियर) के पहले दशक में निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना:**
    - विधि एवं विधिक प्रावधान
    - प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
    - आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
    - आर्थिक विश्लेषण
- **प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता प्रदान करना।**

- **आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।**
- **अंतर्वैयक्तिक तथा संगठनात्मक, दोनों संदर्भों में लिखित/मौखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।**
- **उचित जीवन मूल्यों एवं उचित व्यवहार की जानकारी प्रदान करना।**
- **शारीरिक फिटनेस को बनाए रखना।**
- **"शीलम् परम् भूषणम्" एवं मिशन कर्मयोगी की भावना पर अटल रहना।**

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

फेज़-I कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा मिशन कर्मयोगी की भावना एवं विषय वस्तु के संदर्भ में सोच-समझ कर बनायी गई है। अध्ययन, शिक्षा, अनुभव को पर्याप्त स्थान देते हुए यहां प्रशिक्षु अधिकारियों में प्रमुख क्षमताएँ जैसे कार्यक्षेत्र का ज्ञान (उचित जानकारी), व्यवहारपरक (उचित दृष्टिकोण) तथा कार्यात्मक (उचित कौशल) बढाने का प्रयास किया जाता है, जिससे वे न केवल दैनिक कार्यों की चुनौतियों से बल्कि अप्रत्याशित और नए संकट का भी प्रभावी ढंग से सामना करते हुए भावी उत्तरदायित्वों को निभाने में सक्षम होंगे। 22 सप्ताह का आईएएस प्रोफेशनल कोर्स, फेज़-I, 2021 बैच 21 मार्च, 2021 को प्रारंभ हुआ तथा 19 अगस्त, 2022 को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थेः-

- **भारत अध्ययन दौरा एवं भारत दर्शन (2 मई, 2022 से 12 जून, 2022 तक)**
- **ऑन कैंपस ट्रेनिंग इनपुट्स पार्ट 01 (21 मार्च, 2022 से 29 अप्रैल, 2022 तक)**
- **ऑन कैंपस ट्रेनिंग इनपुट्स पार्ट 02 (20 जून, 2022 से 19 अगस्त, 2022 तक)**

फेज़-I एक पूर्णकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है जिसमें पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण होता है। दिन की शुरूआत हैप्पी वैली ग्राउंड में शारीरिक व्यायाम के साथ प्रात: 06:30 बजे होती है। शाम को क्लब तथा सोसाइटियों द्वारा सांस्कृतिक तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे।

शैक्षणिक इनपुट्स

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 मार्च, से 29 अप्रैल और 20 जून से 19 अगस्त, 2022 तक आयोजित किया गया था। हालांकि 'भारतीय प्रशासनिक सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनियम, 1955' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्य-विवरण बुनियादी फ्रेमवर्क है, तथापि आई.ए.एस. सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें समुचित संशोधन किए गए हैं। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए गए जिसमें अलग-अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए गए जो विभिन्न कार्य-क्षेत्रों में आई.ए.एस. सेवा के अधिकारियों को करने होते हैं। इसमें विधि, लोक प्रशासन, राजनीति शास्त्र तथा संविधान, प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र शामिल हैं। इस दौरान भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र भी आयोजित किए गए।

अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य-प्रणाली में अन्य बातों के साथ-साथ व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन, परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम तथा रोल प्ले, समूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर विजिट कार्यक्रम शामिल हैं। अधिकारियों को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को वैकल्पिक आयामों और विचारों की विविधता का परिचय दिया जो महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम की शुरुआत डीकंस्ट्रक्शन मॉड्यूल के माध्यम से सेवा के लोकाचार और प्रतीक चिह्न के बारे में गहन शिक्षा के साथ हुई। युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के मस्तिष्क में भारतीय प्रशासनिक सेवा के बारे में प्रचलित गलत धारणाओं को दूर करने और उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा की तेजी से बदलती आवश्यकताओं के बारे में जागरूक करने के लिए पहली बार आईएएस प्रोफेशनल फेज़-I पाठ्यक्रम के आरंभ में 5 दिवसीय गहन मॉड्यूल का आयोजन किया गया। जिसने युवा आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरानी अनुपयोगी बातों को भुलाकर नई शिक्षा को ग्रहण करने में सक्षम बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय संगठन से सर्टिफिकेशन कोर्स जैसे आईएमएफ से मैक्रो-इकोनॉमिक्स, सीएमयू से डेटा एनालिटिक्स और एलकेयू से पब्लिक पॉलिसी कराए गए। इससे प्रशिक्षु अधिकारियों को सर्वोत्तम डोमेन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से सर्टिफिकेशन के साथ डोमेन विशेषज्ञता हासिल करने और शैक्षिक मूल्यों को विकसित करने के लिए ज्ञानार्जन को बढ़ाने में भी सहायता मिली है।

बुनियादी स्तर के परिदृश्यों के बारे में संवेदनशील बनाने तथा प्रशिक्षुओं के व्यवहार संबंधी पहलू को विकसित करने के लिए, नीतियों के मूल लाभार्थियों जैसे एसएचजी, किसानों आदि के साथ बातचीत सत्र

का आयोजन किया गया। अमृतोत्सव के हिस्से के रूप में, प्रशिक्षु अधिकारियों की संबंधित कैडर, एसएचजी उद्यमियों के साथ अटैचमेंट की गई, जिसके फलस्वरूप उन्हें कठिनाइयों के बारे में जानने और थिंक ग्लोबल, एक्ट लोकल के विजन को विकसित करने में सक्षम बनाया गया।

अकादमी में **"सरदार वल्लभभाई पटेल नेतृत्व केन्द्र"** द्वारा दिए गए लीडरशिप मॉड्यूल और आत्म-सुधार के लिए फेरो मूल्यांकन के माध्यम से पाठ्यक्रम में नेतृत्व गुण, प्रबंधकीय कौशल, संचार कौशल और विनम्र व्यवहार कौशल को विकसित करने पर बल दिया गया।

किसी विशिष्ट विषय के लिए मॉड्यूल-वार पद्धति से समग्र शिक्षण, अनुभव के कई मुद्दों पर एक साथ विचार करने और उन्हें आपस में जोड़ने में सक्षम हुआ है। अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य, शहरी मॉड्यूल, पोषण, महिला एवं बाल, संचार, निर्वाचन, आपदा प्रबंधन, उद्यमिता विकास, भौगोलिक इंडिकेशन्स और एक जिला एक उत्पाद पर मॉड्यूल, ई-गवर्नेंस तथा मीडिया, कानून और व्यवस्था, जल प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा, सार्वजनिक वित्त और लेखा प्रक्रिया विषय पर आधारित मॉड्यूल से उन मुद्दों की व्यापक समझ विकसित करने में सहायता मिली है जो प्रशिक्षण के तुरंत बाद उनके समक्ष आएंगे।

प्रशिक्षु अधिकारियों को साक्ष्य आधारित नीति निर्माण से अवगत कराया गया और उन्हें क्षेत्र में अपनी सूझ-बूझ से केस स्टडी तैयार करने के लिए अनुसंधान सहायता यूनिट से जोड़ा गया, जिसका उपयोग आने वाले समूहों के प्रशिक्षण के लिए किया जा सकता है। मानव-पर्यावरण और वन (मानव-पशु प्रतिद्वंद) संबंधी पुनर्वास मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, प्रशिक्षुओं को कॉर्बेट नेशनल पार्क में गुज्जर बस्तियों में ले जाया गया।

पूर्व प्रशिक्षुओं के अनुभव और ज्ञान का उपयोग करने और विषय वस्तु पर कैडर-विशिष्ट इनपुट प्रदान करने के लिए, राज्यों में सेवारत विशिष्ट और प्रख्यात आईएएस अधिकारियों को अकादमी में निरंतर मार्गदर्शन के लिए संयुक्त संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस पाठ्यक्रम में उस दौरान चलाए जा रहे फेज़-II, फेज़-IV, जेसीएम पाठ्यक्रम और महिला एवं लीडरशिप पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध अवसरों का भी उपयोग किया और प्रतियोगिताओं, बातचीत के माध्यम से उनके उत्कृष्ट अनुभवों और ज्ञान का उपयोग किया।

पाठ्यक्रम को पारंपरिक परीक्षा आधारित मूल्यांकन पद्धतियों के बजाय डिजिटल और समवर्ती तथा दिए गए मॉड्यूल पर प्रस्तुत शोध निबंधों, प्रस्तुतिकरण, वाद-विवाद और चर्चाओं आदि पर आधारित मूल्यांकन पैटर्न पर तैयार किया गया ताकि नए और मौलिक विचार आ सकें।

एक भा.प्र. सेवा अधिकारी के तौर पर प्रशिक्षु अधिकारियों को आवंटित काडर की भाषा में निपुण होना होता है। फेज़-I पाठ्यक्रम में वैधानिक भाषा परीक्षा आयोजित की गई। जो प्रशिक्षु अधिकारी पहले से ही संवर्ग की भाषा से परिचित थे उनको भाषा के प्रशासनिक प्रयोग के बारे में आगे की जानकारी दी गई

तथा उनसे वैकल्पिक मॉड्यूल एवं गतिविधियां भी कराई गई। प्रशिक्षु अधिकारियों से अपना 'स्टेट पेपर' संवर्ग की भाषा में प्रस्तुत करने को कहा गया। फेज़-I का आईसीटी का मॉड्यूल प्रशिक्षु अधिकारियों को जिलों में सूचना प्रौद्योगिकी वातावरण तैयार करने, किसी सिस्टम का कंप्यूटरीकरण करने में उपयोग होने वाले कॉनसेप्ट/विषय, प्रौद्योगिकी के नवीनतम रूझानों से परिचित करने हेतु डिजाइन किया गया। उन्हें डैशबोर्ड क्रिएशन, डेटा हैंडलिंग, एआई, ईटी और आईओटी तकनीकों, वेब डिज़ाइन, क्लाइंट/सर्वर कंप्यूटिंग, ई-गवर्नेंस आदि की जानकारी देने और पावर बीआई और एक्सेल जैसे उन्नत उपकरणों से अवगत कराने के साथ ही आईटी दक्षता पर इनपुट दिए गए। इसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं है बल्कि उन्हें वास्तविक कार्य क्षेत्र से परिचित कराना और प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमताएं अर्जित कराना होता है।

मूल्यांकन किए गए शैक्षिक कार्य: पाठ्यक्रम में पुस्तक समीक्षा तथा स्टेट टर्म पेपर के माध्यम से एक स्व-अध्ययन आधारित लर्निंग भी कोर्स डिजाइन में समाहित की गई जिसे परामर्शी समूह बैठक में आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया गया; हाउस जर्नल्स के साथ-साथ इसमें भारत दर्शन: समूह प्रस्तुतिकरण, वैयक्तिक भारत दर्शन डायरी और यात्रा वृत्तांत भी शामिल किए गए।

बाह्य गतिविधियां: भा.प्र. सेवा में करिअर अक्सर चुनौतीपूर्ण तथा तनाव युक्त होता है। इस सेवा के अधिकारी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना सेवा की आवश्यकता है। फेज़-I पाठ्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारियों को नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम की आदत विकसित करने एवं उसे बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सुबह का शारीरिक प्रशिक्षण अनिवार्य होता है। शारीरिक व्यायाम तथा बाह्य गतिविधियां इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण भाग हैं।

पाठ्येतर गतिविधियां: "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है," इस सिद्धांत पर आधारित शारीरिक फिटनेस पर अधिक बल दिया गया। संशोधित आउटडोर शिक्षण पद्धति जिसमें सरकारी कार्य के अलावा प्रशिक्षु अधिकारियों की रुचि और पसंद के साथ स्वास्थ्य और फिटनेस पर अधिक बल दिया जाता है और वे सेवा में पेश आने वाले तनाव से निपटने में अधिक सक्षम होते हैं।

फेज़-I कार्यक्रम में, प्रशिक्षु अधिकारियों को पाठ्येतर मॉड्यूल के माध्यम से रचनात्मक गतिविधियों में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का उत्सव मनाने और **"भारत @75 बैच"** होने के नाते, आईएएस फेज़-I 2021 बैच ने 22 सप्ताह के दौरान **"आजादी का अमृत महोत्सव"** को सच्ची भावना और उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष न केवल देश के बारे में प्रशिक्षु अधिकारियों ज्ञान बढ़ा बल्कि अपने राष्ट्र के प्रति राष्ट्रवाद और सम्मान की गहन भावना भी पैदा हुई। इस उत्सव को मनाने के लिए 75 सांस्कृतिक और पाठ्येतर कार्यक्रम आयोजित किए। आज़ादी का अमृत महोत्सव लोक कला कार्यशाला ने उन्हें 20 विभिन्न कला रूपों विधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

आईएएस और आईएफओएस के बीच प्रवाह सांस्कृतिक उत्सव ने सेवाओं के बीच भाईचारे की भावना को बढ़ाया और कुछ मामलों में उनके बीच आजीवन साझेदारी की भावना को भी विकसित किया। आज़ादी का अमृत महोत्सव से उद्यमिता कौशल में वृद्धि हुई। कोर्स से निम्नलिखित अवसर भी प्राप्त हुए:-

- संसद सदस्यों के साथ बातचीत
- प्रख्यात लेखकों के साथ लाइब्रेरी टॉक
- रॉकेट महिलाओं, आदि जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा बातचीत
- विद्यार्थियों को पढ़ाना, परामर्श देना, मेस के लिए योगदान, दान पेटी

आंचलिक दिवस: प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा फेज़-I पाठ्यक्रम के दौरान आंचलिक दिवस आयोजित किया गया। आंचलिक दिवस आयोजित करने का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके आवंटित संवर्गों की संस्कृति एवं खान-पान से परिचित करना है। प्रत्येक क्षेत्र के लिए समूह का गठन आवंटित राज्य पर आधारित होता है।

सराहनीय कार्यनिष्पादन के लिए पुरस्कार: प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I के दौरान शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और पदक प्रदान किए गए।

प्रख्यात अतिथि वक्ता :

- श्री राजीव गौबा, आईएएस, कैबिनेट सचिव, नई दिल्ली।
- सुश्री पल्का साहनी, आईएएस, रेजिडेंट कमिशनर, बिहार भवन, नई दिल्ली।
- सुश्री छवि भारद्वाज, आईएएस, प्रबंध निदेशक, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल, मध्य प्रदेश।
- डॉ. बगादी गौतम, आईएएस, उपायुक्त एवं डीएम, मैसूरु, कर्नाटक।
- श्री मोहम्मद वाई सफीरुल्ला के., आईएएस, प्रभारी सचिव, वित्त विभाग, केरल सरकार।
- श्री प्रदीप सिंह खरोला, आईएएस, पूर्व प्रबंध निदेशक, बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन
- श्री गिरिधर अरमाने, आईएएस, सचिव (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ।
- सुश्री शारदा जी. मुरलीधरन, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, लोकल सेल्फ, केरल सरकार।
- श्री प्रभात कुमार, आईएएस, (सेवानिवृत्त)
- सुश्री राधिका झा, आईएएस, सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा, उत्तराखंड ।
- सुश्री भाग्यश्री बनायत, आईएएस, सीईओ, साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट, शिरडी, महाराष्ट्र ।
- श्री मंजूनाथ भजंत्री, आईएएस, उपायुक्त, देवघर, झारखंड ।
- श्री नंद कुमारम, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एमपी राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम, मध्य प्रदेश।
- श्री आर. सुब्रमण्यम, आईएएस, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।
- सुश्री सुजाता सौनिक, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, महाराष्ट्र सरकार।
- श्री दीपक गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली ।
- श्री संजय कोठारी, आईएएस, (सेवानिवृत्त) ।
- श्री अजय कुमार भल्ला, आईएएस, गृह सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- सुश्री मनीषा सक्सेना, आईएएस, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दिल्ली सरकार ।
- सुश्री सुषमा चौहान, आईएएस, सचिव, सरकारी योजना विकास एवं निगरानी विभाग, जम्मू और कश्मीर।
- सुश्री आरती डोगरा, आईएएस, मुख्यमंत्री के सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, जयपुर, राजस्थान।
- श्री सुमन बिल्ला, आईएएस, प्रधान सचिव, उद्योग एवं नोकरा, केरल।
- डॉ. एम. अंगामुथु, आईएएस, अध्यक्ष, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ।
- श्री प्रवीण परदेशी, आईएएस, सदस्य, क्षमता निर्माण आयोग, नई दिल्ली ।
- सुश्री एस. अपर्णा, आईएएस, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ।
- श्री अजय कुमार, रक्षा सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ।
- श्री एच. आर. पाटनकर, आईएएस (सेवानिवृत्त)।
- श्री अभिषेक सिंह, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनईजीडी, नई दिल्ली।
- श्री गौरव द्विवेदी, आईएएस, प्रधान सचिव, सांख्यिकी एवं आर्थिक निदेशालय, छत्तीसगढ़ ।

- श्री कार्तिकेय मिश्रा, आईएएस, विशेष श्रम आयुक्त, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।
- श्री शेखर सिंह, आईएएस, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सतारा, महाराष्ट्र।
- सुश्री आरती कंवर, आईएएस, रेजिडेंट कमिश्नर, गुजरात भवन, नई दिल्ली ।
- सुश्री प्रीति सूदन, आईएएस, (सेवानिवृत्त)।
- श्री गौरी शंकर घोष, आईएएस, (सेवानिवृत्त)।
- श्री पी.के.मिश्रा, आईएएस, प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव।
- श्री ब्रिजेश पांडे, आईएएस, सचिव, वित्त विभाग, त्रिपुरा सरकार।
- सुश्री निधि श्रीवास्तव, आईएएस, उप सचिव, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- सुश्री शीतल वर्मा, आईएएस, निदेशक, जनगणना एवं नागरिक पंजीकरण, उत्तर प्रदेश।
- डॉ. हसमुख आढिया, आईएएस, (सेवानिवृत्त) माननीय चांसलर, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सुश्री खुशबू गोयल, आईएएस।
- श्री रतन पी. वातल, आईएएस, अध्यक्ष, सेंट्रल विस्टा ओवरसाइट कमेटी।
- डॉ. मिलिंद रामटेके, आईएएस, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के निजी सचिव, भारत सरकार ।
- श्री ध्रुवपाल गोदरा, पूर्व कप्तान, भारतीय पोलो टीम ।
- मेजर अमन सिंह, पोलो सचिव ।
- डॉ. श्याम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआरएमए ।
- डॉ. राकेश अरावतिया, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआरएमए ।
- डॉ. सुशांत सरमा, प्रोफेसर, आईआरएमए।
- डॉ. विवेक पांडे, प्रोफेसर, आईआरएमए ।
- डॉ. एच.के. मिश्रा, प्रोफेसर, आईआरएमए।
- डॉ. उमाकांत दाश, निदेशक, आईआरएमए।
- सुश्री जसप्रीत तलवार, आईएएस, प्रधान सचिव, जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, पंजाब सरकार।
- डॉ. माला रामनाथन, प्रोफेसर, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एससीटीआईएमएसटी), तिरुवनंतपुरम, केरल।
- डॉ. विलियम जॉय, सहायक प्रोफेसर, जनसंख्या अनुसंधान केंद्र (पीआरसी), आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली।
- श्री विशाल चौहान, आईएएस, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- श्री वसंत कुमार एन., आईएएस, कार्यकारी निदेशक, यूपीटीएसयू, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- डॉ. रवि प्रकाश, उप निदेशक, निगरानी, मूल्यांकन एवं संचालन अनुसंधान, यूपीटीएसयू, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ. रवि वर्मा, निदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वुमेन, नई दिल्ली।
- डॉ. शाजी के. इसाक, मेनेजिंग ट्रस्टी, इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट, बेंगलुरु ।
- डॉ. दरेज़ अहमद, आईएएस, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, तमिलनाडु ।
- डॉ. सौरभ दलाल, नेशनल प्रोफेशनल ऑफिसर, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत ।
- श्री कमलेश नीलकंठ व्यास, सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग, मुंबई।
- श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, अपर सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- सुश्री पल्का साहनी, आईएएस, रेजिडेंट कमिशनर, बिहार भवन, नई दिल्ली ।
- डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, कार्मिक, नियुक्ति एवं कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ।
- डॉ. अरबिंद कुमार पाढी, आईएएस, निदेशक, कंट्री रिलेशन्स एंड बिजनेस अफेयर्स, इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रोपिक्स, आईसीआरआईएसएटी, नई दिल्ली ।
- श्री सी. श्रीधर, आईएएस, प्रधानमंत्री के संयुक्त सचिव, भारत सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय ।
- श्री बिपुल हलोई, जगजीवन राम इनोवेटिव फार्मर अवार्डी, नलबाड़ी, असम ।
- सुश्री ट्रिनिटी साईओ, पद्म पुरस्कार विजेता, जैन्तिया हिल्स, मेघालय ।
- श्री एस.सी. थिमैया, जगजीवन राम इनोवेटिव फार्मर अवार्डी, कोडागु, कर्नाटक ।
- श्री टी.पुरुषोत्तम, जगजीवन राम इनोवेटिव फार्मर अवार्डी, कन्नूर, केरल।
- श्री राम शरण वर्मा, पद्म पुरस्कार विजेता, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।
- श्री भारत भूषण त्यागी, पद्म पुरस्कार विजेता, बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश ।
- श्री सुल्तान सिंह, पद्म पुरस्कार विजेता, करनाल, हरियाणा।
- सुश्री राज कुमारी देवी, पद्म पुरस्कार विजेता, मुजफ्फरपुर, बिहार ।
- श्री बटकृष्ण साहू, पद्म पुरस्कार विजेता, खुर्दा, ओडिशा।
- सुश्री राहीबाई सोमा पोपेरे, पद्म पुरस्कार विजेता, अहमदनगर, महाराष्ट्र।
- सुश्री माधुरी राज, गोपाल रत्न पुरस्कार विजेता, नंदगांव, छत्तीसगढ़।
- सुश्री अनु गर्ग, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग, ओडिशा सरकार।
- सुश्री एनाक्षी गांगुली, सह-संस्थापक और सलाहकार, एचएक्यू सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स, नई दिल्ली।
- डॉ. पूर्णिमा मेनन, सीनियर रिसर्च फेलो, आईएफपीआरआई।
- डॉ. संजय बी. प्रभु, वरिष्ठ यूनिसेफ सलाहकार।
- श्री डी. कृष्णा भास्कर, आईएएस, निदेशक (उद्योग), तेलंगाना सरकार।

- डॉ. रबी एन. साहू, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि भौतिकी प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली।
- सुश्री उमा महादेवन, आईएएस, प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग, कर्नाटक सरकार।
- श्री मनोज राजन, आईएफओएस, विशेष सचिव, फसल प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रसंस्करण कृषि विभाग, कर्नाटक सरकार।
- डॉ. पी.चंद्र शेखर, महानिदेशक, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद।
- श्री विकास चंद्र रस्तोगी, आईएएस, प्रधान सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, महाराष्ट्र सरकार।
- श्री एस.एम विजयानंद, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, केरल सरकार।
- सुश्री सौजन्या, आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड।
- डॉ. पी.सी. जाफ़र, आईएएस, सचिव (व्यय), वित्त विभाग, कर्नाटक सरकार।
- श्री विजय किरण आनंद, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।
- डॉ. रंजना अरोड़ा, प्रोफेसर, एनसीईआरटी, नई दिल्ली ।
- डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक, एनसीईआरटी एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा।
- श्री नलिन अतुल, आईएएस, परीक्षा नियंत्रक, कर्नाटक राज्य लोक सेवा आयोग, कर्नाटक।
- श्री ऋत्विक पात्रा, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, लखनऊ।
- श्री अजीत बालाजी जोशी, आईएएस, मुख्य प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण।
- सुश्री गायत्री वैद्य, अपर सीईओ, शैक्षिक पहल, गुजरात।
- डॉ. मिलिंद रामटेके, आईएएस, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के निजी सचिव, भारत सरकार।
- श्री अब्दाल अख्तर, आईएएस, कलेक्टर और डीएम, कोरापुट, ओडिशा ।
- श्री आर. गोपालकृष्णन, आईआरटीएस, महाप्रबंधक (डेटा एनालिटिक्स), सीआरआईएस, नई दिल्ली।
- श्री अरुणीश चावला, आईएएस, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, क्षमता विकास संस्थान, आईएमएफ।
- श्री मार्टिन शिंडर, उप प्रभाग प्रमुख, क्षमता विकास संस्थान, आईएमएफ।
- श्री भास्वर मुखोपाध्याय, उप निदेशक, एसएआरटीटीएसी, आईएमएफ़ ।
- डॉ. संगीता मिश्रा, निदेशक, योजना और निगरानी प्रभाग, मौद्रिक नीति विभाग, आरबीआई।
- श्री मुरली विश्वनाथन, प्रोफेसर, सीएमयू, ऑस्ट्रेलिया।
- डॉ. एमिल बोलोंगैटा, प्रोफेसर, सीएमयू, ऑस्ट्रेलिया।
- डॉ. ज़िग ज़ियार्स्की, प्रोफेसर, सीएमयू, ऑस्ट्रेलिया।
- सुश्री सरिता नारके, डिप्टी कलेक्टर, राजस्व विभाग, पुणे।
- श्री राजीव महर्षि, आईएएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, एनएसई आईएफएस, गिफ्ट सिटी गुजरात।
- थिरु डी. मणिकंदन, आईएएस, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, तमिलनाडु।

- प्रोफेसर सैमसन थॉमस, अंग्रेजी साहित्य विभाग, ईएफएलयू।
- प्रोफेसर एम.ई वेद शरण, अंग्रेजी साहित्य विभाग, ईएफएलयू।
- श्री अजॉय संयमथ, आईएएस, अपर सचिव, भूमि एवं भूमि सुधार और शरणार्थी एवं पुनर्वास विभाग, नबन्ना, पश्चिम बंगाल और टीम।
- सुश्री शीतल वर्मा, आईएएस, निदेशक, जनगणना एवं नागरिक पंजीकरण, लखनऊ, यूपी।
- डॉ. आदर्श सिंह, आईएएस, जिलाधिकारी, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।
- श्री जय सिंह, आईएएस, निदेशक, भू-अभिलेख एवं परिमाप, बिहार एवं टीम।
- श्री मुनीश मौदगिल, आईएएस, आयुक्त, सर्वेक्षण बंदोबस्त एवं भू-अभिलेख, कर्नाटक।
- श्री जीवन बाबू के., आईएएस, सामान्य शिक्षा निदेशक, जगती, तिरुवनंतपुरम।
- श्री राजीव शर्मा, आईएएस, आयुक्त शहडोल प्रभाग शहडोल, म.प्र. एवं टीम।
- डॉ. प्रशांत भोलानाथ नरनावरे, आईएएस, आयुक्त, समाज कल्याण, पुणे।
- श्री अवया कुमार नायक, ओएएस (एसएस) विशेष सचिव, एलआर एवं जीई (ए, बी और सी), और एलए (ए, बी और सी), राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, ओडिशा एवं टीम।
- श्री सिद्धार्थ जैन, आईएएस, आयुक्त, एसएस एवं एलआर, आंध्र प्रदेश सरकार।
- श्री. हरीत शुक्ला, आईएएस, सचिव (पर्यटन) गांधीनगर, गुजरात एवं टीम।
- श्री बी. ए. शाह, आईएएस, कलेक्टर, बोटाद, गुजरात।
- श्री पंकज, आईएएस, विशेष सचिव, वित्त विभाग, हरियाणा सरकार और टीम।
- थिरु एस. नागराजू, आईएएस, आयुक्त, भू-प्रशासन विभाग, चेन्नई।
- श्री शांतिमोय देबबर्मा, उप निदेशक, भूमि अभिलेख एवं बंदोबस्त निदेशालय अगरतला, त्रिपुरा और टीम।
- श्री विवेक भाटिया, आईएएस, निदेशक (ईएसओएमएसए) एससी, ओबी, अल्पसंख्यक कार्य और विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति सशक्तिकरण निदेशालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश।
- श्री के.के. शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त) और टीम।
- श्री अनंत जैन, आईएएस, अपर जिला मजिस्ट्रेट, नामची और टीम।
- श्री शौकत अहमद पैरी, आईएएस, उपायुक्त, बठिंडा एवं टीम।
- श्री के. मनिका राज, आईएएस, सचिव (आपदा प्रबंधन), राजस्व विभाग, तेलंगाना सरकार।
- श्री शांतनु पी. गोटमा, आईएएस, निदेशक, भू रिकॉर्ड और सर्वेक्षण, असम।
- श्री एस. चोकलिंगम, आईएएस, सेटलमेंट कमिश्नर एवं निदेशक, भू-अभिलेख, महाराष्ट्र।
- सुश्री वी. ललितालक्ष्मी, आईएएस, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कोलकाता।
- श्री मनीष कुमार, आईएएस, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, एसडीएम सदर, देहरादून।
- डॉ. शिवबाला.एस., आईएफएस, एसोसिएट प्रोफेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, न्यू फॉरेस्ट एफआरआई कैंपस- देहरादून।

- श्री संजीव गौड़, आईएफएस, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य महाप्रबंधक (योजना), महाराष्ट्र वन विकास निगम लिमिटेड।
- डॉ. कैरोलिन ब्रासार्ड, अड्जंक्ट एसिस्टेंट प्रोफेसर, ली कुआन यी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर।
- सुश्री अदिति सिंह, आईएएस, अपर आयुक्त, राज्य कर गौतमबुद्ध नगर ग्रेटर नोएडा।
- श्री भरत चुघ, पूर्व न्यायाधीश एवं अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय।
- डॉ. आरुषि जैन, एसोसिएट डायरेक्टर, भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद और टीम।
- प्रोफेसर अंजल प्रकाश, अनुसंधान निदेशक और एड्जंक्ट एसोसिएट प्रोफेसर, भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद और टीम।
- डॉ. प्रेम सिंह, सलाहकार, नीति आयोग, नई दिल्ली।
- डॉ. के. पी. कृष्णन, आईएएस, पूर्व सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और आईईपीएफ अध्यक्ष एवं प्रोफेसर, नियामक, नई दिल्ली।
- श्री ज्ञानेंद्र बड़गइयां, रेजिडेंट सीनियर फेलो, आईडीएफसी इंस्टीट्यूट।
- डॉ. मुकुल रायज़ादा, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली।
- श्री अशोक मीना, आईएएस, प्रधान सचिव, पंचायती राज एवं पेयजल विभाग, ओडिशा सरकार।
- श्री संदीप वर्मा, आईएएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम, जयपुर।
- श्री अमृत लाल मीना, विशेष सचिव, डीपीआईआईटी।
- सुश्री सुमिता डावरा, अपर सचिव, डीपीआईआईटी।
- सुश्री मनमीत के. नंदा, आईएएस, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी।
- सुश्री श्रुति सिंह, आईएएस, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी।
- डॉ. प्रीत दीप सिंह, इन्वेस्ट इंडिया।
- श्रीमती गीतू नित्यानंदन, लीड-सेंट्रल और स्टेट एंगेजमेंट्स, नीति और व्यापार विशेषज्ञ- ओडीओपी।
- श्री सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई, गुजरात।
- श्री हरकेश मित्तल, वरिष्ठ सलाहकार, ईडीआईआई, गुजरात ।
- श्री अमित के. द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रभारी, नीति विभाग ईडीआईआई, गुजरात।
- श्री मयंक उपाध्याय, प्रतिष्ठित विजिटिंग फैकल्टी, ईडीआईआई, गुजरात।
- श्री तरूण बेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, ईडीआईआई, गुजरात।
- डॉ. एम. अंगमुथु, आईएएस, अध्यक्ष, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री राजशेखर रेड्डी सीलम-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, श्रेष्ठ नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स, अहमदाबाद।
- श्री पंकज खंडेलवाल।

- श्री अमरजीत सिन्हा, आईएएस, सदस्य, पीईएसबी, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, दिल्ली।
- श्री सी.एस.महेश, निदेशक, अनाहत, चेन्नई।
- सुश्री जानकी वेंकट, वरिष्ठ सलाहकार, अनाहत, चेन्नई।
- डॉ. प्रेम चंद, सहायक प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली।
- डॉ. नीरज कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली।
- डॉ. रितु गुप्ता, प्रोफेसर, लॉ, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली।
- श्री सौरभ सुमन यादव, एसडीएम, मोतिहारी।
- श्री संजय जाजू, आईएएस, अपर सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय।
- श्री भूपेन्द्र जे. वासवदा, जल क्षेत्र सलाहकार एवं तकनीकी कानूनी विशेषज्ञ।
- डॉ. मुक्ता कुलकर्णी, प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन।
- डॉ. मुक्ता कुलकर्णी, प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर।
- डॉ. नेहारिका वोहरा, उप कुलपति, दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू)।
- श्री जी. मथी वथनन, आईएएस, प्रधान सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग, ओडिशा सरकार।
- डॉ. एल्बी जॉन वर्गीस, आईएएस, जिला कलेक्टर, तिरुवल्लुर जिला, तमिलनाडु।
- सुश्री अदिति गर्ग, आईएएस, उप सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार।
- डॉ. शालिनी नारायणन, स्वतंत्र मीडिया सलाहकार और प्रशिक्षक।
- श्री विजय अमृत कुलंगे, आईएएस, आयुक्त, भुवनेश्वर नगर निगम, ओडिशा।
- सुश्री शिखा शर्मा, संस्थापक, न्यूट्री हेल्थ और स्वास्थ्य विशेषज्ञ।
- श्री राजीव कुमार जैन, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन/वित्त एवं लेखा)।
- श्री कौशल राज शर्मा, आईएएस, जिलाधिकारी, वाराणसी।
- श्री शीर्षत कपिल अशोक, आईएएस, जिलाधिकारी, जिला पूर्वी चंपारण।
- सुश्री संजीव कुमार, आईडीएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व अपर रक्षा लेखा महानियंत्रक।
- सुश्री श्रेया गाडेपल्ली, संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, द अर्बन वर्क्स इंस्टीट्यूट, चेन्नई।
- श्री हिमांशु राय, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर।
- श्री कुणाल कुमार, आईएएस, संयुक्त सचिव (मिशन निदेशक स्मार्ट सिटीज़) नई दिल्ली।
- श्री राय महिमापत रे, आईएएस, उप सचिव (बीसी) एवं आईएमएफ, आर्थिक कार्य विभाग।
- श्री कपिल कौशिक, परियोजना प्रबंधक, एनआईसी ई-ऑफिस डिवीजन।
- श्री शारिक खान, परियोजना प्रबंधक, एनआईसी ई-ऑफिस डिवीजन।
- श्री रामधर सिंह, डिस्टिंग्विश यूनिवर्सिटी प्रोफेसर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय।
- श्री रंजीत कुमार, आईएएस, निदेशक, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली।
- श्री शशि कृष्णन, सीईओ, राष्ट्रीय पेंशन योजना ट्रस्ट, नई दिल्ली।
- श्री संजय डोंगरे, सीआईओ, यूटीआई रिटायरमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड।

- श्री नितिन जोशी - नेशनल हेड, गवर्नमेंट रिलेशन्स (एनपीएस), प्रोटेन ई-गवर्नमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड।
- श्री आशीष गुप्ता, आईपीएस, अपर महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल।

परिशिष्ट-1

आई.ए.एस. फेज़-I (2021 बैच) के प्रतिभागी

राज्य से प्रतिभागी	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	09	05	14
आंध्र प्रदेश	07	01	08
असम-मेघालय	05	04	09
बिहार	05	05	10
छत्तीसगढ़	03	00	03
गुजरात	07	02	09
हरियाणा	06	01	07
हिमाचल प्रदेश	02	01	03
झारखंड	06	01	07
कर्नाटक	06	02	08
केरल	06	02	08
मध्य प्रदेश	06	02	08
महाराष्ट्र	06	04	10
मणिपुर	01	00	01
ओडिशा	04	04	08
पंजाब	02	03	05
राजस्थान	05	01	06
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	01	01	02
सिक्किम	01	00	01
तमिलनाडु	06	07	13
त्रिपुरा	04	01	05
तेलंगाना	04	03	07
उत्तर प्रदेश	08	07	15
उत्तराखंड	01	02	03
पश्चिम बंगाल	10	03	13
कुल	**121**	**62**	**183**

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II (6 सप्ताह ऑनलाइन) (2019 बैच)

हालांकि फाउंडेशन कोर्स तथा फेज़-I में सैद्धांतिक संकल्पनाएँ समझाई जाती हैं और जिला प्रशिक्षण के दौरान बुनियादी स्तर की वास्तविकताओं का अध्ययन कराया जाता है, फेज़-II कोर्स देशभर से प्राप्त अनुभवों को बांटने का समय होता है जब प्रशिक्षु अधिकारी भारत के अलग-अलग जिलों से अकादमी में लौटते हैं। फेज़-II कोर्स की विषय वस्तु प्रशासन के मामलों को समझने के लिए जिला प्रशिक्षण में राज्य स्तर पर वर्ष-भर प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा ज्ञानार्जन को समेकित करने तथा जिलों के अनुभवों से अवगत कराने के लिए तैयार की गई है। इसके जरिए प्रशिक्षु अधिकारी अपने करिअर के आरंभिक वर्षों में आने वाली समस्याओं तथा परिस्थितियों से अवगत होते हैं।

(17 मई, 2021 से 25 जून, 2021)

कार्यक्रम का लक्ष्य/समूह	नवनियुक्त आई.ए.एस. प्रशिक्षु अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री मिलिंद रामटेके, उप निदेशक
एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक श्री नितेश झा, रीडर सुश्री मेजर दिशा पन्नू, उप निदेशक
समापन कार्यक्रम के दौरान संबोधन	डॉ. जीतेन्द्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय: कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन और परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अंतरिक्ष विभाग।
प्रतिभागियों की कुल संख्या	185 (179 प्रशिक्षु अधिकारी 2019 बैच, 2010 बैच से 01, 2017 बैच से 02 और आरबीसीएस से 03) (पुरुष- 127; महिला-58)

आई.ए.एस. फेज़-II (2018-2020 बैच) के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II में प्रशिक्षु अधिकारियों को व्यापक विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे पहले दस साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्यभार संभालने में सक्षम हो सकें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- **जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामूहिक अनुभवों के विश्लेषण और उसके विश्लेषण के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।**
- **कार्यालय एवं मानव संसाधन प्रबंधन के व्यावहारिक विषय पर बल।**
- **राजनीतिक संकल्पनाओं, अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी प्रणाली तथा विधि में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।**
- **प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में सुधार लाना।**
- **संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।**
- **नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उन पर अमल करना।**
- **श्रेष्ठ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं की जानकारी प्रदान करना।**
- **अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं पूर्ण तन्दरुस्ती को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।**
- **परिसर में सक्रिय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता की भावना विकसित करना।**

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-II में प्रशिक्षु अधिकारियों की प्रवृतियों, ज्ञान और कौशल को निखारने तथा प्रशिक्षु अधिकारियों में उनकी संभावनाओं को महसूस कराने का प्रयास किया जाता है। यह पाठ्यक्रम फाउंडेशन और आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज़-I से काफी अलग है जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासनिक सिद्धांत, आरंभिक दक्षताओं के बुनियादी ज्ञान तथा सरकारी स्कीमों और कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। इन 53 सप्ताह के कार्यक्रमों में प्रशिक्षु अधिकारियों को जिला प्रशासन के विभिन्न अत्याधुनिक पहलुओं के कार्यकरण का अनुभाव दिलाया गया और कार्यक्रम के डिजाइन तथा फेज़-II की संरचना पर प्रशिक्षु अधिकारियों से सुझाव मांगे गए तथा उनसे प्राप्त सुझावों के आधार पर कार्यक्रम का डिजाइन तैयार किया गया। इसमें समूह द्वारा किए गए उन सत्रों, परिचर्चाओं और सेमिनारों को शामिल किया गया जब उन्होंने मुख्य रूप से क्षेत्र में रहते हुए कमियों को चिह्नित किया था।

आईएएस 2019 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी के लिए आईएएस प्रोफेशनल पाठ्यक्रम, फेज़- II 17 मई से 25 जून, 2021 तक आयोजित किया गया। समूह में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 182 प्रशिक्षु अधिकारी और रॉयल भूटान सिविल सेवा के तीन प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे। इसमें कुल 58 महिला प्रशिक्षु अधिकारी (31%) हैं। कोविड की स्थिति के कारण, फेज़-II पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया।

आईएएस प्रोफेशनल पाठ्यक्रम फेज़-II छः सप्ताह का अल्पावधि कोर्स रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के कौशल को समेकित और विकसित करना है, जिसे वे जिला प्रशिक्षण के दौरान आत्मसात करते हैं और सीखते हैं। पाठ्यक्रम सहभागीतापूर्ण, इंटरैक्टिव और साथ ही विचारात्मक रखा गया ताकि प्रशिक्षु अधिकारी वो बातें लंबे समय तक समझ सकें जिसे उन्होंने 12 माह के जिला प्रशिक्षण के दौरान देखा, सीखा और आत्मसात किया।

फेज़-II पाठ्यक्रम को भारत सरकार द्वारा हाल ही में घोषित "सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम, मिशन कर्मयोगी" की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। तदनुसार, इस पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण दक्षताएँ अर्थात कार्यक्षेत्र का ज्ञान, व्यवहारिक और कार्यात्मक ज्ञान शामिल हैं।

व्यवहारिक दक्षताओं में निखार लाने के लिए, प्रशिक्षु अधिकारी रिफ्लेक्शन मॉड्यूल, निगोशिएशन और कम्यूनिकेशन मॉड्यूल, एथिक्स आदि जैसे मॉड्यूल का प्रशिक्षण लेते हैं। साथ ही यह पाठ्यक्रम सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों और असाइनमेंट पर प्रस्तुतियों का अवसर प्रदान करता है ताकि वे प्रस्तुतिकरण और पब्लिक स्पीकिंग के सॉफ्ट कौशल को अपनाएं और सीख सकें।

कार्यात्मक दक्षताओं को ध्यान में रखते हुए, पाठ्यक्रम में फील्ड स्तर के युवा आईएएस अधिकारियों के छः सेमिनार अर्थात एसडीओ/एसडीएम सेमिनार, सीईओ/सीडीओ जिला परिषद सेमिनार, सीईओ स्मार्ट सिटी सेमिनार, नगर आयुक्त सेमिनार, कलेक्टर (डीएम/डीसी) सेमिनार, एस्पिरेश्नल जिला सेमिनार आदि शामिल हैं। इन सेमिनारों में प्रशिक्षु अधिकारियों को उन फील्ड स्तर के प्रशासकों से सीखने का अवसर प्राप्त होता है, जिनकी भूमिका वे अपने फील्ड करियर के अगले 8-10 वर्षों में निभाते हैं।

कार्यक्षेत्र का ज्ञान प्रदान करने के लिए, पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सात-आठ अलग-अलग विकासात्मक मॉड्यूल जैसे स्वास्थ्य और पोषण, कृषि और सहकारिता, शिक्षा और ई-गवर्नेंस, ऊर्जा और पर्यावरण, सामाजिक समावेशन, शहरी विकास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं आजीविका, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन मॉड्यूल आदि शामिल हैं। प्रशिक्षु अधिकारी अपने आगामी 8-10 वर्षों के करियर के दौरान फील्ड प्रशासक के रूप में इन क्षेत्रों में कार्य करेंगे। प्रख्यात फील्ड अधिकारी जैसे कार्यरत कलेक्टर, सीईओ/सीडीओ, एसडीएम, नगर निगम आयुक्त, अन्य फील्ड अधिकारी आदि, जिन्होंने क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए हैं, उन्हें उपरोक्त विषयों पर सत्र लेने के लिए

आमंत्रित किया गया। मुख्यतः प्रधानमंत्री पुरस्कार विजेताओं और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को ही आमंत्रित किया जाता है ताकि वे प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए आदर्श बन सकें।

इसके अलावा, विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ता जैसे श्री सुरेश प्रभु, माननीय संसद सदस्य, कैबिनेट सचिव, श्री भास्कर खुल्बे, प्रधानमंत्री के सलाहकार, सचिव, डीओपीटी, सचिव, एमओएचयूए, सचिव, वित्तीय सेवाएँ, सचिव, महिला एवं बाल विकास, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, अपर सचिव एवं स्थापना अधिकारी, डीओपीटी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, भूटान में भारत के राजदूत, सीईओ, नीति आयोग, प्रोफेसर एस.वी. सुब्रमण्यम, प्रोफेसर, टी.एच. स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी यूएसए, श्री परमेश्वरन अय्यर, पूर्व सचिव, भारत सरकार और विश्व बैंक प्रमुख, श्री चंद्रमौली, पूर्व सचिव, भारत सरकार और फेलो, सरदार पटेल फेलोशिप, डॉ. संजीव चोपड़ा, पूर्व निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी आदि ने प्रशिक्षु अधिकारियों को विभिन्न विषयों पर संबोधित किया ताकि अपने राष्ट्र की संभावनाओं और सामर्थ्य के बारे में उनकी समग्र समझ और कार्यक्षेत्र के ज्ञान को बढ़ाया जा सके।

पैनल के प्रख्यात सदस्यों द्वारा भौगोलिक संकेतों और पूर्वोत्तर की संभावनाओं एवं सामर्थ्य पर पैनल चर्चा की गई। इसके अलावा, आंतरिक संकाय सदस्य ने सामान्य प्रशासन से संबंधित मुद्दों जैसे अनुशासनात्मक कार्यवाही, प्रशासनिक जांच, आचरण नियम आदि पर सत्र आयोजित किए। प्रख्यात बाह्य अतिथि संकाय सदस्यों द्वारा शोध निबंध रिपोर्ट का मूल्यांकन किया गया और शोध निबंध पर मौखिक परीक्षा भी ली गई।

सभी प्रशिक्षु अधिकारियों ने न्यायालय कार्य असाइनमेंट एवं अनुभव साझाकरण प्रस्तुतिकरण किए। इसके अलावा, सभी प्रशिक्षु अधिकारियों ने फेज़-II के दौरान दो शैक्षणिक असाइनमेंट जैसे राज्य में श्रेष्ठ कार्य और कोविड रणनीति संबंधी पेपर प्रस्तुत किए, जिनका आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा, आंतरिक भाषा संकाय सदस्यों ने भाषा असाइनमेंट पर मौखिक परीक्षा भी आयोजित कराई।

कोविड महामारी के कारण इस फेज़-II कोर्स में विदेश अध्ययन दौरे का आयोजन नहीं कराया गया। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सुबह की शारीरिक गतिविधि के रूप में प्रतिदिन सुबह ऑनलाइन योग अनिवार्य था। इसके अलावा, प्रशिक्षु अधिकारियों के विभिन्न क्लबों और सोसायटियों द्वारा कई ऑनलाइन पाठ्येतर गतिविधियाँ जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद, रुचि पर आधारित प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की गईं।

फेज़-II कोर्स में कोई भी परीक्षा आयोजित नहीं कराई गई। प्रशिक्षु अधिकारियों का समग्र मूल्यांकन जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रस्तुत विभिन्न असाइनमेंट के मूल्यांकन, फेज़-II के दौरान प्रस्तुत शैक्षणिक असाइनमेंट, शोध निबंध रिपोर्ट के मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा, भाषा असाइनमेंट के मूल्यांकन आदि के आधार पर किया गया। समय की पाबंदी और अनुशासन, सहकर्मी मूल्यांकन, पाठ्येतर गतिविधि भागीदारी, अनुभव साझाकरण प्रस्तुति और निदेशक के समग्र मूल्यांकन के लिए भी अंक दिए गए।

पाठ्यक्रम का डिज़ाइन ऐसे विषयों को शामिल करने के लिए किया गया जो उनकी सेवा के पहले 8 वर्षों में सार्थक, प्रासंगिक और उपयुक्त हों।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री दीपक खांडेकर, आईएएस, सचिव, डीओपीटी, भारत सरकार।
- श्री के. श्रीनिवास, आईएएस, ईओ एवं अपर सचिव, डीओपीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- डॉ. संजीव चोपड़ा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, लाल बहदुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ।
- श्री तेजवीर सिंह, आईएएस, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, पंजाब सरकार।
- श्री एन.के. सुधांशु, आईएएस, सेटलमैंट कमिशनर, पुणे।
- श्री एस. चोकलिंगम, आईएएस, महानिदेशक, यशदा, पुणे।
- डॉ. हरीश चंद्र कर्नाटक, वैज्ञानिक, एसएफ एवं प्रमुख, जीआईटी एवं डीएल, भारतीय रिमोट डेंसिंग संस्थान विभाग, देहरादून।
- डॉ. वी. थिरुप्पुगाज़, आईएएस, अपर सचिव (नीति एवं योजना) एनडीएमए।
- सुश्री चांदनी चंद्रन, आईएएस, एसडीएम, कंचनपुर, त्रिपुरा।
- श्री उकेश कुमार, आईएएस, एसडीएम, चिक्कोडी बेलगावी, कर्नाटक।
- श्री मनीष कुमार, आईएएस, एसडीएम, मसूरी देहरादून, उत्तराखंड।
- श्री अविनाश लवानिया, आईएएस, जिला कलेक्टर, भोपाल।
- सुश्री शालिनी अग्रवाल, आईएएस, कलेक्टर, वडोदरा, गुजरात।
- सुश्री हरिचंदना दसारी, आईएएस, कलेक्टर, नारायणपेटा, तेलंगाना।
- श्री राजेंद्र भरुड़, आईएएस, कलेक्टर, नंदुरबार, महाराष्ट्र।
- थिरु संदीप नंदूरी, आईएएस, तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु।
- श्री संदीप कुमार, आईएएस, कलेक्टर, दादरा और नगर हवेली (ए एंड एन)।
- श्री पवन यादव, आईएएस, उपायुक्त, चुराचांदपुर, मणिपुर।
- श्री उपेन्द्र त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, इंटरनेशनल सोलर अलायंस, गुरुग्राम।
- श्री सौरभ कुमार, कार्यकारी उपाध्यक्ष, एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड, नई दिल्ली।
- श्री सोनम वांगचुक, इनोवेटर, शिक्षक और संस्थापक निदेशक, एसईसीएमओएल, यूटी लद्दाख।
- डॉ. आर.एस. प्रवीण, आईपीएस, सचिव, समाज कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी, हैदराबाद।
- श्री अभय बेकरे, महानिदेशक, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, नई दिल्ली।
- श्री रणजीतसिंह दिसाले, शिक्षक (ग्लोबल टीचर अवार्ड 2020 के विजेता), सोलापुर महाराष्ट्र।

- सुश्री सौम्या गुप्ता, सचिव, शिक्षा, त्रिपुरा सरकार।
- श्री विजय किरन आनंद, आईएएस, विशेष सचिव, प्राथमिक शिक्षा विभाग, निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान एवं मध्याह्न भोजन, उत्तर प्रदेश सरकार।
- श्री आलोक मिश्रा, आईआईएस, उप महानिदेशक, नीति आयोग, नई दिल्ली।
- श्री रघुराज एम. राजेंद्रन, आईएएस, निदेशक, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली ।
- श्री संजीव कुमार चड्ढा, आईएफएस, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय कृषि सहकारी लिमिटेड, नई दिल्ली।
- श्री सुरेश प्रभु, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा), नई दिल्ली।
- श्री मीनेश शाह, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आनंद (गुजरात)।
- डॉ. प्रशांत नरनावरे, आईएएस, आयुक्त, समाज कल्याण विभाग, महाराष्ट्र सरकार।
- श्री योगेश कुम्भेजकर, आईएएस, सीईओ, जिला परिषद, नागपुर।
- श्री अरविन्द सिंह, आईएएस, सीडीओ, लखीमपुर खेरी, उत्तर प्रदेश।
- सुश्री मंजू, आईएएस, सीईओ, जिला परिषद, उदयपुर, राजस्थान।
- श्री सैकांत वर्मा, आईएएस, सीईओ, वाईएसआर कडपा जिला, आंध्र प्रदेश।
- डॉ. उमाकांत दास, निदेशक, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद, गुजरात।
- डॉ. विशाल आर., आईएएस, आयुक्त, कर्नाटक ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता, कर्नाटक सरकार, बैंगलुरु।
- सुश्री ज्योत्सना सिटलिंग, आईएफएस, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री मयूर दीक्षित, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, उत्तरकाशी, उत्तराखंड।
- श्री राम मोहन मिश्रा, आईएएस, सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री प्रियांक कानूनगो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली।
- श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली।
- श्री देबाशीष पांडा, आईएएस, सचिव (वित्तीय सेवाएँ), वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, संसद मार्ग, नई दिल्ली।
- श्री परमेश्वरन अय्यर, पूर्व सचिव, भारत सरकार और ग्लोबल लीड ऑन स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव, वॉटर ग्लोबल प्रेक्टिस, वर्ल्ड बैंक।
- श्री जी.टी. वेंकटेश्वर राव, आईआरएस, आयुक्त (इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलिवरी) और विशेष आयुक्त (ई-गवर्नेंस) और प्रबंध निदेशक, आईटीई एंड सी विभाग में तेलंगाना राज्य प्रौद्योगिकी सेवाएँ, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद।
- डॉ. राजेंद्र पैंसिया, आईएएस, उपाध्यक्ष, आगरा विकास प्राधिकरण, जयपुर हाउस, बिक्री कर कार्यालय के निकट, आगरा (यूपी)।

- डॉ. सिद्धार्थ शिव जयसवाल, आईएएस, नगर आयुक्त, अगरतला नगर निगम, सिटी सेंटर कॉम्प्लेक्स, पैराडाइज चौमुहानी, अगरतला।
- श्री अक्षय श्रीधर, आईएएस, नगर आयुक्त, मंगलुरु नगर निगम, कर्नाटक - 575004 ।
- सुश्री जी. सृजना, आईएएस, आयुक्त, ग्रेटर विशाखापटनम नगर निगम, जेल रोड, राम नगर, विशाखापटनम (आ.प्र.)।
- श्री गौरंग राठी, आईएएस, नगर आयुक्त, वाराणसी नगर निगम, वाराणसी (उ.प्र.)।
- श्री वी.आर. कृष्णा तेजा मायलावरपु, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्मार्ट सिटी तिरुवनंतपुरम लिमिटेड, चौथा तल, फेलिसिटी स्क्वायर बिल्डिंग, एजी कार्यालय के सामने, स्टेच्यू, तिरुवनंतपुरम।
- डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, आईएएस, डीएम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड, सात्विक टावर, 777, कौलागढ़ रोड, राजेंद्र नगर, देहरादून।
- श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, आईएएस, सचिव (एचयूए), आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली ।
- श्री अमृत अभिजात, आईएएस, संयुक्त सचिव (आवास) और मिशन निदेशक (एचएफए), आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
- श्री कुणाल कुमार, आईएएस, संयुक्त सचिव (एससी), आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
- सुश्री रितु सैन, आईएएस, निदेशक, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
- सुश्री गिट्टे किरणकुमार दिनकरराव, आईएएस, सचिव, शहरी विकास, उद्योग और पर्यटन, त्रिपुरा सरकार, अगरतला।
- श्री भास्कर खुल्बे, आईएएस (सेवानिवृत्त), प्रधानमंत्री के सलाहकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली।
- श्री प्रवीर कृष्ण, आईएएस, प्रबंध निदेशक, भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन संघ, एनसीयूआई बिल्डिंग, नई दिल्ली।
- श्री आर. चंद्र बाबू, कुलपति, केरल कृषि विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरा (केरल)।
- श्री डी.एस. चौहान, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)।
- डॉ. रजनी कांत, विशेषज्ञ, जीआई उत्पाद, वाराणसी।
- श्री अभिषेक सिंह, अध्यक्ष एवं सीईओ (अतिरिक्त प्रभार), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), तीसरा तल, कमरा नंबर-3015, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना, प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली।
- सुश्री रंजना चोपड़ा, आईएएस, प्रधान सचिव, एसटी और एससी विकास, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर (ओडिशा)।

- श्री राहुल बारहट, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक, जोधपुर, राजस्थान।
- श्री अजीत बालाजी जोशी, आईएएस, मुख्य प्रशासक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, एचएसवीपी कार्यालय परिसर, पंचकुला (हरियाणा)।
- डॉ. पोमा टुडू, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, कलेक्ट्रेट, नयागढ़ (ओडिशा)।
- सुश्री राजेश्वरी बी., आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, दुमका जिला, झारखंड।
- श्री देवांश यादव, आईएएस, उपायुक्त, चांगलांग जिला, अरुणाचल प्रदेश।
- श्री श्रीकांत बालासाहेब, आईएएस, डिप्टी कमिश्नर और सीईओ, लेह।
- श्री कपिल शीर्षत, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), बिहार ।
- श्री रवि कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संसद टीवी, नई दिल्ली।
- श्री के. मोसेस चैलई, आईएएस, सचिव, एनईसी, कमरा नंबर 403, प्रथम तल, उत्तर पूर्वी परिषद सचिवालय, नोंग्रिम हिल्स, शिलांग।
- श्री जे.के. सिन्हा, आईएएस, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और वित्त विभाग, त्रिपुरा सरकार, सचिवालय, अगरतला।
- सुश्री शशांक आला, आईएएस, उपायुक्त, उत्तरी डीएमसी, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली।
- डॉ. प्रियंका शुक्ला, आईएएस, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, रायपुर छत्तीसगढ़।
- श्री बी.पी. आचार्य, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, एमसीएचआरडीआई, हैदराबाद और विशेष मुख्य सचिव, जीएडी, तेलंगाना ।
- सुश्री वर्नाली डेका, आईएएस, सचिव और मिशन निदेशक एवं आयुक्त, असम कौशल विकास मिशन, असम सरकार, असम ।
- प्रोफेसर एस.वी. सुब्रमण्यन, पी.एच.डी., प्रोफेसर, जनसंख्या स्वास्थ्य और भूगोल, हावर्ड विश्वविद्यालय ।
- डॉ. अय्याज तम्बोली, आईएएस, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण एवं आयुक्त, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड, रायपुर (छत्तीसगढ़) ।
- श्री कनकीपति राजेश, आईएएस, कलेक्टर एवं डीएम, सुरेंद्र नगर, गुजरात ।
- श्री जेनु दीवान, आईएएस, प्रबंध निदेशक एवं पर्यटन आयुक्त, गुजरात सरकार, गुजरात ।
- श्री इकबाल सिंह चहल, आईएएस, नगर आयुक्त, ग्रेटर मुंबई नगर निगम, नगर प्रधान कार्यालय, महापालिका मार्ग, मुंबई ।
- श्री कपिल शीर्षक, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी, बिहार ।
- श्री राजीव गौबा, आईएएस, कैबिनेट सचिव, भारत सरकार।
- श्री अमिताभ कांत, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग, भारत सरकार।
- सुश्री रुचिरा कंबोज, आईएफएस, भूटान में भारत की राजदूत, भारतीय दूतावास, थिमू ।

- डॉ. सी. चंद्रमौली, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, डीओपीटी, भारत सरकार, (फेलो, सरदार पटेल फ़ेलोशिप, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी।

परिशिष्ट-3: आई.ए.एस. फेज़-II (2019 बैच) के प्रतिभागी

राज्य से प्रतिभागी	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	07	03	10
आंध्र प्रदेश	06	04	10
असम-मेघालय	05	03	08
बिहार	09	03	12
छत्तीसगढ़	03	02	05
गुजरात	07	01	08
हरियाणा	03	03	06
हिमाचल प्रदेश	04	01	05
जम्मू एवं कश्मीर	01	00	01
झारखंड	06	00	06
कर्नाटक	07	02	09
केरल	04	04	08
मध्य प्रदेश	07	03	10
महाराष्ट्र	06	04	10
मणिपुर	04	00	04
नागालैंड	00	00	00
ओडिशा	05	01	06
पंजाब	03	01	04
राजस्थान	05	02	07
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	03	00	03
सिक्किम	00	00	01
तमिलनाडु	06	03	09
त्रिपुरा	02	01	03
तेलंगाना	05	03	08
उत्तर प्रदेश	10	08	18
उत्तराखंड	03	00	03
पश्चिम बंगाल	06	06	12
कुल	**127**	**58**	**185**

96वां फाउंडेशन कोर्स (15 सप्ताह)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सेवाओं और रॉयल भूटान सेवा के नवनियुक्त प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ने प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम, फाउंडेशन कोर्स का आयोजन करती है।

फाउंडेशन कोर्स, जैसा कि इसके नाम से ही ज्ञात होता है, वह आधारशीला है जिस पर सरकार में सिविल सेवक के करियर का निर्माण किया जाता है। फाउंडेशन कोर्स सरकार में सिविल सेवक के औपचारिक आरंभ का प्रतीक है, जो हमारे राष्ट्र के लोगों की सेवा के लिए समर्पित जीवन की शुरुआत है। यह इस बात दर्शाता है कि सरकार कैसे कार्य करती है, इसे संचालित करने वाले मूल्य और लोकाचार क्या हैं, भारत जैसे विशाल जटिल और विविध देश के शासन में उत्पन्न होने वाली मुख्य चुनौतियाँ, अवसर और प्रतिक्रियाएँ क्या-क्या हैं। 96वां फाउंडेशन कोर्स 5 दिसंबर, 2021 से 17 मार्च, 2022 तक आयोजित किया गया था।

चूंकि प्रशिक्षु अधिकारी सरकार में नए हैं, अकादमी उन्हें सुनियोजित पाठ्यक्रम के माध्यम से राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों के वातावरण से परिचित कराना चाहती है। पंद्रह सप्ताह के इस लंबे फाउंडेशन कोर्स में भारतीय संघ सेवाओं से अधिक की 15 और रॉयल भूटान की तीन सेवाओं को शामिल किया गया, जिसमें सिविल सेवकों को नई शिक्षा और साहसिक कार्य, ग्रामीण भारत में गहन अनुभवों, रेजिलिएन्स, हमारी समृद्ध विरासत की विविधता और गहनता की जानकारी देने का प्रयास किया गया और हिमालय के पहाड़ों और घाटियों के बीच ट्रेक और केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया गया।

विधि से लेकर प्रबंधन, अर्थशास्त्र, आईसीटी, संप्रेषण, इतिहास, संस्कृति, राजनीति और लोक प्रशासन जैसे विषयों की विस्तृत श्रृंखला पर शैक्षणिक इनपुट भी दिए गए।

कार्यक्रम की तिथि	5 दिसंबर, 2021 से 17 मार्च, 2022 तक
कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाओं तथा विभिन्न केंद्रीय सेवाओं (समूह-क) (रॉयल भूटान सेवाओं सहित) के नए भर्ती अधिकारी
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती मोनिका धामी, उप निदेशक (वरि.)
एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री मिलिंद रामटेके, उप निदेशक श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर

	श्री नितेश झा, रीडर डॉ. सुनीता रानी, प्रोफेसर सुश्री अनुपम तलवार, सहायक निदेशक
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री (ऑनलाइन)
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल-488 (पुरुष अधिकारी- 332; महिला अधिकारी-156)

96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य

96वें फाउंडेशन कोर्स का उद्देश्य 488 युवा प्रशिक्षु अधिकारियों में अधिकारी-सदृश गुणों को विकसित करना था। फाउंडेशन कोर्स का मुख्य उद्देश्य देश की विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों में मैत्री-भाव को विकसित करना था। अकादमी ने रॉयल भूटान सिविल सेवा के अधिकारियों को भी 96वें फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की।

फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षु अधिकारियों को कॉलेज तथा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन से सरकार की व्यवस्थित प्रणाली में कार्य करने के लिए रूपांतरित किया जाता है। अधिकांश प्रतिभागियों के लिए यह पाठ्यक्रम सरकार और शासन एवं समाज में सरकार की भूमिका के बारे में पहला परिचय था। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से बनाई गई ताकि शैक्षणिक, बाह्य क्रियाकलाप, पाठ्येतर तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का समिश्रण करके रेखांकित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। अकादमी का उद्देश्य प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को उन आधारिक मूल्यों, कौशलताओं तथा ज्ञान से परिपूर्ण करना है जो उनके व्यवसाय में सहायक हों। उन्हें सरकारी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य-निष्पादन के लिए जरूरी, शासन की बुनियादी अवधारणाओं, नियमों तथा विनियमों को समझने में उपयोगी प्रशिक्षण समग्रियाँ उपलब्ध कराई गईं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- **प्रशिक्षु अधिकारियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृय की जानकारी देना।**
- **प्रशिक्षु अधिकारियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।**
- **प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक स्वास्थ्य तथा रूचियों का विकास करना।**
- **मैत्री-भाव विकसित करके विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के बीच अधिक समन्वय को बढ़ावा देना।**

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

96वें फाउंडेशन कोर्स में पाठ्यक्रम का डिज़ाइन कई मायनों में पहले कोर्स से काफी अलग है।

प्रथमतः यह काफी हद तक विषयगत, सप्ताहवार कोर्स है। प्रत्येक सप्ताह में एक केंद्रीय विचार/विषय होता है, जो प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को उस विषय को गहनता से समझने में सक्षम बनाता है। जर्नलिंग, से शुरू होने वाले पाठ्यक्रम डिजाइन में इन परिवर्तनों को समायोजित करने के लिए आकलन और मूल्यांकन मानदंडों को भी संशोधित किया गया और निबंध तथा मौखिक प्रस्तुति कोर्स के अंत में आयोजित की गई।

तदुपरान्त, पाठ्यक्रम के डिजाइन को 'मिशन कर्मयोगी' के सिद्धांतों के साथ जोड़ा गया और इनडोर कक्षा के अनुभवों को आउटडोर विजिट द्वारा उपयुक्त रूप से संतुलित किया गया, जिन्हें सचेत रूप से गहन और अनुभवात्मक बनाया गया।

फाउंडेशन कोर्स के 15 सप्ताहों में से लगभग पांच सप्ताह यात्रा, पर्यटन और अकादमी परिसर के बाहर कैंपिंग के होते हैं। उत्तर भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सामान्य से अधिक लंबे ग्रामीण दौरे (12 दिन) से लेकर गुजरात में अहमदाबाद से केवडिया तक आरंभ 3.0 के दस दिन से लेकर हिमालय ट्रेक के एक सप्ताह से अधिक समय तक आयोजित किए गए, इन सभी से न केवल बौद्धिक क्षमताओं को बढ़ाया और उसमें निखार लाया गया बल्कि गुणवत्ता, दृढ़ता, सहनशीलता, साझाकरण, सहानुभूति और समावेश जैसे गुणों का भी विकास हुआ है।

इस वर्ष पाठ्यक्रम डिज़ाइन में केंद्र बिन्दु और विशेषता के दो महत्वपूर्ण क्षेत्र थे। पहला संप्रेषण, मौखित और लिखित दोनों पर बल देना, और दूसरा फिटनेस पर बल देना है। कठोरता लाने के लिए इसे एक अनुशासन का रूप दिया गया और साथ ही इसकी ओर पर्याप्त अभ्यास और मूल्यांकन किया गया। इस मॉड्यूल को प्रदान करने के लिए विश्व भर से विशेषज्ञ एकत्रित हुए और इस मॉड्यूल का आयोजन पूरे फाउंडेशन कोर्स में किया गया और यही कोर्स का आधार भी बना।

केवल अनिवार्य भागीदारी ही नहीं बल्कि सामान्य से अधिक समय तक भागीदारी सुनिश्चित करके फिटनेस, खेलकूद और कल्याण की भावना पर बल दिया गया। पहली बार, कड़ाके की सर्दी के मौसम के कारण, खेलकूद और स्वस्थ रहने के लिए सुबह की पी.टी. को दोपहर, शाम के स्लॉट में बदल दिया गया। इसे कोर्स डिजाइन द्वारा पाठ्यक्रम संरचना में आवश्यक किया गया था चूंकि सभी शैक्षणिक/सत्र दोपहर के भोजन से पहले समाप्त हो जाएं ताकि प्रशिक्षुओं को उनकी पसंद की क्षेत्रीय गतिविधियों में स्वतंत्र रूप से भाग लेने में सक्षम बनाया जा सके।

इन सबके अलावा, 96वें फाउंडेशन कोर्स में भाग लेने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों के इस बैच को हमारी आजादी के ऐतिहासिक 75वें वर्ष का हिस्सा बनने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। हमने अकादमी में पूरे उत्साह और भावना के साथ आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम मनाया और सप्ताह में दो बार

सांस्कृतिक प्रदर्शन के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आयोजित किए, जिसका समापन भारत दिवस समारोह के रूप में हुआ।

शैक्षणिक इनपुट्स

इस पाठ्यक्रम में शैक्षिक इनपुट दिए गए, जिसमें लोक प्रशासन, प्रबंधन एवं व्यवहारपरक विज्ञान, विधि, प्रशासकों के लिए आधारभूत अर्थशास्त्र, राजनीतिक अवधारणा तथा संवैधानिक विधि, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त कक्षा से बाहर की गतिविधियों (शारीरिक प्रशिक्षण, योग कक्षाएं तथा घुड़सवारी) द्वारा पाठ्येतर इनपुट दिए गए जिनमें सांस्कृतिक गतिविधियां और पाठ्येतर मॉड्यूल शामिल थे।

प्रशिक्षु अधिकारियों को परार्मशदाताओं तथा अन्य संकाय सदस्यों के साथ मिलने तथा उनके आवास पर अनौपचारिक रूप से मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ये अनौपचारिक बैठकें अकादमी में प्रशिक्षु अधिकारियों के सामुदायिक जीवन का महत्वपूर्ण भाग समझी जाती हैं।

अकादमी में जो प्रशिक्षु अधिकारी विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्टता दिखाते हैं उन्हें मेडल एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है।

फाउंडेशन कोर्स के दौरान आयोजित मुख्य गतिविधियां:

ट्रेकिंग: हिमालयन ट्रेक (26 फरवरी 2022 से 4 मार्च 2022 तक) शाब्दिक और लाक्षणिक दोनों ही दृष्टि से फाउंडेशन कोर्स का मुख्य बिंदु है। यह प्रशिक्षु अधिकारियों को विशाल हिमालय की प्राकृतिक भव्यता और सुंदरता से परिचित कराता है। यह सर्वाधिक उत्साहवर्धक अनुभव प्रदान करता है। यह सक्रिय समूह का महत्वपूर्ण ज्ञानार्जन है और इससे नेतृत्व गुणों का विकास होता है। शक्तिशाली हिमालय किसी भी व्यक्ति में प्रकृति के प्रति सम्मान के साथ-साथ विनम्रता की भावना पैदा करता है जो उन्हें जानने का प्रयास करता है। यह सहनशक्ति और साहस की भी परीक्षा है।

ग्रामीण दौरा कार्यक्रम: किसी गाँव में मौजूद सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक स्थिति की गतिशीलता का आकलन करना।

- ग्रामीण लोगों, विशेषकर सामाजिक रूप से वंचित वर्गों और महिलाओं की समस्याओं को समझना।
- सरकारी और गैर-सरकारी हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप या समय बीतने के साथ-साथ गाँव में जीवन की गुणवत्ता के संदर्भ में हुए स्थानिक और लौकिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करना।
- भागीदारी और प्रभावशीलता के संदर्भ में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के विभिन्न ग्राम स्तरीय संस्थानों के कामकाज का मूल्यांकन करना।
- अपनी समस्याओं के जन-आधारित समाधान विकसित करने में ग्रामीणों से सीखने की आवश्यकता के महत्व को पहचानना।

- पारिस्थितिक असंतुलन और आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता के संबंध में गांव के भौतिक पर्यावरण का अध्ययन करना।

प्रशिक्षु अधिकारी 27 दिसंबर, 2021 से 8 जनवरी, 2022 तक उत्तर भारत के सीमावर्ती जिलों में ग्रामीण दौरे के लिए रवाना हुए। ग्रामीण दौरा फाउंडेशन कोर्स का एक प्रमुख घटक है, न केवल इसलिए कि यह प्रशिक्षु अधिकारियों को संरचित अध्ययन के माध्यम से ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं से अवगत कराता है बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह उन्हें गांवों में रहने और ग्रामीण आबादी के साथ गहन बातचीत करने और उनकी समस्याओं और प्राथमिकताओं को समझने और उनका मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान करता है। उन्हें दौरे के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करने के लिए डेटा संग्रह और विश्लेषण, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, सामाजिक क्षेत्र, गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका, पीआरए तकनीकों आदि पर इनपुट दिए गए। प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे उन्हें दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार गाँव में सर्वेक्षण करें।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने गांव में सफाई अभियान चलाया और स्वच्छ भारत मिशन का संदेश फैलाने की शपथ दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को अपने गांवों में स्वच्छता के लिए एक कार्य योजना तैयार करने में भी सहायता की। वित्तीय समावेशन और बैंकों से बेहतर सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण दौरे के दौरान जागरूकता अभियान का हिस्सा बनेगी।

वापस लौटने पर, प्रशिक्षु अधिकारियों गतिविधियों, निष्कर्षों और सिफारिशों की व्यक्तिगत और समूह रिपोर्ट प्रस्तुत की और समूह प्रस्तुतियाँ भी दीं, जिन्हें एकत्र किए गए डेटा और विश्लेषण की गुणवत्ता दोनों के आधार पर ग्रेड दिए गए। इसके अलावा, यह कार्य ग्रामीणों को अपने गांवों पर एक कार्य योजना तैयार करने में सहायक होगा।

प्रशिक्षु अधिकारियों में विविध रूचियों तथा पूर्ण विकसित व्यक्तित्व की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से शैक्षणिक विषयों के अलावा कौशल प्रदान करने के लिए दोपहर तथा शाम को पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

आरंभ 3.0

सिविल सेवकों को ट्रान्स्फ़ोर्मेशन का नेतृत्व करने तथा विभागों और क्षेत्रों में निर्बाध रूप से कार्य करने में सक्षम बनाने के विजन से कॉमन फाउंडेशन कोर्स (सीएफसी) को 'आरंभ' नाम दिया गया, जिसे वर्ष 2019 में 94वें फाउंडेशन कोर्स के भाग के रूप में शुरू किया गया था जिसमें ये सभी नवनियुक्त प्रशिक्षु अधिकारी विश्व स्तर के संस्थानों के विशेषज्ञों की सहायता से बदलती तकनीक और शासन के लिए इसकी संभावनाओं को समझने हेतु एक सप्ताह के लिए केवड़िया, गुजरात में एकत्रित हुए।

"आरंभ" के दौरान, वर्तमान संदर्भ में देश के लिए प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषय को प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा अभ्यास के तौर पर गहन समझ और विश्लेषण के लिए चयनित किया जाता है।

पिछले वर्ष, 95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान, अकादमी में "गवर्नेंस इन इंडिया@2047" विषय पर आरंभ 2.0 आयोजित किया गया और माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ ऑनलाइन बातचीत आयोजित की गई थी। इस वर्ष आरंभ 3.0 का आयोजन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवडिया में दिनांक 11 से 12 जनवरी, 2022 तक *"भारत को एक स्थायी 5 ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाना" विषय पर विचार-विमर्श और संवाद किया गया था।*

96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री।
- श्री गणेश सैली, लेखक और फोटोग्राफर।
- सुश्री अपर्णा कुमार, आईपीएस, उप महानिरीक्षक (डीआईजी), फ्रंटियर मुख्यालय आईटीबीपी, देहरादून ।
- डॉ. एस. आर. सरला, डीन (खेल विज्ञान), भारतीय खेल प्राधिकरण, एनएसएनआईएस, पटियाला।
- श्री धीरज, लीड, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग एक्स्पर्ट्स ।
- श्री रौनक कोठारी, लीड, व्यायाम फिजियोथेरेपिस्ट।
- श्री मदन पदाकी
- सुश्री चंदना टी. आर.
- सुश्री पारुल सिंह
- श्री मेघराज मंत्री
- श्री पोपटराव पवार, कार्यकारी निदेशक, आदर्श ग्राम कार्यक्रम, महाराष्ट्र राज्य सरकार ।
- श्री सत्यजीत भटकल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पन्नी फाउंडेशन ।
- श्री धरि जिंगरन, संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली ।
- श्री जावेद अहमद टाक, सी/ओ मानवता कल्याण संगठन जम्मू एवं कश्मीर ।
- डॉ. निधि विनायक, वरिष्ठ प्रबंधक, साक्षरता, नई दिल्ली।
- डॉ. पार्थजीत दास, निदेशक सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन ।
- सुश्री मेधावी, परियोजना समन्वयक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन।
- श्री अनुराग एंथनी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, शहरी प्रबंधन केंद्र।
- श्री जेरक्सेस राव, प्रमुख, शहरी नियोजन, शहरी प्रबंधन केंद्र।
- सुश्री मनविता बरादी, निदेशक, शहरी प्रबंधन केंद्र, अहमदाबाद ।
- डॉ. अरुण सिंह, सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ।
- श्री कनीनिक बराडी, शिक्षण सहायक ।

- सुश्री प्रेरणा सोमानी, शिक्षण सहायक ।
- श्री जय शाह, शिक्षण सहायक ।
- श्री शाश्वत सेठी, शिक्षण सहायक ।
- डॉ. नीता वर्मा, डी.जी. एनआईसी, नई दिल्ली ।
- श्री आर. एस. मणि, डीडीजी और एचओजी (नेटवर्क), एनआईसी, नई दिल्ली ।
- श्री पवन कुमार जोशी, डीडीजी और प्रमुख प्रौद्योगिकी सलाहकार समूह एनआईसी, नई दिल्ली ।
- डॉ. सीमा खन्ना, डीडीजी और एचओडी (मैसेजिंग और एसएमएस सेवा), एनआईसी, नई दिल्ली।
- डॉ. राजेश कुमार पाठक, डीडीजी और एचओडी (प्रशिक्षण), नई दिल्ली।
- श्री सुबोध कुमार जयसवाल, आईपीएस, निदेशक, सीबीआई, नई दिल्ली।
- श्री अजय भटनागर, आईपीएस, अपर निदेशक, सीबीआई, नई दिल्ली।
- श्री एन. मधुसूदन रेड्डी, आईपीएस, संयुक्त निदेशक, सरदार वल्लभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद।
- श्री सी. वामसी कृष्ण, आईपीएस, सहायक निदेशक, सरदार वल्लभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद।
- श्री श्रेयस जयसिम्हा, अधिवक्ता | आर्बिट्रेटर | मिडिएटर, आरना लॉ एलएलपी, बेंगलुरु।
- श्रीमती जसप्रीत तलवार, आईएएस, प्रधान सचिव, जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, पंजाब सरकार।
- माननीय श्री न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी, हैदराबाद।
- श्री रघुराज एम. राजेंद्रन, आईएएस, संयुक्त सचिव, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री सुहास लालिनाकेरे यतिराज, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।
- सुश्री मेघना मल्होत्रा, उप निदेशक, शहरी प्रबंधन केंद्र।
- श्री एन. मधुसूदन रेड्डी, आईपीएस, संयुक्त निदेशक, सरदार वल्लभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद।
- श्री सी. वामसी कृष्णा, आईपीएस, सहायक निदेशक, सरदार वल्लभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद।
- श्री रघुराज एम. राजेंद्रन, आईएएस, संयुक्त सचिव, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली।
- प्रो. (डॉ.) वाई.एस.आर. मूर्ति, कुलपति, आरवी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु।
- श्री राजीव जैन, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।
- श्री बी.के. सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त)।
- श्री विवेक कुमार सिंह, आईएएस, प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार, पटना।
- श्री रामकृष्णन कृष्णन, 29/6, मणिपल्लवम, बालकृष्ण रोड, वाल्मिकिनगर, तिरुवनमियार, चेन्नई।

- श्री कुशाग्र सिंह, ऑनरेरी डायरेक्टर लीगल एवं पीआर, एक्स्ट्रा-सी, बी-55, बुद्धा कॉलोनी, पटना।
- श्री वेंकटेश, सदस्य, एक्स्ट्रा-सी, एल/62, सावित्री सिंह लेन, श्रीकृष्ण नगर, पटना।
- श्री वीरेन रसकिन्हा, 3, यूनियन बिल्डिंग 37, जॉन बैपटिस्ट रोड बांद्रा, मुंबई।
- मेजर जनरल बी.के. शर्मा, एवीएसएम, एसएम एवं बार (सेवानिवृत्त), निदेशक यूएसआई द यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया राव तुला राम मार्ग (सिंगल्स एन्क्लेव के सामने) पोस्ट बैग नंबर 8, वसंत विहार पीओ, नई दिल्ली - 110057 ।
- लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम**, वाईएसएम, एसएम (सेवानिवृत्त)।
- लेफ्टिनेंट जनरल अरुण कुमार साहनी, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त)।
- लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) आर.एस. पंवार एवीएसएम और बार, एसएम, वीएसएम, (सेवानिवृत्त)।
- मेजर जनरल आर.पी.एस. भदौरिया, वीएसएम (सेवानिवृत्त), हेड सीएस3, यूएसआई ऑफ इंडिया।
- मेजर जनरल अरविंद भाटिया (सेवानिवृत्त) ।
- मेजर जनरल आरएस यादव, वीएसएम (सेवानिवृत्त)।
- लेफ्टिनेंट जनरल सुखदीप सांगवान, एवीएसएम, एसएम एवं बार (सेवानिवृत्त)।
- श्री अभिषेक सिंह, आईएएस, अध्यक्ष एवं सीईओ, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग, नई दिल्ली।
- श्री राकेश माहेश्वरी, वैज्ञानिक, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिविजन।
- सुश्री छुटनी महतो, पदमश्री, ग्राम बीरबांस, पोस्ट कोलाबीरा, जिला सरायकेला खरसवां, झारखंड।
- डॉ. रजनी कांत, पदमश्री, मकान नंबर एस 15/116, एसबीआई के पीछे मवैया, सारनाथ, वाराणसी।
- डॉ. नीरू कुमार, पद्मश्री, 13 ए/4, डब्ल्यूईए करोल बाग, नई दिल्ली।
- सुश्री सिताव्वा जोद्दाती, पद्मश्री, सीईओ, एमएएसएस, जिला बेलगाम, कर्नाटक।
- श्री श्याम सुन्दर पालीवाल, पद्मश्री, मकान नंबर 2, अरिहंत विहार, राजस्थान।
- श्रीमती जमुना टुडू, पद्मश्री, पोस्ट- चाकुलिया, ग्राम- कांक्रीशोल, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड।
- डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पद्म भूषण, हेस्को, ग्राम-शुक्लापुर, पोस्ट-अंबीवाला, देहरादून।
- श्री बिपिन गनत्रा, पद्मश्री, 27- निकट देबेंद्र मलिक स्ट्रीट मेडिकल ट्रॉपिकल, कोलकाता।
- श्रीमती उषा चौमर, पद्मश्री, नई दिशा, सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन, लाजपत नगर, अलवर-राजस्थान ।
- श्री बलबीर सिंह सीचवाल, पद्मश्री, गांव- सीचेवाल, पोस्ट- रूपेवाल, तहसील- शाहकोट, जिला- जालंधर, पंजाब।
- श्री तुषार मेहता, भारत के सॉलिसिटर जनरल, नई दिल्ली।
- श्री के.एस. समरेंद्र नाथ, पूर्व निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री सोनमनी बोरा, आईएएस, संयुक्त सचिव, भूमि संसाधन विभाग, कृषि भवन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली - 110001

- सुश्री रचना श्रीवास्तव, उप महानिदेशक (वैज्ञानिक-जी), एचओजी ई-ऑफिस प्रोजेक्ट डिवीजन, एनआईसी, नई दिल्ली।
- श्री कपिल कुमार शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक (वैज्ञानिक-एफ), एचओजी ई-ऑफिस प्रोजेक्ट डिवीजन, एनआईसी, नई दिल्ली।
- श्री हरप्रीत सिंह, आईएएस, महानिदेशक (एफएसी), डॉ. एमसीआरएचआरडीआई, तेलंगाना।
- श्री बिवाश पांडव, निदेशक बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुंबई ।
- श्री के. तिरुपथैया, आईएफएस (सेवानिवृत्त)।
- श्री अतुल करवाल, आईपीएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, नई दिल्ली।
- सुश्री मानसी निम्भल, आईएएस, मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उड़ीसा।
- सुश्री शनमुगा प्रिया, आईएएस, आयुक्त, कौशल विकास, म.प्र.।
- श्री दीपेंद्र सिंह कुशवाह, आईएएस, आयुक्तालय, कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता, मुंबई।
- श्री चिंतन वैष्णव, निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम)।
- श्री सुनील दाढे, आईएएएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय लेखापरीक्षा एवं लेखा अकादमी, शिमला, हिमाचल प्रदेश।
- सुश्री विधु सूद, आईएएएस
- श्री कंदर्प वी. पटेल, आईएएएस, निदेशक, नेशनल एकेडमी ऑफ ऑडिट एंड अकाउंट्स, चौड़ा मैदान, शिमला।
- श्री मंसूर एच. खान, आईडीएएस, एकीकृत वित्तीय सलाहकार (पूंजी), भारतीय नौसेना, आईएचक्यू (नौसेना), रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री राम कुमार ककानी, प्रोफेसर, वित्त, लेखा एवं नियंत्रण, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड।
- श्री प्रवींद्र यादव, प्रधान महालेखाकार, लेखापरीक्षा, उत्तराखंड, कौलागढ़, देहरादून।
- डॉ. सीमा खन्ना, उप महानिदेशक (वैज्ञानिक-जी), एचओडी मैसेजिंग और एसएमएस सेवा, नई दिल्ली।
- श्री पवन कुमार जोशी, उप महानिदेशक (वैज्ञानिक-जी), प्रमुख, तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी), एनआईसी, नई दिल्ली।
- श्री जॉयदीप शोम, उप महानिदेशक (वैज्ञानिक-जी), एचओडी, सड़क परिवहन और राजमार्ग सूचना विज्ञान, एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली।
- श्री बी वेंकट रेड्डी, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक (वैज्ञानिक-एफ), तेलंगाना राज्य केंद्र, हैदराबाद।
- सुश्री पी. वी. सिंधु, ओलंपिक पदक विजेता, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी।
- श्री स्टीफन ऑल्टर, लेखक, लंढौर, मसूरी।
- सुश्री मेघा प्रधान, एसोसिएट निदेशक, जे-पाल, दक्षिण एशिया।
- श्री सी. चंद्रमौली, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, डीओपीटी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, नई दिल्ली।

- श्री प्रवीण सिंह परदेशी, आईएएस, वैश्विक कार्यक्रम समन्वयक, द डिफीट-एनसीडी पार्टनरशिप, (यूएनआईटीएआर), जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
- सुश्री आरती रामास्वामी, शतरंज ग्रैंड मास्टर, शतरंज गुरुकुल।
- श्री आर. बी. रमेश, शतरंज ग्रैंड मास्टर, शतरंज गुरुकुल।
- श्री हर्ष ए. पोद्दा, भारतीय पुलिस सेवा, महाराष्ट्र।
- श्री देवरंजन मिश्रा, आईआरएस, उप निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय, नई दिल्ली।
- श्री राघव गुप्ता, आईआरएस, संयुक्त आयुक्त, आयकर (बेनामी निषेध)।
- श्री रोहित राजबीर सिंह, आईपीएस, डीसीपी, दिल्ली।
- श्री कर्ण सत्यार्थी, आईएएस, उप विकास आयुक्त एवं जिला परिषद, गुमला, झारखंड।
- श्री अरुणीश चावला, आईएएस, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, आईएमएफ, वाशिंगटन, डीसी।
- श्री भवर मुखोपाध्याय, उप निदेशक, एसएआरटीटीएसी, आईएमएफ, नई दिल्ली।
- श्री सौविक दत्ता, सहायक प्रोफेसर।
- सुश्री सौदामिनी दास, प्रोफेसर।
- श्री सिद्धार्थ राठौड़, सहायक प्रोफेसर।
- सुश्री ओइंड्रिला डे, सहायक प्रोफेसर।
- श्री विवेक कुमार सिंह, आईएएस, प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार, पटना।
- श्री वेंकटेश, सदस्य, एक्स्ट्रा-सी, एल/62, सावित्री सिंह लेन, श्रीकृष्ण नगर, पटना।
- श्री एलन कोवेल, शिक्षक, डॉन बॉस्को अकादमी।
- सुश्री प्रतिमा सिंह, स्वर्ण पदक एवं स्वर्ण पदक विजेता, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री आकांक्षा सिंह, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री दिव्या सिंह, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री प्रशांति सिंह, पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री प्रेरणा डांगी, पर्वतारोही, रॉक क्लाइंबर।
- डॉ. हिताषी लोमश, फैकल्टी, सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस, नई दिल्ली।
- डॉ. प्रेम सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), सलाहकार, नीति आयोग, नीति भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
- सुश्री निधि शर्मा, आईआरएस, सीआईटी (सतर्कता) केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, उत्तरी दिल्ली।
- सुश्री तुलसी मद्दिनेनी, आईएएस, विशेष आयुक्त (वित्त) ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिका एन.आर. स्क्वायर, बेंगलुरु, कर्नाटक-56002
- श्री अमर के.जे.आर. नायक, प्रोफेसर, स्ट्रेटेजी रूम #130 जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एक्सआईएम चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओडिशा-751013
- श्री एपीएम मोहम्मद हनीश, आईएएस, सरकार के प्रधान सचिव, खेल और युवा कार्य विभाग कमरा नंबर 138, द्वितीय तल, नॉर्थ ब्लॉक, सचिवालय केरल।

- श्री रघुराज राजेंद्रन, आईएएस, संयुक्त सचिव विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री मनोज वी. नायर, आईएफओएस, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और निदेशक, नंदनकानन जैविक उद्यान, प्रधान सीसीएफ (डब्ल्यूएल) और सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू, ओडिशा भुवनेश्वर।
- श्री मंसूर एच. खान, आईडीएएस, एकीकृत वित्तीय सलाहकार (पूंजी) भारतीय नौसेना, आईएचक्यू (नौसेना) रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री प्रवीण कुमार सिन्हा, आईपीएस, एडीजीपी, जेल, पंजाब पुलिस।
- श्री आलोक मिश्रा, आईआईएस, उप महानिदेशक विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) नीति आयोग, नई दिल्ली।
- श्री राम कुमार ककानी, प्रोफेसर, वित्त लेखांकन और नियंत्रण भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड, केरल।
- श्री एन.के. सुधांशु, आईएएस, बंदोबस्त आयुक्त और निदेशक, भू- अभिलेख पुणे ।
- श्री निशांत वारवड़े, आईएएस, आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा एवं पदेन सचिव, मध्य प्रदेश सरकार।
- डॉ. अमित कुमार जैन, आईआरटीएस, महाप्रबंधक, रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।
- श्री मनोहर आरकोट।
- सुश्री सौजन्या, सीईओ, उत्तराखंड।
- सुश्री प्रतिमा सिंह, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री आकांक्षा सिंह, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- श्री दिव्या सिंह, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री प्रशांति, बास्केट बॉल खिलाड़ी।
- सुश्री प्रेरणा दांगी, पर्वतारोही और रॉक क्लाइम्बर।
- माननीय न्यायमूर्ति एम.एन वेंकटचलैया, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और अध्यक्ष, संविधान के कामकाज की समीक्षा हेतु।
- डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम, संस्थापक, स्वामी विवेकानन्द युवा आंदोलन (एसवीवाईएम) ।
- श्री मृदु पवन दास, संयुक्त सचिव, सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस)।
- डॉ. सुमित सेठ, संयुक्त सचिव (नीति नियोजन एवं अनुसंधान)।
- श्री अनिकेत मांडवगणे, निदेशक (पूर्वी एशिया)।
- श्री सुजान चिनॉय, महानिदेशक, मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान।
- श्री टीसीए राघवन, पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त।
- लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गिरीश कुमार, सलाहकार (नीति योजना एवं अनुसंधान), विदेश मंत्रालय।
- सुश्री स्मिता पंत, संयुक्त सचिव (बांग्लादेश और म्यांमार)।

- श्री राजीव भाटिया, म्यांमार में भारत के पूर्व राजदूत ।
- श्री अनुराग श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (उत्तर), विदेश मंत्रालय ।
- श्रीमती प्रीति सरन, सचिव (सेवानिवृत्त), ईस्ट ।
- श्री वाई.के. सिन्हा, मुख्य सूचना आयुक्त एवं श्रीलंका में भारत के पूर्व उच्चायुक्त ।
- मेजर जनरल जी. एस. चौधरी, वीएसएम ।
- श्री जुनैद कमाल अहमद, कंट्री डायरेक्टर विश्व बैंक-भारत ।
- डॉ. के. पी. कृष्णन, पूर्व सचिव, भारत सरकार और नियामक अर्थशास्त्र में आईईपीएफ के चेयर प्रोफेसर) बंगला नंबर 113, न्यू मोती बाग, नई दिल्ली ।
- एमिलिया स्क्रोक, सीनियर कंट्री इकोनोमिस्ट, विश्व बैंक ।
- श्री दीपक मिश्रा, निदेशक और मुख्य कार्यकारी, आईसीआरआईईआर (भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद) (पूर्व विश्व बैंक)।
- श्री सब्यसाची का, आरबीआई अध्यक्ष, आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी)।
- डॉ. अनुप वधावन, पूर्व वाणिज्य सचिव, भारत सरकार।
- श्री हेमांग जनी, सचिव, क्षमता निर्माण आयोग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग।
- श्री अजीत पई, प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, अर्थशास्त्र एवं वित्त, नीति आयोग ।
- श्री विनायक चटर्जी, अध्यक्ष, सीआईआई राष्ट्रीय अवसंरचना परिषद ।
- श्री शिवसुब्रमण्यम रमन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
- श्री आदर्श कुमार, वरिष्ठ परिचालन अधिकारी, विश्व बैंक ।
- सुश्री गीता गोयल, कंट्री डायरेक्टर, माइकल एंड सुज़ैन डेल फाउंडेशन इंडिया, एलएलपी ।
- श्री रमेश धरमजी, पूर्व सीजीएम, एसआईडीबीआई ।
- श्री अरमाने गिरिधर, सचिव, एमओआरटीएच अध्यक्ष, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण।
- श्री अर्नब बंद्योपाध्याय, प्रमुख, परिवहन विशेषज्ञ, परिवहन और आईसीटी, विश्व बैंक ।
- श्री पीयूष कुमार, संयुक्त. सचिव, डीईए ।
- श्री शंकर मारुवाड़ा, सीईओ एक स्टेप फाउंडेशन, कोरम, नंबर 85, 7वां क्रॉस, चौथा ब्लॉक, कोरमंगला, बैंगलोर - 560034, कर्नाटक, ।
- सुश्री रुक्मणि बनर्जी, सीईओ, प्रथम ।
- सुश्री शबनम सिन्हा, प्रमुख, शिक्षा विशेषज्ञ, विश्व बैंक ।
- श्री मनीष गर्ग, संयुक्त सचिव (समग्र शिक्षा-II) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ।
- श्री अतुल कुमार तिवारी, अपर सचिव, कौशल विकास मंत्रालय डीजी (प्रशिक्षण) डीजीटी, भारत सरकार (अतिरिक्त प्रभार) ।
- श्री अरुणकुमार पिल्लई, चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी)।
- श्री अचिम शमिलन, प्रैक्टिस लीडर, विश्व बैंक ।

- श्री राम सेवक शर्मा, सीईओ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ।
- श्री पंकज रमनभाई पटेल, अध्यक्ष, साइडस कैडिला।
- कैमिला होल्मेमो, प्रैक्टिस लीडर, विश्व बैंक ।
- श्री विकासशील, अपर सचिव, मिशन निदेशक ।
- श्री सौरभ गर्ग, सीईओ, यूआईडीएआई ।
- सुश्री श्रा यना भट्टाचार्य, एसएआर - सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम, विश्व बैंक ।
- श्री अरुण शर्मा, निदेशक, डीबीटी मिशन।
- सुश्री शिल्पा कुमार, पार्टनर, ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया ।
- श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग ।
- श्री मनु श्रीवास्तव, सदस्य, राजस्व मंडल, ग्वालियर, म.प्र ।
- मोहुआ मुखर्जी, सौर ऊर्जा विशेषज्ञ, सलाहकार स्मार्ट ग्रिड फोरम ।
- श्री सौरभ कुमार, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, ईईएसएल ।
- सुश्री मणि खुराना, वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ, विश्व बैंक ।
- श्री सुधेंदु जे. सिन्हा, सलाहकार, इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी वर्टिकल, नीति आयोग ।
- श्री कुणाल कुमार, संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (स्मार्ट सिटी मिशन), आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ।
- सुश्री श्रेया गडपल्ली, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक दक्षिण एशिया, परिवहन और विकास नीति संस्थान (आईटीडीपी) चेन्नई संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, द अर्बन वर्क्स इंस्टीट्यूट ।
- गेराल्ड पॉल ओलिवियर, प्रमुख परिवहन विशेषज्ञ, एसएआर ।
- डॉ. अरबिंद कुमार पाढी, निदेशक, कंट्री रिलेशन्स और बिजनेस अफेयर्स, आईसीआरआईएसएटी, नई दिल्ली।
- एंड्र्यू गुडलैंड, प्रमुख कृषि विशेषज्ञ, एसएआर - कृषि और खाद्य, विश्व बैंक ।
- डॉ. बांदी वेंकटेश्वरलू, पूर्व निदेशक, सीआरआईडीए (आईसीएआर) पूर्व कुलपति, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, परभणी ।
- श्री जी. अशोक कुमार, अपर निदेशक और मिशन निदेशक राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग।
- डॉ. तुषार शाह, प्रोफेसर एमेरिटस, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद 388001, गुजरात,।
- डॉ. हिमांशु कुलकर्णी, संस्थापक ट्रस्टी और कार्यकारी निदेशक, उन्नत जल संसाधन विकास और प्रबंधन केंद्र (एसीडबल्यूएडीएएम)
- डॉ. हसमुख अधिया, माननीय चांसलर, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव और राजस्व सचिव, भारत सरकार)।
- सुश्री रश्मि चौधरी, अपर सचिव, डीओपीटी।

- मेजर जनरल गुरप्रीत सिंह चौधरी, वीएसएम।

96वां फाउंडेशन कोर्स - उद्घाटन समारोह

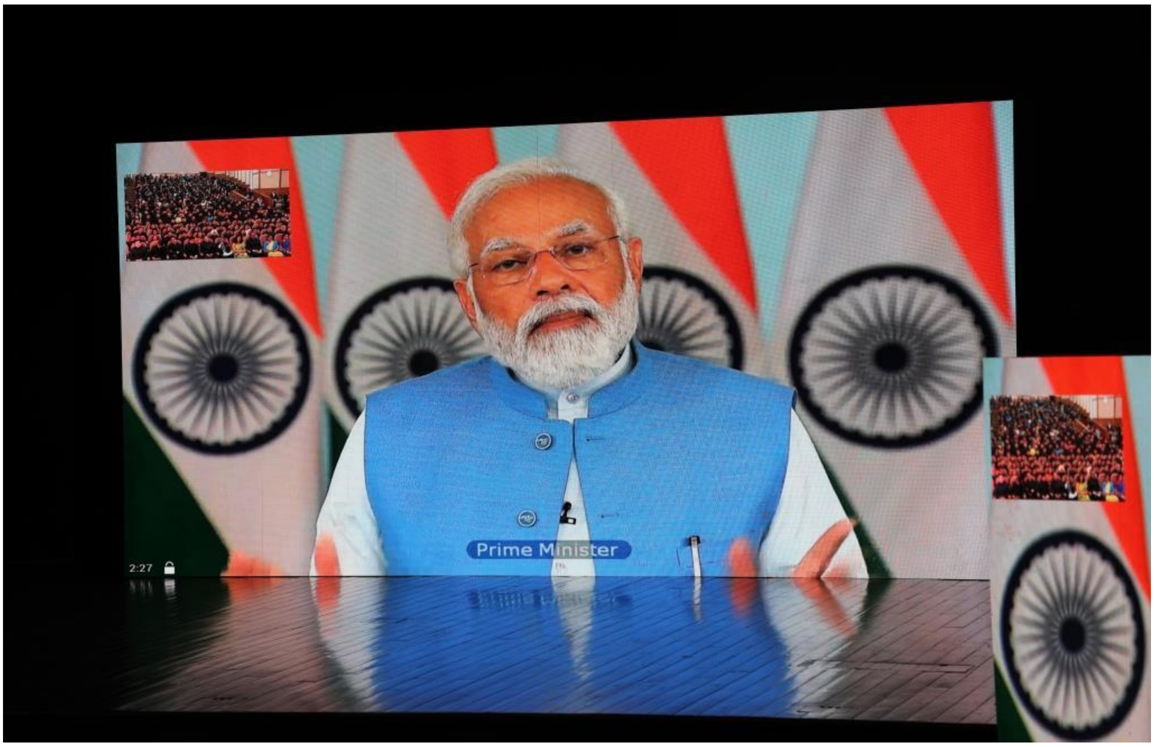

समापन समारोह

परिशिष्ट-1: 96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी

सेवा-वार विवरण

सेवा	**पुरूष**	**महिला**	**कुल**
भारतीय प्रशासनिक सेवा	118	60	178
इंडियन ऑडिट्स एवं अकाउंट्स सर्विस	05	03	08
इंडियन सिविल अकाउंट्स सर्विस	05	01	06
इंडियन कॉरपोरेट लॉ सर्विस	01	00	01
इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस	07	06	13
इंडियन डिफेंस एस्टेट सर्विस	01	00	01
भारतीय विदेश सेवा	19	14	33
भारतीय वन सेवा	38	08	46
भारतीय सूचना सेवा	06	03	09
इंडियन पी एंड टी अकाउंट्स एंड फाइनेंस सर्विस	04	00	04
भारतीय पुलिस सेवा	83	28	111
भारतीय डाक सेवा	05	03	08
इंडियन रेलवे प्रोटेक्शन सर्विस	02	00	02
भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम एंड सेन्ट्रल एक्साइज)	14	08	22
भारतीय राजस्व सेवा (आई टी)	15	19	34
भारतीय व्यापार सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान सिविल सेवा	01	01	02
रॉयल भूटान वन सेवा	01	01	02
रॉयल भूटान पुलिस सेवा	05	01	06
कुल योग	332	156	488

2020 बैच का जिला प्रशिक्षण (53 सप्ताह)

जिला प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को जिला स्तर पर संपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना है। सभी राज्यों के अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं तथा तदनुसार, प्रशिक्षण की विभिन्न अटैचमेंट्स के लिए समय अवधि अलग-अलग हो सकती है। परंतु इन अटैचमेंट्स के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारी कलेक्टरेट के कार्य, राजस्व प्रशासन की प्रक्रियाओं, कार्यकारी मजिस्ट्रेट की भूमिका, केंद्र और राज्य प्रायोजित विभिन्न विकास योजनाओं और कार्यक्रमों, पुलिस तथा वन प्रशासन, अदालती कार्य तथा अन्य जिला स्तरीय विभागों के कार्यों से परिचित होते हैं। यद्यपि, अटैचमेंट्स की अवधि तथा निर्धारित कार्य की प्रकृति प्रत्येक राज्य में अलग-अलग हो सकती है, तथापि ये प्रशिक्षु अधिकारियों के फील्ड प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित कार्यों की जानकारी प्राप्त करने में उपयोगी है।

- जिले में विभिन्न कार्यालयों तथा विभागों के साथ अटैचमेंट्स
- प्रशिक्षु अधिकारियों को स्वतंत्र प्रभार
- राज्य प्रशिक्षण संस्थान के साथ अटैचमेंट
- राज्य सचिवालय के साथ अटैचमेंट

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए जिला प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विभाग/यूनिट के साथ अटैचमेंट के दौरान निम्नलिखित विषयों को समझने का अवसर प्राप्त करना

- विभाग में संगठनात्मक संरचना, भूमिकाएं तथा दायित्व
- विभाग को शासित करने वाले अधिनियमों एवं नियमों की बुनियादी जानकारी
- कार्यालय प्रक्रियाएं-फाइल, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन की पद्धति को समझना, कार्यालय आदेश को तैयार करना तथा फाइल का संचलन
- बजट एवं लेखापरीक्षा-संसाधन आवंटन की प्रक्रिया, व्यय के दिशानिर्देश, अधिकारियों के पास निहित वित्तीय शक्तियों और लेखापरीक्षा की प्रक्रिया और उसकी क्रम व्यवस्था को समझना
- कार्यक्रम कार्यान्वयन, मॉनिटरिंग तथा रिपोर्ट की पद्धति

जिला प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को निम्नलिखित कार्यों को भी समझना होता है:

- दो माह में एक बार अर्ध शासकीय (अ.शा.) पत्रों का मसौदा तैयार करना
- ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट एवं भू-राजस्व असाइनमेंट
- तहसीलदार सर्वेक्षण असाइनमेंट

- ईंट भट्ठा असाइनमेंट/प्रवासी श्रम असाइनमेंट/भौगोलिक संकेत असाइनमेंट
- अकादमी द्वारा सौंपे गए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर शोध निबंध रिपोर्ट
- अदालती कार्य असाइनमेंट
- भाषा असाइनमेंट

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मिड-करियर कार्यक्रम

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए करियर के मध्य में अनिवार्य तथा व्यवस्थित प्रशिक्षण हेतु वर्ष 2007 में मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) की शुरुआत की गई। एमसीटीपी का उद्देश्य अधिकारियों को उनके करिअर के उच्च स्तर के विशिष्ट दायित्वों को संभालने के लिए तैयार करना है, जो मुख्यत: क्षेत्र में (7-9 वर्ष), नीति निर्माण स्तर पर (15-18 वर्ष) तथा अंत: क्षेत्रीय नीति निर्माण और कार्यान्वयन स्तर (27-28 वर्ष) में कार्य कर रहे होते हैं। ये तीन स्तर क्रमशः फ़ेज-III, IV तथा V हैं। पहले तीन में इन कार्यक्रमों को मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्थानों को आउट सोर्स के माध्यम से चलाया गया था। हालांकि वर्ष 2010 से, अकादमी के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तथा उसके संचालन के अधिदेश में सरकार द्वारा समीक्षा की गई तथा उसकी अवधि कम कर दी गई। संशोधित कार्यक्रम निम्नानुसार है: फ़ेज-III (सप्ताह), फ़ेज-IV (एक सप्ताह के विदेश अध्ययन दौरे सहित 4 सप्ताह) और फ़ेज- V (3 सप्ताह)।

एमसीटीपी के फेज़-IV का 15वाँ दौर (4 सप्ताह)

लक्ष्य

14 से 16 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को नीति निर्माण और बेहतर कार्यान्वयन में प्रभावी परिवर्तन लाने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- लोक नीति और शासन में राजनीतिक अर्थव्यवस्था और संस्थानों की भूमिका को समझना;
- लोक नीति निर्माण, विश्लेषण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना;
- नीतिगत समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और हल करने के लिए नीति विश्लेषण के उपकरण को लागू करना; और
- व्यक्तिगत नेतृत्व, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बातचीत कौशल को मजबूत बनाना।

पाठ्यक्रम की सप्ताहवार रूपरेखा

 इनपुट निम्नलिखित पर आधारित

- ❖ पिछले तीन वर्षों की पाठ्यक्रम समाप्ति रिपोर्टें, और
- ❖ पिछले तीन पाठ्यक्रमों की सत्रवार फीडबैक

 प्रतिभागियों के अनुभव और ज्ञान में वृद्धि

 सत्रों को इंटरैक्टिव और सहभागी बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया

 अधिक रणनीतिक और वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने का प्रयास

 मिश्रित वक्ता - शिक्षाविद, वरिष्ठ अधिकारी, जमीनी स्तर के व्यवसायी, उद्योग: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय।

पाठ्यक्रम डिज़ाइन: मोटे तौर पर पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषयगत क्षेत्र शामिल हैं:

सप्ताह-1

- भारत के लिए क्षमता निर्माण
- कोविड के बाद नीति निर्माताओं के लिए नेतृत्व
- जटिल स्थिति में निर्णय लेना (कोविड महामारी से निपटना)
- सार्वजनिक नीति का औचित्य
- आगामी विश्व और नीति के निहितार्थ पर मॉड्यूल
- उद्यमी नीति निर्माण परिप्रेक्ष्य
- सार्वजनिक सेवा अपेक्षाओं को पूरा करना-शिक्षा और शासन के बीच तालमेल
- कराधान सुधार और भावी योजना
- आपदा प्रबंधन-योजना एवं नीति
- शहरी शासन
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर मॉड्यूल

सप्ताह-2

- भारत में सार्वजनिक संस्थान: क्षमता चुनौतियाँ और संभावनाएँ
- विविधता में नीति निर्माण-पूर्वोत्तर प्रकरण अध्ययन
- तीन क्षेत्रों में वैकल्पिक सत्र (अर्थात शहरी एवं अवसंरचना, स्वास्थ्य और शिक्षा तथा आर्थिक नीति विश्लेषण)
- साइबर सुरक्षा
- कृषि एवं सहकारिता
- ग्रामीण विकास
- भारत में कृषि रोडमैप-अवसर और चुनौतियाँ
- आयुर्वेदिक पाककला-उचित खान-पान
- प्रभावी नीति डिजाइन और निर्माण के लिए डेटा/साक्ष्य का उपयोग करना
- स्वास्थ्य-प्रणाली परिप्रेक्ष्य
- ईपीओडी मॉड्यूल (प्रभाव मूल्यांकन)
- शासन में ब्लॉक चेन और एआई
- स्वास्थ्य में ग्रास रूट डेटा विश्लेषण
- शासन में खरीद - नीतिगत चुनौतियां

सप्ताह-3

- भारत की सॉफ्ट पावर में वृद्धि
- राष्ट्रीय सुरक्षा
- राष्ट्रीय सुरक्षा-पैनल चर्चा
- पीपीपी डिजाइन करना
- अनिश्चित समय के लिए नीति निर्माण
- नीति निर्माण: एक व्यवसायी का परिप्रेक्ष्य
- कोविड के बाद भारत की अर्थव्यवस्था - भावी योजनाएं
- लोक नीति परीक्षा
- बातचीत पर मॉड्यूल

सप्ताह-4

हालांकि एमसीटीपी फेज़-IV पाठ्यक्रम में एक सप्ताह का विदेशी अध्ययन दौरा (एफएसटी) शामिल करने पर विचार किया गया था, परंतु कोविड से संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के कारण, विदेशी विश्वविद्यालयों की यात्रा नहीं हो सकी। एफएसटी के स्थान पर, यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतिभागी लोक नीति में श्रेष्ठ वैश्विक कार्यों से ज्ञान प्राप्त करें, इसलिए अंतिम सप्ताह ली कुआन यू (एलकेवाई) स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, नेशनल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर के साथ एक ऑनलाइन शिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इन पांच दिवसीय कार्यक्रम में निम्नलिखित इनपुट शामिल हैं:

- सिंगापुर में नीति निर्माण और शासन
- संघर्ष प्रबंधन
- नैतिक तर्क और नीतिगत निर्धारण
- डिजिटल व्यवधान और नीतिगत नवाचार
- शहरी शासन के सिद्धांत
- बिग डेटा, डेटा एनालिटिक्स और लोक नीति
- एच.ई. साइमन वोंग, भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त, के साथ बातचीत
- भारत में नेतृत्व और नीति निर्धारण चुनौतियां
-

उपरोक्त के अलावा, निम्नलिखित सत्र भी शामिल किए गए:

- सस्टेन- एक्सिलरेट-इन्नोवेट
- अनहर्ड वॉइसेज
-

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- श्री हेमांग जनी, सचिव, क्षमता निर्माण आयोग, नई दिल्ली।
- डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम, सदस्य (एचआर), क्षमता निर्माण आयोग, नई दिल्ली।

- श्री प्रवीण परदेशी, सदस्य (प्रशासन), क्षमता निर्माण आयोग, नई दिल्ली।
- श्री संतोष मैथ्यू, कंट्री लीड पब्लिक पॉलिसी एंड फाइनेंस, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली।
- श्री एंटोन मसग्रेव, सीनियर पार्टनर, फ्यूचर वर्ल्ड इंटरनेशनल, दक्षिण अफ्रीका।
- डॉ. प्रोदिप्तो घोष, आईएएस (सेवानिवृत्त), प्रतिष्ठित फेलो, पृथ्वी विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, टीईआरआई, नई दिल्ली।
- श्री मनीष सभरवाल, अध्यक्ष और सह-संस्थापक, टेम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बैंगलुरु।
- प्रोफेसर मनिन्द्र अग्रवाल, एन. रामा राव चेयर प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, कानपुर।
- श्री अजय भूषण पांडे, पूर्व वित्त सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री एस.एन. प्रधान, आईपीएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, नई दिल्ली।
- श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, आईएएस, सचिव, भारत सरकार, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री राज राजेश्वर उपाध्याय, सीईओ, पार एक्सीलेंस लीडरशिप सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई।
- श्री देवेश कपूर, प्रोफेसर स्टार फाउंडेशन साउथ एशिया स्टडीज़, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज (एसएआईएस), वाशिंगटन, डीसी, यूएसए।
- श्री रवि कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त), सीईओ, संसद टीवी, नई दिल्ली ।
- श्री नंदकुमार सरवडे, पूर्व सीईओ, रिज़र्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई।
- डॉ. संजीव चोपड़ा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी।
- श्री अमरजीत सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), माननीय प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार, नई दिल्ली।
- डॉ. ए.के. पाढी, आईएएस, निदेशक, कंट्री रिलेशन्स एंड बिजनेस अफेयर्स आईसीआरआईएसएटी, नई दिल्ली।
- श्री सनंदन थपलियाल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च, देहरादून।
- श्री इकबाल धालीवाल, वैश्विक कार्यकारी निदेशक, वैज्ञानिक निदेशक, जे-पाल, साउथ एशिया, कैम्ब्रिज, यूएसए।
- डॉ. विनोद के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग, नई दिल्ली।
- श्री मुकुल कनिटकर, संगठन सचिव, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर, महाराष्ट्र।
- श्री संतोष के. मिश्रा, आईएएस, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा आयुक्त, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई।
- डॉ. रॉकली किम, सहायक प्रोफेसर, स्वास्थ्य नीति और प्रबंधन प्रभाग, स्वास्थ्य विज्ञान महाविद्यालय, कोरिया विश्वविद्यालय।

- श्री संदीप वर्मा, आईएएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम, जयपुर।
- श्री गौतम भान, सीनियर लीड-एकेडेमिक्स एंड रिसर्च, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट्स, बेंगलुरु।
- डॉ. शबनम सिन्हा, प्रमुख शिक्षा विशेषज्ञ, दक्षिण एशिया क्षेत्र, शिक्षा, ग्लोबल प्रेक्टिस, विश्व बैंक, नई दिल्ली।
- श्री अल्फ्रेड शिप्के, मिशन चीफ ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल मॉनिटरी फ़ंड, वाशिंगटन, डीसी।
- डॉ. उमामहेश्वरन राजशेखर, चेयर अर्बन रेजिलिएंस-ग्लोबल रेजिलिएंस सिटीज नेटवर्क, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, नई दिल्ली।
- प्रोफेसर विजया शेरी चंद, प्रोफेसर और अध्यक्ष, रवि जे. मथाई सेंटर फॉर एजुकेशनल इनोवेशन, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद।
- श्री पारत मुखोपाध्याय, वरिष्ठ फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली।
- डॉ. सुनीता नारायण, महानिदेशक, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली।
- श्री मनोज झलानी, आईएएस, निदेशक, स्वास्थ्य प्रणाली विकास, विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली।
- डॉ. रजत कथूरिया, वरिष्ठ विजिटिंग प्रोफेसर, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।
- सुश्री श्रेया गडपल्ली, क्षेत्रीय निदेशक साउथ एशिया, परिवहन और विकास नीति संस्थान, चेन्नई।
- डॉ. नचिकेत मोर, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक नीति केंद्र, आईआईटी, बेंगलुरु।
- श्री पिनाकी चक्रवर्ती, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली।
- श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, अपर सचिव, भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली।
- श्री राजेश कोटेचा, सचिव, भारत सरकार, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली।
- प्रोफेसर मनोज पंत, निदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली।
- श्री नवतेज सरना, आईएफएस (सेवानिवृत्त), संयुक्त राज्य अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत।
- श्री अजय कुमार भल्ला, आईएएस, गृह सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।
- लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू, (सेवानिवृत्त), पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, गुरुग्राम, हरियाणा।
- श्री शिव कुणाल वर्मा, फिल्म निर्माता और लेखक (सैन्य इतिहास), गुरुग्राम, हरियाणा।
- डॉ. ए. बालासुब्रमण्यम, विजिटिंग प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात।
- श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

- डॉ. प्रेम सिंह, सलाहकार, नीति आयोग, नई दिल्ली।
- डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री हिमांशु राय, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, मध्य प्रदेश।
- डॉ. फ्रांज वोहलगेज़ोजेन, वरिष्ठ लेक्चरर प्रबंधन और विपणन संकाय, व्यवसाय और अर्थशास्त्र, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया।
- श्री वू जून जी, सीनियर रिसर्च फेलो, गवर्नेंस एंड इकोनॉमी डिपार्टमेंट, इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिसी स्टडीज, एलकेवाई स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर।
- श्री फ्रांसेस्को मैनसिनी, वाइस डीन (कार्यकारी शिक्षा) और एसोसिएट प्रोफेसर, प्रैक्टिस, एलकेवाई स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर।
- सुश्री लिऔंग चिंग, वाइस प्रोवोस्ट (स्टूडेंट लाइफ), डीन ऑफ स्ट्यूडेंट और एसोसिएट प्रोफेसर, एलकेवाई स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर।
- श्री अशोक कुमार, केंद्र निदेशक, ई-डेवलपमेंट लीडरशिप सेंटर और चीफ इंटरनेशनल प्रोग्राम, इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम साइंस, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर।
- श्री मिशेल कोह, कार्यकारी फेलो, सेंटर फॉर लिवेबल सिटीज, सिंगापुर।
- श्री रूबेन एनजी, सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक स्वास्थ्य, येल विश्वविद्यालय, सिंगापुर।
- एच. ई. साइमन वोंग, भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त, नई दिल्ली।
- सुश्री कैरोलिन ब्रासार्ड, एड्जंक्ट असिस्टेंट प्रोफेसर और सलाहकार, एलकेवाई स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर विश्वविद्यालय।
- डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह, क्षेत्रीय निदेशक साउथ ईस्ट एशिया, विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली।
- श्री रितु सैनी, एसिड अटैक सर्वाइवर।
- सुश्री रुजुता दिवेकर, पोषण विशेषज्ञ, मुंबई ।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन (प्रतिभागियों को प्राप्त ग्रेड)

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	3
ए	44
बी+	2

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणी

एमसीटीपी फेज़-IV कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हो गया जिसे 02 से 27 अगस्त 2021 तक आयोजित किया गया था। कोविड के बढ़ते खतरे के बावजूद भी अकादमी में पाठ्यक्रम पूरी तरह से ऑफ़लाइन

आयोजित किया गया था। अत्यधिक कोविड सावधानियों के बरतने से, उपरोक्त अवधि के दौरान एक भी प्रतिभागी कोविड से प्रभावित नहीं हुआ।

फेज़-IV की रूपरेखा लोक नीति निर्माण और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बनाई गई थी। प्रतिभागियों ने अकादमी में 02 से 27 अगस्त तक चार सप्ताह बिताए, जिसमें 23 से 26 अगस्त 2021 तक ली कुआन यू (एलकेवाई) स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के साथ एक सप्ताह का ऑनलाइन शिक्षण सत्र भी शामिल था।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को तेजी से बदलते परिवेश में लोक सेवा में प्रभावशाली करियर के लिए निरंतर ज्ञानार्जन के कौशल और दृष्टिकोण से अवगत कराने का प्रयास किया गया। इस पाठ्यक्रम ने न केवल ज्ञान पर बल्कि अंतर्दृष्टि; क्षेत्रीय इनपुट और नीति निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान प्रयोग और शैक्षिक के बीच के अंतर को दूर करने और प्रमुख कौशल: नेतृत्व, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, बातचीत, ईपीओडी (साक्ष्य-आधारित नीति डिजाइन) प्रदान करने का प्रयास किया गया। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत विशेषज्ञता पर बल देते हुए, प्रतिभागियों को उनकी पसंद और निर्णय लेने के क्षेत्रों में अत्याधुनिक जानकारी प्रदान करने के लिए आर्थिक नीति विश्लेषण, शहरी और बुनियादी ढांचे एवं शिक्षा और स्वास्थ्य के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेक्टर विशिष्ट विकल्प दिए गए। एलकेवाई, स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, एनयूएस के साथ ऑनलाइन शिक्षण ने प्रतिभागियों को सिंगापुर में नीति निर्माण और कार्यान्वयन के लिए एक संरचित अनुभव प्रदान किया।

प्रतिदिन अनिवार्य सुबह की गतिविधि के अलावा, कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, लघु ट्रेक, खेल आदि भी शामिल थे। प्रतिभागियों ने केस स्टडीज और वैकल्पिक समूह प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं और पाठ्यक्रम के अंत में लोक नीति विषय की परीक्षा भी दी।

संवर्ग	महिला	पुरुष	कुल योग
अग्मुट	2	7	9
असम-मेघालय		2	2
छत्तीसगढ	2	2	4
गुजरात		1	1
हरियाणा	1	1	2
हिमाचल प्रदेश		1	1
जम्मू एवं कश्मीर		1	1
झारखंड	1	2	3
कर्नाटक	1	2	3
केरल		2	2

बैच	महिला	पुरुष	कुल योग
1994		1	1
1997	1		1
1999		1	1
2000		1	1
2001	2	1	3
2003	4	3	7
2004	4	8	12
2005	2	15	17
2006	2	5	7
कुल योग	**15**	**35**	**50**

मध्य प्रदेश		1	1
महाराष्ट्र		3	3
मणिपुर	1		1
पंजाब	2	5	7
राजस्थान		1	1
तमिलनाडु	1	2	3
उत्तर प्रदेश	1		1
उत्तराखंड	1	2	3
तेलंगाना	2		2
कुल योग	**15**	**35**	**50**

जेंडर	**जेंडर की संख्या**
महिला	15
पुरुष	35
कुल योग	**50**

राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग (4 सप्ताह)

इंडक्शन कोर्स विभिन्न राज्यों की चयन सूची में अधिकारियों अथवा राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए अधिकारियों के लिए आयोजित किए जाते हैं। इस कोर्स का उद्देश्य ज्ञान एवं कौशल के स्तरों का उन्नयन करना तथा उन व्यक्तियों के साथ विचार, मत तथा अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराना है जिन्होंने राष्ट्र विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकसित किया है। नए प्रबंधन विचारों, तकनीकों तथा कौशल एवं प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन के अग्रणी क्षेत्रों पर भी पर्याप्त बल दिया जाता है। प्रतिभागियों को एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य देने पर बल दिया जाता है। अधिकारियों को देश के अग्रणी संस्थानों के दौरे के लिए भी ले जाया जाता है, जिससे उन्हें सेवा की अखिल भारतीय प्रकृति से अवगत कराया जा सके।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए 123वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम

(05 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2021 तक)

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	राज्य सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में (पदोन्नत/चयन सूची) अधिकारियों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम
पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री मोनिका धामी
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री मिलिंद डी. रामटेके, सुश्री सुनीता रानी, श्री हरि प्रकाश, सुश्री एकता उनियाल

पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ. संजीव चोपड़ा, पूर्व निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री आरिफ मोहम्मद खान, केरल के माननीय राज्यपाल
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल 67 (पुरुष- 48, महिलाएं 19)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- ✓ प्रशासनिक सेवाओं की अखिल भारतीय प्रवृत्ति को बहेतर ढंग से समझना तथा देश के लोक प्रशासन एवं मैक्रो-इकोनोमी से सबंधित एक अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य विकसित करना।
- ✓ विभिन्न क्षेत्रों में अद्यतन नीतियों तथा कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त करने के साथ अपने साथी प्रतिभागियों के अनुभवों से सीखना।
- ✓ अपने कार्य क्षेत्र में सहयोगी कार्य और नेतृत्व एवं वार्ता के सिद्धांतों को लागू करने में समर्थ होना।

पाठ्यक्रम के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में इंटरैक्टिव व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन, हेरिटेज वॉक/पर्यटन, अनुभव का आदान-प्रदान, फिल्म एवं चर्चा, मैनेजमेंट गेम्स, सिमुलेशन अभ्यास, समूह कार्य तथा क्षेत्र दौरे शामिल किए गए।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सप्ताह-1 रिफ़्लेक्शंस, सूचना का अधिकार, वित्तीय प्रबंधन, शहरी गतिशीलता, पर्यावरण और स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा - मुद्दे और चुनौतियाँ-पैनल चर्चा, लोक नीति: डिजाइन और कार्यान्वयन, कृषि मूल्य श्रृंखला में सहकारी और एफपीओ की भूमिका, पूर्वोत्तर से परिप्रेक्ष्य ।

सप्ताह-2 वन्य जीव संरक्षण, कमजोर महिलाओं, परित्यक्त विधवाओं और बेरोजगारों को मुख्यधारा में लाना, लोक नीति: विश्लेषण और संप्रेषण, जिलों में शिक्षा के परिणाम में सुधार, लोक नीति और विनियमन: भारतीय वैधानिक नियामक प्राधिकरणों की समीक्षा, ईंट भट्ठा: प्रकरण अध्ययन, आपदा प्रबंधन, नए भारत का विचार, स्मार्ट सिटीज, विकास हेतु प्रयासों का प्रबंधन, ग्रामीण सहकारी समितियां और आपूर्ति श्रृंखला, पीपीपी डिजाइन करना।

सप्ताह-3 डेवलपमेंट मॉनिट्रिंग एवं एवेल्यूशन ऑफिस (डीएमईओ) (डीएमईओ), लीडरशिप मॉड्यूल, खरीद, बातचीत मॉड्यूल, संप्रेषण, शहरी शासन और चुनौतियां, भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर मॉड्यूल।

सप्ताह-4 इंटरनेशनल सोलर एलिएन्स, आजीविका का समर्थन करने के लिए कौशल बढ़ाना, कृषि में बाजार हस्तक्षेप, ईट राइट, कोविड प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सक्रिय वनीकरण और जैव विविधता संरक्षण, मैप और माइलस्टोन, जेंडर, कोविड के समय फेफड़ों की क्षमता और प्रतिरक्षा को मजबूत करना।

प्रतिभागियों को राज्य, लोक नीति या प्रशासन में रुचि के किसी भी विषय में उनके द्वारा किए गए किसी भी विषय पर अपने सुझावों के साथ लगभग 1500 शब्दों का निबंध/शोध पत्र प्रस्तुत करना था। इसके अलावा, प्रत्येक प्रतिभागी ने आंतरिक संकाय सदस्यों के समूह के समक्ष रुचि के क्षेत्र में एक अद्वितीय पेशेवर अनुभव के बारे में व्यक्तिगत प्रस्तुति दी।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन 100 अंकों में से किया गया, जिनमें से 40 अनुभव साझाकरण प्रस्तुति, 35 राज्य विशिष्ट या लोक नीति पेपर के लिए और 25 अंक निदेशक के मूल्यांकन के लिए दिए गए।

सप्ताहांत मॉड्यूल

(i) हेरिटेज़ और नेचर वॉक

(ii) फिल्म 'इनविक्टस' की स्क्रीनिंग

(iii) महाराष्ट्र के जलगांव के एक प्रतिभाशाली कलाकार, सचिन मुसले के साथ वॉटर कलर और आर्ट।

(iv) रितेश ताक्षांदे द्वारा मोबाइल/स्मार्टफोन फिल्म निर्माण

देश और विदेश अध्ययन दौरा

देश भर में कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए, सांस्कृतिक संध्याएँ, देश और विदेश अध्ययन दौरे रद्द कर दिए गए।

पाठ्यक्रम समन्वयक की रिपोर्ट

123वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) में 15 विभिन्न संवर्गों के अधिकारी प्रतिभागी थे। इसका विवरण नीचे दिया गया है:-

राज्य	अधिकारियों की संख्या	पुरुष	महिला
अग्मुट	09	08	01
आंध्र प्रदेश	02	-	02
असम-मेघालय	01	-	01
छत्तीसगढ़	08	02	06
हरियाणा	07	07	-
हिमाचल प्रदेश	04	04	-
झारखंड	01	01	-

कर्नाटक	06	04	02
केरल	02	02	-
मध्य प्रदेश	03	03	-
महाराष्ट्र	10	08	02
मणिपुर	05	03	02
नगालैंड	02	02	-
पंजाब	02	02	-
राजस्थान	05	02	03
कुल	67	48	19

पाठ्यक्रम डिजाइन में उल्लिखित विविध विषयों पर 4 सप्ताह के शैक्षणिक इनपुट के अलावा, शनिवार (सप्ताहांत) को पाठ्येतर ऑनलाइन मॉड्यूल आयोजित किए गए। अन्य विषय के साथ-साथ पेंटिंग, आयुर्वेदिक पाक कला और मोबाइल फिल्म निर्माण शामिल थे।

शारीरिक गतिविधियां जैसे योग, ध्यान, सुबह की सैर और जिम में वर्कआउट ने प्रतिभागियों को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखा। इसके अलावा, नेचर और हेरिटेज वॉक का भी आयोजन किया गया।

प्रतिभागियों की मूल्यांकन रिपोर्ट इस प्रकार है:-

ग्रेड	प्रतिभागियों की संख्या
ए+	39
ए	27
बी+	01

प्रख्यात अतिथि वक्ता

<u>पहला सप्ताह</u>

क्रम सं.	**अतिथि वक्ता का नाम**	**विषय**	**पदनाम**
1.	श्री प्रबोध सक्सेना	सूचना का अधिकार	आईएएस, अपर मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला
2.	श्री राम कुमार ककानी	वित्तीय प्रबंधन	आईआईएम, कोझिकोड

3.	श्री के. श्रीनिवास	लेगेसी ऑफ सरदार पटेल	आईएएस, स्थापना अधिकारी एवं अपर सचिव, डीओपीटी, नई दिल्ली
3.	सुश्री विनी महाजन	परिप्रेक्ष्य में आईएएस	आईएएस, मुख्य सचिव, पंजाब सरकार
4.	सुश्री श्रेया गडपल्ली	शहरी गतिशीलता	क्षेत्रीय निदेशक साउथ एशिया, आईटीडीपी, चेन्नई
5.	श्री ए.बी. माथुर	राष्ट्रीय सुरक्षा	आईपीएस (सेवानिवृत्त), सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली
6.	लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू	राष्ट्रीय सुरक्षा	पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम
7.	श्री दिनकर गुप्ता		आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, पंजाब सरकार
8.	श्री विवेक भारद्वाज		अपर सचिव, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
9.	श्री ज्ञानेन्द्र बड़गैयाँ	लोक नीति: डिज़ाइन एवं कार्यान्वयन	आईएएस (सेवानिवृत्त) रेजिडेंट सीनियर फेलो, आईडीएफसी संस्थान
10.	श्री संजीव कुमार चड्ढा	कृषि मूल्य श्रृंखला में सहकारी एवं एफपीओ की भूमिका	प्रबंध निदेशक, नेफेड, नई दिल्ली
11.	श्री रवि कपूर	पूर्वोत्तर से परिप्रेक्ष्य	आईएएस, सेवानिवृत्त

<u>दूसरा सप्ताह</u>

क्रम सं.	अतिथि वक्ता का नाम	विषय	पदनाम
1.	सुश्री तिलोत्तमा वर्मा	वन्य जीव संरक्षण	अपर निदेशक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, नई दिल्ली
2.	सुश्री रितु सैन	कमजोर महिलाओं, परित्यक्त विधवाओं और बेरोजगारों को मुख्यधारा में लाना	आईएएस, निदेशक, राज्य-। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली
3.	डॉ. धीर झिंगरान	जिलों में शिक्षा सुधार के परिणाम	संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
4.	श्री ज्ञानेन्द्र बड़गैयाँ	लोक नीति: विश्लेषण और संप्रेषण	आईएएस (सेवानिवृत्त) रेजिडेंट सीनियर फेलो, आईडीएफसी संस्थान
5.	श्री के.पी. कृष्णन	लोक नीति और विनियमन: भारतीय वैधानिक नियामक प्राधिकरणों की समीक्षा,	आईएएस, सेवानिवृत्त
6.	श्री मकरंद परांजपे	नए भारत की परिकल्पना	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला

7.	श्री आशीष श्रीवास्तव	स्मार्ट सिटीज	आईएएस, जिलाधिकारी, देहरादून
8.	श्री संपत कुमार	विकास संबंधी कार्यों का प्रबंधन	आईएएस, प्रधान सचिव, मेघालय सरकार
9.	श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम	ग्रामीण सहकारी समितियां और आपूर्ति श्रृंखला	आईएएस, सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखंड सरकार
10.	डॉ. अश्विन महालिंगम	पीपीपी की डिजाइनिंग	फैकल्टी, आईआईटी मद्रास

तीसरा सप्ताह

क्रम सं.	अतिथि वक्ता का नाम	विषय	पदनाम
1.	श्री एंटनी सिरियक	डेवलपमेंट मोनिट्रिंग एवं एवेल्यूशन ऑफिस (डीएमईओ)	उप महानिदेशक, डेवलपमेंट मोनिट्रिंग एवं एवेल्यूशन ऑफिस, नीति आयोग, नई दिल्ली
2.	श्री संदीप वर्मा	खरीद	आईएएस, महानिदेशक, एचसीएम, आरआईपीए, जयपुर, राजस्थान
3.	श्री जी. माथी वथनन	शहरी शासन और चुनौतियां	आईएएस, प्रधान सचिव, आवास एवं शहरी विकास, ओडिशा सरकार
4.	श्री राज राजेश्वर उपाध्याय	भावात्मक बुद्धिमत्ता मॉड्यूल	निदेशक, पार एक्सीलेंस लीडरशिप सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई (महाराष्ट्र)
5.	डॉ. सनंदन थपलियाल	ईट राइट	एमडी (आयुर्वेद), एसोसिएट प्रोफेसर, शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च, देहरादून

चौथा सप्ताह

क्रम सं.	अतिथि वक्ता का नाम	विषय	पदनाम
1.	श्री उपेन्द्र त्रिपाठी	इंटरनेशनल सोलर अलायंस	आईएएस (सेवानिवृत्त), महानिदेशक, इंटरनेशनल सोलर एलिएन्स, गुरुग्राम, हरियाणा
2.	श्री मनीष सभरवाल	आजीविका में सहायता के लिए कौशल बढ़ाना	अध्यक्ष और सह-संस्थापक, टीमलीज़ सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु, कर्नाटक
3.	श्री पवनेश कोहली	कृषि में बाज़ार का हस्तक्षेप	पूर्व सीईओ, एनसीसीडी और मुख्य सलाहकार, ब्रिटिश उच्चायोग, नई दिल्ली
4.	सुश्री ऋजुता पांडव	ईट राइट	डिप्टी लीड, फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्स सेंटर, एफएसएसएआई, नई दिल्ली
5.	श्री प्रवीण सिंह परदेशी	कोविड प्रबंधन और लोक स्वास्थ्य	आईएएस, वैश्विक कार्यक्रम समन्वयक, संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण और अनुसंधान

			संस्थान, जिनेवा, स्विट्जरलैंड
6.	श्री संजीव चोपड़ा	मैप एवं माइलस्टोन	आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
7.	श्री भरत शेट्टी	कोविड के दौरान फेफड़ों की क्षमता और प्रतिरक्षा को मजबूत बनाना	योग शिक्षक, आईएनडीईए-फाउंडेशन, मुसोर, कर्नाटक

प्रथम कॉमन मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम

लक्ष्य

कॉमन एमसीटीपी का उद्देश्य विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों को एक साथ लाना है जो प्रत्येक व्यक्ति की लीडरशिप क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सरकारी संगठन के प्रमुख थे/बनेंगे। यह कार्यक्रम अपने प्रतिभागियों में राष्ट्रीय गौरव, मिशन और सौहार्द की भावना पैदा करने का प्रयास करता है जो सभी को राष्ट्रीय आकांक्षाओं और लक्ष्यों की जानकारी प्राप्त निर्माण और सेवा प्रदायगी के लिए अपनी टीमों का नेतृत्व करने में सक्षम बनाएगा।

अवधि (दिनांक सहित)	25 अक्टूबर से 02 नवम्बर, 2021 तक
पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	सुश्री आनंदी, उप निदेशक (वरिष्ठ)
कोर्स टीम के अन्य सदस्यों के नाम	सुश्री सुनीता रानी, प्रोफ़ेसर श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक सुश्री एकता उनियाल, सहायक निदेशक
प्रतिभागियों की संख्या	कुल: 242 पुरुष: 182 महिला: 60
बैच	2000 और 2001
कोर्स का उद्घाटन	डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्यमंत्री पीपी
समापन सम्बोधन	श्री प्रदीप कुमार त्रिपाठी, सचिव, डीओपीटी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- अगले स्तर की नेतृत्व क्षमताओं का पता लगाना और उन्हें बढ़ाना;
- राष्ट्रीय आकांक्षाओं और चुनौतियों की समझ को मजबूत बनाना;
- अपने कार्यालयी कामकाज में मजबूत सहयोगी कार्यनीति अपनाना; और
- उच्च मानक वाली नागरिक केंद्रित कुशल सेवा सुनिश्चित करना।

पाठ्यक्रम का डिज़ाइन (मुख्य शैक्षणिक इनपुट की योजनाबद्ध समीक्षा)

पाठ्यक्रम का डिज़ाइन

राष्ट्रीय चुनौतियों: ऊर्जा, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन, डिस्कवरिंग माइ ट्रू सेल्फ एंड माइ पर्पज, एक्सरसाइजिंग एनलाइटेंड लीडरशिप विषय पर पैनल चर्चा।

प्रख्यात अतिथि वक्ता (प्रमुख वक्ताओं की उनके पदनाम सहित सूची)

1. श्री वी.पी. राजा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग, महाराष्ट्र सरकार।
2. श्री उपेन्द्र त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) मुख्यमंत्री, ओडिशा के प्रधान सलाहकार
3. श्री संजीव सहाय, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, विद्युत मंत्रालय
4. श्री रविशंकर प्रसाद, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग
5. श्री मनु श्रीवास्तव, आईएएस, प्रशासनिक सदस्य, राजस्व बोर्ड
6. डॉ. मनस्वी कुमार, आईएएस, निदेशक, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
7. श्री विपुल तुली, प्रबंध निदेशक, सेम्बकॉर्प एनर्जी इंडिया लिमिटेड
8. सुश्री ज़ियाओडोंड वांग, वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ, विश्व बैंक
9. श्री सुनील सावरा एवं टीम, इम्पॉसिबल ट्रांसफॉर्मेशन, बैंगलोर
10. डॉ. आर. सुब्रमण्यम, सदस्य-एचआर, क्षमता निर्माण आयोग, नई दिल्ली
11. सुश्री मोहुआ मुखर्जी, सलाहकार, इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम
12. श्री जुनैद अहमद, कंट्री डायरेक्टर, विश्व बैंक

पाठ्यक्रम समन्वयक की टिप्पणियाँ (पाठ्यक्रम की कुछ प्रमुख विशेषताओं और उपलब्धियों सहित)

पहला कॉमन मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम लीडरशिप को डी-साइलोइज़ेशन और साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इसका उद्देश्य वरिष्ठ सिविल लीडरशिप तैयार करना है जो कार्यान्वयन की उत्कृष्टता पर ध्यान देने के साथ-साथ प्रतिभागियों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। राष्ट्रीय चुनौतियों, ऊर्जा, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन, लीडरशिप मॉड्यूल पर इनपुट की सराहना की गई। बाह्य गतिविधियाँ - नेचर वॉक टू क्लाउड्स एंड, बेनॉग हिल, की प्रतिभागियों ने सराहना की। कुल मिलाकर काफी व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद भी इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

प्रतिभागियों का ब्योरा

सेवा	महिला	पुरुष	कुल
आईएएएस	2	8	10
आईएएस	8	15	23
आईसीएएस	1	3	4
आईडीएएस	2	9	11
आईडीईएस	-	2	2
आईएफएस	4	4	8
आईएफएस (एआईएस)	7	10	17
आईआईएस	4	3	7
आईओएफएस	1	1	2
आईपीओएस	1	10	11
आईपीएस	4	10	14
आईपीटीएएफएस	1	1	2
आईआरएएस	5	13	18
आईआरपीएफएस	1	14	15
आईआरपीएस	4	8	12
आईआरएस (सी एंड आईटी)	7	25	32
आईआरएस (आईटी)	6	22	28
आईआरटीएस	2	22	24
आरपीएफ		2	2
योग	60	182	242

महिला	60
पुरुष	182
कुल योग	242

बैच	प्रतिभागियों की संख्या
2000	133
2001	109
कुल योग	242

27वां संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

(06 सितंबर से 11 सितंबर, 2021 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	सुश्री दिशा पन्नू, पाठ्यक्रम समन्वयक
एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. अनुपम तलवार, एसोसिएट पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सृष्टि सेठी, रिसर्च फेलो
कार्यक्रम का उद्घाटन	**जनरल बिपिन रावत**, **पीवीएसएम**, **यूवाईएसएम**, **एवीएसएम**, **वाईएसएम**, **एसएम**, **यूएसएम**, **एडीसी सीडीएस एवं सचिव**, **सैन्य कार्य विभाग**, **रक्षा मंत्रालय**
समापन समारोह सम्बोधन	माननीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह
समूह का गठन - सेवा और पुरुष/महिला विवरण	कुल = 53(पुरुष-51; महिला-02)
कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	अखिल भारतीय सेवाएँ -आईएएस, आईपीएस, आईएफओएस, केंद्रीय सिविल सेवा- आईएफएस, आईसी एंड सीईएस, आईआरएस, आईआरटीएस, आईडीएएस, आईडीईएस अर्ध-सैनिक संगठन- बीएसएफ, सीआरपीएफ, एनएसजी, आईटीबीपी, एसएसबी रक्षा सेवाएँ- भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, तटरक्षक बल, एकीकृत रक्षा मुख्यालय, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज इंटेलिजेंस-आईबी, कैबिनेट सचिवालय अन्य संगठन-सीबीआई
वरिष्ठता स्तर	संयुक्त सचिव/निदेशक, भारत सरकार मेजर जनरल/ब्रिगेडियर/कर्नल, सशस्त्र बल

27वें संयुक्त सिविल-सैन्य पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों का विवरण परिशिष्ट-1 में दिया गया है

पाठ्यक्रम का परिचय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का एक प्रमुख पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को बेहतर बनाने के लिए मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्ष *2002* में आरंभ किया गया था।

उद्देश्य, पाठ्यक्रम गतिविधियां तथा विशेषताएं:

- राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आयामों तथा इसके घटकों तथा भारतीय राज्य में विभिन्न खतरों से संबंधित जानकारी में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंध की चुनौतियों से प्रतिभागियों को अवगत कराना, उभरते हुए बाह्य सुरक्षा परिवेश तथा आंतरिक सुरक्षा परिवेश से परिचित कराना।
- सुरक्षा के लिए खतरे के साथ-साथ सुरक्षा (साइबर, पर्यावरणीय, आर्थिक तथा ऊर्जा) के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- सिविल-सैन्य विचार-विनिमय का अवसर प्रदान करना तथा
- प्रतिभागियों को इस विषय पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करना।

इस पाठ्यक्रम में व्याख्यान, पैनल चर्चा, अध्ययन प्रकरण, सेमीनार, अनुकरण अभ्यास, विजिट्स, समूह चर्चा तथा फिल्में शामिल थीं। कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों को गहराई से समझने के लिए जटिल मुद्दों पर बारी-बारी से अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझने का प्रयास किया। इसका उद्देश्य अधिक प्रभावी ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों के समृद्ध एवं विभिन्न अनुभवों का उपयोग करना था। कार्यक्रम का असल उद्देश्य उचित प्रशिक्षण विषयों के माध्यम से व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में ज्ञान, कौशलता तथा दृष्टिकोण के बीच अंतर को समाप्त करना था।

प्रख्यात अतिथि वक्ता

- लेफ्टिनेंट जनरल पीजेएस पन्नू (सेवानिवृत्त), डिप्टी चीफ, एकीकृत रक्षा स्टाफ (संचालन)
- श्री संजीव चोपड़ा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
- कर्नल भरत गुप्ता (सेवानिवृत्त), विशेषज्ञ, डेटा गोपनीयता और 5-जी नेटवर्क
- श्री अशोक मुखर्जी, पूर्व राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट्र
- मेजर जनरल मंजीत सिंह, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सचिव परिषद सचिवालय
- श्री नवतेज सरना, आईएफएस (सेवानिवृत्त), संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व भारतीय राजदूत, नई दिल्ली
- आईजी डोनी मिशेल, टीएम
- सुश्री सोनाली मिश्रा, आईपीएस, महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय पंजाब
- श्री नीलाभ किशोर, आईपीएस, महानिरीक्षक नॉर्थर फ्रंटियर, आईटीबीपी
- श्री रत्न संजय, आईपीएस, आईजी, फ्रंटियर मुख्यालय लखनऊ
- ब्रिगेडियर दिग्विजय सिंह
- श्री ज्ञानेश्वर सिंह, आईपीएस, उप महानिदेशक एनसीबी, उत्तरी क्षेत्र
- सुश्री शमिका रवि, सीनियर फेलो, गवर्नेंस स्टडीज प्रोग्राम एट ब्रुकिंग्स इंडिया

- रियर एडमिरल आर. श्रीनिवास, अपर महानिदेशक एक्यूजीशन टेक (मरीन एंड सिस्टम), नई दिल्ली
- लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, वाईएसएम, वीएसएम** (सेवानिवृत्त), पूर्व उप सेना प्रमुख और सदस्य राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी)
- श्री राजीव जैन, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम (बार), वीएसएम (बार) (सेवानिवृत्त), पूर्व सैन्य सचिव और कमांडर
- श्री रवि कपूर, सीईओ, संसद टीवी
- मेजर जनरल राहुल आर सिंह, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 14 इन्फैंट्री डिवीजन, देहरादून
- श्री पी.के. वोहरा, एवीएमएफ
- रेडम विनीत सैमुअल मैक्कार्टी (03482एन) एसीएनएस (एसआर)
- श्री एबी माथुर, आईपीएस (सेवानिवृत्त), सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड और भारत सरकार के प्रतिनिधि तथा असम और पूर्वोत्तर शांति वार्ता के वार्ताकार, नई दिल्ली
- मेजर जनरल बीके शर्मा, एवीएसएम, एसएम** (सेवानिवृत्त), निदेशक, यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- श्री पी.एस.राघवन, प्रतिष्ठित फेलो, विवेकानन्द इंटरनेशनल
- मेजर जनरल पीडी नायडू, संयुक्त सचिव, नेट असेसमेंट, एनएससीएस
- प्रोफेसर कांति प्रसाद वाजपेयी, एलकेवाई, सिंगापुर
- श्री सौरभ कुमार, आईएफएस (सेवानिवृत्त)

27वें संयुक्त सिविल-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रुप फोटो

राष्ट्रीय सुरक्षा पर 27वें संयुक्त सिविल-सैन्य कार्यक्रम में प्रतिभागी

सेवा-वार विवरण

क्रम सं.	सेवा	प्रतिभागियों की संख्या
1	वायु सेना	3
2	सेना	6
3	बीएसएफ	2
4	तटरक्षक बल	2
5	सीआरपीएफ	2
6	आईएएस	9
7	आईसी एवं सीईएस (आईआरएस)	1
8	आईआर	3
9	आईडीएएस	1
10	आईएफएस	1
11	आईपीएस	13
12	आईआरटीएस	1
13	आई टी बी पी	2
14	नौसेना	3
15	एनएसजी	1
16	एसएसबी	1
17	आईबी	1
18	मंत्रीमंडल सचिवालय	1
	कुल	**53**

<u>अनुसंधान केंद्र</u>

आपदा प्रबंधन केंद्र

आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम) एक अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र है और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार की यूनिट है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी और यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (पंजीकरण संख्या- 199/2007-2008 दिनांक 26-05-2007) के तहत स्वायत्त सोसायटी के रूप में पंजीकृत है। यह केंद्र कक्षा सत्रों, केस स्टडी, अनुभव साझा करने वाली प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चा, कार्यशालाएँ, मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण (नीति, योजना, कार्यक्रम निर्माण और कार्यान्वयन) के विभिन्न पहलुओं में मिड-करियर के साथ-साथ इंडक्शन स्तर के प्रोग्राम में सिविल सेवा (आईएएस और अन्य समूह-क सिविल सेवाओं) के अधिकारियों के प्रशिक्षण में शामिल रहा। अनुसंधान कार्य परियोजनाओं के अलावा, यह केंद्र प्रकाशन गतिविधियों जैसे श्रेष्ठ कार्यों का डॉक्यूमेंटेशन, केस स्टडी, पुस्तकों और आपदा और आपातकालीन प्रबंधन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईईसी सामग्री तैयार करने के कार्य में भी शामिल रहा है।

यह केंद्र वर्ष 2007 से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से "सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों तथा प्रौद्योगिकीविदों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" की योजना के लिए ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत अनेक विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। देशभर के सैकड़ों वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों को अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ प्रमुख संस्थान के प्रशिक्षण परिदृश्य से अवगत कराया गया। वर्ष 2012-13 से केंद्र को गृह मंत्रालय द्वारा समर्थन दिया गया। सीडीएम को "आपदा प्रबंधन पर भा.प्र. सेवा/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों का क्षमता निर्माण" नामक परियोजना के तहत एनडीएमए से समर्थन प्राप्त हो रहा है।

क. मानव संसाधनों के विकास तथा प्रबंधन के लिए आपदा प्रबंधन केंद्र की मुख्य पहलें/उपलब्धियां

आपदा प्रबंधन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ने भा.प्र.से./भारत में केंद्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

1. **"चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रबंधन और शमन रणनीतियाँ" पर ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम कस्टमाइज्ड क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (29 सितंबर, 2021 से 1 अक्टूबर, 2021)**

कार्यक्रम का उद्देश्य /लक्ष्य समूह	आईएएस/ भारत की केंद्रीय सेवा के अधिकारी (सचिव/संयुक्त सचिव (डीएम विभाग), जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट/अपर उपायुक्त, अनेक जोखिमों की आशंका वाले जिलों के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट)
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक और निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री सुरेश चंद्र महापात्र, आईएएस मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार श्री प्रदीप जेना, आईएएस विकास आयुक्त-सह-अपर मुख्य सचिव और प्रबंध निदेशक, ओएसडीएमए, ओडिशा सरकार
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथाला, आईएएस निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी श्रीमती राधिका रस्तोगी, आईएएस संयुक्त निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 25 (पुरूष-24; महिलाएं-8)
परियोजना विवरण	"आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण"

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

इस कार्यक्रम का उद्देश्य चक्रवात जोखिम में कमी लाने के लिए प्रबंधन करना और उसका प्रभाव कम करने की रणनीतियों के सिद्धांतों और अवधारणाओं के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान और समझ को विकसित करना तथा आपदा के समय शीघ्रता के साथ सही कार्रवाई करने का कौशल प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रायोगिक शिक्षण में कक्षा सत्रों के साथ-साथ फील्ड का दौरा भी शामिल था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य रोकथाम, आपदा का प्रभाव कम करना, तैयारी, योजना और प्रतिक्रिया पर अधिकारियों को विशेष जानकारी प्रदान करना, फील्ड दौरों के माध्यम से आपदा से उबरना, पुनर्वास और पुनर्निर्माण रणनीतियों के आधार पर बेहतर निर्माण करना और चक्रवात जोखिम को कम करने में सर्वोत्तम प्रथाओं और ज्ञानार्जन पर प्रस्तुतिकरण और समूह गतिविधियों का आयोजन करना है।

"चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रबंधन और शमन रणनीतियाँ" पर आईएएस अधिकारियों के लिए 03 (तीन) दिवसीय कस्टमाइज्ड क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2021 तक मधुसूदन दास क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधन अकादमी (एमडीआरएएफएम), चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम **भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में** '**आजादी का अमृत महोत्सव**' का एक हिस्सा था, जिसे विशेष रूप से भारत के 09 तटीय राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के डीएम/एडीएम/एसडीएम के रूप में सेवारत आईएएस अधिकारियों के लिए डिज़ाइन किया गया था। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) भारत सरकार की योजना "आईएएस/केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण" के तहत आपदा प्रबंधन केंद्र (सीडीएम), लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार द्वारा ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए), ओडिशा सरकार के सहयोग से किया गया।

हालांकि कक्षा सत्र मधुसूदन दास क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधन अकादमी (एमडीआरएएफएम), चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर के प्रशिक्षण हॉल में आयोजित किए गए, व्यावहारिक प्रशिक्षण और फील्ड सत्र राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी), राजीव भवन, भुवनेश्वर, ओएसएपी 7वीं बटालियन, भुवनेश्वर की ओडिशा आपदा रैपिड एक्शन फोर्स (ओडीआरएएफ) इकाई; पुरी के पास रामचंडी में फील्ड साइट और पुरी जिले के गोप ब्लॉक के अंतर्गत खलकटा पटना ग्राम पंचायत के टिकाना मल्टीपर्पज साइक्लोन सेल्टर

(एमसीएस) में आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान प्रतिभागियों को एमडीआरएएफएम, चन्द्रशेखरपुर और भुवनेश्वर में भोजन और आवास की सुविधाएं प्रदान की गईं।

8 राज्यों - आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, गुजरात और 01 केंद्र शासित प्रदेश - दादरा और नगर हवेली और दमन एवं दीव और 1 पूर्वोत्तर क्षेत्र (त्रिपुरा) में विभिन्न पदों पर कार्यरत 25 आईएएस अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

इन कार्यक्रमो के प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- श्री सुरेश चंद्र महापात्रा, आईएएस, मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, आईएएस, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
- श्री प्रदीप जेना, आईएएस, विकास आयुक्त व अपर मुख्य सचिव और प्रबंध निदेशक, ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए), ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्रीमती राधिका रस्तोगी, आईएएस, संयुक्त निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
- श्री एस. पी. ठाकुर, आईएएस, महानिदेशक, गोपबंधु प्रशासन अकादमी (जीएए), भुवनेश्वर
- डॉ. सत्यजीत मोहंती, आईपीएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, ओडिशा लोक सेवा आयोग (ओपीएससी)
- श्री हेमन्त शर्मा आईएएस, प्रमुख सचिव, उद्योग विभाग, ओडिशा सरकार
- श्री सुरेश कुमार वशिष्ठ, आईएएस, आयुक्त व सचिव, कृषि और किसान अधिकारिता विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्री अशोक कुमार कलुआराम मीणा, आईएएस, प्रधान सचिव, पंचायती राज एवं पेयजल विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्री आर. रघु प्रसाद, आईएफएस, आयुक्त व सचिव, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस, उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

- श्री निहार रंजन सवाईं, ओएफएस, निदेशक, मधुसूदन दास क्षेत्रीय वित्तीय प्रबंधन अकादमी (एमडीएफएएफएम), भुवनेश्वर
- डॉ. ज्ञान दास आईएएस, निदेशक (पीआर), पंचायती राज एवं पेयजल विभाग, ओडिशा सरकार
- डॉ. कमल लोचन मिश्रा, कार्यकारी निदेशक, ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए), ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- डॉ. एकता उनियाल, सहायक निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
- श्री सुनील कुमार साहू, उप. महाप्रबंधक (टी एंड सी), ओएसडीएमए

2. महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "जलवायु परिवर्तन: चुनौतियां और प्रतिक्रिया" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (09 - 13 अगस्त 2021)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत महिला वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्रीमती अंजू भल्ला, सीएसएस संयुक्त सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय सरकार, नई दिल्ली
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 56 (महिलाएं: 56)

योजना	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना योजना "सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- जलवायु परिवर्तन और बदलते परिदृश्य पर चर्चा करना;
- क्रियाविधि (उपकरण, रूपरेखा, कार्यप्रणाली, कार्य योजना, दिशानिर्देश) पर विचार-विमर्श करना;
- उभरते मुद्दों, चुनौतियों और नीतियों पर चर्चा करना;
- मौजूदा विधिक, संस्थागत ढांचे और हाल ही की गतिविधियों की उपयुक्तता का पता लगाना;
- समावेशी जलवायु लचीलेपन के लिए नीतियों, शासन और योजना और समन्वय तंत्र की पहचान करना;
- जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के लिए जानकारी एकत्र करना और तकनीकी ज्ञान/अनुभवों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना;
- भविष्य की कार्रवाई के लिए अनुभवों और सिफ़ारिशों पर चर्चा करना;
- भविष्य की रणनीतियों, नीतियों और विकल्पों का सुझाव देना; और
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंदाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ सम्मिलित होकर सीखने की सुविधा प्रदान करना।

विषयगत क्षेत्र:

- जल सुरक्षा
- जैव विविधता का नुकसान और पारिस्थितिक असंतुलन
- खाद्य सुरक्षा
- जलवायु शरणार्थी
- भू-राजनीति में टेकटोनिक बदलाव
- प्रौद्योगिकी की भूमिका
- आपदा जोखिम में कमी करना

3. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन में प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (08- 12 नवंबर 2021)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	श्री अनिल कुमार सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) मानद मुख्य संपादक, नो डिजास्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी संस्थापक उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए), पटना
समापन समारोह के दौरान संबोधन	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 24 (पुरुष-17; महिलाएं-7)
योजना	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना योजना "सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को संभव बनाने के लिए क्रियाविधि (विभिन्न उपकरण और तकनीक) पर विचार-विमर्श करना।
- जलवायु परिवर्तन से संबंधित उभरते मुद्दों, चुनौतियों और नीतियों पर चर्चा करना

- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका एकीकरण पर आपदाओं के प्रभावों की जानकारी प्रदान करना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका की जानकारी प्रदान करना
- समावेशी आपदा रिसिलिएंस के लिए नीतियों, शासन और योजना और समन्वय तंत्र की पहचान करना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए जानकारी एकत्र करना और तकनीकी ज्ञान/अनुभवों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना
- ज्ञानार्जन और भविष्य में कार्रवाई करने के लिए सिफ़ारिशों पर चर्चा करना
- भविष्य की रणनीतियों, नीतियों और विकल्पों का सुझाव देना
- पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंदाई फ्रेमवर्क (एसएफडीआरआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समूह में और मिलकर ज्ञानार्जन की सुविधा प्रदान करना।

विषयगत क्षेत्र:

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शासन
- ग्रामीण समुदायों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- सामुदायिक स्तर पर आपदा जोखिम को कम करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- जेंडर को मुख्य धारा में शामिल करना
- जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनना और आपदा जोखिम को कम करना
- सहभागी ज्ञानार्जन और कार्रवाई (पीएलए)

4. वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "जलवायु परिवर्तन: चुनौतियां और प्रतिक्रिया" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (20 - 24 दिसंबर 2021)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	डॉ. अखिलेश गुप्ता

	वरिष्ठ सलाहकार एवं प्रमुख और कोविड-19 के लिए नोडल अधिकारी (कार्रवाई/मुख्य निर्णय), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
समापन समारोह के दौरान संबोधन	डॉ. एकता उनियाल सहायक निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 34 (पुरुष-29; महिलाएं: 5)
योजना	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना योजना "सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए यूएनएफ़सीसीसी - पेरिस समझौते, सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस) और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- जलवायु परिवर्तन के जेंडर संबंधी आयाम
- न्यूनतम कार्बन लाइफ स्टाइल
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण
- प्रौद्योगिकी की भूमिका और सीसीए एवं डीआरआर में उसके कार्य
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण को विकास योजना की मुख्यधारा में लाना

5. **वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए "सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन में प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम** (7 - 11 **फरवरी** 2022)

कार्यक्रम का उद्देश्य/लक्ष्य समूह	सरकारी क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्
पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री अभिराम जी. शंकर, आईएएस उप निदेशक एवं निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
सह-पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. पंकज कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
पाठ्यक्रम का उद्घाटन	सह-अध्यक्ष, यूनएनडीआरआर एआरआईएसई एफआईसीसीआई फार इंडिया, आईसीआईएमओडी फेलो - नीति सलाहकार, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी), काठमांडू
समापन समारोह के दौरान संबोधन	डॉ. एकता उनियाल सहायक निदेशक, सीडीएम लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	कुल: 35 (पुरुष-26 और महिलाएं-9)
योजना	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना योजना "सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रतिभागियों को आपदा न्यूनीकरण के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना

- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण को संभव बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों और एकीकृत आजीविका पर आपदाओं के प्रभावों से अवगत कराना
- सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराना
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसजीडीएस) और सेंदई फ्रेम्वर्क के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान करना और समावेशी ज्ञानार्जन को आसान बनाना।

विषयगत क्षेत्र:

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)
- सहभागी ज्ञानार्जन एवं कार्रवाई (पीएलए)
- समुदाय आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (सीबीडीआरएम) योजना
- आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका
- कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना

इन कार्यक्रमों के प्रख्यात अतिथि वक्ता:

- श्री सरबजीत सिंह सहोता, आपातकालीन विशेषज्ञ, आपदा जोखिम न्यूनीकरण संभाग, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), यूनिसेफ भारत स्थित कार्यालय, नई दिल्ली
- डॉ. वी. भानु मूर्ति, एसोसिएट डायरेक्टर (सेवानिवृत्त), नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, हैदराबाद
- प्रोफेसर विनोद के. शर्मा, उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और वरिष्ठ प्रोफेसर, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली
- डॉ. निशा मेंदीरत्ता, वैज्ञानिक जी और प्रमुख, विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं (डब्ल्यूआईएसई) - किरण प्रभाग और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
- प्रोफेसर हरीश सी. पोखरियाल, कार्यकारी निदेशक, मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

- डॉ. अजिंदर वालिया, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ. जे. संजय, वैज्ञानिक एफ, जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), पुणे
- श्री अनिल के. सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), मानद। मुख्य संपादक, **Know Disasters** और वरिष्ठ सलाहकार, सीडीएम, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, संस्थापक उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए), पटना
- डॉ. नीलेश एम. देसाई, निदेशक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, अहमदाबाद
- डॉ. सूर्य प्रकाश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भू-मौसम जोखिम प्रबंधन प्रभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ. संतोष कुमार, प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- श्री बिष्णुपद सेठी, आईएएस, प्रधान सचिव, सरकार, स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर
- डॉ. पवन कुमार सिंह, संयुक्त सलाहकार(ऑपरेशन), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार, नई दिल्ली
- डॉ. वी. बी. माथुर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी), भारत सरकार, चेन्नई
- डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक जी, कृषि मौसम सलाहकार सेवा प्रभाग, मौसम विज्ञान महानिदेशक कार्यालय, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली
- डॉ. हरीश चंद्र कर्नाटक, वैज्ञानिक/इंजीनियर - एसएफ और प्रमुख, जियोवेब सर्विसेज, आईटी और दूरस्थ शिक्षा विभाग, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और आउटरीच कार्यक्रम समूह, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस), अंतरिक्ष विभाग, देहरादून
- श्री राजीव रंजन मिश्रा, आईएएस, महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. एम. आरिज अहमद, आईएएस, प्रधान सचिव, लोक निर्माण विभाग, असम सरकार

- डॉ. अंजल प्रकाश, अनुसंधान निदेशक और संयुक्त एसोसिएट प्रोफेसर, भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद
- डॉ. वी.बी.माथुर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी), भारत सरकार, चेन्नई
- डॉ. आई.डी.भट्ट, वैज्ञानिक-एफ एवं केंद्र प्रमुख, जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र (सीबीसीएम), जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई), अल्मोड़ा, उत्तराखंड
- डॉ. रमेश रामचंद्रन, निदेशक, राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र (एनसीएससीएम), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, चेन्नई
- डॉ. अनुप कुमार नायक, आईएफओएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अपर महानिदेशक (प्रोजेक्ट टाइगर) एवं सदस्य सचिव, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली
- प्रोफेसर रमेश चंद, सदस्य एवं कृषि अर्थशास्त्र एवं नीति विशेषज्ञ, नीति आयोग, नई दिल्ली
- डॉ. के. श्रीनिवास रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक (मृदा एवं जल संरक्षण इंजीनियरिंग), केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए), हैदराबाद, तेलंगाना
- डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम), राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना
- पद्मश्री प्रोफेसर वी.सी. ठाकुर, पूर्व निदेशक, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी (डब्ल्यूआईएचजी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, देहरादून
- डॉ. एन.एच. रवींद्रनाथ, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), सेंटर फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज (सीएसटी), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलोर
- डॉ. के.शेखर, प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका-विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस), बैंगलोर
- डॉ. देबप्रिया दत्ता, वैज्ञानिक-जी और सलाहकार और प्रमुख, मिशन सोसाइटल साइंस फॉर इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (एसईईडी), राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसएसटीपी)/पेटेंट सुविधा कार्यक्रम (पीएफपी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, (आईआरएस और मॉक एक्सरसाइज), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), नई दिल्ली

- श्री विशाल वासवानी, आपातकालीन अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), छत्तीसगढ़ के लिए यूनिसेफ कार्यालय, रायपुर
- श्री पी.एन. राय आईपीएस (सेवानिवृत्त), माननीय सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए), पंत भवन, बेली रोड, पटना
- श्री. आनंद कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-जी और पूर्व अपर डीजीएम और प्रमुख, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली
- डॉ. उमामहेश्वरन राजशेखर, अध्यक्ष, अर्बन रिसिलिएंस यूनिट और अध्यक्ष, नगर जलवायु केंद्र, राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
- डॉ. आलोक सिक्का, भारत के प्रतिनिधि, अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई), नई दिल्ली
- डॉ. के. सत्यगोपाल, आईएएस (सेवानिवृत्त), विशेषज्ञ सदस्य, दक्षिणी क्षेत्र, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, चेन्नई और पूर्व अपर मुख्य सचिव/आयुक्त राजस्व प्रशासन और राज्य राहत आयुक्त, तमिलनाडु सरकार
- डॉ. आकाश श्रीवास्तव, अपर निदेशक एवं प्रमुख, पर्यावरण एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य केंद्र, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), दिल्ली
- डॉ. विनोद कुमार सिंह, निदेशक, आईसीएआर-कैंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए), हैदराबाद
- डॉ. रमेश कृष्णमूर्ति, वैज्ञानिक-ई, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून और भारत के प्रतिनिधि, एसोसिएशन फॉर ट्रॉपिकल बायोलॉजी एंड कंजर्वेशन और सदस्य, आईयूसीएन एसएससी, सीईएम और डब्ल्यूसीपी
- डॉ. अखिलेश गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार और नोडल अधिकारी, कोविड-19 (कार्रवाई/मुख्य निर्णय), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली
- प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक, प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी-प्रौद्योगिकी थिंक टैंक), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार
- श्री कुणाल कुमार, आईएएस, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (स्मार्ट सिटी मिशन), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

- डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

ख. अनुसंधान और केस स्टडीज़

फील्ड स्तर के असाइनमेंट में तैनात अधिकारियों के साथ निरंतर जुड़ाव के रूप में, सीडीएम ने वित्त वर्ष **2021-22** के दौरान निम्नलिखित केस अध्ययन एकत्र किए हैं।

1. यास चक्रवात का शमन और प्रबंधन

2. टॉकटेई चक्रवात का शमन और प्रबंधन

ग. प्रकाशन

1. विशेष प्रकाशन श्रृंखला "भारत में कोविड-19 प्रबंधन" आईएसएसएन: 978-81-928670-7-6, 2022 (7 खंड) (प्रकाशनाधीन)

कोविड-19 के मद्देनजर, यह जरूरी है कि अकादमी के प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन और इसके नियंत्रण संबंधी पहलुओं की स्पष्ट समझ हो। केंद्र निदेशक के निर्देशानुसार, इस पहल को फील्ड स्तर पर असाइनमेंट में तैनात अधिकारियों के साथ निरंतर जुड़ाव के तहत आगे बढ़ाया गया और सीडीएम को कोविड 19 प्रबंधन रणनीतियों/कार्यों में महामारी की पहली और दूसरी लहर से संबंधित कुल 77 पांडुलिपियां/केस अध्ययन प्राप्त हुए। अब, सीडीएम "भारत में कोविड-19 प्रबंधन" (आईएसएसएन: 978-81-928670-7-6, श्रृंखला 8, 2021) नामक विशेष प्रकाशन श्रृंखला का 7 खंडों में प्रकाशन, प्रत्येक खंड में 11 पांडुलिपियां शामिल हैं। इन पांडुलिपियों की समीक्षा और संपादन की प्रक्रिया मुख्य संपादक के रूप में डॉ. वी. थिरुप्पुगाज़, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अपर सचिव (नीति और योजना), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार की अध्यक्षता में विशेषज्ञ संपादकीय सदस्यों के मुख्य समूह द्वारा की जाएगी। प्रकाशनों की इन श्रृंखलाओं का उपयोग प्रशिक्षण संसाधन के रूप में अकादमी में प्रशिक्षु अधिकारियों के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए किया जाएगा।

2. "आपदा: प्रतिक्रिया और प्रबंधन" पर जर्नल आईएसएसएन: 2347-2553, खंड-9, अंक-I, 2022 (प्रकाशनाधीन)

3. केस स्टडी पुस्तक श्रृंखला "भारत में आपदा प्रबंधन" आईएसबीएन: 978-81-928670-8-3, श्रृंखला 8, 2022 (प्रकाशनाधीन)

4. भारत के सिविल सेवा अधिकारियों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर टूलकिट (96वें फाउंडेशन कोर्स के लिए) - दूसरा संस्करण (प्रकाशनाधीन)

घ. क्षमता निर्माण के लिए पठन सामग्री

पाठ्यक्रम विशिष्ट प्रशिक्षण और पठन सामग्री विकसित की गई और उपर्युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकारी प्रशिक्षुओं को वितरित की गई:

क. आपदा प्रबंधन की मूल बातें

ख. आपदा प्रबंधन का विधिक ढांचा

ग. जिला आपदा प्रबंधन योजना

घ. घटना प्रतिक्रिया प्रणाली

ङ. जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन (कोविड 19)

च. आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका

छ. सामुदायिक स्तर पर आपदा न्यूनीकरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका

ज. जलवायु परिवर्तन: चुनौतियाँ और प्रतिक्रिया

ड़. अन्य गतिविधियां

- हिमालय अध्ययन दौरा (26-02-2022 से 05-03-2022) के दौरान 96वें फाउंडेशन कोर्स के लिए वायरलेस संचार सेट और जीपीएस के संचालन के बारे में अधिकारी प्रशिक्षु को जानकारी प्रदान की गई और 96वें फाउंडेशन कोर्स के लिए ट्रेक रूट मानचित्र तैयार किए गए।
- अग्नि सुरक्षा एवं खोज एवं बचाव मॉक ड्रिल आयोजित की गई
- विभिन्न आपात स्थितियों के लिए भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का मानचित्रण; अकादमी के लिए डीएम योजना और आपातकालीन निकास योजना तैयार करना

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र (बीएनवाईसीआरएस)

<u>केंद्र का विजन</u>

"भूमि, ग्रामीण विकास, कृषि आंदोलन, आजीविका, जेंडर और पंचायती राज के विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीतिगत विचार-विमर्श के लिए वातावरण तैयार करना और उसको बढ़ावा देने में सहायता करना।"

<u>केंद्र का मिशन</u>

" प्रशिक्षुओं अधिकारी के प्रशिक्षण के लिए सामग्री और मैनुअल तैयार करना, अनुसंधान संबंधी अध्ययन कार्य करना, कार्यशालाओं और नीतिगत संगोष्ठियों का आयोजन करना, सहयोगी संगठनों और पेशेवर व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित करना, पत्रिकाओं, शोध पत्रों, रिपोर्टों आदि का प्रकाशन सुनिश्चित करना और नीति बनाने या उसमें परिवर्तन करने के लिए सरकारी एजेंसियों में अनुसंधान आधारित ज्ञान का प्रसार करना तथा युवा पेशेवरों को देश की सामाजिक आर्थिक वास्तविकताओं से रूबरू कराना।

केंद्र निदेशक का नाम	सुश्री आनंदी, आईएएस (21.12.2020 से)

<u>केंद्र की संक्षिप्त पृष्ठभूमि</u>

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में बी. एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र वर्ष 1989 में स्थापना के बाद से ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण और नीति निर्माण संबधी सिफारिशों देने के लिए प्रमुख संसाधन/प्रतिष्ठान के रूप में उभरा है। इसे मुख्य रूप से भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधि आबंटित की जाती है और सहायता की जाती है। वर्तमान में यह भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुसंधान समिति के रूप में पंजीकृत है। अकादमी के निदेशक इस केंद्र के पदेन अध्यक्ष हैं और उन्हें किसी भी संयुक्त निदेशक, उप निदेशक या प्रोफेसर को केंद्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने का अधिकार है।

केंद्र भूमि सुधार, भूमि अभिलेख प्रबंधन, भुगतान आधारित रोजगार, सामान्य संपत्ति संसाधन, विस्थापन और पुनर्वास, समकालीन कृषि आंदोलनों, और ग्रामीण विकास, पंचायती राज आदि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रकाशन संबंधी कार्य करता है। यह मुख्य रूप से फाउंडेशन कोर्स के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम (पूर्व में ग्रामीण दौरा कार्यक्रम) आयोजित करता है। गांव के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने के लिए उनकी प्राथमिकताओं का आकलन करने हेतु प्रशिक्षु अधिकारियों को पार्टिसिपेटरी रूरल एप्रेजल (पीआरए) तकनीकों पर इनपुट्स दिए जाते हैं। केंद्र प्रशिक्षु अधिकारियों के माध्यम से उनके जिला प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम तैयार करने और उसकी जांच की प्रक्रिया में भी शामिल रहता है। काश्तकारी, भूमि के सीमा निर्धारण, भूमि अभिलेख, भूमि चकबंदी, बंजर भूमि प्रबंधन, आवासहीनता, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों सहित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर डेटा एकत्र किया जाता है और प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट गांवों की सामाजिक-आर्थिक और भूमि सुधार संबंधी रिपोर्ट तैयार करते समय उपयोग में लाया जाता है। इन रिपोर्टों के आधार पर केंद्र ने 'भारत में भूमि सुधार' की एक सीरीज और 'ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा' की तीन सीरीज प्रकाशित की हैं। केंद्र के अन्य प्रकाशनों में पुस्तकें, लेख, शोध पत्र शामिल हैं और सबसे महत्वपूर्ण सेज प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा किया जाने वाला जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज है जोकि उपर्युक्त विषयों पर विचारों को प्रकट करने और उनको साझा करने का अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म है। भूमि प्रशासन और ग्रामीण विकास पर विचारों का नियमित आदान-प्रदान करने हेतु यह केंद्र कार्यशालाएं भी आयोजित कर रहा है।

<u>वर्ष के दौरान गतिविधियाँ</u>

(क) प्रशिक्षण कार्यक्रम

बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र अकादमी द्वारा आयोजित फाउंडेशन कोर्स और आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के दौरान सक्रिय रूप से सम्मिलित होता है। इस वर्ष के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित कीः

(i) <u>आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- I</u>

- *<u>लैंड एडमिनिस्ट्रेशन मॉड्यूल:</u> वर्ष* 2020 बैच के 182 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को अकादमिक काउंसिल के सदस्यों (एसीएम) द्वारा अनुमोदित डिजाइन के अनुसार लैंड एडमिनिस्ट्रेशन मॉडयूल दिए गए।

सुश्री आनंदी, उप निदेशक (वरिष्ठ) एवं केंद्र निदेशक, बी एन युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र द्वारा कक्षा सत्र

- <u>भूमि सर्वेक्षण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण:</u> केंद्र ने भारतीय सर्वेक्षण, देहरादून और जिला सर्वेक्षण और सेटलमेंट कार्यालय, देहरादून के साथ समन्वय करते हुए आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम फेस- I (2020 बैच) के लिए 'सर्वेक्षण तकनीकों का परिचय' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक सर्वेक्षण साधनों और राजस्व सर्वेक्षण के दौरान उनकी उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भूमि सर्वेक्षण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान की फोटोग्राफ

ii) <u>आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम के तहत जिला प्रशिक्षण के लिए ग्राम अध्ययन असाइनमेंट (वीएसए)</u>

- <u>ग्राम अध्ययन असाइनमेंट :</u> ग्राम अध्ययन असाइनमेंट प्रशिक्षण के दूसरे चरण के दौरान आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों को दिए गए जिला प्रशिक्षण असाइमेंट का प्रमुख हिस्सा है। वर्ष के दौरान, केंद्र को 2019-21 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से 182 सामाजिक-आर्थिक (एसई) और भूमि सुधार (एलआर) रिपोर्टें प्राप्त हुई। इन रिपोर्टों का मौजूदा स्थिति, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विश्लेषण एवं गरीबी उन्मूलन संबंधी पहलों की जांच-पड़ताल और मूल्यांकन किया गया। ये मूल्यांकन श्रेष्ठ रिपोर्टों की पहचान करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं और बाद में ग्रामीण भारत के सोश्यो-इकोनोमिक प्रोफाइल ऑफ रूरल इंडिया के संपादित वॉल्यूम्स में संकलन, संपादन और प्रकाशन के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। अब तक इन वॉल्यूम्स की तीन श्रृंखलाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं।

- <u>देशान्तर अध्ययन:</u> आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं (2020-22 बैच) के माध्यम से केंद्र ने तत्कालीन आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा 1990 से 2009 के बीच अध्ययन किए गए गांवों की विधिवत पहचान करते हुए 65 गांवों में अध्ययन किया है। इन अध्ययनों का उद्देश्य पिछले दो/तीन दशकों के दौरान चुनिंदा गांवों में हुई विकास की प्रगति को देखना था। गरीबी, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि सुधार और पंचायती राज संस्थाओं जैसे विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया। आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों की रिपोर्ट में तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक तस्वीर उभर कर सामने आएगी जो मूल रूप से शिक्षाविदों और योजनाकारों के लिए अधिक उपयोगी होगी। इन रिपोर्टों में उल्लिखित सिफोरिशों के आधार पर विभिन्न मंत्रालय जरूरत पड़ने पर अपनी विभिन्न योजनाओं के प्रभाव की मॉनीटरिंग कर सकते हैं।

- <u>ग्रामीण परिवारों की एथनोग्रफिक स्टडी (ईएसआरएच)</u>: ग्राम अध्ययन असाइनमेंट के तहत निष्पादित गतिविधियां और रिपोर्ट/केस अध्ययन न केवल एक समुदाय के रूप में गांव/ग्रामीणों के विकास को दर्शाते हैं, बल्कि चुनिंदा परिवारों के विकास को भी दर्शाते हैं। चूंकि अधिकांश डेटा आम तौर पर समय-बिंदु पर आधारित होता है, एक देशांतर एथनोग्राफिक स्टडी केवल तभी

संभव है जब समान गांवों और समान परिवारों को अलग-अलग समय-बिंदुओं पर कवर किया जाता है। इसी दृष्टिकोण के साथ बी.एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र ने इस वर्ष से अनुसंधान रणनीति अपनाई और डिजाइन की है, जिसमें "निर्धनतम लोगों" पर केस स्टडी के बजाय "ग्रामीण परिवारों की एथनोग्राफिक स्टडी (ईएसआरएच)" तैयार करने का कार्य राज्यवार एक अधिकारी प्रशिक्षु को आवंटित किया गया है। इस गुणात्मक शोध का उद्देश्य घरों की 'रोजमर्रा की वास्तविकताओं' का अवलोकन करना और परिवारों परिवर्तन की प्रक्रियाओं को समझना और बड़े पैमाने पर 'समुदाय' में 'विकासात्मक' परिवर्तनों का पता लगाना है।

(iii) फाउंडेशन कोर्स के लिए फील्ड अध्ययन एवं अनुसंधान कार्यक्रम (एफएसआरपी)

फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम (एफएसआरपी) में तीन गतिविधियां शामिल हैः कक्षा इनपुट, फील्ड अध्ययन और अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों, प्रस्तुतियों और फिल्मों का मूल्यांकन। 96वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान निम्नलिखित कार्य किए गएः

क) फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम का योजना चरण

- ‘फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम मैनुअल’ को अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संदर्भ दस्तावेज के रूप में दोबारा डिजाइन किया गया।

- फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम के संचालन के लिए 4 राज्यों (बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) के 16 जिलों के 80 सीमावर्ती गांवों का चयन किया गया। संबंधित जिलाधिकारी से संपर्क किया गया और बीओपी का चयन करने के लिए अर्ध-सैन्य बलों के साथ समन्वय करने का अनुरोध किया गया।

- अधिकारी प्रशिक्षुओं के उप-समूह (प्रति समूह 6-8 सदस्य) प्रत्येक जिले के लिए एक ग्रुप लीडर (जीएल) और प्रत्येक गांव के लिए एक सब-ग्रुप लीडर (एसजीएल) के साथ बनाए गए।

- अधिकारी प्रशिक्षुओं को मॉक अभ्यास के बाद कक्षा कक्ष के माध्यम से सहभागी शिक्षण और कार्रवाई (पीएलए) तकनीकों से संबंधित जानकारी दी गयी।

एफएसआरपी (96वें एफसी) के ब्रीफिंग सत्र के दौरान अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अकादमी के निदेशक श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला

ख. फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम का निष्पादन चरण

- यह सुनिश्चित किया गया कि फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम के संचालन के दौरान अधिकारी प्रशिक्षु संबंधित गांवों में रहें, ग्रामीणों और प्रारंभिक स्तर के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करें और पीएलए/एफजीडी अभ्यास करेंगे। उन्हें अर्ध-सैन्य बलों के अधिकारियों और सैनिकों के साथ पेट्रोलिंग और नए साल के जश्न के लिए बीओपी पर भी ले जाया गया।

- अकादमी के संकाय सदस्य और बी. एन. युगांधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र के अधिकारियों ने फील्ड में अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा संचालित गतिविधियों की निगरानी के लिए विभिन्न गांवों का दौरा किया। वे फील्ड में प्रवास के दौरान अधिकारी प्रशिक्षुओं के सामान्य व्यवहार और आचरण पर भी ध्यान देते हैं।

- अधिकारी प्रशिक्षुओं के प्रत्येक उप-समूह ने फील्ड में ग्रामीणों के साथ गतिविधियों को दर्शाने और ग्रामीण जीवन को दर्शाने के लिए विस्तृत फील्ड अध्ययन और अनुसंधान रिपोर्ट और फिल्म तैयार की।

ग. फील्ड अध्ययन और अनुसंधान कार्यक्रम का समापन चरण

- सभी उप-समूहों ने अपने क्षेत्रीय अध्ययनों के आधार पर प्रस्तुतियाँ दीं। इनका मूल्यांकन अकादमी के संकाय सदस्यों और बीएनवाई-सीआरएस के अधिकारियों द्वारा किया गया।

- विभिन्न उप-समूहों द्वारा प्रस्तुत फील्ड अध्ययन और अनुसंधान रिपोर्ट का मूल्यांकन बीएनवाईसीआरएस अधिकारियों द्वारा किया गया था। ये रिपोर्टें अब बीएनवाईसीआरएस रिपोजिटरी का हिस्सा हैं।

- चुनिंदा उप-समूहों को उनकी प्रस्तुतियों और रिपोर्टों की गुणवत्ता के आधार पर स्वर्ण पदक, रजत पदक और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

- चुनिंदा उप-समूहों को उनके द्वारा निर्मित फिल्मों की गुणवत्ता और कवरेज के आधार पर उपयुक्त नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। ये फिल्में अब बीएनवाईसीआरएस की रिपोजिटरी का हिस्सा हैं।

(ख) चरण- II और चरण- III के बीच अधिकारियों के साथ निरंतर जुड़ाव

वर्ष के दौरान बीएनवाईसीआरएस ने थीम के रूप में 'वन संबंधी अधिनियमों और जनजातीय अधिकारों पर इनके प्रभाव' को अधिकारियों के लिए चुना। व्यापक विषय के तहत विभिन्न उप-विषयों की पहचान की गई और उपलब्ध पठन सामग्री (प्रासंगिक अधिनियम/नीति/योजना/सलाह आदि) तैयार की गई। संबंधित मंत्रालयों/संगठनों के अधिकारियों के संपर्क विवरण भी सूचीबद्ध किए गए।

(ग) अनुसंधान अध्ययन/परियोजनाएँ

क्र.स.	**शीर्षक**	**स्थिति**
1	गोवा के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	पूर्ण
2	मिजोरम के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	पूर्ण
3	लक्षद्वीप के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन	पूर्ण

(घ) अन्य शोध अध्ययन

क्र.स.	**शीर्षक**	**स्थिति**
1	महाराष्ट्र में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम - 2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति	ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार की जा रही है
2	हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम - 2006 और संशोधन नियम - 2012 के कार्यान्वयन की स्थिति	ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राप्त हुई

(ङ) प्रकाशन: वर्तमान और आगामी

क्र.स.	**शीर्षक**
वर्तमान प्रकाशन	
1	मध्य प्रदेश के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
2	उत्तर प्रदेश के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
3	कर्नाटक के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
4	बिहार के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
5	गुजरात के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
6	सिक्किम के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
7	मणिपुर के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
8	उत्तराखंड के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन

आगामी प्रकाशन	
1	पंजाब के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
2	राजस्थान के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
3	पश्चिम बंगाल के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
4	केरल के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
5	महाराष्ट्र के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
6	मिजोरम के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
7	गोवा के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
8	लक्षद्वीप के डिजिटल लैंड रिकार्डस माडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) का प्रभाव आकलन
9	हैंड बुक आन लैंड सर्वे इन इंडिया
10	सोश्यो-इकोनोमिक प्रोफाइल आफ रूरल इंडिया (सीरीज IV)
11	पंजाब में नेशनल जेनेरिक डाक्युमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन
12	झारखंड में नेशनल जेनेरिक डाक्युमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एनजीडीआरएस) का प्रभाव आकलन
13	जर्नल आफ लैंड एंड रूरल स्टडीज (वाल्यूम 10, अंक 2: जुलाई 2022)

(च) पुरानी रिपोर्टों का डैशबोर्ड और डिजिटीकरण

वर्ष के दौरान बीएनवाईसीआरएस ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ आईटी परियोजना शुरू की है:

- विभिन्न बैचों के अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और भरी हुई अनुसूचियों के डिजिटीकरण माध्यम से सामाजिक-आर्थिक (एसई) रिपोर्टों और भूमि सुधार (एलआर) रिपोर्टों की एकल डिजिटल रिपोजिटरी तैयार करना।

- अच्छी तरह से व्यवस्थित उपयोगकर्ता-अनुकूल डैशबोर्ड और डाटाबेस तैयार करना; इससे प्रशासकों को निर्णय लेने में सुविधा होगी और शोधकर्ताओं/शिक्षाविदों द्वारा भविष्य के अनुसंधान के लिए इसका उपयोग किया जाएगा।

यह विचार है कि प्रशासकों को उनके क्षेत्र (राज्य/जिला/गांव) में विकास योजनाओं के प्रभाव की जांच करने में सुविधा हो सके। वे बेहतर कार्यान्वयन (यदि आवश्यक हो) के लिए रणनीतिक निर्णय को तरजीह दे सकते हैं। साथ ही, दुनिया भर में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, डेटा वैज्ञानिकों आदि को भविष्य के अनुसंधान के लिए डेटा निकालना आसान होगा, और जिन संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ अकादमी या उसके केंद्रों ने समझौता ज्ञापन किया है, उनसे डेटा प्राप्त करने का अनुरोध किया जा सकता है, अनुसंधान कार्य किए जा सकते हैं और नीतिगत सुझाव प्राप्त हो सकते हैं।

(छ) जर्नल आफ लैंड एंड रूरल स्टडीज

जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज, विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की गई पत्रिका, वर्ष 2012 से केंद्र की ओर से सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित की जा रही है। इसमें भूमि सुधार, भूमि प्रशासन और प्रबंधन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और औद्योगीकरण, माइक्रो-वित्त/ऋण आदि जैसे विषयों पर लेख, नीतिगत संक्षिप्त विवरण, वर्किंग पेपर्स, पुस्तक समीक्षा आदि और इन क्षेत्रों से संबंधित नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम शामिल हैं। इस जर्नल के पास कमेटी ऑन पब्लिक इथिक्स (सीओपीई) की सदस्यता है। यह प्रिंट (आईएसएसएन: 2321-0249) और ऑनलाइन (आईएसएसएन: 2321-7464) में उपलब्ध है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में इसका सर्कुलेशन लगभग 10,446 है। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान जर्नल प्लेटफॉर्म से जर्नल की पूरी सामग्री के उपयोग और डाउनलोड की संख्या 9,145 रही है।

वर्ष के दौरान जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज के निम्नलिखित खंड और अंक प्रकाशित किए गए हैं:

<u>वॉल्यूम 9 अंक 2 (जुलाई 2021)</u>: इसमें शामिल लेख और पुस्तक समीक्षा निम्नलिखित हैं:

1. लैंड टेन्योर, लैंड प्रोपर्टी राइट्स एंड एडोप्शन आफ बायो-फोर्टिफाइड कसावा इन नाइजीरिया: पालिसी इम्प्लीकेशंस-कोलापो एडेटोमीवा, एबिंबोला एस्थर इसेओलुवा और ओमिलाजू सैमुअल बाबाटुंडे
2. डिस्ट्रेस माइग्रेशन अमंग अल्ट्रा पुअर हाउसहोल्ड्स इन वेस्टर्न ओडिशा - एस.एन. त्रिपाठी

3. अनरैवेलिंग दी मल्टीफेसेटिड डेवेलपमेंट कांसेक्वेसेंसिज आफ एग्रीकल्चरल लैंड ग्रैबिंग आन रूरल माइग्रेंट वीमेन इन घाना- मोहम्मद अबुबकरी, विक्टोरिया मेन्सा न्यामादी और पैट्रिक अरहिन
4. इम्पैक्ट आफ इम्प्रूड एग्रीकल्चर टेक्नालाजी यूज आन हाउसहोल्ड इनकम इन इस्टर्न इथोपिया: एमपाइरीकल इविडेंस फ्राम ए प्रोपेन्सिटी स्कोर मैचिंग एस्टीमेशन - मुलुकेन जी. वर्दाफा, जेमल वाई. हसन, गेटाचेव एस. एंड्रिस, चान्यालेव एस. अवेके, डेरेजे के. मोजेस और डेबेबे टी. रोरिसा
5. इरीगेशन एंड इनक्लुजिवनेस इन हैल्थ: ए स्टडी आफ टू विलेजज इन ईस्ट कर्नाटक - सुमा स्कारिया
6. अवेलेबलिटी एंड स्पैटियल इनइक्वलिटी आफ रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन जंगल महल ब्लॉक्स आफ पुरूलिया डिस्ट्रिक्ट, इंडिया-उत्तम कुमार पात्रा और सुमन पॉल
7. सिक्योरिंग इनसिक्योर लिवलीहुड थ्रू ग्रुप साइनर्जीज: द केस आफ वाइलेंट नमताला ट्रांसबाउंड्री वैटलैंड इन रूरल इस्टर्न यूगांडा - कॉन्स्टेंस मुडोंडो, रॉबर्ट कबुम्बुली और दाउदा वैस्वा बटेगा
8. क्लाइमेंट चेंज अडेपटेशन इन अक्रोपोंग, घाना: एक्सपीरियंसिज आफ फीमेल स्मालहोल्डर फामर्स- माइकल एडैनी, जॉर्ज एफ़ा सर्पोंग और जोनास अयारबिला अकुड्गु
9. एपीजे अब्दुल कलाम और सृजन पाल सिंह की पुस्तक 'टारगेट 3 बिलियन (पीयूआरए: इनोवेटिव सॉल्यूशंस टूवर्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट)' की समीक्षा भास्कर कुमार काकाती द्वारा की गई।

<u>वॉल्यूम 10 अंक 1 (जनवरी 2022)</u> : इसमें शामिल लेख और पुस्तक समीक्षा निम्नलिखित हैं:

1. धान खरीद में प्रक्रिया और कमियाँ: मीनल करणवाल* द्वारा महाराष्ट्र के भंडारा जिले की एक केस स्टडी
2. पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में भूमि शासन: छत्तीसगढ़ राज्य का महत्वपूर्ण विश्लेषण- नायकरा वीरेशा
3. विकास, समृद्धि और आकांक्षाएँ: नोएडा के पेरी-शहरी क्षेत्रों से एक कथा- भावना बाली और नेहा भाटिया
4. परिवारों की गरीबी को खत्म करने में वित्तीय समावेशन की भूमिका: घाना के ग्रामीण वा पश्चिमी जिले से साक्ष्य-एडम्स नुहू टिम्बिले और रिचर्ड एंजेलस कोटे
5. उप-सहारा अफ्रीका ग्रामीण भूमि बाजारों में महिलाओं की कार्यकाल सुरक्षा की प्रकृति क्या है? नाइजीरिया से कुछ साक्ष्य- ओ.ओलायेमी सोनी
6. तंजानिया के दक्षिणी हाइलैंड्स में मकेटे जिले के लुपिला वार्ड में भूमि-उपयोग की गतिशीलता - फरजा सांगा, एम्मा टी. लिवेंगा और एवरिस्टो हॉले

7. कैटरीना पिस्टोर की पुस्तक 'द कोड ऑफ कैपिटल रिव्यूड' की समीक्षा सी. ई. अजित कुमार द्वारा की गई*

* **नोट:** इस वर्ष से बीएनवाईसीआरएस ने आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण- II को पूरा करने के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंधों का प्रकाशन शुरू कर दिया है। पुरस्कृत निबंधों को संबंधित अधिकारी प्रशिक्षुओं द्वारा शोध पत्रों के रूप में संक्षिप्त रूप में और दोबारा लिखा जाता है। 2019-2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी का यह पेपर उसी कवायद का परिणाम है।

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर

• **केंद्र का नाम:**
नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर

• **केंद्र निदेशक का नाम:**
सुश्री दिशा पन्नू

• **नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर की संक्षिप्त पृष्ठभूमि**:

यह केंद्र 1995 में स्थापित किया गया था। इस केंद्र का मुख्य लक्ष्य सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण और कार्यान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्यधारा से जोड़ना है। नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर अकादमी के तत्वावधान में एक क्षमता निर्माण केंद्र है, जो जेंडर को मुख्यधारा से जोड़ने के जनादेश और जेंडर समानता और बाल अधिकारों पर काम करने वाले विभिन्न संस्थानों के साथ तालमेल बनाने की प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

इस दिशा में काम करते हुए, केंद्र, शुरुआत से ही प्रशिक्षणों (विषयगत कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सहित), ज्ञान रिपोजिटरी के विकास (सामग्री विकास, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकास, कार्यक्रमों और मॉड्यूल की डिजाइनिंग) और नीति निर्माताओं के लिए प्रकाशन कार्य सक्रिय रूप से करता रहा है। इन दोनों कार्यों का उद्देश्य के केवल जेंडर संवेदनशीलता को बढ़ाना है बल्कि जेंडर विश्लेषण और जेंडर योजना के लिए क्षमताओं में वृद्धि करना भी है।

केंद्र की स्थापना के बाद से, केंद्र ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के सभी पाठ्यक्रमों में जेंडर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक सम्मिलित किया है जिसमें अखिल भारतीय/केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए विभिन्न पहलुओं पर कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा सभी स्तरों पर आईएएस अधिकारियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण और सेवाकालीन मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

2021-2022 में, इस केंद्र द्वारा निम्नलिखित परियोजनाएं/गतिविधियाँ शुरू की गईं:

क. प्रशिक्षण:

घरेलू हिंसा से निपटने में सुरक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

घरेलू हिंसा से निपटने के लिए सुरक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (एक सप्ताह के गहन कार्यक्रमों के चार सेट) नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए गए।

केंद्र ने इस परियोजना को घरेलू हिंसा के स्पष्ट और सूक्ष्म कारणों पर प्रकाश डालते हुए डिजाइन, विकसित और शुरू किया और सुरक्षा अधिकारियों को अधिनियम के तहत प्रदत्त उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की स्पष्ट रूपरेखा के बारे में बताया गया। इस दौरान, विषयों विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिन्होंने ऐतिहासिक निर्णयों सहित सभी अधिनियम प्रावधानों पर सुरक्षा अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित किए गए:

- उत्तर प्रदेश (बैच 1) – 28 जून से 2 जुलाई, 2021
- हरियाणा (बैच 2) – 05 से 09 जुलाई, 2021
- उत्तर प्रदेश (बैच 3) – 12 से 16 जुलाई, 2021
- उत्तर प्रदेश (बैच 4) – 26 से 30 जुलाई, 2021

1. पोषण अभियान पर ध्यान केंद्रित करते पोषण चुनौतियों से निपटने के उपाय - 07 अक्टूबर, 2021:- भारत द्वारा पोषण माह मनाए जाने के संदर्भ में, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने 07 अक्टूबर, 2021 को "पोषण अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए पोषण चुनौतियों से निपटने के उपाय" विषय पर कार्यशाला का आयोजित की। कार्यक्रम का लक्ष्य पोषण संबंधी चुनौती और प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के महत्व के संबंध में जागरूकता और जानकारी बढाना था।

2. समावेशी समाज की ओर:- अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए चल रहे 96वें फाउंडेशन कोर्स में, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर ने डिकंस्ट्रक्शन मॉड्यूल के तहत जेंडर संवेदनशीलता पर सत्र तैयार, डिजाइन और शुरू किए गए है।

ख. प्रकाशन:

1. घरेलू हिंसा से निपटने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल:- राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सहयोग से सुरक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के आधार पर, घरेलू हिंसा की रोकथाम और संबंधित कानूनी प्रावधानों के कार्यान्वयन के समय सुरक्षा अधिकारियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में उनकी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल भी डिजाइन किया गया है। यह मॉड्यूल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों द्वारा साझा की गई समेकित प्रतिक्रिया, साझा ज्ञानार्जन और सर्वोत्तम प्रथाओं का परिणाम है। सुरक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण के उद्देश्य से विकसित

मॉड्यूल, राज्यों में सुरक्षा अधिकारियों की क्षमताओं को बढ़ाने और फैसिलिटेटर्स, प्रशिक्षकों और संस्थानों के लिए त्वरित संदर्भ के लिए उपयोगी हैं।

2. महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा पर केस स्टडीज (वीएडब्ल्यू एंड सी):- नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा पर केस स्टडीज का संग्रह तैयार किया है। प्रत्येक केस स्टडी के साथ विस्तृत शिक्षण नोट्स होते हैं जो प्रशिक्षकों के लिए मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। इस सार-संग्रह को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और सभी राज्य महिला आयोगों, बाल अधिकार संरक्षण के लिए राज्य आयोगों, महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभागों में परिचालित किया गया था ताकि विषय की समग्र समझ को बढ़ाने के अलावा अधिनियमों और नियमों को लागू करने में चुनौतियों और शक्तियों के बारे में जानकारी प्रदान की जा सके।

ग. जारी परियोजना:-

1. किशोर न्याय अधिनियम पर विशेष ध्यान देते हुए बाल अधिकारों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम - कार्यरत अधिकारियों के लिए किशोर न्याय अधिनियम पर 3 सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम डिजाइन और विकसित किया जा रहा है। प्रत्येक सप्ताह में एक मॉड्यूल को कवर किया जाएगा, जिसमें मॉड्यूल के लिए विषय के एक विशिष्ट आयाम को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह/मॉड्यूल के अंत में, प्रमाणपत्र देने के लिए आवश्यक सभी मॉड्यूल के अपेक्षित आउटपुट की तुलना में ज्ञानार्जन का आकलन करने हेतु मूल्यांकन किया जाएगा। मॉड्यूल को अकादमी के ज्ञान पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा और भविष्य में यह सरकार के आई-गॉट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध होगा।

2. पोषण अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में पोषण चुनौती से निपटने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम- नीति निर्माताओं और प्रशासकों के लिए एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम मॉड्यूल विकसित करना, जिसे आई-गॉट प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम भारत में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए डेटा और साक्ष्य के उपयोग के लिए नीति निर्माताओं और प्रशासकों की क्षमता बढाने में सहायता करेगा। नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर पोषण पाठ्यक्रम मॉड्यूल तैयार करेगा जो प्रतिभागियों को महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की प्रकृति, कारणों और परिणामों को समझने में सहायता करेगा तथा कुपोषण से निपटने के सभी तरीकों की पता लगाएगा। यह पाठ्यक्रम संपूर्ण जीवन में कुपोषण के जेंडर संबंधी कारणों पर प्रकाश डालेगा।

3. निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों को आयोजित करेगा। कार्यक्रम का लक्ष्य जेंडर को मुख्यधारा से जोड़ने के विषय पर महिला राजनीतिक सदस्यों के ज्ञान और समझ को बढ़ाना है।

सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र

सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र का उद्घाटन 31 अक्टूबर, 2021 को डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग ने किया। इस केंद्र को सरदार वल्लभबाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में राष्ट्र को समर्पित किया गया।

केंद्र का लक्ष्य सिविल सेवकों की भावी पीढ़ियों के लिए क्षमता विकास की नींव रखना है ताकि वे दुनिया भर में नेतृत्व की सर्वोत्तम कार्यविधियों से ज्ञान प्राप्त कर सकें और साथ ही अपने सांस्कृतिक लोकाचार, मूल्यों और जमीनी स्तर पर जुड़े रहें। माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि सुशासन के लिए फील्ड अधिकारियों के साथ-साथ नीति निर्धारण स्तर के अधिकारियों में भी अच्छे नेतृत्व कौशल की आवश्यकता है। सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र का लक्ष्य भारत के सिविल सेवकों को निरंतर अध्ययन और ज्ञानार्जन के अवसर प्रदान करने के लिए संसाधन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

इस केंद्र की स्थापना का लक्ष्य सिविल सेवकों को सरदार पटेल नेतृत्व केंद्र के साथ लगातार संपर्क में रहने में सक्षम बनाना है, यह एक ऐसी इकाई जो उन्हें अपने व्यक्तिगत लक्ष्य में बेहतर कौशल और मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है।

कार्यशालाएँ और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) निम्नानुसार आयोजित किए गए:

- **पहला कॉमन मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीएमसीटीपी)-लीड- 26 - 2 नवंबर, 2021:**

  सीएमसीटीपी का पहला चरण 2000 और 2001 बैच के आईएएस अधिकारियों के लिए

आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों को परस्पर नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और अपने प्रतिभागियों के बीच राष्ट्रीय गौरव, मिशन और सौहार्द की भावना पैदा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सरकारी संगठनों का नेतृत्व करने के लिए एक मंच पर लाना है, जो सभी को ज्ञानार्जन, विकास के लिए अपनी टीमों का नेतृत्व करने में सक्षम बनाएगा और राष्ट्रीय आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करेगा। इसका उद्देश्य उच्च स्तरीय नेतृत्व क्षमताओं का पता लगाना और उन्हें बेहतर बनाना है।

- **27 दिसंबर, 2021:** विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए लीडरशिप मॉड्यूल के डिजाइन और डिलिवरी के बारे में विचार-मंथन के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रशिक्षण के विभिन्न स्तरों पर आवश्यक नेतृत्व दक्षताओं की पहचान करना और प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा प्रस्तावित नेतृत्व पाठ्यक्रम से इन दक्षताओं को जोड़ने के तरीकों पर विचार करना शामिल है। इस कार्यशाला में, सभी संकाय सदस्यों ने विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रमों के लिए चर्चा की और दक्षताओं की पहचान की और प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए लीडरशिप मॉड्यूल का मसौदा तैयार किया। इस कार्यशाला में 19 बाहरी विशेषज्ञों (ऑनलाइन और ऑफलाइन) और इन-हाउस संकाय ने भाग लिया।
- **18-19 जनवरी, 2022:** समावेशी नेतृत्व पर ऑनलाइन टीओटी आयोजित किया गया और इसमें बाहरी विशेषज्ञों और इन-हाउस संकाय ने भाग लिया। यह 27 दिसंबर, 2021 को आयोजित नेतृत्व कार्यशाला के बाद आयोजित किया गया।
- **18-20 फरवरी, 2022:** अनुभवी समन्वयकों के लिए अवधारणाओं को संशोधित करने और नए संकाय सदस्यों को अवधारणाएं समझने में मदद करने के उद्देश्य से 96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए अंतिम नेतृत्व मॉड्यूल आयोजित करने से पहले संकाय और बाहरी विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षकों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण (टीओटी) निर्धारित किया गया है। टीओटी ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी आयोजित किया जाएगा।
- **21-22 फरवरी, 2022:** लीडरशिप मॉड्यूल 96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए निर्धारित है जो बाहरी विशेषज्ञों और इन-हाउस संकाय द्वारा संचालित किया जाएगा। इस मॉड्यूल का उद्देश्य सभी स्तरों पर आवश्यक नेतृत्व कौशल को बढ़ाना है।

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र (सीएफपीएच)

भारतीय खाद्‌य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने अकादमी के सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन केंद्र के साथ साझेदारी से वर्ष 2019 में फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की थी।

केंद्र का मुख्य उद्‌देश्य सिविल सेवकों में समग्र रूप से विचार करने और कार्य करने की क्षमता पैदा करना तथा लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए हितकारी खाद्‌य नीतियां और क्रियाकलापों को बढ़ावा देना है। केंद्र जागरूक करने वाली कार्यशालाओं के माध्यम से दीर्घकालिक खाद्‌य प्रणालियों, खाद्‌य सुरक्षा, पोषण और जन स्वास्थ्य पर इंडक्शन लेवल के साथ-साथ सेवाकालीन स्तर पर सिविल सेवकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य कर रहा है तथा कोर्सों में विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्‌यूल्स को सम्मिलित कर रहा है।

केंद्र के कार्यकारी निदेशक: श्री विजय बी. वसंत

2021-2022 के दौरान आयोजित गतिविधियाँ

26 *अप्रैल* 2021 *को सुश्री ऋजुता पांडव द्‌वारा ईट राइट इंडिया मूवमेंट का अवलोकन*

लक्ष्य समूह: *123*वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के पदोन्नत आईएएस अधिकारी

कार्यक्रम समन्वयक: सुश्री मोनिका धामी

प्रतिभागियों की संख्या: *67*

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

सुश्री रिजुता पांडव, डिप्टी लीड, एफएसएसएआई फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्स सेंटर (एफएफआरसी)

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र द्‌वारा 26 अप्रैल, 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से 123वें इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए ईट राइट इंडिया पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सत्र का उद्‌देश्य प्रतिभागियों को ईट राइट इंडिया पहल की व्यापक रूपरेखा समझाना था, जिसे भारतीय खाद्‌य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देश में सुरक्षित, पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्द्‌धक आहार सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया। भारतीय खाद्‌य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्स सेंटर (एफएफआरसी) की डिप्टी लीड सुश्री रिजुता पांडव के नेतृत्व में प्रशिक्षण सत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ईट राइट इंडिया आंदोलन तीन स्तंभों पर किस प्रकार आधारित है यानी सुरक्षित, स्वास्थ्यकर और चिरस्थायी भोजन खाने पर बल दिया गया जिसमें मिलावट से बचना, विषाक्त औद्‌योगिक ट्रांस वसा को खत्म करना, नमक, चीनी और सेचुरेटिड वसा की खपत को कम करना, ईट राइट कैंपस, एफओएसटीएसी और फूड फोर्टिफिकेशन आदि

जैसी पहल शामिल हैं, जो असुरक्षित भोजन, अस्वास्थ्यकर आहार और पर्यावरण की महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान में सहायक हैं। चूँकि प्रतिभागी नीति निर्माता हैं और दिन-प्रतिदिन के आधार पर लोगों से जुड़ते हैं और उनके खान-पान और संबंधित समस्याओं की बेहतर समझ रखते हैं, इसलिए सुरक्षित, पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्द्धक आहार के बारे में चर्चा से भोजन संबंधी नीतियों और कार्यों, लोगों और प्लेनेट दोनों के लिए सुरक्षित और स्वस्थकर आदतों, को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सत्र का समापन उचित खान-पान पर संक्षिप्त प्रश्नोत्तरी के साथ हुआ, इसके बाद वार्तालाप आधारित प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ जिसमें प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया गया।

26 अगस्त, *2021* को सुश्री ऋजुता दिवेकर द्वारा रात्रिभोज से पहले की गई वार्ता

लक्ष्य समूह: मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-*IV* के *15*वें दौर के प्रतिभागी

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: *49*

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

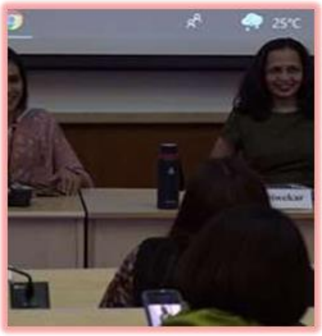

सुश्री रिजुता दिवेकर,
पोषण विशेषज्ञ

सुश्री रिजुता दिवेकर, सेलिब्रिटी पोषण विशेषज्ञ को अकादमी में मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों के बीच पोषण और स्वस्थ खान-पान की आदतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 अगस्त, 2021 को आमंत्रित किया गया। उन्होंने समग्र जीवनशैली हासिल करने के लिए उचित और स्वस्थ खान-पान के महत्व पर जोर दिया और कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में कई मिथकों को खारिज किया। उन्होंने अंतराल के साथ उपवास जैसे आहार संबंधी रुझानों पर अपने विचार साझा किए और पारंपरिक खाद्य पदार्थों से संबंधित उपलब्ध सामग्री के अध्ययन पर जोर दिया जो स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए स्वदेशी भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन को प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय और मौसमी भोजन खाने पर जोर दिया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। सुश्री दिवेकर ने प्रतिभागियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और भोजन संबंधी उनकी गलतफहमियों को दूर किया।

"स्लिमिंग का मतलब कैलोरी कम करना नहीं है, बल्कि पोषण, शरीर की संरचना में सुधार करना और स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाना है। वजन घटाना एक गौण परिणाम है, लक्ष्य नहीं है,"

– सुश्री रिजुता दिवेकर

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 10 अगस्त, 2021 को आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सनंदन थपलियाल के विचार

लक्ष्य समूह: मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-*IV* के *15*वें दौर के प्रतिभागी

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: *49*

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

डॉ. सानन्दनथपलियाल, आयुर्वेदिक चिकत्सक

अकादमी ने फूड प्लैनेट और स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों के लिए 'आयुर्वेदिक कुकिंग - ईट राइट' विषय पर डॉ. सनंदन थपलियाल, एमडी (आयुर्वेदिक) के सत्र का आयोजन किया।

डॉ. थपलियाल ने वर्तमान भारतीय परिदृश्य में एफएसएसएआई की पहल ईट राइट इंडिया आंदोलन की आवश्यकता पर प्रस्तुति के साथ अपने विचार रखे; वर्तमान में देश संक्रामक से गैर-संचारी रोगों की ओर, महामारी विज्ञान में बदलाव के दौर से गुजर रहा है, इसमें विशेष रूप से आहार संबंधी बीमारियों की बढ़ती घटनाएं शामिल हैं।

उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली के सिद्धांतों को समझाया, भोजन को और बेहतर बनाने और भोजन व पोषण की आयुर्वेदिक अवधारणा पर चर्चा की, उदाहरण के तौर पर स्वस्थ भोजन के लिए दस आयुर्वेदिक नियम, शरीर में मौजूद दोष के अनुसार भोजन को संतुलित करने के विषय में तार्किक रूप से बताया और शारीरिक जरूरतों और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद की जीवन शैली अपनाने और उपवास पर चर्चा की। बातचीत संवादात्मक और जानकारी प्रदान करने वाली थी और प्रतिभागियों को उचित खान-पान की आयुर्वेदिक अवधारणा और दैनिक जीवन में इसके लाभों के बारे में जानने में मदद मिली। उन्होंने पूरे दिन के लिए ईट राइट मेनू तैयार करने में भी सहायता की।

10 अगस्त, 2021 को एमसीटीपी के चरण-IV के 15वें दौर के प्रतिभागियों को आयुर्वेद व्यंजनों को शामिल करते हुए भोजन परोसा गया

सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक, एफएसएसएआई द्वारा ईट राइट इंडिया मूवमेंट पर टीओटी का आयोजन

लक्ष्य समूह: संकाय सदस्य, केंद्रों के प्रतिनिधि सदस्य, अनुसंधान अध्येता और अकादमी के शिक्षण सहयोगी

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी. वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: 24

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

सुश्री इनोशी शर्मा
निदेशक, एफएसएसएआई

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र व भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा संयुक्त रूप से 16 जुलाई, 2021 को अकादमी में ईट राइट इंडिया मूवमेंट विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया गया।

सुश्री इनोशी शर्मा, निदेशक, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जिसमें अकादमी के सभी संकाय सदस्य, केंद्रों के प्रतिनिधि सदस्य, अनुसंधान अध्येता और शिक्षण सहयोगी शामिल थे।

प्रशिक्षण में एफएसएसएआई के मुख्य कार्यों, ईट राइट इंडिया मूवमेंट के नियामक ढांचे और विभिन्न ईट राइट इंडिया पहल जैसे खाद्य सुरक्षा रेटिंग और प्रमाणन, ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज, एफओएसटीएसी,

ईट राइट कैंपस, ईट राइट टूलकिट और फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स और फार्टिफिकेशन जैसे सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन अभियान शामिल थे।

उन्होंने इस महत्वाकांक्षी आंदोलन के सफल कार्यान्वयन में क्षेत्रीय पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। सत्र के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें संकाय सदस्यों ने सुश्री शर्मा के साथ बातचीत की।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 12 **अक्टूबर**, 2021 **को एफएसएसएआई का कोविड**-19 **एफओएसटीएसी कार्यक्रम का आयोजन**

लक्ष्य समूह: ऑफिसर्स मेस और विभागीय कैंटीन में कार्यरत व्यक्ति

कार्यक्रम समन्वयक: श्री. विजय बी.वसंत

प्रतिभागियों की संख्या: **40**

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

अकादमी के 20 खाद्य संचालकों को एफओएसटीएसी के पूरा होने पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के 'खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सहयोग से फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र ने 12 अक्टूबर, 2021 को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के ऑफिसर्स मेस और विभागीय कैंटीन में कार्यरत कार्मिकों के लिए एफओएसटीएसी कार्यक्रम के तहत बुनियादी खानपान में कोविड-19 केंद्रित खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षण स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

डॉ. पुलकित माथुर

लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली के खाद्य एवं पोषण और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. पुलकित माथुर प्रशिक्षण देने वाली मुख्य प्रशिक्षक थी। प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा की समझ को बेहतर बनाना, एफएसएस अधिनियम, नियमों और विनियमों का व्यक्तिगत स्तर पर पालन करने का बेहतर वातावरण तैयार करना और अकादमी में खाद्य संचालकों द्वारा पालन की जाने वाली स्वच्छता आवश्यकताओं पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

भोजन प्रबंधनकर्ताओं का मूल्यांकन किया गया, उन्हें अंक प्रदान किए गए, उत्तीर्ण/असफल घोषित किया गया और इस प्रशिक्षण के सफल समापन पर एफओएसटीएसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित फील्ड विजिट और अनुसंधान कार्यक्रम के दौरान भोजन संबंधी आदतों का आकलन

ग्रामीण वास्तविकताओं का बहुत बारीकी से अध्ययन करने के लिए अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 96वें फाउंडेशन कोर्स के फील्ड विजिट और अनुसंधान कार्यक्रम के तहत छह समूह बनाकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, बिहार और उत्तराखंड के चयनित गांवों में 29 दिसंबर, 2021 और 8 जनवरी, 2022 के बीच एक सप्ताह का समय बिताया। फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र ने अधिकारी प्रशिक्षुओं को ग्रामीण आबादी के सामने खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एक प्रश्नावली साझा की। एकत्र किए गए आंकड़े केंद्र के लिए ग्रामीण लोगों के स्वास्थ्य और पोषण के संबंध में गांवों के वर्तमान परिदृश्य को समझने में सहायक हैं। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

राजस्थान: बीकानेर के 14 बीडी गांव और बाड़मेर जिले के ढोक इस अध्ययन का हिस्सा थे। मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

यह देखा गया है कि इन गांवों के निवासियों के पास विशिष्ट फोर्टिफाइड भोजन नहीं पहुंच पाता या वे फोर्टिफाइड भोजन का उपयोग करने वाले सार्वजनिक पोषण कार्यक्रमों के अंतर्गत नहीं आते हैं। इनमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे मधुमेह, हृदय संबंधी रोग, पानी में लवणता के कारण घुटने के जोड़ कमजोर होना और भोजन में विविधता न होना, बाजरा जैसी फसलों पर अत्यधिक निर्भरता पाई गई।

उत्तर प्रदेश: अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के जनकपुर, भटगवां, मथुरा नगर और विष्णुपुर विश्राम गांवों को शामिल किया गया।

यह देखा गया कि मथुरा नगर और विष्णुपुर निवासियों को फोर्टिफाइड राशन प्रदान किया जाता है। आलू के अधिक सेवन से कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है।

यहां के क्षेत्रीय और पारंपरिक व्यंजन काला नमक चावल (जीआई टैग), लिट्टी चोखा, रसीली आलू टमाटर की सब्जी, मटन करी, विभिन्न प्रकार के पराठे और

रोटियां हैं, मुख्य पारंपरिक व्यंजन चावल का माड़ है जिसका सेवन वे सुबह करते हैं। हालांकि, अब उनकी खान-पान की आदतें काफी हद तक उत्तर भारत के समान हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों के कम सेवन के कारण पोषण विविधता में कमी है, जिससे आहार में आयरन की कमी हो जाती है। मधुमेह, रक्तचाप और कुपोषण जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी गई।

बिहार: अध्ययन के लिए बिहार के धूम नगर, पश्चिमी चंपारण को शामिल किया गया।

पौष्टिक (फार्टिफाइड) खाद्य पदार्थों की उपलब्धता नहीं पायी गई। स्थानीय फल लीची और आम हैं, क्षेत्रीय व्यंजन मालपुआ और बाटी चोखा हैं और पारंपरिक व्यंजन चंपारण मटन हैं, स्वास्थ्य समस्याओं में कार्बोहाइड्रेट युक्त और पोषक तत्वों की कमी के कारण कुपोषण व बौनापन शामिल है।

केरल: केरल के तिरुवनंतपुरम जिले का कल्लियूर गांव स्थानीय रूप से उगाई जाने वाली फसलें धान, पालक, सहजन, करेला, मटर हैं। टैपोइका पुझुक्कू, अवियाल, सांबर, मछली करी उनके पारंपरिक व्यंजन हैं। वे केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया फोर्टिफाइड धान उगाते हैं।

उत्तराखंड: काशीपुर जिले का जुरका और उधम सिंह नगर जिले का सरपुरा

जुरका में देखी गई स्वास्थ्य चुनौतियाँ बच्चों में प्रोटीन की कमी है और सरपुरा में चीनी के अधिक सेवन के कारण प्री-डायबिटीज देखा गई है। जुरका गांव में पौष्टिक (फार्टिफाइड) भोजन की खपत देखी गई है।

अकादमी के लिए केंद्र द्वारा तैयार की गई कैलोरी की जानकारी से संबंधित मेनू पुस्तिका

Beverages

Juices

Juice	Quantity	Calories
Freshly Squeezed Fruit Juices	250 ml	125
Buransh Juice	5 ml	12
Fresh Lime Juice / Lime Water	200 ml	60
Vegetable Juice	250 ml	55
Aam Panna	250 ml	113
Lemon Squash	250 ml	708
Orange Squash	5 ml	7
Rooh-Afza	5 ml	21

Milkshakes

Milkshake	Quantity	Calories
Banana Shake	250 ml	230
Mango Shake	250 ml	191
Strawberry Shake	250 ml	162
Chocolate Shake	250 ml	239
Vanilla Shake	250 ml	365

Appetizers

Soups

Indian Shorba / Soup / Rasam	Quantity	Calories
Palak Shorba	150 ml	107
Dal Shorba	150 ml	79
Makai Ka Shorba	150 ml	55
Mutton Shorba	150 gm	71
Mulligatawny Soup	350 ml	125
Pepper Rasam	100 gm	48
Tomato Rasam	150 gm	43

Continental Soups	Quantity	Calories
Tomato Soup	150 ml	40
Mexican Soup	150 ml	94
Cream of Vegetable Soup	150 ml	68
Almonds Soup	150 ml	173
Minestrone Soup	250 gm	123
Wild Mushroom Soup	350 ml	407

विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को भोजन और अल्पाहार के बारे में जानकारी और स्वास्थ्यप्रद खान-पान में सहायता के लिए मेनू से संबंधित कैलोरी कंटेंट

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के ईट राइट कैंपस सर्टिफिकेशन के नवीकरण की प्रक्रिया

अकादमी में उपलब्ध भोजन सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक होना चाहिए, यह देखते हुए कि आहार संबंधी बीमारियाँ चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं, केंद्र ने अधिकारी मेस का स्व-मूल्यांकन किया और जाँच सूची के आधार पर कमियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान की। कमियों को दूर करने के लिए खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जल्द ही, अकादमी की मेस को ईट राइट कैंपस के रूप में प्रमाणित करने के लिए तीसरे पक्ष द्वारा उसका ऑडिट किया जाएगा।

96वें फाउंडेशन कोर्स के उद्घाटन के दौरान केंद्र द्वारा अधिकारी प्रशिक्षुओं को फूड जर्नल्स और ईट राइट लैपल पिन वितरण

फूड प्लेनेट और स्वास्थ्य केंद्र ने शिक्षा का प्रसार करने और सही खान-पान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए फूड जर्नल और लैपल पिन वितरित किए, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा 96वें फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए भेजे गए थे। ये उनके लिए अत्यन्त फायदेमंद हो सकते हैं। फूड जर्नल के माध्यम से उन्हें पूरे दिन के अपने खान-पान पर नज़र रखने, खान-पान की आदतों को बेहतर ढंग से समझने और यह पता लगाने में मदद मिलती है कि वे किन खाद्य पदार्थों के प्रति संवेदनशील हों। शोध अध्ययनों के अनुसार फूड जर्नल और खान-पान की स्वयं मानीटरिंग के माध्यम से वजन में भी काफी कमी की जा सकती है।

क्लब और सोसाइटियां

अकादमी में प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। क्लब और सोसाइटियों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा विभिन्न इंडोर और आउट डोर कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं। इनका संचालन निदेशक नामिति के समग्र दिशानिर्देशन में प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा स्वयं ही किया जाता है। क्लब और सोसाइटियों की गतिविधियां स्व-अभिव्यक्ति और विकास के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों को एक श्रेष्ठ माध्यम उपलब्ध कराती हैं। अपने सृजनात्मक कार्यों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे कार्यकलाप आयोजित करते हैं जो मनोरंजन ही प्रदान नहीं करते बल्कि अकादमी के परिसरीय जीवन को भी समृद्ध करते हैं। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लें और सुविधाओं का सदुपयोग करें। क्लबों और सोसाइटियों के पदाधिकारियों का चुनाव प्रशिक्षु अधिकारियों में से ही किया जाता है किन्तु क्लब और सोसाइटियों के कार्यकलाप सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के सहयोग और सहायता से चलाए जाते हैं। निदेशक नामिति/निदेशक सह नामिति क्लबों और सोसाइटियों के संचालन में और उनके द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के आयोजन में आवश्यक दिशानिर्देश और सहायता देते हैं। संकाय सदस्य और उनके परिवार के सदस्यों को ऐसे सभी कार्यकलापों में प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उनके कार्यकलापों को चलाने के लिए क्लबों और सोसाइटियों को वार्षिक और द्वि-वार्षिक अनुदान दिए जाते हैं जिसे वे सदस्यता शुल्क के माध्यम से प्राप्त करते हैं। निदेशक के मूल्यांकन के भाग के रूप में पाठ्यक्रम के अंत में क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों में भागीदारी का मूल्यांकन किया जाता है। क्लबों और सोसाइटियों के उद्देश्यों और गतिविधियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

साहसिक खेल क्लब

- समिति का गठन : 1 सचिव और 3 सदस्य
- निदेशक नामिति: डॉ. मिलिन्द रामटेके, उप निदेशक
- निदेशक सह नामिति: श्री हरि लाल चौहान

उद्देश्य:-

विभिन्न साहसिक खेलों का आयोजन करके प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहस की भावना को उत्पन्न करना। क्रॉस कंट्री दौड़, घुड़सवारी प्रदर्शन, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, रॉक क्लाइंबिंग, हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग आदि जैसे साहसिक खेलों का समय-समय पर आयोजन करना।

गतिविधियां:-

साहसिक खेल क्लब का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साहसिक खेलों के प्रति उत्साह को बनाए रखना और बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, क्लब द्वारा **"नाग टिब्बा का ट्रेक"** आयोजित किया गया। यहां प्रशिक्षु अधिकारियों ने कुछ संकाय सदस्यों के साथ हिमालय के नीचले भाग की चोटी पर चढ़ने में अपनी सहनशीलता का परीक्षण किया। साहस और मनोरंजन दोनों प्रकार का अनुभव प्रदान करने के लिए, क्लब ने पावन नगरी ऋषिकेश में **रिवर राफ्टिंग** का भी आयोजन किया।

कंप्यूटर सोसायटी

आईएएस व्यवसायिक पाठयक्रम चरण I (2021 बैच)

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के अनुप्रयोगों पर "आईओटी - आधारित विवेकपूर्वक निर्णय" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को घटकों को इकट्ठा करने, "स्मार्ट सिटी" और स्मार्ट फार्मिंग" आईओटी समाधान के लिए घटकों को कॉन्फ़िगर करने के बारे में बताया गया।
- इंटेल द्वारा प्रस्तावित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण मॉड्यूल पर फीडबैक प्रदान किए गए।
- नवोन्मेष क्लब के साथ, कंप्यूटर सोसाइटी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रयोग की जा रही प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता लाने के लिए इंटेल और आईएसबी के साथ चर्चा की। कंप्यूटर सोसाइटी ने मसौदा ज्ञापन तैयार किया और आपसी दृष्टिकोण को समझने और मसौदा ज्ञापन को समेकित करने के लिए कई बैठकें आयोजित कीं।
- राइफल्स और तीरंदाजी क्लब के साथ मिलकर काउंटर स्ट्राइक टूर्नामेंट का आयोजन किया।
- जिन प्रशिक्षु अधिकारियों को आईसीटी व्यावहारिक सत्रों में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, उनकी सहायता के लिए आईसीटी बड्डी सिस्टम शुरू किया गया।
- प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए माइक्रोसॉफ्ट पावर बाई हैंड्स-ऑन सत्र का आयोजन किया गया।
- गूगल डेटा स्टूडियो का उपयोग करके एलपीएल बैडमिंटन और लॉन टेनिस इवेंट के लिए लाइव डैशबोर्ड बनाए गए।
- मेगा हैकथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आईएएस व्यवसायिक पाठ्यक्रम चरण ।। (2019-21 बैच)

- प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा आईटी से संबंधित सर्वोत्तम पहल के लिए सफल कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में **135** प्रशिक्षु अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में **120** प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया।
- निम्नलिखित ऑनलाइन गेम आयोजित किए गए:
    - लूडो - **135** प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया
    - शतरंज **- 25** प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया
    - पोकर - **37** प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया

ललित कला एसोसिएशन

उद्देश्य

ललित कला एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक विविधता के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को एक सूत्र में पिरोया जो समूह प्रतिभागिता पर आधारित थी। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने प्रशिक्षु अधिकारियों में मैत्री-भाव को प्रोत्साहित किया तथा धर्म एवं भाषा की सीमाओं से आगे बढ़कर एकता का परिचय दिया।
सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अनेक प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके रचनात्मक पक्ष को उजागर करने का अवसर मिला। ललित कला एसोसिएशन विभिन्न विजिटिंग कलाकारों तथा समूहों के कार्यक्रमों का आयोजन करने में भी सक्रिय रूप से शामिल रही। ललित कला एसोसिएशन ने भारतीय वोकल म्यूजिक, गिटार तथा ड्रम के लिए पाठ्येतर मॉड्यूल्स भी आयोजित किए।

एफसी 96 2021

सदस्य	बसंत सिंह	
सदस्य	कैथरीन सारन्या ए	ई12

फेज-1 2021

सह निदेशक नामिति	हरि लाल चौहान	
सदस्य	अपर्णा एम बी	
सदस्य	टी प्रतीक राव	यू20

निदेशक नामिति	**आनंदी**	**-**		
2.	सह निदेशक नामिति	हरि लाल चौहान	-	
3.	लेखाकार	देव सिंह राणा	-	
4.	सचिव		ई02	
5.	सदस्य	श्रेष्ठ कुमार कृष्ण	बी29	
7.	सदस्य	रिया डाबी	303	
8.		खाली	-	

निदेशक नामांकित	**आनंदी**			
2.			-	
3.	लेखाकार	देव सिंह राणा	-	
4.	सचिव		डी20	
5.	सदस्य	वाई मेघा स्वरूप	वी29	
6.		शैलजा पांडे	जी22	
7.	सदस्य	पेद्दीति धात्री रेड्डी	एम10	

फिल्म सोसाइटी

टीआरपीसी के परिपत्र दिनांक 6 अप्रैल, 2021 के संदर्भ में, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान फिल्म सोसाइटी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. 2020-21 के दौरान, फाउंडेशन पाठ्यक्रम और आईएएस चरण- I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए सामाजिक मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर 22 फिल्में दिखाई गईं।
2. 2018 बैच के आईएएस चरण- II के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों के विभिन्न ऑनलाइन क्विज़ कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. 96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए मूवी रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन।
4. 2020 बैच के आईएएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्मों पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
5. 2020 बैच के आईएएस चरण-I के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए फिल्म समीक्षा प्रतियोगिता और दम-चरास प्रतियोगिता का आयोजन।

अभिरूचि क्लब

उद्देश्य

1. विभिन्न अभिरूचियां जैसे - फोटोग्राफी, पेंटिंग, डाक टिकट संग्रह, पौधों के संग्रह में रुचि को विकसित करना, बढ़ावा देना और लोकप्रिय बनाना।
2. फिल्मों और गानों आदि पर आधारित प्रश्नोत्तरी।
3. अभिरूचि को बढ़ावा देने के लिए बातचीत, चर्चा, प्रदर्शनियों आदि की व्यवस्था करना और प्रशिक्षु अधिकारियों को सीखने और कुशल होने के लिए प्रोत्साहित करना।
4. विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच की तरह कार्य करना।
5. अभिरूचि को पूरा करने के लिए सामग्री एवं उपकरणों सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना।

गतिविधियों का विवरण

कोविड 19 महामारी के प्रकोप के कारण इस वितीय वर्ष (अप्रैल 2021 से मार्च 2022) के दौरान कोई गतिविधि आयोजित नहीं की गई।

इस अवधि में निदेशक नामिति श्री मिलिंद रामटेके, उप निदेशक और निदेशक सह नामिति में सुश्री अनुपम तलवार रही।

हाउस जर्नल सोसाइटी

हाउस जर्नल सोसाइटी

- कार्यकारी समिति का गठन : 1 सचिव और 4 सदस्य
- निदेशक नामिति: सुश्री अश्वथी एस., उप निदेशक (वरिष्ठ)

उद्देश्य

हाउस जर्नल सोसायटी की कार्यकारी समिति में एक सचिव और चार सदस्य होते हैं। हाउस जर्नल सोसायटी का सचिव सोसायटी की सभी गतिविधियों का समन्वयक होता है। सोसायटी प्रशिक्षु अधिकारियों और पूर्व प्रशिक्षुओं को उनके रचनात्मक और साहित्यिक कौशल दिखाने के लिए मंच प्रदान करती है। सोसायटी एक मासिक समाचार पत्र "311" भी प्रकाशित करती है। न्यूज़लेटर प्रशिक्षु अधिकारियों की भावना और उनके द्वारा किए गए प्रशिक्षण को दर्शाता है और इसे अकादमी और इसके संबंधित अनुसंधान केंद्रों को सॉफ्ट कॉपी के साथ-साथ प्रिंट में भी उपलब्ध कराया जाता है। हिमालय ट्रेक, ग्राम दौरा और भारत दर्शन पर विशेष अंक निकाले जाते हैं। फाउंडेशन पाठयक्रम और चरण-I के लिए संपादकीय टीम इन-हाउस न्यूज़लेटर डिज़ाइन करती है। रिप्रोग्राफी अनुभाग के माध्यम से प्रतियां अकादमी में ही मुद्रित की जाती हैं। इसके अलावा, हाउस जर्नल सोसाइटी अपने बैच की निर्देशिका तैयार करने का भी काम कर रही है जो सभी के लिए यादगार रहेगी।

नवोन्मेष क्लब- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

उद्देश्य

1. प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासन में जमीनी स्तर के नवाचार के महत्व से अवगत कराना और उन्हें आसानी से प्रशासन करने के बारे में जागरूक करना।
2. लिंक पोर्टल की देखरेख एवं अपग्रेडेशन।
3. लिंक पोर्टल में पोस्ट की गई जरूरतों के लिए जमीनी स्तर के नवोन्वेषी विचार एकत्रित करना।
4. विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षु अधिकारियों और नवप्रवर्तकों के बीच वार्तालाप के लिए नवप्रवर्तन संगोष्ठी आयोजित करना।
5. नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों का आयोजन।

6. क्लब की गतिविधियों में प्रशिक्षुओं अधिकारी की भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए क्विज़ जैसे कार्यक्रम आयोजित करना।

96वां फाउंडेशन पाठयक्रम

96वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान निदेशक नामिति और पदाधिकारी:

क्र.स.	भूमिका	पदाधिकारी का नाम
1.	**निदेशक नामिति**	**शैलेश नवाल**
2.	निदेशक सह नामिति	अमरजीत सिंह दत्त
3.	निदेशक सह नामिती	आजाद सिंह
4.	लेखाकार	अवध डाबास
5.	सदस्य	जयंत नाहट
6.	सदस्य	कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण
7.	सदस्य	पूजा अशोक कदम
8.	सदस्य	आकाश शर्मा
9.	सदस्य	भरत सिंह
10.	सदस्य	वैभव जिंदल
11.	सदस्य	नीरजा अनिश शाह
12.	सदस्य	कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण
13.	सदस्य	अक्षिता गुप्ता
14.	सदस्य	मिथुन प्रेमराज

क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ

1. आइडियाथॉन:

19 जनवरी, 2022 को 'ग्राम' विषय पर आधारित नवाचार पर 'आइडियाथॉन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. स्वयं सहायता समूह (एसएचजी):

महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एसएचजी उत्पादों की स्टॉल प्रदर्शनी का आयोजन।

3. सीधी पहुंच:

ज्ञान पोर्टल पर ज़ूम के माध्यम से ऑनलाइन समूह बैठकों तक सीधी पहुंच की सुविधा।

4. <u>शासन में नवोन्मेष:</u>

28 जनवरी, 2022 को अटल इनोवेशन मिशन के निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव द्वारा 'शासन में नवान्मेष' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

5. <u>डेटा एनालिटिक्स मॉड्यूल:</u>

कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय ने बेहतर 'डेटा एनालिटिक्स मॉड्यूल' पर संकाय सदस्यों को सहयोग प्रदान किया।

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण I (2021 बैच) के दौरान निदेशक नामिति और पदाधिकारी:

क्र.स.	**भूमिका**	**पदाधिकारी का नाम**
1.	**निदेशक नामिति**	**शैलेश नवाल**
2.	निदेशक सह नामिति	आजाद सिंह
3.	निदेशक सह नामिति	अमरजीत सिंह दत्त
4.	लेखाकार	अवध डबास
5.	सचिव	प्रतीक चन्द्रशेखर जुकर
6.	सदस्य	प्रतीक अशोक धूमल
7.	सदस्य	कैथरीन सरन्या ए.
8.	सदस्य	प्रखर जैन
9.	सदस्य	अवहद निवृत्ति सोमनाथ
10.	सदस्य	राकेश कुमार

चरण-I पाठ्यक्रम अभी भी चल रहा है। चरण-I पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद गतिविधि विवरण टीआरपीसी अनुभाग को भेजा जाएगा।

मैनेजमेंट सर्किल

96वें फाउंडेशन कोर्स का प्रबंधन सर्कल 5 प्रशिक्षुओं अधिकारी का एक समूह था, इसमें प्रबंधन और नौकरशाही एवं शासन में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की उत्सुकता थी। टीम में सचिव के रूप में विनायक नरवाड़े और सदस्य के रूप में मीरा के., प्रतीक राव, दिव्यांशु चौधरी और चिंतानिधि शामिल थे। क्लब गतिविधियों के आयोजन में संकाय प्रभारी सुश्री सुनीता रानी और सुश्री अनुपम तलवार का मार्गदर्शन निरंतर मिलता रहा। टीम ने खेल, प्रतियोगिताओं और ट्रेजर हंट के माध्यम से प्रशिक्षुओं अधिकारी को केस स्टडीज, वित्त, व्यक्तिगत प्रबंधन आदि से परिचित कराने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया। इसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को बी स्कूल के माहौल जैसा महसूस कराए बिना प्रबंधन कौशल से रूबरू कराना था। महत्वपूर्ण तथ्य

यह है कि हम सभी स्वीकार करते हैं कि खेल की तुलना में प्रतियोगिताओं की तैयारी और व्यवस्था करना ज्यादा रूचिकर रहा। हालाँकि पहले से ही व्यस्त फाउंडेशन कोर्स के बीच समय की कमी होना स्वाभाविक था, फिर भी यथासंभव कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका विवरण इस प्रकार है:

1. इस वर्ष मैनेजमेंट सर्कल की गतिविधियों को शुरू करने के लिए आईआईएम कलकत्ता और बिट्सोम की प्रोफेसर लीना चटर्जी द्वारा "प्रबंधन की कला" नामक स्व-प्रबंधन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रोफेसर चटर्जी ने 37 वर्षों तक आईआईएम कलकत्ता में अध्यापन कार्य किया है, और अब सेवानिवृत्ति के उपरांत मुंबई में बिट्स स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में कार्यग्रहण किया है। उन्होंने स्व-प्रबंधन लोगों को समझने और पारस्परिक संबंधों के प्रबंधन पर पाठ्यक्रम का अध्यापन किया। प्रोफेसर चटर्जी को नेतृत्व और करियर प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञ माना जाता है और उन्हें इसके लिए कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया और इसकी काफी सराहना की गई।

2. प्रशिक्षुओं के विश्लेषणात्मक और स्थानिक प्रबंधन कौशल, समय प्रबंधन, समूह समन्वय और अंततः अवलोकन कौशल का परीक्षण करने के उद्देश्य से परिसर के अंदर ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया। इसमें 120 प्रशिक्षु अधिकारियों की 30 से अधिक टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह मनोरंजक कार्यक्रम था और इससे प्रशिक्षुओं को अकादमी के विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष पहलुओं को जानने में मदद मिली, साथ ही उनकी विचारशीलता को भी प्रोत्साहन मिला।

3. पाठ्यक्रम का अंतिम कार्यक्रम श्री वरुण पाल द्वारा व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन पर था। श्री वरुण पाल 18 वर्षों से निवेश सलाहकार हैं। उनके पास आईसीआईसीआई बैंक में काम करने का अनुभव है और वह एक निवेश परामर्श फर्म सिम्प्लीफाइजर्स के संस्थापक हैं। इस सत्र को प्रशिक्षुओं द्वारा बहुत सराहा गया, जिनमें से अधिकांश कहीं कार्यरत थे और उन्हें अपने व्यक्तिगत वित्त में निवेश और प्रबंधन पर मार्गदर्शन की आवश्यकता थी। आने वाले वर्षों में सभी प्रशिक्षुओं अधिकारी के लिए इस सत्र को अनिवार्य बनाने का अनुरोध किया जा रहा है।

इसके अलावा, सर्कल ने पानी के उपयोग, बिजली की खपत, अपशिष्ट पदार्थ और उनके प्रबंधन सहित परिसर में विभिन्न दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों पर सर्वेक्षण जारी करके प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच स्थायी आदतों को बढ़ावा देने के लिए अधिकारी क्लब और प्रकृति प्रेमी क्लब जैसे अन्य क्लबों के साथ समन्वय किया। सर्कल के सदस्यों ने उन प्रशिक्षुओं अधिकारी की भी मदद की जिन्हें प्रबंधन मॉड्यूल में मार्गदर्शन की ज़रूरत थी।

गतिविधियों से हमें संतुष्टि प्राप्त हुई और हमें स्वयं के संगठनात्मक और प्रबंधन कौशल को सुधारने में मदद मिली और साथ ही प्रशिक्षु अधिकारियों को कुछ आवश्यक प्रबंधन कौशल के अनुकूल बनाया गया। सबसे बढ़कर, इससे हमें परिसर में चिर स्थायी मित्रता और यादें संजोने में मदद मिली।

प्रकृति प्रेमी क्लब

क्लब का नाम: प्रकृति प्रेमी क्लब

निदेशक के नामिति: श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक

पदाधिकारी: श्री हिमांशु गुप्ता, सचिव (चरण- I 2021 बैच)

श्री हिमांशु गुप्ता, सचिव (96वां फाउंडेशन पाठयक्रम)

श्री हरविंदर सिंह, सचिव (चरण- II 2019-21 बैच)

सुश्री अनामकिया रमेश, सचिव (चरण-I 2020 बैच)

सुश्री सरन्या आर, सचिव (95वां फाउंडेशन कोर्स)

प्रकृति प्रेमी क्लब द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. ग्राम और केवड़िया दौरे के दौरान प्रकृति फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई और इसमें 100 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारियों ने भागीदारी की।
2. श्री अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक के नेतृत्व में दलाई हिल क्षेत्र में पक्षी अवलोकन दौरे का आयोजन किया गया (फरवरी की शुरुआत में)
3. 'अपनी प्रजातियों को जानें' नामक श्रृंखला शुरू की गई जिसमें प्रत्येक हाउस के प्रतीकों को चुना गया। हमने सभी 12 हाउसों के लिए खूबसूरती से डिज़ाइन किए गए फ़्लायर्स के रूप में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।
4. सप्ताहांत ट्रेक के दौरान स्फाप सेवा क्लब के साथ श्रमदान किया और मसूरी की सड़कों के किनारे से 260 किलोग्राम से अधिक कचरा एकत्र किया। (जनवरी के अंत में)
5. 'संवहनीय लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' बैनर के तहत फॉर्म जारी किया गया और अकादमी को हरा-भरा और अधिक संवहनीय जगह बनाने के लिए कई मूल्यवान सुझाव प्राप्त हुए, इससे भविष्य के प्रशिक्षु अधिकारियों और योजना प्राधिकरणों को काफी सहायती मिलेगी। (जनवरी)

अधिकारी क्लब

- समिति का गठन: 1 अध्यक्ष, 1 सचिव और 6 सदस्य
- निदेशक नामिति: सुश्री दिशा पन्नू
- निदेशक सह नामिति: डॉ. अनुपम तलवार

उद्देश्यः

- अधिकारी क्लब ने अपने सभी सदस्यों अर्थात प्रशिक्षु अधिकारियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों अर्थात चरण V, चरण IV, चरण III के प्रतिभागियों और अकादमी में संकाय सदस्यों को आउटडोर और इनडोर खेल सुविधाएं उपलब्ध करायीं।

- क्लब का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को अधिक अवसर प्रदान करना है जिससे वे न केवल स्वास्थ्य और समग्र आत्मविश्वास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं बल्कि बेहतर नेतृत्व कौशल और समूह में कार्य क्षमता विकसित कर सकते हैं।

- आउटडोर सुविधाओं में लॉन टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल स्केटिंग और एथलेटिक्स के आयोजन शामिल हैं। आउटडोर गतिविधियों में राइडिंग एस्टेबलिशमेंट शामिल है। घुड़सवारी के बुनियादी कौशल प्रदान करने के लिए अकादमी के पास 23 घोड़े हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों और इच्छुक अधिकारियों को घुड़सवारी क्षेत्र (राइडिंग एरिना) में घुड़सवारी का प्रशिक्षण और अनुभव दिलाया जाता है। घुड़सवारी प्रशिक्षकों को राष्ट्रपति बॉडी गार्ड रेजिमेंट से प्रतिनियुक्ति पर बुलाया जाता है, यह रेजिमेंट भारतीय सेना की उत्कृष्ट घुड़सवार रेजिमेंट है।

- इनडोर खेल की सुविधाओं में बिलियर्ड्स, कैरम, तैराकी, शतरंज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश, फ़ॉस्बॉल और बैडमिंटन शामिल हैं।

- खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में वोकल फॉर लोकल की अवधारणा का बढ़ावा देते हुए, गतिविधि सत्रों को रोचक, आकर्षक और मनोरंजक बनाने के लिए योग, ध्यान, एरोबिक्स और ज़ुम्बा के क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जाता है।

- क्लब में सभी समग्र सुविधाओं सहित जिमनेजियम है जिसकी सेवाएं वर्ष भर उपलब्ध रहती हैं।

गतिविधियाँ:

1. चरण-1 के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए शार्ट ट्रेक की व्यवस्था की गई, इसके लिए दो मार्गों जॉर्ज एवरेस्ट और लाल टिब्बा को चुना गया।

2. चरण-1 के प्रतिभागियों के लिए अकादमी प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया जिसमें समिति द्वारा क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और फॉस्बॉल जैसे सभी खेलों के मैच आयोजित किए गए। चरण 1 और चरण 3 के प्रतिभागियों के कुछ मैच सौहार्द बढ़ाने के लिए भी आयोजित किए गए।
3. भागीदारी और सौदार्यपूर्ण प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए चरण-1 के प्रशिक्षु अधिकारियों को गन हिल शूटर्स, दलाई हिल रेडर्स, जॉर्ज एवरेस्ट कॉन्करर्स और लाल टिब्बा वारियर्स नामक चार टीमों में बांटा गया। टीम में अपनेपन की भावना बनाए रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को नाम और संख्या दर्शाने वाली 4 अलग-अलग रंगों की (प्रत्येक टीम के लिए अलग-अलग) टी-शर्ट दी गई।
4. पोलो ग्राउंड में एथलेटिक्स चैंपियनशिप भी आयोजित की गई जिसमें 11 ट्रैक इवेंट और 6 फील्ड इवेंट (पुरुष और महिला सहित) थे।
5. स्केटिंग के लिए एक अनुभवी और प्रशिक्षित प्रशिक्षक को भी 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए नियुक्त किया गया।
6. अकादमी में एक नई बॉक्सिंग रिंग स्थापित की गई है जो राज्यसभा की माननीय सांसद और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री एम.सी. मैरी कॉम की उपलब्धियों के लिए समर्पित है और उनके द्वारा इसका उदघाटन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया गया।

अधिकारी मेस

गतिविधियाँ

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी परिसर में अधिकारी मेस एक सम्मानजनक संस्था है। यह एक ऐसा स्थान है जहां व्यंजनों की विविधता के माध्यम से संस्कृति, परंपराएं, प्रथाएं तथा विश्वास एक साथ मिल जाते हैं। यह संस्था प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच विश्वबन्धुत्व एवं भाईचारे की भावना को सदैव बढ़ावा देती है। मेस को अनिवार्य रूप से शिष्टाचार, आचार तथा सेवाओं के संदर्भ में उच्च मानक प्राप्त करना होता है। प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी इस संस्था का अभिन्न हिस्सा होता है।

अधिकारी मेस का संचालन मेस समिति द्वारा किया जाता है। मेस समिति के सदस्य प्रशिक्षु अधिकारी होते हैं। मेस समिति में एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्य होते हैं जो स्वयं मैत्री भाव के अधारभूत विचार को बढ़ावा देने के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं।

मेस समिति अधिकारी मेस के निदेशक नामिति के समग्र दिशा-निर्देश तथा देख-रेख में कार्य करती है। मेस का संचालन हर समय मेस प्रबंधक, लेखाकार, स्टोर कीपर तथा पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाता है। इस संस्था में अधिकारी मेस के कर्मचारी, कुक, सहायक, टेबल बीयरर, रूम बीयरर, स्वीपर तथा डिशवॉशर होते हैं।

अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग 700 लोगों को सेवाएं प्रदान करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने-कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार किए गए) परोसता है। अधिकारी मेस सभी सेवाएं अपनी निम्नलिखित आउटलेट्स के माध्यम से प्रदान करता है।

- ए.एन.झा प्लाजा कैफे
- होम टर्फ केफेटेरिया
- सॉवेनियर शॉप, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

कैलेंडर वर्ष 2021-22 के दौरान अधिकारी मेस के पदाधिकारी

आईएएस चरण I (2020-21 बैच)

निदेशक नामिति: श्री विजय बी. वसंत, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

निदेशक सह नामिति: श्री. अभिराम जी. शंकर, उप निदेशक

- तातिमाकुअल राहुल कुमार रेड्डी — अध्यक्ष मेस कमेटी
- अभिषेक कुमार — सचिव
- दीपक बाबूलाल कारवा — कोषाध्यक्ष
- नूपुर गोयल — सदस्य मेस कमेटी
- प्रियंका एस. — सदस्य मेस कमेटी
- हरजिंदर सिंह — सदस्य मैस कमेटी
- अभिनव कुमार सिंह. — सदस्य मेस कमेटी
- हेमन्त एन. — सदस्य मेस कमेटी

आईएएस चरण II (2020-21 बैच) ऑनलाइन

निदेशक नामिति: श्री विजय बी. वसंत, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

निदेशक सह नामिति: श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर

• प्रतीक बयाल	अध्यक्ष मेस समिति
• मो. सज्जाद पी.	सचिव
• अनुराज जैन	कोषाध्यक्ष
• हरविंदर सिंह	सदस्य मैस समिति
• सौरभ कुमार भुवानिया	लेखापरीक्षक, मेस समिति
• विकास मरमट	सदस्य मेस समिति
• राहुल जैन	सदस्य मेस समिति
• धर्मलाश्री	सदस्य मेस समिति
• डॉ. आनंद कुमार शर्मा	सह सदस्य, मेस समिति
• अक्षय सुनील अग्रवाल	सह सदस्य, मेस समिति
• विश्वदीप	सह सदस्य, मेस समिति

96वां फाउंडेशन पाठयक्रम

निदेशक नामिति: डॉ. सुनीता रानी, प्रोफेसर प्रबंधन

निदेशक सह नामिति: श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर

• शताब्दी मजूमदार	अध्यक्ष मेस समिति
• दिलप्रीत सिंह	सचिव
• पेमा थिनले	कोषाध्यक्ष
• एम.वी.एन.वी. लक्ष्मी सौजन्या	सदस्य मेस समिति
• अमन प्रकाश मीना	सदस्य मेस समिति
• चिंतानिधि के.	सदस्य मेस समिति
• संतोष एच.	सदस्य मेस समिति

आईएएस चरण I (2021-22 बैच)

निदेशक नामिति: डॉ. सुनीता रानी, प्रोफेसर, प्रबंधन

निदेशक सह नामिति: श्री हरि प्रकाश, प्रोफेसर

- शताब्दी मजूमदार — अध्यक्ष मेस समिति
- रेहान खत्री — सचिव
- यश जालुका — कोषाध्यक्ष
- सन्नी राज — सदस्य मेस समिति
- धीना दस्तगर — सदस्य मेस समिति
- सारा अशरफ — सदस्य मेस समिति
- पूजा गुप्ता — सदस्य मेस समिति

प्रमुख गतिविधियाँ:

1) प्रशिक्षु अधिकारियों की पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन मेनू तैयार करना।
2) अधिकारी मेस के लिए कोरल से बनी नई क्रॉकरी खरीदना।
3) आंचलिक दिवस, भारत दिवस और राज्य दिवस का आयोजन करना।
4) क्षेत्रीय व्यंजन पेश किए गए।
5) प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे खाना बनाना, बेकिंग, गोलगप्पा खाना आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
6) 96वें फाउंडेशन पाठयक्रम से कक्षाओं, जिम और अन्य विभिन्न स्थानों पर फूड कार्ट की शुरुआत की गई।
7) 2021-23 के आईएएस चरण- I बैच में एक सप्ताह के लिए औपचारिक रात्रिभोज का आयोजन किया गया।
8) औपचारिक रात्रिभोज के लिए मेस कर्मचारियों को अनुचर वर्दी (बियरर यूनिफार्म) प्रदान की गई।
9) राज्य सरकार द्वारा घोषित कर्फ्यू के दौरान नोवेल कोरोना महामारी से बचाव के उपाय किये गये तथा छात्रावासों में भोजन की व्यवस्था की गई।
10) सॉविनियर शॉप में नया सामान उपलब्ध कराना। पुराने स्टॉक की बिक्री करने के लिए सॉविनियर शॉप में रियायती दरों पर बिक्री का भी आयोजन किया गया और अधिकारी मेस द्वारा खराब हो जाने वाली वस्तुओं की सेल भी लगाई गई।

11) 96वें फाउंडेशन कोर्स की मेस समिति ने प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी से योगदान लेने की पहल की और उन मेस कर्मचारियों को नकद प्रोत्साहन प्रदान किया, जिन्होंने कोविड-19 के दौरान ड्यूटी थी।

अधिकारी मेस, हमेशा की तरह, अकादमी की सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में ऊर्जा भरने, जीवंत रूप प्रदान करने और सुरसता लाने में सहायक रहा है।

राइफल एवं तीरंदाजी क्लब

क्लब और सोसायटी

- क्लब/सोसाइटी का नाम - राइफल एवं तीरंदाजी क्लब
- निदेशक नामिती - डॉ. सुनीता रानी
- पदाधिकारी
  - 96वां फाउंडेशन पाठयक्रम
    1. रिंकू (सचिव)
    2. स्वाति रत्ना (सदस्य)
    3. राजदीप सिंह (सदस्य)
    4. अभिषेक सैनी (सदस्य)
  - चरण-1
    1. मौ. हरीश सुमैर (सचिव)
    2. वैशाली जैन (सदस्य)
    3. राजदीप सिंह (सदस्य)
  - चरण-2

    ऑनलाइन

(क) 96वें फाउंडेशन पाठयक्रम में .22 राइफल और तीरंदाजी शूटिंग अभ्यास के उपरांत प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। इसमें कुल 140 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया।

(ख) आई.ए.एस. चरण I (2021 बैच) में .22 राइफल और तीरंदाजी शूटिंग अभ्यास के उपरांत प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। इसमें कुल 55 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी

निदेशक नामिति – नितेश झा

निदेशक सह नामिति – डॉ. भावना पोरवाल

95वें फाउंडेशन कोर्स के दौरान, समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी ने अपनी गतिविधियाँ दीवाली प्रश्नोत्तरी के साथ शुरू कीं। यह एक खुली प्रश्नोत्तरी थी जिसमें सभी ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। दीवाली प्रश्नोत्तरी के बाद छात्रावासों के बीच प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ जिसमें नर्मदा की टीम ने प्रथम पुरस्कार, कावेरी ने द्वितीय और हैप्पी वैली ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। नर्मदा की टीम में स्वीटी सहरावहत, जयदेव सीएस और विपुल खन्ना, कावेरी टीम में नवनीत मान, ऐश्वर्या शेरान एवं सौरव पांडे और हैप्पी वैली टीम में सुमित कार, विवेक के. वी. और एबिन बेनी शामिल रहे।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी ने राहुल सांकृत्यायन सोसाइटी के सहयोग से संगीत, पौराणिक कथा, मनोरंजन, साहित्य और कला जैसे विषयों पर मेला प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। इसमें गुंजन सिंह, दिव्या शक्ति और शशांक शेखर ने सफलता प्राप्त की। द्वितीय और तृतीय स्थान पर मयंक मित्तल, निकिता जैन और प्रदीप सिंह; जतिन किशोर, युवराज सिद्धार्थ, अभिषेक ओसवाल सफल रहे।

समकालीन क्रियाकलाप सोसाइटी का अंतिम कार्यक्रम खेल प्रश्नोत्तरी जिसका आयोजन अधिकारी क्लब के साथ मिलकर किया गया। इसमें निखिल दूबे और श्रेष्ठा अनुपम को प्रथम, मानुष और मुत्तु एस. को तृतीय प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार शुभम और सचिन तथा जतिन और अरन्यक के बीच टाई रहा।

समाज सेवा सोसायटी

समाज सेवा सोसायटी द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ:

समाज सेवा सोसाइटी में निदेशक नामिती (जो आमतौर पर एक उप निदेशक रैंक का अधिकारी होता है) सोसायटी का नेतृत्व करता है, वैकल्पिक नामिती, एक सचिव और चार सदस्य होते हैं। समिति के मामलों का प्रबंधन करने के लिए संबंधित पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा सचिव और सदस्यों को विशेष पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण बैच) के प्रतिनिधियों के रूप में चुना जाता है। निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी और

निदेशक नामिति के मार्गदर्शन में, न केवल अकादमी के कर्मचारियों, बल्कि स्थानीय समुदाय के निवासियों के हित के लिए कई पहलें करने में सोसायटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वर्ष 2021-22 समाज सेवा सोसाइटी के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था क्योंकि कोविड-19 ने सामाजिक जुड़ाव के साथ गतिविधियों के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। कोविड से संबंधित दिशानिर्देशों/निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, सोसायटी ने अपनी नियमित गतिविधियाँ जैसे- ऑनलाइन/ऑफ़लाइन मोड में बालवाड़ी स्कूल का संचालन, होम्योपैथिक डिस्पेंसरी, जरूरतमंद श्रमिकों को वित्तीय सहायता, ट्यूशन कक्षाएं और सिलाई कक्षाएं आदि आयोजित कीं। उपरोक्त के अलावा, इस वर्ष सोसाइटी ने ऊन से बुना हुआ सामान बनाने के लिए महिलाओं का स्वयं सहायता समूह गठित किया ताकि वे आय अर्जित कर सकें जिससे उन्हें अपनी आजीविका में सुधार के लिए अधिक वित्तीय साधन मिल सकें।

कोविड महामारी ने हमारे जीवन को कई तरह से परिवर्तित किया। इससे भी अधिक, हमारे समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ऑफ-लाइन कक्षाओं के रूक जाने से बच्चों का अध्ययन गंभीर रूप से बाधित हुआ। इस संदर्भ में, प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपनी सामाजिक सेवा के तत्वावधान में 'सवेरा' (बढ़ती आकांक्षाओं के लिए स्वैच्छिक शिक्षा का सामाजिक कार्य) मुहिम की शुरूआत की। इसके लक्ष्य निम्नानुसार थे –

- अकादमी के आसपास रहने वाले वंचित बच्चों पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें मेस स्टाफ, सफाई कर्मचारी, संविदा मजदूर, दलाई हिल्स के पास, कचरा बीनने वाले परिवार आदि के बच्चे शामिल किए गए।
- 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान देना।
- सामान्य कक्षावार अध्ययन की परिपाटी की बजाय उचित शिक्षण पद्धतियों का पालन करते हुए ब्रिज पाठयक्रमों जैसे पाठ्यक्रम सुधार वाले बुनियादी मॉड्यूल का प्रयोग।
- आजीवन परामर्श - प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी को कुछ छात्रों की जिम्मेदारी सौंपे जाएगी और ये प्रशिक्षु अधिकारी उनके संपूर्ण जीवन भर के लिए प्रवेश परीक्षाओं से संबंधित मार्गदर्शन, उनकी क्षमताओं के आधार पर भविष्य की संभावनाएं तलाशने के लिए परामर्शदाता बन सकते हैं और उन्हें सही करियर चुनने के लिए निर्देशित कर सकते हैं।
- 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए करियर से संबंधित परामर्श।
- कंप्यूटर कौशल, टाइपिंग इत्यादि के लिए विशेष कौशल कक्षाओं का आयोजन।

राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच

<u>क्लब का नाम</u>- राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच

<u>निदेशक नामिती का नाम</u>- श्री हरि प्रकाश

<u>निदेशक सह नामिती का नाम-</u> डॉ. भावना पोरवाल

<u>पदाधिकारी (96वें आधारिक पाठ्यक्रम 2021 बैच)</u>-

क्रम सं.	**प्रशिक्षु अधिकारी का नाम**	**पद**
1.	गौरव बुदानिया	सचिव
2.	सृष्टि सिंह	सदस्य
3.	आयुषी जैन	सदस्य
4.	सुनील	सदस्य
5.	सुमित कुमार पाण्डेय	सदस्य
6,	प्रकाश कुमार चौधरी	सदस्य
7.	गिरधारी लाल मीणा	सदस्य
8.	देवेन्द्र प्रकाश मीणा	सदस्य
9.	उर्वशी सेंगर	सदस्य
10.	विकास सेंथिया	सदस्य
11.	जितेंद्र कुमार मेहरा	सदस्य

<u>गतिविधियों का विवरण</u> - (96वें आधारिक पाठ्यक्रम 2021 बैच)

96वें आधारिक पाठ्यक्रम की गतिशील अवधि में राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच ने विविध उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। निदेशक नामिती श्री हरि प्रकाश एवं सह. निदेशक नामिती डॉ. भावना पोरवाल के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में, मंच में सम्मिलित प्रशिक्षु अधिकारियों ने जोर-शोर से अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

सर्वप्रथम भाषा मंच के द्वारा गांवों के परिप्रेक्ष्य में, कविता/ यात्रा वृतांत/ लेख/ कहानी/ संस्मरण, साहित्य की किसी भी एक विधा पर अपने भाव प्रदर्शित करने के उद्देश्य से "गांव बोलते हैं" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता ग्राम भ्रमण के साथ एकीकृत थी, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के भीतर के लेखक को जन-जन तक पहुंचाना था। प्रतियोगिता के अंतर्गत भेजी जाने वाली प्रवृष्टियों को किसी भी भारतीय भाषा में प्रस्तुत करने का प्रावधान दिया गया था। साथ ही उन्हें समझने हेतु लेखन का एक छोटा सा सारांश अंग्रेजी में भेजना था।

वेलनटाइन दिवस के अवसर पर विशेष रूप से प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ''ओपन माइक'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें कविता, गीत, ग़ज़ल, शायरी, प्रस्तुत करनी थी। प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा मंच पर विविध स्वलिखित एवं प्रचलित कविताओं, शायरी, गीत, ग़ज़ल की प्रस्तुति हुई।

भाषा मंच के द्वारा ग्राम भ्रमण से संबंधित तथा अन्य किसी विषय या शैली से जुड़ी कविता, कहानी, लेख भी आमंत्रित किए गए। इन सभी को भाषा मंच की ओर से प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका में शामिल किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रशिक्षु अधिकारियों की उत्कृष्ट रचनाओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय नकद पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

भाषा मंच द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में अधिकतम संख्या में प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया तथा मंच के सदस्यों द्वारा सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

एनआईसी प्रशिक्षण इकाई

एनआईसी प्रशिक्षण इकाई (एनआईसीटीयू), लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी अकादमी में आयोजित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। 2021-22 के प्रशिक्षण कैलेंडर के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गईं:

प्रशिक्षण:

आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (2020-21 बैच):	सत्र 14	प्रतिभागी 180
आईसीटी इनपुट: इंटरएक्टिव डैशबोर्ड क्रिएशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का अवलोकन, ई-ऑफिस और प्रदर्शन का अवलोकन, पीएफएमएस, जीईएम, आधार, साइबर सुरक्षा, ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन-डीबीटी, व्हाट-इफ-एनालिसिस, डिस्क्रिप्टिव सांख्यिकी और ग्राफिकल एनालिसिस, सर्वे एनालिसिस, टाइम वैल्यू ऑफ मनी, कैपिटल बजटिंग, रिलेशनल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम का परिचय, प्राथमिक कुंजी अवधारणा के साथ मल्टीपल टेबल, डेटाबेस की एप्लिकेशन यूटिलिटी, एमएस प्रोजेक्ट का परिचय, प्रबंधन संकाय के साथ प्रोजेक्ट मूल्यांकन, एआई अनुप्रयोगों पर तकनीकी प्रदर्शन।		
चरण-III मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (2021)	सत्र 06	प्रतिभागी 84
आईसीटी इनपुट: व्हाट-इफ-विश्लेषण, वर्णनात्मक सांख्यिकी और ग्राफिकल विश्लेषण, सर्वेक्षण विश्लेषण, धन और पूंजी बजट का समय मूल्य		
96वां फाउंडेशन पाठयक्रम (15 सप्ताह)	सत्र 06	प्रतिभागी 489
आईसीटी इनपुट:		

• डॉ. नीता वर्मा, महानिदेशक, एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली द्वारा सरकार में प्रौद्योगिकी के उपयोग का बहु-आयामी अवलोकन • श्री आर एस मणि, डीडीजी और एचओजी (नेटवर्क) एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली द्वारा ई-गवर्नेंस आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और उभरते साइबर सुरक्षा खतरे। • श्री पवन कुमार जोशी, डीडीजी और प्रमुख (प्रौद्योगिकी सलाहकार समूह-टीएजी) एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली द्वारा नेक्स्टजेन डिजिटल गवर्नमेंट। • डॉ. सीमा खन्ना, डीडीजी और एचओडी (मैसेजिंग और एसएमएस सेवाएं), एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली द्वारा सरकारी संदेश सेवाएं • ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन का एनाटॉमी: श्री पवन कुमार जोशी, डीडीजी और प्रमुख (प्रौद्योगिकी सलाहकार समूह-टीएजी) एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली, श्री जॉयदीप शोम, डीडीजी, एनआईसी मुख्यालय, बी वेंकट रेड्डी, एसटीडी, एनआईसी तेलंगाना राज्य इकाई, हैदराबाद द्वारा ई-ट्रांसपोर्ट पर केस स्टडी		
आई.ए.एस अधिकारियों के लिए 123वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	सत्र 01	प्रतिभागी 67
आईसीटी इनपुट: साइबर सुरक्षा		

- 2021 में 3 सप्ताह की अवधि के लिए 5 बैचों में 450 से अधिक डॉक्टरों, अनुसंधान अधिकारियों, पैरा मेडिकल स्टाफ और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), शीर्ष निकाय आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों के लिए डेटा विश्लेषण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- 96वें फाउंडेशन पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारियों लिए डेटा एनालिटिक्स मास्टर सर्टिफिकेट (डीएमआरसी) प्रोग्राम पर मॉड्यूल आयोजित करने के लिए कार्नेगी मेलोन यूनिवर्सिटी-एडेलाइड, ऑस्ट्रेलिया (सीएमयू-ए) के साथ समन्वय किया गया। इसमें चार घटकों अर्थात् आधुनिक डेटा प्रबंधन, सार्वजनिक नीति के लिए एनालिटिक्स, बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिसिस और नागरिकों में डेटा संचालित नवाचार शामिल थे।

- 7 से 14 जुलाई 2021 तक डाटा एनालिटिक्स और डेटा विजुअलाइजेशन विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। टीओटी प्रतिभागियों अकादमी के संकाय सदस्य और अनुसंधान केंद्रों के सदस्य शामिल थे। डॉ. नीता वर्मा, डीजी एनआईसी, वरिष्ठ एनआईसी अधिकारियों और एनआईसीटीयू संकाय ने सत्र में संबोधित किया गया।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में टीओटी

अपनाई गई कार्यविधि:

- व्याख्यान-सह-प्रदर्शन,
- कार्यशालाएं/गतिविधियां
- असाइनमेंट
- हैंड्स-ऑन लैब सत्र
- निबंध और प्रस्तुति
- केस स्टडीज
- एलएमएस के लिए प्रशिक्षण वीडियो और मूल्यांकन अभ्यास को क्यूरेट करना
- मूल्यांकन

ई-लर्निंग सामग्री :

- **संयुक्त फाउंडेशन कोर्स से पूर्व निम्नलिखित व्यापक श्रेणियों के तहत 72 आईसीटी विषयों पर तैयार की गई सामग्री। कंप्यूटर फंडामेंटल, स्टैंडअलोन कार्यालय अनुप्रयोग, ऑनलाइन सामाजिक सहयोग उपकरण और बैठक समाधान, प्रोपराइटरी वी/एस ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, उभरती प्रौद्योगिकियों की बुनियादी बातें और सरकार/लोक प्रशासन में उनके अनुप्रयोग। मिशन कर्मयोगी के तहत भारत सरकार का ऑनलाइन पोर्टल आईजीओटी पर अपलोड करने के लिए ई-लर्निंग सामग्री उपलब्ध कराई गई।**
- दृष्टिबाधित अधिकारियों के लिए हिंदी में 72 वीडियो और मूल्यांकन और 06 वीडियो सत्र डिजाइन, क्यूरेट और अंतिम रूप से तैयार किए गए। ये वीडियो अकादमी की लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम ज्ञान पर अपलोड किए गए।

विकसित किए गए सॉफ्टवेयर :

- आयुर्वेद स्वास्थ्य केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के लिए विकसित सॉफ्टवेयर में रोगी पंजीकरण, रोगी का पूर्ववृत्त सहित सुझाई गई दवा और फार्मेसी इन्वेंट्री सहित फार्मेसी काउंटर पर मॉड्यूल शामिल हैं।

कार्यशाला का आयोजन :

11 जनवरी 2021 को आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के अनुप्रयोगों पर आईओटी-सक्षम स्मार्ट डिसिजन मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्हें घटकों को इकट्ठा करने, कॉन्फ़िगर करने और 'स्मार्ट सिटी' और 'स्मार्ट फार्मिंग' आईओटी सॉल्यूशन्स बनाने के बारे में बताया गया।

आईएएस चरण-I के लिए आईओटी कार्यशाला

प्रशिक्षण/कार्यशालाओं में निक्टू संकाय सदस्यों में प्रतिभागिता :

- फ्यूचर स्किल्स प्राइम कार्यक्रम (22-जून से 02-जुलाई 21) के तहत ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रियलिटी पर सीडैक पुणे के सरकारी अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री वी.के. तनेजा, प्रमुख, निक्टू ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- सीईआरटी-आईएन (साइबर क्षमता समूह) के साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण पर “अंडरस्टैंडिंग एमआईटीआरई डी3एफईएनडी फ्रेमवर्क” (18-24 अक्टूबर '21) और “इंसाइडर थ्रेट मैनेजमेंट के लिए लीडरशिप प्रोग्राम” (27 अक्टूबर, 21) श्री वी.के. तनेजा, प्रमुख, निक्टू ने भाग लिया।
- आईआईएम इंदौर द्वारा समझौता वार्ता (जुलाई 21) विषय पर आयोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) और लर्निंग जिम (जून 21) द्वारा अकादमी के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित ‘फैसिलिटेट विद स्टोरीज़’ विषय पर श्री वी.के. तनेजा प्रमुख, निक्टू ने प्रतिभाग किया।
- श्री आजाद सिंह, तकनीकी निदेशक, एनआईसीटीयू ने 18 अक्टूबर 2021 को नई दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का प्रतिनिधित्व करते हुए "साइबर अपराध की रोकथाम के लिए साइबर सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण" विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

आईसीटी परामर्श, बुनियादी ढांचा, कार्यान्वयन और अकादमी के लिए समन्वय सहायता:

- अध्यक्ष निक्टु ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के सीआईएसओ के रूप में, अकादमी की कंप्यूटर सोसाइटी के लिए निदेशक नामिति के रूप में और अकादमी की अकादमिक परिषद में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में योगदान दिया।
- आयुर्वेद आरोग्य केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की आवश्यकताओं के अनुसार वर्कफ्लो आधारित सॉफ्टवेयर को डिजाइन, विकसित और कार्यान्वित किया गया।
- सॉफ्टवेयर समाधान की व्यवस्था करने, व्यावसायिक रूप से शेल्फ का प्रदर्शन, एसएएएस आधारित पूर्व छात्रों के नेटवर्क समाधान और अकादमी की आवश्यकता के लिए अकादमी के मौजूदा आईसीटी बुनियादी ढांचे के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- अकादमी की वर्तमान सॉफ्टवेयर आवश्यकताओं के लिए डिजाइन ईए आधारित समाधान व्यवस्था और इसके कार्यान्वयन का कार्य किया।

• भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में एमईआईटीवाई की परियोजना के तहत राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र (एनसीसीसी) के लिए साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस (सीटीआई) जेनरेशन के लिए हनीपॉट उपकरणों की राष्ट्रव्यापी स्थापना की प्रक्रिया का समन्वय किया।

- भारत @ 75 को मनाते हुए आकांक्षापूर्ण जिलों का डिजिटल परिवर्तन विषय के तहत शासन में प्रौद्योगिकी पर डिजाइन और क्यूरेटेड दस्तावेज। आकांक्षापूर्ण जिलों के डिजिटल परिवर्तन के विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजीटैग 22 और अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस/कॉन्क्लेव पर विचार करना। इस उद्देश्य के लिए क्यूरेटेड इसके दस्तावेज़ीकरण को अकादमी द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भारत @ 75 मनाने के लिए 12 परियोजनाओं में से एक परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया गया। आईएएस व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण-I (2020) के प्रशिक्षु अधिकारियों भी इसका हिस्सा बने।
- लाल बहादुर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बड़ी संख्या में ऑनलाइन बैठकों के लिए भारत-वीसी प्लेटफॉर्म के कार्यान्वयन के लिए समन्वय और व्यवस्था की गयी।

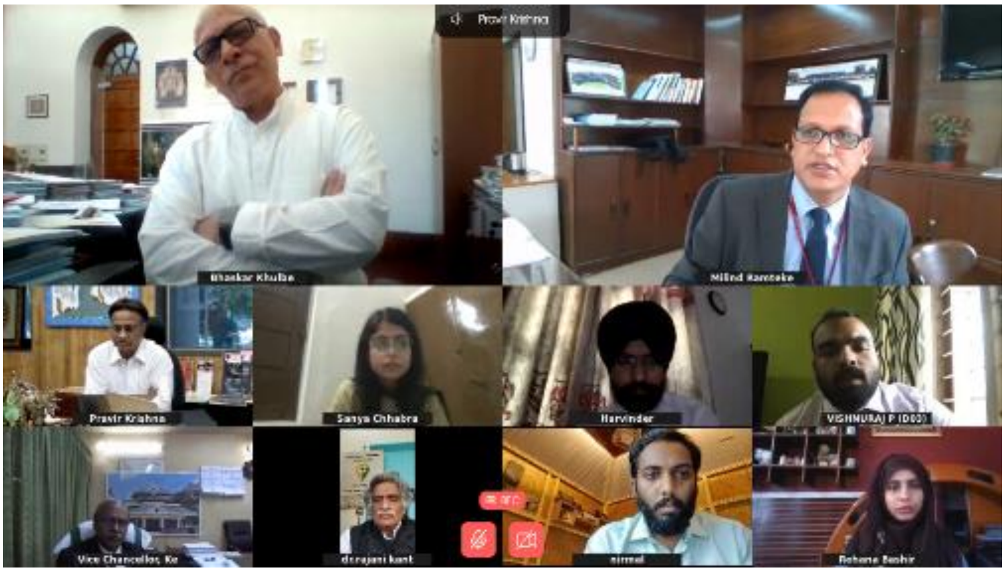

भारत वीसी प्लेटफार्म का अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान उपयोग

गांधी स्मृति पुस्तकालय

अकादमी में एक समृद्ध पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। इस पुस्तकालय का नाम माहात्मा गांधी के नाम पर 'गांधी स्मृति पुस्तकालय' रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत है तथा पुस्तकालय की संपूर्ण पुस्तक सूची ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

पुस्तक/सीडी/डीवीडी आरएफआईडी टैग किए गए हैं तथा पुस्तकालय सर्कुलेशन काउंटर का उपयोग किए बिना पुस्तकों को जारी करवाने, रीन्यू करवाने तथा लौटाने के लिए पुस्तकालय पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व-निर्गमन/स्व-वापसी कियोस्क स्थापित किए गए हैं। अकादमी में मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन और ज्ञानशिला भवन के प्रवेश स्थल पर आरएफआईडी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय आए बिना पुस्तक लौटाने के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।

पुस्तक संग्रहण- गांधी स्मृति पुस्तकालय अध्ययन संसाधनों से परिपूर्ण है जिसमें 1.90 लाख दस्तावेज़ हैं जिनमें 1,63,534 पुस्तकें, पत्रिकाओं के 8679 बाउंड वॉल्यूम्स, 2109 ओडियो कैसेट्स, 1708 विडियो कैसेट्स, 8497 सीडी/डीवीडी (लेक्चर रिकॉर्डिंग्स, डोक्यूमेंट्रीज, मूवी) (अंग्रेजी, हिंदी, क्षेत्रीय) तथा 19वीं शताब्दी और उसके बाद की 6259 डिजिटल दुर्लभ तथा पुरानी पुस्तकें शामिल हैं।

पुस्तकालय में विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थाओं द्वारा प्रकाशित समाचार-पत्र (18), पत्रिकाएं (72), विदेशी पत्रिकाएं (19), भारतीय जर्नल (75), तथा ई-जर्नल्स (25) मंगाए जाते हैं।

पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों की सदस्यता लेता है:

- **ईबीएससीओ का बिजनेस सोर्स कॉम्प्लेट:** डेटाबेस 3000 से अधिक पत्रिकाओं/जर्नल लेखों की पूर्ण पाठ सामग्री प्रदान करता है, जिसमें विपणन, प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली, उत्पादन और संचालन प्रबंधन, लेखांकन, वित्त और अर्थशास्त्र सहित व्यवसाय के विषयों को शामिल किया गया है।
- **पूर्ण पाठ के साथ ईबीएससोओ का इकॉनलिट:** पूंजी बाजार, देश अध्ययन, अर्थमिति, आर्थिक पूर्वानुमान, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, सरकारी विनियम, श्रम अर्थशास्त्र, मौद्रिक सिद्धांत, शहरी अर्थशास्त्र सहित अर्थशास्त्र के सभी क्षेत्रों में पूर्ण-पाठ लेख प्रदान करने वाला डेटाबेस और बहुत कुछ शामिल है।
- **ईबीएससीओ का संपूर्ण राजनीतिक विज्ञान:** डेटाबेस 340 से अधिक पूर्ण-पाठ संदर्भ पुस्तकें और मोनोग्राफ और 44,000 से अधिक पूर्ण-पाठ सम्मेलन पत्र प्रदान करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विज्ञान संघ के लोग शामिल हैं।

- **ईबीएससीओ का सॉकइंडेक्स:** एक व्यापक समाजशास्त्र अनुसंधान डेटाबेस है। इसमें लगभग 900 जर्नल्स की पूरी पाठ्य सामग्री है तथा इसमें 1895 तक के 1500 से अधिक कोर कवरेज जर्नल्स के सूचनापरक सार हैं।
- **ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस**: इसमें भारत तथा उसके राज्यों के बारे में सेकेंडरी स्तर के सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।
- **जेएसटीओआर**: मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो-अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त, सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में विद्वतापूर्ण जर्नल्स का डिजिटल संग्रह है।
- **इंडियन जर्नल्स.कॉम** : (व्यवसाय, अर्थशास्त्र और प्रबंधन) जिसमें लगभग 52 भारतीय शैक्षणिक पत्रिकाएं और अनुसंधान प्रकाशन शामिल हैं।
- **मनुपात्र :** एक कानूनी डेटाबेस जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी विधि सामग्री भी व्यापक रूप से शामिल है।
- **एससीसी ऑनलाइन:** यह एक कानूनी डाटाबेस है जिसमें उच्चतम न्यायालय, सभी उच्च न्यायालयों, न्यायाधिकरणों और आयोगों आदि से कानूनी मामले, वैधानिक सामग्री और अनेक विदेशी क्षेत्राधिकार और अंतर्राष्ट्रीय सामग्री सम्मिलित है।
- **ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज :** डेटाबेस अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कार्य के लिए मैक्रो - इकोनॉमिक और वित्तीय क्षेत्र की व्यापक श्रृंखला को शामिल करने वाले लगभग तेरह मॉड्यूल की ऑनलाइन श्रृंखला है।
- **ईबीसी रीडर:** ईबीसी रीडर ई-लाइब्रेरी, विधि सामग्री की ईबुक पढ़ने की सुविधा है। ईबीसी रीडर सिंगल सर्च सुविधा के साथ उपलब्ध है जिससे ई-पुस्तकालय के भीतर पुस्तकों, विषयों, वाक्यांशों की खोज कर सकते हैं।
- **रिमोटएक्स:** स्थान की परवाह किए बिना उपरोक्त ई-संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए रिमोट प्रमाणीकरण और एक्सेस सेवा की सदस्यता ली गई है। रिमोटएक्स एक ऐसी सेवा है जो उपयोगकर्ताओं को परिसर से दूर रहने के दौरान लाइब्रेरी द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधन दूरस्थ स्थानों तक उपलब्ध कराती है।

इसके अलावा, पुस्तकालय नियमित आधार पर पाठकों के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए निम्नलिखित सेवाएं प्रदान कर रहा है:

- नए प्रकाशन - मासिक बुलेटिन

पुस्तकालय द्वारा अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के दौरान लगभग 920 पुस्तकें शामिल की गई हैं।

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए-

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' क्षेत्र के साथ 91%, 'ख' क्षेत्र के साथ 79% और 'ग' क्षेत्र के साथ 71% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 25.45% प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर, 2021 तक 'दो सप्ताह हिन्दी के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए आशुभाषण, सभी वर्गों के लिए अलगअलग हिंदी निबंध - लेखन, श्रुतलेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2020-21 के कुल प्रतिभागियों को भी निदेशक महोदय तथा संयुक्त निदेशक 10 न किए तथा पुरस्कार महोदया ने प्रशस्ति पत्र प्रदार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की ।

इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका 'सृजन' के नौवें अंक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर निदेशक महोदय और संयुक्त निदेशक महोदया ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट किया और सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 25 नवंबर 2021 को माननीय राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह लोक शिकायत पेंशन, कार्मिक मंत्रालय द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। यह शील्ड माननीय मंत्री जी के करकमलों से अकादमी के निदेशक श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला ने प्राप्त की।

अकादमी को राजभाषा की प्रगति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिसंबर 30 तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा दिनांक 2021 को समिति की बैठक के दौरान की गई।

कंप्यूटर केंद्र

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी अपनी अधिकांश महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी समाधान का उपयोग कर रही है। अकादमी का परिसर नेटवर्क युक्त है तथा अपने प्रशिक्षण और प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की विश्वसनीयता में वृद्धि कर रहा है। अकादमी में सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के महत्वपूर्ण घटक निम्नानुसार हैः

- जीईएम के माध्यम से अकादमी के समस्त कार्मिकों और प्रशिक्षुओं के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद तथा वितरण।
- मौजूदा कंप्यूटर सुविधाओं के बेहतर बनाना तथा उन्हें सुदृढ़ करना।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों के साथ पाठ्यक्रम से संबंधित डेटा साझा करने के लिए नॉलेज मैनेजमेंट (केएम) क्लाउड की स्थापना की गई है।
- कंप्यूटर केंद्र ऑफिस (एप्लिकेशन-ई, वर्कफ्लो एप्लिकेशन, वेबासाइट, ईमेल तथा अतिरेक सहित फायरवाल सर्वर्स को होस्ट कर रहा है)।
- स्टैण्डअकादमी की गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण अलोन एप्लिकेशंस में-संपदा, प्रशासन, लेखा, डिस्पेंसरी, ऑनलाईन फीडबैक सिस्टम, विषय सामग्री को आनॅलाइन साझा करना, ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली, क्लिकर्स, फोटो सर्वर, लर्निग मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (एलएमएस), के उपयोग द्वारा विभिन्न पाठयक्रमों के प्रशिक्षु अधिकारियों तथा प्रतिभगियों के लिए ओपीनियन पूल्सप्रशन/उत्तरलर्गिंग मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, मेडिकल सेंटर के लिए सीजीएचएस सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन केटालॉग के लिए कोहा सॉफ्टवेयर शामिल हैं।
- नेटवर्क डिवाइस, सिक्योरिटी सिस्टम तथा एलएएन है (जिसे प्रारंभिक रूप से यूटीपी आधारित कक्षाओं में वाई-फाई डिवाइसेज के साथ एकीकृत किया गया है)
- कंप्यूटर केंद्र ने अकादमी की वेबसाइट को नया रूप दिया जो अधिक संवादात्मक और उन्नत है।
- कंप्यूटर केंद्र पाठयक्रम मैनुअल, प्रशिक्षण कैलेंडर, ब्रोशर, बैनर, पोस्टर, अधिकारियों को डायरेक्ट्री, संस्मरण, फोटो रोस्टर्स, अकादमी डायरी तथा मासिक कैलेंडर आदि डिजाइन करने में भी योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, कंप्यूटर केंद्र पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के लिए वीडियो फिल्मों के संपादन तथा मिक्सिंग के कार्य में भी शामिल है। तत्पश्चात समापन कार्यक्रम के दौरान फिल्म प्रदर्शित की जा रही है।
- केंद्र पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा परिणाम तैयार करने तथा जेएनयू से लोक प्रशासन में एमए का परिणाम तैयार करने में भी परीक्षा नियंत्रक की सहायता करता है।

- कंप्यूटर केंद्र संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों तथा स्टाफ को भी समयबंधी सहायताप्रदान समय पर कंप्यूटर सं करता है।
- अकादमी में एयरटेल के 100 एमबीपीएस बैकअप लिंक साहित इंटरनेट के उपयोग के 1 जीबीपीएस राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क लिंक है।
- कंप्यूटर केंद्र विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों तथा प्रशिक्षु अधिकारियों को लैपटॉप उपलब्ध कराता है। प्रशिक्षु वाई-फाई तथा छात्रवास के कमरों से वायर्ड एलएएन के माध्यम से नेटवर्क की सुविधा प्राप्त करते हैं और एक दूसरे से संपर्क सकते हैं। इसके अलावा अपने कौशल को बढ़ाने तथा नवीनतम सॉफ्टवेयर से परिचित होते हैं।
- अकादमी के सभी कर्मचारियों को नए सॉफ्टवेयर्स का प्रशिक्षण देने के लिए समय-समय पर कंप्यूटर केंद्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र ईऑफिस के उपयोग तथा ऑन-जॉब सुविधाओं के बारे में अकादमी के सभी अनुभागों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।
- अधिकांश कक्षाओं तथा कॉन्फ्रेस हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध है। कोविड काल के दौरान कंप्यूटर सेंटर द्वारा वीसी और अन्य वेबिनार सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अधिकांश पाठ्यक्रम कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की गई।
- प्रशासन और शासन के डिजिटल परिवर्तन के लिए अकादमी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग लैब स्थापित की गई है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वित्तीय विवरण

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का बजट आवंटन "मांग संख्या 073-कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय" के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित गैर-योजना (राजस्व), अवसरंचना से संबंधित व्यय (राजस्व) तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आवंटन अकादमी की विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें फाउंडेशन पाठयक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि शामिल हैं। योजना (पूंजीगत) तथा योजना (राजस्व) के अंतर्गत बजट का आबंटन लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है।

वर्ष 2019-20, 2020-21 के लिए वास्तविक व्यय और 2021-22 के लिए क्रमिक व्यय तथा आगामी वित्त वर्ष 2022-23 के बजट आबंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

(आंकड़े हजार में)

क्र.स.	गैर-योजना (राजस्व)	वास्तविक व्यय		क्रमिक व्यय 31 जनवरी, 2022 तक	बजट आवंटन
		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	वेतन	1,68,540	1,62,878	1,47,434	1,92,000
2.	मजदूरी	22,390	33,496	24,279	42,500
3.	समयोपरि भत्ता	14	0	0	50
4.	चिकित्सा उपचार	4,200	4,480	3,729	5,500
5.	घरेलू यात्र व्यय	5,000	5,995	4,021	6,000
6.	विदेश यात्रा व्यय	117	85	0	500
7.	कार्यालय व्यय	65,589	88,960	71,616	90,000
8.	किराया, दर तथा कर	1,492	1,999	1,440	2,000
9.	प्रकाशन	649	350	257	650
10.	अन्य प्रशासनिक व्यय	200	199	9	200
11.	लघु कार्य	1,000	1,500	1,500	2,500

12.	व्यावसायिक सेवाएं	64,300	1,22,494	79,173	1,20,000
13.	सहायता अनुदान	500	500	0	500
14.	अन्य प्रभार	3,900	5,200	2,304	4,000
15.	वेतन	2,493	1,660	3396	3500
16.	समयोपरि भत्ता	1	-	0	100
17.	चिकित्सा उपचार	199	31	50	200
18.	अन्य प्रभार (सूचना प्रौद्योगिकी)	594	596	423	600
19.	स्वच्छता कार्य योजना	597	590	301	600
20.	व्यावसायिक सेवाएं	44,398	9,000	27,845	60,000
21.	कुल (गैर-योजना)	**3,86,173**	**4,40,013**	3,66,284	5,31,400
22.	योजना (राजस्व)	1,10,000	1,09,900	75,902	1,20,000
23.	योजना (पूंजीगत)	1,77,500	2,84,430	1,46,058	5,00,000
	कुल योग	**6,73,673**	**8,34,343**	5,88,244	11,51,400

इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आवंटित बजट के अधिकतम उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बजट प्रबंधन/भुगतान आदि से संबंधित गतिविधियां जारी रहेंगी।

संकाय सदस्य तथा कर्मचारी कौशल विकास कार्यक्रम

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों के कौशल, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा देश-विदेश के प्रख्यात संस्थानों में संकाय सदस्यों को भेजा जाता है। संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों को नामित किया गया।

संकाय सदस्य का नाम श्री/सुश्री/डॉ.	ट्रेनिंग/कार्यशाल/सेमिनार	अवधि	संस्था
मिलिन्द रामटेके	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
सुनीता रानी	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
पी. अमुधा	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
गौरी पराशर जोशी	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
नंदिनी पालीवाल	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 to 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
विद्या भूषण	ऑनलाइन कैसे पढ़ाया जाए	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
अलंकृता सिंह	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	06.07.2020 से 11.07.2020	आईआईएम इंदौर
संजीव चोपड़ा	“इतिहास पाठ्यक्रम एवं भारतीय कला एवं संस्कृति का बोध” कोर्स	08.08.2020 से 09.08.2020	आईएचसी दिल्ली
सुनीता रानी	21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व	27.02.2021 से 21.03.2021	आईआईएम अहमदाबाद
अलंकृता सिंह	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	साल की शुरूआत 30.06.2020	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बंगलौर
अलंकृता सिंह	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
मिलिन्द रामटेके	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली

गौरी पराशर जोशी	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
विद्या भूषण	एलएलएम (प्रोफेशनल) ऑनलाइन प्रोग्राम	अगस्त, 2020 से जून, 2021	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली
सुनीता रानी	शिक्षण पद्धति अनुसंधान और विधि पर ऑनलाइन एफडीपी	22.06.2020 से 28.07.2020	आईआईएम अहमदाबाद
विनोद कुमार तनेजा	जीएएफ 9 संयुक्त स्तर 1 एवं 2 (ऑनलाइन) ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए	11.04.2020	सिंपलिलर्न
विद्या भूषण	वैश्विक गरीबी की चुनौतियां (डीडीपी माइक्रो मास्टर्स प्रोग्राम का भाग)	18.08.2020	एमआईटी
विद्या भूषण	माइक्रो इकोनॉमिक्स (एमआईटी पर डीईडीपी माइक्रो मास्टर्स का भाग)	18.08.2020	एमआईटी
अलंकृता सिंह	जेंडर समानता के मूल सिद्धांत	18.08.2020	उडेमी
अलंकृता सिंह	जेंडर असमानता का बोध	18.08.2020	यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर
अलंकृता सिंह	जेंडर एवं इंटरसेक्शनेलिटी	18.08.2020	ईडीएक्स, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
23 अधिकारी	वस्तुओं और सेवाओं की ई-खरीद और भारत सरकार के वित्तीय नियमों पर वेबिनार	16.12.2020	नेशनल उत्पादकता परिषद नई दिल्ली

प्रकाशन:

अकादमी 1961 से "द एडमिनिस्ट्रेटर" का प्रकाशन करती आ रही है। आधी से अधिक शताब्दी से इस पत्रिका ने क्षेत्र में अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को बांटने के लिए सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों को मंच प्रदान किया। योगदानकर्ता मुख्यत: सिविल सेवक रहे हैं परंतु इसमें केवल उन्हीं का योगदान नहीं रहा। पत्रिका को उन व्यक्तियों, विद्वानों और प्रख्यात व्यक्तियों का योगदान मिला है जिन्होंने लोक प्रकाशन तथा लोक नीति आदि क्षेत्रों में कार्य किया है। वर्ष 2020-21 में, अकादमी ने आरंभ, नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर की रजत जयंती, भारत सशक्तिकरण (एमपॉवरिंग इंडिया) और सुशासन संबंधी विचारों और लेखों के विशेष संस्करण प्रकाशित किए गए।

शिष्टमंडल/टीम जिन्होंने अकादमी का दौरा किया

विभिन्न संस्थानों के छात्र विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी तथा विभिन्न राष्ट्रों के प्रतिनिधिमंडल प्रत्येक वर्ष अकादमी का दौरा करते हैं। यह एक पारस्परिक ज्ञानार्जन अनुभव होता है। ऐसे पारस्परिक कार्यक्रम से अकादमी के साथ-साथ आगंतुक भी लाभान्वित होते हैं। हालाँकि प्रतिबंधों के कारण और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उचित सावधानी के साथ, वर्ष 2020-2021 के दौरान केवल निम्नलिखित दौरा आयोजित किया गया:

दिनांक 08.02.2021 को फारेस्ट कॉलेज और रिसर्ज इंस्टीटयूट, तेलंगाना के 2 संकाय सदस्यों सहित 52 छात्रों का दौरा।

01.04.2021 **से** 31.03.2022 **तक सुरक्षा अनुभाग द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में आयोजित किए जा रहे विभिन्न स्कूलों/संस्थानों के दौरे का विवरण**

क्र.स.	संस्थान का नाम और पता	टिप्पणी
1.	02.09.2021 **को जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के** 30 **प्रतिभागियों का दौरा**	**नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, मसूरी के अनुरोध पर**
2.	01.10.2021 **को तेलंगाना वन अकादमी, हैदराबाद के** 63 **फॉरेस्ट अधिकारियों का दौरा**	
3.	04.10.2021 **को मालदीव के सिविल सेवकों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के** 30 **प्रतिभागियों का को दौरा**	**नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, मसूरी के अनुरोध पर**
4.	13.10.2021 **को राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की, उत्तराखंड के** 32 **इंजीनियरों का दौरा**	
5.	19.11 2021 **को महानिदेशक, एटीवीपी सह वाइस एडमिरल के** 15 **अतिथियों का दौरा**	
6.	23.11.2021 **को एसवीपीएनपीए, हैदराबाद से आईपीएस** 73 **आरआर के** 32 **प्रशिक्षु अधिकारियों का दौरा**	
7.	18.12.2021 **को जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के** 30 **प्रतिभागियों का दौरा**	**नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, मसूरी के अनुरोध पर**
8.	03.03.2022 **को मालदीव के सिविल सेवकों के लिए क्षेत्रीय प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के** 58 **प्रतिभागियों का दौरा**	**नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, मसूरी के अनुरोध पर**
9.	17.03.2022 **को जम्मू और कश्मीर प्रशासन सेवा और लद्दाख यूटी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए क्षेत्रीय प्रशासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के** 32 **प्रतिभागियों का दौरा**	**नेशनल जेंडर और चाइल्ड सेंटर, मसूरी के अनुरोध पर**
10.	24.03.2022 **को राष्ट्रीय रेलवे अकादमी, लालबाग, वडोदरा, गुजरात के** 38 **छात्रों का दौरा**	

परिशिष्ट-1: भौतिक अवसंरचना

क.	कक्षा/व्याख्यान/सम्मेलन कक्ष	क्षमता
1.	डॉ. संपूर्णानंद ऑडिटोरियम	469 सीटें
2.	अम्बेडकर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	158 सीटें
3.	टैगोर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
4.	विवेकानंद हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	190 सीटें
5.	होमी भाभा कंप्यूटर हॉल (आधारशिला ब्लॉक)	108 टर्मिनल्स
6.	सम्मेलन कक्ष (कर्मशिला ब्लॉक)	35 सीटें
7.	गोविन्द वल्लभ पंत हॉल (कर्मशिला ब्लॉक)	115 सीटें
8.	नेहरू ऑडिटोरियम (ज्ञानशिला ब्लॉक)	110 सीटें
9.	सेमिनार कक्ष 2 - 5 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	06 (राउंड टेबल) प्रत्येक में कुल 30 सीटें
10.	सेमिनार कक्ष 1 और 6 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 65 सीटें
11.	सेमिनार कक्ष 7 -12 (ज्ञानशिला ब्लॉक)	12 (राउंड टेबल प्रत्येक)
12.	सेमिनार कक्ष ए और बी (ज्ञानशिला ब्लॉक)	प्रत्येक में 55 सीटें
ख.	**छात्रावास/आवास**	
1.	ब्रह्मपुत्र निवास	12 कमरे
2.	गंगा छात्रावास	78 कमरे
3.	हैप्पी वैली छात्रावास	25 कमरे
4.	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	20 कमरे
5.	कालिंदी अतिथि गृह	21 कमरे
6.	कावेरी छात्रावास	33 कमरे
7.	महानदी छात्रावास	39 कमरे
8.	नर्मदा छात्रावास	22 कमरे
9.	सिल्वरवुड छात्रावास	54 कमरे
10.	वैली व्यू होस्टल (इंदिरा भवन)	48 कमरे
11.	ज्ञानशिला	06 कमरे

परिशिष्ट-2: हमारे निदेशक एवं संयुक्त निदेशक

अकादमी का नेतृत्व भारत सरकार के सचिव रैंक के अधिकारी द्वारा किया जाता है। आकदमी में सेवा के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा इसका शीर्ष कार्यभार संभाला गया। अकादमी के आरंभ से इसके निदेशकों तथा संयुक्त निदेशकों की सूची निम्न प्रकार से है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक

क्र.स.	नाम	अवधि
1.	श्री ए.एन.झा, भा.सि.सेवा	01.09.1959 से 30.09.1962
2.	श्री एस.के.दत्ता, भा.सि.सेवा	13.08.1963 से 02.07. 1965
3.	श्री एम.जी.पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा	04.09. 1965 से 29.04.1968
4.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा	12.07.1968 से 24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा	19.03.1969 से 11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र.सेवा	11.05.1973 से 11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र.सेवा	17.05.1977 से 23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र.सेवा	23.07.1977 से 30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र.सेवा	02.08.1980 से 01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र.सेवा	16.06.1982 से 11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र.सेवा	09.11.1982 से 27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र.सेवा	27.02.1984 से 24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र.सेवा	06.06.1985 से 29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र.सेवा	26.05.1988 से 25.01.1993
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र.सेवा	25.05.1993 से 06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र.सेवा	06.10.1996 से 08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र.सेवा	08.11.2000 से 13.01.2003
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र.सेवा	20.01.2003 से 15.10. 2004

19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र.सेवा	29.10.2004 से 06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र.सेवा	06.04.2006 से 20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र.सेवा	02.09.2009 से 28.02.2014
22.	श्री राजीव कपूर, भा.प्र.सेवा	20.05.2014 से 9.12.2016
23.	सुश्री उपमा चौधरी, भा.प्र.सेवा	11.12.2016 से 31.12.2018
24.	डॉ. संजीव चोपड़ा, भा.प्र.सेवा	01.01.2019 से 31.03.2021
25.	श्री लोक रंजन, भा.प्र.सेवा	15.04.2021 से 04.09.2021
26.	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, भा.प्र.सेवा	05.09.2021 से ……

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संयुक्त निदेशक

क्र.स.	नाम	अवधि
1.	श्री जे. सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967
2.	श्री टी. एन. चतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971
3.	श्री एस. एस. बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973
5.	श्री एच. एस. दुबे	03.03.1974 से 18.12.1976
6.	श्री एस. आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980
7.	श्री एस. सी. वैश	07.01.1980 से 07.07.1983
8.	श्री एस. र्थसारथीपा	18.05.1984 से 10.09.1987
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991
10.	डॉ. के. वी. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002
12.	श्री रूद्र गंगाधरन	23.11.2004 से 06.04.2006
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009
14.	श्री पी. के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से 05.12.2014
17.	श्री दुष्यंत नरियाला	24.12.2012 से 16.01.2016
16.	सुश्री रंजना चोपड़ा	06.08.2013 से 15.12.2014
18.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2013 से 31.3.2017
19.	सुश्री जसप्रीत तलवार	24.10.2014 से 31.3.2017
20.	श्रीमती आरती आहूजा (विशेष निदेशक)	19.07.2017 से 19.05.2020
21.	श्री मनोज आहूजा (विशेष निदेशक)	06.11.2017 से 19.05.2020
22.	सुश्री राधिका रस्तोगी (विशेष निदेशक)	01.09.2021 से 27.03.2023

परिशिष्ट-2: आई.ए.एस. चरण-II के प्रतिभागी (2019 बैच)

संवर्ग	पुरूष	महिला	कुल
अगमुट	07	03	10
आंध्र प्रदेश	06	04	10
असम-मेघालय	05	03	08
बिहार	09	03	12
छत्तीसगढ़	03	02	05
गुजरात	07	01	08
हरियाणा	03	03	06
हिमाचल प्रदेश	04	01	05
जम्मू एवं कश्मीर	01	00	01
झारखंड	06	00	06
कर्नाटक	07	02	09
केरल	04	04	08
मध्य प्रदेश	07	03	10
महाराष्ट्र	06	03	09
मणिपुर	04	00	04
ओडिशा	05	01	06
पंजाब	03	01	04
राजस्थान	05	02	07
रॉयाल भूटान सिविल सार्विस	03	00	03
सिक्किम	00	00	01
तमिलनाडु	06	03	09
त्रिपुरा	02	01	03
तेलंगाना	05	03	08
उत्तर प्रदेश	10	08	18
उत्तराखंड	03	00	03
पश्चिम बंगाल	06	06	12
कुल	**127**	**58**	**185**

परिशिष्ट-4: 96वें फाउंडेशन कोर्स के प्रतिभागी

सेवा-वार विवरण

सेवा	पुरूष	महिला	कुल
भारतीय प्रशासनिक सेवा	118	60	178
इंडियन ऑडिट्स एवं अकाउंट्स सर्विस	05	03	08
इंडियन सिविल अकाउंट्स सर्विस	05	01	06
इंडियन कॉरपोरेट लॉ सर्विस	01	00	01
इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस	07	06	13
इंडियन डिफेंस एस्टेट सर्विस	01	00	01
भारतीय विदेश सेवा	19	14	33
भारतीय वन सेवा	38	08	46
भारतीय सूचना सेवा	06	03	09
इंडियन पी एंड टी अकाउंट्स एंड फाइनेंस सर्विस	04	00	04
इंडियन पुलिस सर्विस	83	28	111
इंडियन पोस्टल सर्विस	05	03	08
इंडियन रेलवे प्रोटेक्शन सर्विस	02	00	02
भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम एंड सेन्ट्रल एक्साइज)	14	08	22
भारतीय राजस्व सेवा (आई टी)	15	19	34
भारतीय व्यापार सेवा	02	00	02
रॉयल भूटान सिविल सेवा	01	01	02
रॉयल भूटान फॉरेस्ट सेवा	01	01	02
रॉयल भूटान पुलिस सेवा	05	01	06
कुल योग	332	156	488

परिशिष्ट-5: चरण-IV मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (15वां दौर) अगस्त 02-27, 2021

संवर्ग	महिला	पुरूष	कुल योग
अगमुट	2	7	9
असम-मेघालय		2	2
छत्तीसगढ	2	2	4
गुजरात		1	1
हरियाणा	1	1	2
हिमाचल प्रदेश		1	1
जम्मू व कश्मीर		1	1
झारखंड	1	2	3
कर्नाटक	1	2	3
केरल		2	2
मध्य प्रदेश		1	1
महाराष्ट्र		3	3
मणिपुर	1		1
पंजाब	2	5	7
राजस्थान		1	1
तमिलनाडु	1	2	3
उत्तर प्रदेश	1		1
उत्तराखंड	1	2	3
तेलंगाना	2		2
कुल योग	15	35	50

बैच	महिला	पुरूष	कुल योग
1994		1	1
1997	1		1
1999		1	1
2000		1	1
2001	2	1	3
2003	4	3	7
2004	4	8	12
2005	2	15	17
2006	2	5	7
कुल योग	15	35	50

जेंडर	जेंडर की संख्या
महिला	15
पुरूष	35
कुल योग	50

परिशिष्ट-6: 123वां इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम

123वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीपी) में 15 विभिन्न संवर्गों के अधिकारी प्रतिभागी थे। इसका विवरण नीचे दिया गया है:-

राज्य	अधिकारियों की संख्या	पुरूष	महिला
अगमुट	09	08	01
आंध्र प्रदेश	02	-	02
असम-मेघालय	01	-	01
छत्तीसगढ	08	02	06
हरियाणा	07	07	-
हिमाचल प्रदेश	04	04	-
झारखंड	01	01	-
कर्नाटक	06	04	02
केरल	02	02	-
मध्य प्रदेश	03	03	-
महाराष्ट्र	10	08	02
मणिपुर	05	03	02
नागालैंड	02	02	-
पंजाब	02	02	-
राजस्थान	05	02	03
कुल	67	48	19

परिशिष्ट-7: प्रथम संयुक्य मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

सेवा	महिला	पुरूष	कुल
आईएएएस	2	8	10
आईएएस	8	15	23
आईसीएएस	1	3	4
आईडीएएस	2	9	11
आईडीईएस		2	2
आईएफएस	4	4	8
आईएफएस(एआईएस)	7	10	17
आईआईएस	4	3	7
आईओएफएस	1	1	2
आईपीओएस	1	10	11
आईपीएस	4	10	14
आईपीटीएएफएस	1	1	2
आईआरएएस	5	**13**	**18**
आईआरपीएफएस	1	**14**	**15**
आईआरपीएस	4	**8**	**12**
आईआरएस(सी एंड आईटी)	7	**25**	**32**
आईआरएस (आईटी)	6	**22**	**28**
आईआरटीएस	2	**22**	**24**
आरपीएफ		**2**	**2**
कुल योग	**60**	**182**	**242**

<u>प्रतिभागियों का विवरण</u>

महिला	60
पुरूष	182
कुल योग	242

बैच	**प्रतिभागियों की संख्या**
2000	133
2001	109
कुल योग	242

परिशिष्ट-8: राष्ट्रीय सुरक्षा पर 27वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी

सेवावार ब्यौरा

क्र.स.	सेवा	प्रतिभागियों की संख्या
1	एयर फोर्स	3
2	आर्मी	6
3	बीएसएफ	2
4	कोस्टगार्ड	2
5	सीआरपीएफ	2
6	आईएएस	9
7	आईसी एंड सीईएस (आईआरएस)	1
8	आईआरएस	3
9	आईडीएएस	1
10	आईएफएस	1
11	आईपीएस	13
12	आईआरटीएस	1
13	आईटीबीपी	2
14	नेवी	3
15	एनएसजी	1
16	एसएसबी	1
17	आईबी	1
18	कैबिनेट सचिवालय	1
	कुल	53

परिशिष्ट-9: राष्ट्रीय सुरक्षा पर 28वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी

सेवावार ब्यौरा

सेवा	**महिला**	**पुरूष**	**कुल**
बीएसएफ		2	2
कैबिनेट सचिवालय		1	1
सीआरपीएफ		1	1
मुख्यालय आईडीएस		1	1
आईएएस		2	2
आईबी		1	1
आईडीएएस/सीबीआई		1	1
आईडीईएस		1	1
आईएफओएस		2	2
आईएफएस		1	1
आईआईएस		1	1
भारतीय वायु सेना		3	3
भारतीय थल सेना		5	5
भारतीय तटरक्षक बल		2	2
भारतीय नौ सेना		3	3
आईपीएस		4	4
आईआरएस (सी एंड आई टी)		4	4
आईआरएस (आईटी)		3	3
आईआरटीएस	1		1
आईटीबीपी		2	2
एनएसजी		1	1
एसएसबी		1	1
वैज्ञानिक	1	3	4
कुल योग	**2**	**45**	**47**

परिशिष्ट-10: अकादमी के संकाय सदस्य और प्रशासन

संकाय सदस्य (18.05.2022 की स्थिति के अनुसार)

क्र.स.	नाम	पदनाम
	श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला, आईएएस	निदेशक
	सुश्री राधिका रस्तोगी, आईएएस	संयुक्त निदेशक
	सुश्री नंदिनी पालीवाल, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
	सुश्री अश्वती एस., आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
	सुश्री मोनिका धामी, आईआरएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
	श्री विजय बी. वसंत, आईआरएस	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
	सुश्री आनंदी, आईएएस	उप निदेशक (वरिष्ठ)
	सुश्री गौरी पाराशर जोशी, आईएएस	उप निदेशक
	श्री अभिराम जी शंकर, आईएएस	उप निदेशक
	सुश्री दिशा पन्नू, आईपीओएस	उप निदेशक
	श्री शैलेश नवाल, आईएएस	उप निदेशक
	श्री हरि प्रकाश, आईएएएस	प्रोफेसर, प्रबंधन
	डॉ. संजय जे. जोशी	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत और सांविधिक विधि
	सुश्री सुनीता रानी	प्रोफेसर, सामाजिक प्रबंधन
	श्री नितेश झा, आईआईएस	रीडर, राजनीतिक सिद्धांत और सांविधिक विधि
	सुश्री एकता उनियाल	सहायक निदेशक
	श्री हरि लाल चौहान, आईपीएस	सहायक निदेशक
	डॉ. (सुश्री) अनुपम तलवार, आईडीईएस	सहायक निदेशक
	श्री रोमियो विंसेंट टेटे	सहायक निदेशक
	श्री ए.एस.रामचंद्र	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत और सांविधिक विधि (अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर)
	श्री सचिव कुमार	रीडर, विधि (अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर)
	सुश्री भावना पोरवाल	सहायक आचार्य, हिंदी
	श्री अरशद एम. नंदन	भाषा अनुदेशक (उर्दू और पंजाबी)
	श्री के. बृजभाषी सिंघा	भाषा अनुदेशक (असमिया और मणिपुरी)
	श्री सरफराज हुसैन खान	हिन्दी अनुदेशक

प्रशासन (18.05.2022 की स्थिति के अनुसार)

क्र.स.	नाम	पदनाम
	श्री राजेश कपूर	सहायक निदेशक (राजभाषा)
	श्री प्रकाश सिंह डसीला	प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
	मो. असलम	डेटा प्रोसेसिंग सहायक
	श्री रमेश कुमार	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
	श्री राम मिलन केवट	सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी
	श्री विजेन्द्र सिंह राणा	प्रधान निजी सचिव
	श्री कैलाश चंद	प्रशासनिक अधिकारी
	श्री पवन कुमार पाल	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
	श्री मुकेश कुमार गर्ग	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
	श्री राकेश चंद्र	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
	श्री सी. एस. सुब्बुराज	सहायक प्रशासनिक अधिकारी (अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर)
	श्री लक्ष्मी प्रसाद	वरिष्ठ निजी सचिव
	श्री महेश कुमार त्यागी	वरिष्ठ निजी सचिव
	श्री नारायण लाल बुनकर	निजी सचिव
	श्री आशीष कुमार पटेल	निजी सचिव (अन्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर)
	श्री सुनील नेगी	निजी सचिव
	सुश्री नीरज कुमार	निजी सचिव
	सुश्री दर्शनी	निजी सचिव
	श्री जसमेल सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
	श्री राजेंद्र सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
	श्री गिरधारी लाल	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक

वर्ष के दौरान अकादमी से कार्यमुक्त अधिकारी

क्र.स.	नाम	कार्यमुक्त होने की तिथि
	श्री शिव प्रसाद सेनापति, पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी	31.05.2021
	रिस मेजर बलजीत सिंह, घुड़सवारी अनुदेशक	13.12.2021
	डॉ. मिलिंद रामटेके, उप निदेशक	17.03.2022

वर्ष के दौरान अकादमी से सेवानिवृत्त कार्मिक

	नाम	कार्यमुक्त होने की तिथि
1	श्री जे.पी. बहुगुणा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी	31.01.2021
2	श्री पूनम सिन्हा, डीपीए	28.02.2021
3	श्री संजीव चोपड़ा, निदेशक	31.03.2021
4	सुश्री अलका कुलकर्णी, भाषा अनुदेशक	31.03.2021
5	श्री अशीम कुमार देबनाथ, डीईओ	31.01.2022
6	श्री प्रेम सिंह बिष्ट, रेडियोग्राफर	31.01.2022
7	श्री अर्जुन सिंह, एमटीएस	31.03.2022

वर्ष के दौरान अकादमी से स्वैच्छिक सैवानिवृत्ति पाने वाले कार्मिक

क्र.स.	नाम	कार्यमुक्त होने की तिथि
1.	श्री सुच्चा सिंह, सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी	01.11.2021

Annual Report

2021-2022

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

Contents

Academy Mission & Core Values **5**

Mission **5**

Core Values **5**

Chapter-1

LBSNAA

An Introduction **6**

Genesis & Growth **6**

Chronology 6
Training Methodology 7
Field visits 9
Promoting 'Esprit-de-Corps' 9
Campus 10

Chapter-2

TRAINING PROGRAMMES DURING 2021-2022 .... **11**

Chapter-3

COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS **14**

IAS Professional Course Phase-I (2021 Batch) **15**

IAS Professional Course, Phase-II (6 Weeks Online)(2019 Batch **28**

Course Objectives 28
Course Design 29
Course Coordinator's Report 29
Eminent Guest Speakers 31

96th Foundation Course (15 Weeks) **36**

Course Aim 37
Course Objectives 37
Course Design 37
Academic Inputs 38
Eminent Guest Speakers for the 96th Foundation Course 40
Service wise Break-up 49

District Training of 2020 Batch (53 Weeks) **50**

Mid- Career Training Program for IAS Officers **51**

15th Round of Phase-IV of MCTP (4 Weeks) **51**

Induction Training for Officers of the State Civil Services Promoted to IAS (4 Weeks)57

123rd Induction Training Programme for IAS Officers........57

Course Objectives........57

Course Design........58

Weekend Modules........58

Domestic and Foreign Study Tour........58

Course Coordinator's Report........59

Eminent Guest Speakers........60

27th Joint Civil-Military Training Programme........66

Introduction of the Course........66

Objectives, Course Activities and Highlights:........66

Eminent Guest Speakers........67

Chapter-4

Research Centres

Centre for Disaster Management(CDM)........70

B.N.Yugandhar Centre for Rural Studies(BNYCRS)........81

National Gender & Child Centre(NGCC)........90

Sardar Patel Leadership Centre (SPLC)........93

Centre for Food Planet & Health (CFPH)........95

Chapter-5

Clubs and Societies........101

Adventure Sports Club........101

Computer Society........102

Fine Arts Association........103

Film Society........104

Hobbies Club........104

House Journal Society........105

Innovation Club........105

Management Circle........107

Nature Lovers' Club........108

Officers Club 109

Officers' Mess....110

Rifle and Archery Club 113

Society of Contemporary Affairs report....114

Society For Social Services....114

राहुल सांकृत्यायान हिंदी मंच 115

NIC Training Unit....117

Gandhi Smriti Library 122

राजभाषा....123

Computer Centre....125

Financial Statement of LBSNAA....127

Faculty & Staff Skill Development Programme....128

Publications....130

Delegation/Team Visited 130

Annexure-1: Physical Infrastructure 132
Annexure-2: Our Directors and Joint Directors 133
Joint Directors of LBSNAA....134
Annexure-2 : Participants in IAS Phase-II (2019 Batch)....135
Annexure-4: Participants in 96th Foundation Course 136
Annexure-5: 15th Round of Phase-IV (MCTP) August 02 – 27, 2021....137
Annexure-6: 123rd Induction Training Programme (ITP) 138
Annexure-7: Participants in 1st Common Mid-Career Training Programme 139
Annexure-7: Participants in 27th Joint Civil Military program on National Security 140
Annexure-8:- Participants in 28th Joint Civil Military Training Programme on National Security....141
Annexure-9: Faculty & Administration in the Academy 142

Academy Mission & Core Values

Mission

"We seek to promote good governance by providing quality training towards building a professional and responsive civil service in a caring, ethical and transparent framework."

Core Values

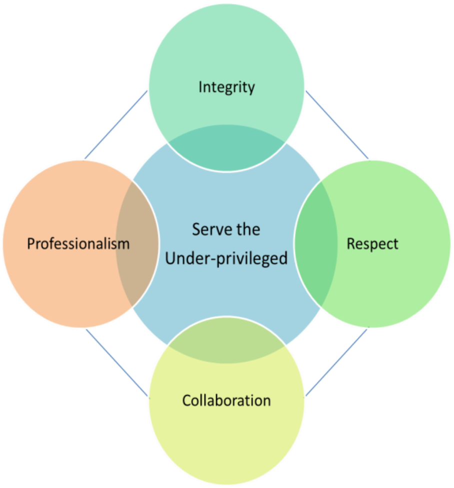

Serve the Underprivileged
"Be humane in your approach while dealing with people; be the voice of the underprivileged and be proactive in addressing any injustice against them. You can achieve success in this 5pecializ if you act with integrity, respect, professionalism and collaboration".

Integrity
"Be consistent in your thoughts, words and actions which will make you trustworthy. Have courage of conviction and always speak the truth to even the most powerful, without fear. Never ever tolerate any degree of corruption, be it in cash, kind or intellectual honesty".

Respect
"Embrace diversity of caste, religion, colour, gender, age, language, region, ideology and socio-economic status. Reach out to all with humility and empathy. Be emotionally stable; grow with confidence and without arrogance".

Professionalism
"Be judicious and apolitical in your approach; be professional and completely committed to your job with a bias for action and results; and continuously pursue improvement and excellence".

Collaboration
"Collaborate in thoughts and actions by engaging deeply with all to evolve consensus. Encourage others, promote team spirit and be open to learning from others. Take initiative and own responsibility".

An Introduction

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions (Department of Personnel & Training) is the premier training institute for the civil services in India. It is headed by the Director, who is an officer of the level of Secretary to the Government of India.

LBSNAA conducts various training modules for civil servants posted at different ranks. A Foundation Course is held for the young entrants to the All India Services and other central Services. This is followed by a professional training of recruits to the Indian Administrative Service (IAS) including members of the Royal Bhutan Administrative Service. The Academy also conducts the Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and an Induction Training Program for officers promoted to the IAS from the state civil services. Along with this, workshops and seminars on policy issues are also conducted at the Academy at regular intervals.

Genesis & Growth

On April 15, 1958 the then Home Minister announced in the Lok Sabha a proposal to set up a National Academy of Administration where all the recruits of the senior civil services were to be given training in administration. The Ministry of Home Affairs decided to merge the IAS Training School, Delhi and the IAS Staff College, Shimla to form the National Academy of Administration at Mussoorie. The Academy was set up in 1959 and was called the 'National Academy of Administration'. For a few years it functioned under the Ministry of Home Affairs. In October 1972, it was renamed "Lal Bahadur Shastri Academy of Administration" and in July 1973, the word "National" was added and today the Academy is known as the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration.

Chronology

1958	Announcement in the Lok Sabha by the Union Home Minister Pandit Govind Ballabh Pant to set up the National Academy of Administration.
1959	Academy established in Mussoorie along with Director's Office, Language Block (later renamed Charleville after renovation), Sardar Patel Hall (SPH) and Happy Valley Guest House.
1960	A common FC for IAS, IFS and other Central Services was introduced.
1969	Sandwich pattern of training introduced in the Academy which included Phase-I, District Training in the respective State Cadres followed by Phase-II.
1970	Academy functioned under the Ministry of Home Affairs from the date of inception till 1970 and again from 1977 to 1985.
1970-1977	Academy functioned under Cabinet Secretariat.
1972	Name changed to "Lal Bahadur Shastri Academy of Administration".
1973	Subsequently, the word "National" was added and it became "Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration".

1975-1978	Ganga, Kaveri and Narmada hostels constructed.
1984	In May, 1984, a portion of the Campus which housed the Officers' Mess, the Libray, VIP Guest House, Director's Residence etc., was destroyed in a fire accident.
1985	Academy began functioning under the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions, Government of India.
1988	NIC Training Unit established.
1989	Centre for Rural Studies (initially called the Land Reform Unit) established.
1991	In October, 1991, the Uttarkashi earthquake severely damaged the Ladies' Block and the G.B. Pant Block, and on these two sites, 'Dhruvshila' and 'Kalindi Guest House' came up.
1991	Sampoornanand Auditorium was constructed by UP Government and named after the second Chief Minister of the State.
1992	Karmashila Building was inaugurated by the then Vice President of India Mr. K.R. Narayanan.
1995	National Gender Centre, a registered society the under Societies Registration Act-1860, was set up.
1996	Kalindi Bhavan inaugurated by the then Union Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
1996	Dhruvshila inaugurated by the then Minister of State for Personnel, Public Grievances, Pensions and Parliamentary Affairs Mr. S.R. Balasubramaniam.
2004	Hospital Block inaugurated by the then Minister of Home Affairs Mr. Shivraj V. Patil.
2004	Centre for Disaster Management inaugurated.
2010	Gyanshila Building made operational. Silverwood Executive Hostel was inaugurated.
2012	Mahanadi Executive Hostel was inaugurated.
2014	National Centre for Leadership Development & Competency Assessment (NCLDCA) a registered society under the Societies Registration Act-1860, was set up.
2015	Aadharshila Block inaugurated by the Minister of State for Personnel, Public Grievances and Pensions Dr. Jitendra Singh.
2016	Originally established as Centre for Cooperatives & Rural Development in 1995, it was renamed the Centre for Public Systems Management (CPSM).
2021	Sardar Patel Leadership Centre was set up

Training Methodology

The effort of the Academy is to help create a bureaucracy that commands respect by performance rather than through position. To ensure that the academic curriculum is relevant, it is periodically reviewed and updated. This is done through the mechanism of consultation with the state governments, feedback of the participants and the recommendations of the committees set up by government for the purpose. Various departments of the central government are also consulted from time to time. Several new methodologies are used as the conventional classroom teaching methodology is not always the most effective mode to make an impact on attitudes and values of trainees. Most courses operate on a modular structure, whereby relevant themes are chosen and dealt with, in a consolidated manner to ensure that all aspects of a particular issue are addressed.

A module consists of all or some of the following methodologies: -

- **Lectures by both in-house and guest faculty**
- **Panel discussions to promote appreciation of divergent opinions and views**
- **Case Studies**
- **Films**
- **Group discussions**
- **Simulation exercise**
- **Seminars**
- **Moot Court and Mock Trial**
- **Order and Judgement Writing Practice**
- **Practical demonstration**
- **Problem Solving Exercises**
- **Report Writing (Term Paper)**
- **Group Work**

Field visits

Trek to the Himalayas

During such treks the Officer Trainees face conditions of difficult terrain, unpredictable weather, insufficient accommodation and limited access to food items, as a result the true mettle of the Officer Trainees is tested and is strengthened.

Visit to villages in backward districts

These visits facilitate the Officer Trainees 'understanding of the problems and the realities of village life. Through these field visits and interaction with the beneficiaries, active research on the impact of government programmes on the society is also taken up.

Promoting 'Esprit-de-Corps'

All the officer trainees of the All India Services and Central Services Group-'A' begin their careers with training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration at Mussoorie. This is usually their first experience of the government sector. As a result, this institution facilitates bonding between young officers from different civil services. The Academy thus, furthers a sense of camaraderie among the officers who look back to this institution with nostalgia and with a stronger intent to uphold its values.

Campus

A striking feature of the Academy, apart from its state-of-the-art infrastructure, is its unique blend of the new and the old. The prestigious “Charleville Hotel” built around 1870, provides the location and initial infrastructure of the Academy. There have been subsequent expansions. Several new buildings have been constructed and others acquired over the years. The Academy is spread over three sprawling campuses: Charleville, Glenmire and Indira Bhawan. Each has its own specific orientation. Charleville caters to training of fresh entrants as well as 10pecialize courses. Glenmire housed the erstwhile NCGG, and the Indira Bhawan campus and offers facilities for in-service training, other 10pecialized courses, programs, workshops and seminars. Further details of the Academy’s infrastructure are at Annexure-1.

TRAINING PROGRAMMES DURING 2021-2022

The Academy arranges various training programs and the following table shows the distribution of trainees in various courses during 2021-2022.

Sr. No.	Name of Course	Coordinator Mr./Ms.	Schedule	No. of participants		
				M	F	Total
Induction Training for newly recruited AIS and other Central Services (Group-A)						
1.	IAS Professional Course, Phase-I (2021 batch) (22 Weeks)	Shelesh Nawal	21st March to 19th August, 2022	121	62	183
2.	IAS Professional Course, Phase-II (2019 batch) (6 Weeks)	Milind Ramteke	17th May, 2021 to 25th June, 2021	127	58	185
3.	96th Foundation Course for newly recruited officers of All India Services and Civil Services (Group-A) (2021 batch)	Monika Dhami	5th December, 2021 to 17th March, 2022	332	156	488
Mid-Career Training Programme for IAS officers						
5.	15th Round of Phase-IV of MCTP	Prof. Vizay Babu Vasanta	August 02 – 27, 2021	35	15	50
6.	123rd Induction Training for Officers Promoted to the IAS from the State Civil Service (4 Weeks)	Monika Dhami	05th April – 30th April, 2021	68	16	84
7.	1st Round of Combined Mid-Career Training Programme	Anandhi,	25th October to 02nd November, 2021	182	60	242
8.	27th Joint Civil-Military Training Programme	Disha Pannu	06th September – 11th September, 2021	51	02	53
Short Term Courses/ Seminar/ Workshop/ Others						
9.	Management and Mitigation Strategies for Cyclone Risk Reduction	CDM	29th September, 2021 to 1st October, 2021	24	8	25
10.	Climate Change: Challenges and Response for Women Scientists & Technologist	CDM	(09 - 13 August 2021)	0	56	56
11.	Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists	CDM	08- 12 November 2021	17	7	24
12.	Climate Change: Challenges and Response" for Scientists & Technologists	CDM	20 - 24 December 2021	29	5	34

13.	Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation for Scientists & Technologists)	CDM	7 - 11 February 2022	26	9	35
14.	Training Programmes for Protection Officers in Addressing Domestic Violence	NGCC	Uttar Pradesh (Batch 1) – 28th June to 2nd July, 2021 Haryana (Batch 2) – 05th to 09th July, 2021 Uttar Pradesh (Batch 3) - 12th - 16th July, 2021 Uttar Pradesh (Batch 4) – 26th to 30th July, 2021			
15.	eStepping up to Tackle the Nutrition Challenges – with focus on POSHAN Abhiyaan	NGCC	07th October, 2021			
16.	Training Programme on Arbitration for Senior Officers at LBSNAA, Mussoorie	CPSM	02nd – 03rd September 2021 f	16	13	29
17.	Overview on Eat Right India Movement	CPSM	26th April 2021			67
18.	Pre-dinner talk by Ms. Rijuta Diwekar	CPSM,CFPH	26th August, 2021			49
19.	Ayurvedic Physician Dr Sanandan Thapliyal	CPSM,CFPH	10th August, 2021			49
20.	ToT on Eat Right India Movement held by Ms. Inoshi Sharma, Director FSSAI	CPSM,CFPH	16, July,2021			24
21.	FSSAI's COVID-19 FoSTaC Programme	CPSM,CFPH	12th October, 2021			40
22.	A brainstorming session on the design and delivery of leadership modules for	SPLC	27th December, 2021			19

	various courses					
23.	Online ToT on Inclusive Leadeship ,This session subsequent to the leadership workshop conducted on 27th December, 2021.	SPLC	18th – 19th January, 2022:			
24.	A refresher ToT before conducting final leadership modules for the Officer Trainees of 96th Foundation Course	SPLC	18th -20th February, 2022			
25.	The Leadership Module for the Officer Trainees of 96th FC	SPLC	21st- 22nd February, 2022			
Total participants						

Abbreviation:

CDM – Centre for Disaster Management

NGCC – National Gender and Child Centre

CPSM – Centre for Public System Management

CFPH- Cente for Food Planet Health

SPLC- Sardar Patel Leadership Centre

COURSES AND ACTIVITIES – HIGHLIGHTS

1. Introduction

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie is Government of India's premier institution for the training of higher civil services in the country. The Academy imparts induction level and in-service training. A common Foundation Course is held for entrants to All India Services and all Group "A" services of the Union. The professional training to regular recruits of the Indian Administrative Service (IAS) and members of the Royal Bhutan Civil Service is conducted after the Foundation Course. The Academy also conducts in- service and Mid-Career Training Program (MCTP) for members of the IAS and Induction Training program for officers promoted to the IAS from State Civil Services, as well as workshops and seminars on various issues in public administration.

To ensure that the academic curriculum is relevant, it is constantly reviewed and updated through extensive consultations with the representatives of the state governments, the central government and other scholars and practitioners. Given the limitations of conventional classroom lectures, new pedagogical methods have been introduced to deliver training inputs in a more effective manner. Most courses operate on a modular structure whereby relevant themes are chosen and dealt with in a consolidated fashion to ensure that all aspects relating to them are covered comprehensively.

In order to promote all-round development of the personality, due emphasis is placed on outdoor and co-curricular events. Physical training, team games and tennis, badminton cross-country running, yoga, horse riding, and adventure sports like river rafting, para-gliding, bungee jumping and rifle shooting are some of the activities that the officer trainees are involved in. Exposure to public speaking, theatre workshops, motor mechanic skills, gardening, photography and music appreciation are some of the co-curricular activities offered to the young administrators.

To nurture the values of integrity, moral courage, empathy and respect for the underprivileged, and freedom from any sectarian prejudices based on religion, region, caste, class or gender, Officer Trainees are encouraged to participate in diverse social activities. Various Clubs and Societies have been formed to which the Officer Trainees are elected as office-bearers. They organize and take part in quizzes, debates, poetry competitions and numerous other activities after class hours. This lends a spirit of bonhomie and also promotes *esprit de corps*.

IAS Professional Course Phase-I (2021 Batch)

(21st March to 19th August, 2022)

Programme meant for / Target Group	Professional Course for newly recruited IAS officer
Course Coordinator	Mr. Shelesh Nawal, Deputy Director
Associate Course Coordinator (s) Inaugural Address by	Ms. Disha Pannu, Deputy Director Mr. Hari Prakash, Professor Mr. Romeo V. Tete, Assistant Director Mr. Hari Lal Chauhan, Assistant Director Shri Rajiv Gauba, Cabnet Secretary, GoI (Online)
Valedictory Address by	Shri Srinivas R. Katikithala, Director LBSNAA
Total No. of Participants	183 (180 OTs, 2021 Batch, 01 from 2021 Batch & 02 from RBCS) (Male- 121 ; Female-62) ***Details of participants of IAS Phase - I are attached in Annexure - 1***

Course Aim

- **The Academy aims to make the young IAS Officer Trainees as real Karmayogis by inculcating the leadership qualities so as to make them Creative & Constructive, Imaginative and Innovative, Proactive & Polite, Professional & Progressive, Energetic & Enabling, Transparent & Tech-Enabled along with the knowledge, skills and attitudes to become effective civil servants**

- **To create learning experiences regarding ethical and developmental administration**

Course Objectives

- **Acquire a pan-India perspective of emerging socio-economic, and politico-legal trends; an understanding of the emerging role of the IAS and its shared administrative responsibilities with other services.**

- **Acquire knowledge and skills needed to discharge administrative responsibilities in the first decade of career in the following areas:**
  - *Law and legal instruments*
  - *Administrative rules, procedures and programme guidelines*
  - *Modern management tools, and*
  - *Economic analysis*

- **Demonstrate proficiency in the regional language of the allotted State to better appreciate its administrative and cultural ethos.**

- **Acquire an understanding on the cultural and socio-economic background of the allotted State**

- **Demonstrate effective written/ oral communication skills both in interpersonal and organizational context**
- **Exhibit right values and attitudes**
- **Maintain physical fitness**
- **Adhere to the spirit of 'Sheelam Param Bhushanam & Mission Karmayogi**

Course Design

The Course design of the Phase I programme was consciously liberal in spirit and content of the Mission Karmayogi. While seeking to provide the Officer Trainees with ample space to study, learn, experience, it strives to impart key competencies i.e Domain Knowledge(Right Knowledge), Behavioral (Right Attitude) and Functional(Right skills) which would enable them to shoulder future responsibilities and to tackle not only the day to day working challenges but also the unforeseen and emergent crisis effectively. The 22-week IAS Professional Course, Phase-I for the 2021 batch, commenced on 21st March, 2022 and concluded on 19th August, 2022. It had two main components:

- **India Study Tour cum Bharat Darshan (from 2nd May, 2022 to 12th June, 2022)**
- **On-campus training inputs part 01 (from 21st March, 2022 to 29th April 2022)**
- **On-campus training inputs part 02 (from 20th June, 2022 to 19th August, 2022)**

The Phase-I is a full time training programme with an eclectic mix of curricular and extra-curricular activities. A typical day commenced at 0630 hours with physical exercises at the Happy Valley ground. The evenings were dedicated to programmes by Clubs and Societies including cultural programmes.

Academic Inputs

The on-campus academic training commences on 21th March to 29th April and 20th June to 19th August, 2022. While the syllabus prescribed under 'The Indian Administrative Service (Officer Trainees' Final Examination) Regulations, 1955' is the basic framework, suitable modifications have been made to adapt it to the changing training needs of IAS Officers. Inputs were given in the faculties of Law, Public Administration, Political Science & Constitution and Management & Economics. The Public Administration modules were structured around thematic inputs covering varied domains that IAS Officers have to deal with. These were interspersed with sessions in Languages and ICT.

The training methodology being adopted in this course constituted a mix of lectures, case discussions, seminars, panel discussions, order writing exercises, moot courts and mock trials, management games and role plays, group exercises, films, field and outdoor visits, among others. Several experts and eminent persons from diverse backgrounds were invited to address during the Course. These exposed the Officer Trainees to alternative perspectives and diversity of opinion, which were necessary for making any considered decision.

The course has begun with deep dive learning about the ethos and logos of the service through the deconstruction module. In order to do away with misperceptions about the Indian Administrative Service prevalent in the minds of young IAS Officer Trainees, and to make them aware about the rapidly changing needs of Indian Administrative Service, for the first time, a 5 day intense module was done at the start of the IAS Professional Phase-I Course which has enabled previous un-learning, and to start learning afresh on the part of young IAS Officer Trainees.

The certification courses from the international organisation like in Macro-Economics from IMF, Data Analytics from CMU and Public Policy from LKU. This has helped OT gain domain expertise with certification from best in domain international institutes and has also helped in broadening the learning perimeter the developing the scholastic values.

To sensitize about the ground level scenarios and develop the behavioural aspect of the trainees, interaction with grassroots level policy beneficiaries like SHG, farmers etc. has been organised. As the part of Amritotsova, the Officer Trainee were attached with respective cadre SHG entrepreneur, thereby enabling them to learn about the hardship and develop the vision of think global act local.

The course has given emphasis on inculcating leadership qualities, managerial skills, communication skills, and soft behavioral skills through the Leadership Module and ferro assessment for self-improvement delivered by "**Sardar Vallabhbhai Patel Leadership Centre**" in the Academy.

The module-wise approach to a specific matter has enabled to brought together and interconnect multiple issues to have holistic learning experience. The modules on economics, health, urban module, Nutrition, women and child, Communication, Election, Disaster Management, Entrepreneurship Development, Module on Geographical Indications & ODOP, , e-Governance & Media, Law & Order, Water Management, Social Security, Public finance and accounting procedure have helped in developing a broader understanding of the issues that they have to deal with right after training in the field.

The Officer Trainees have been given exposure on Evidence Based Policy Making and attached with the research support unit to develop the case studies from their own understanding in the field which can be used for training for the next cohort. To better appreciate the Man-Environment & Forest (Man-Animal Conflict) rehabilitation issues, the trainees were taken to the Gujjar colonies at Corbett National Park.

As a part of using the experience and knowledge base of the Alumni and to provide cadre-specific inputs on the subject matter, remarkable and illustrious IAS Officers serving in the States were called as Adjunct Faculties for continuous guidance in the Academy.

The course has also utilised the opportunities provided by Phase-2, Phase 4, JCM course and women and leadership course which were running concurrently and has harnessed the best of their experiences and wisdom via competitions, interactions.

The course has shifted from the traditional exam based evaluation methods to the digital and concurrent, evaluation pattern based on the submission of Dissertations, Presentations, Debates and Discussion, etc. on the imparted module so as to generate the new and innovative ideas.

As an IAS Officer, Officer Trainees had to become thorough in the language of the cadre to which they are allotted. Statutory language examinations were held during the Phase I programme. Officer Trainees, who were already familiar with the cadre language were provided advanced instruction in administrative usage of the language and were also required to undertake alternative modules and activities. Office Trainees were required to present their State Paper in the cadre language. The ICT module for Phase-I had been designed specifically to familiarize the Officer Trainees with Information Technology Environment in districts, concepts/issues involved in computerizing a system, latest trends in technology. The inputs on IT proficiency including exposure to advanced tools like power BI and EXCEL has been given along with sensitising them with dashboard creation , data handling, AI, ET and IOT techniques, web design, client/server computing, e-governance and so on. The idea behind this input is not to make Officer Trainees “computer-professionals”, but to acquaint them with the capabilities of technology in their real life working environments.

Assessed Academic Tasks: The course also incorporated elements of self-study based learning into its design through a Book Review and the State Term Paper that was presented in the regional language of the allocated cadre in the Counsellor Group Meeting; Bharat Darshan: Group Presentations, Individual Bharat Darshan Diary and Travelogue along with House Journals.

Outdoor Activities: Career in the IAS is often sedentary and tension-filled. Sound physical and mental health is an essential pre-requisite for an Officer of the Service. In the Phase I programme, Officer Trainees were encouraged to cultivate and sustain the habit of regular physical exercises. The morning Physical Training is compulsory. Physical exercises and outdoor activities are integral part of the Course.

Extra-Curricular Activities: Maximum emphasis has given on building physical fitness on the note of “***Healthy Mind Resides in the Healthy Body”.*** Revised outdoor pedagogy wherein emphasis has given on outdoor health & fitness with the interests and hobbies of Officer Trainees apart from the official work are better equipped to handle the stress that the profession creates.

In the Phase-I programme, Officer Trainees were encouraged to develop passion for creative activities through extra-curricular modules. To celebrate 75th year of Independence, and being the “**India @75 Batch**”, IAS Phase-I 2021 batch has celebrated the “**Azadi Ka Amrit Mahotsav**” in true spirit of fervour and enthusiasm during the 22 weeks the officer trainees has organised 75 cultural and extra-curricular events to commemorate the year which has not only broaden their knowledge base about the country but also instil the feeling of deep nationalism and respect for our nation. The AKAM folk art workshop has exposed them to 20 different art forms.

The pravah cultural fest between the IAS and IFoS has led to cementing of comradery among the services and in some cases has forged lifelong partnerships. The entrepreneurship skills were honed with the AKAM fete. The course has also given opportunities:-

- Interaction with the Members of parliament
- Library talks with eminent Authors
- Talk by eminent personalities like rocket women, etc
- Teaching the students, counselling, contribution for the mess, donation box

Zonal Days: Officer Trainees organised Zonal Days during the Phase I programme. The purpose of organizing a Zonal Day is to acquaint the Officer Trainees with the culture and cuisine of their allocated cadres. The constitution of groups for each zone would be based on the State of allotment.

Awards for Meritorious Performance: The prizes and medals were awarded for outstanding performance by the IAS Officer trainee in academic and extra-curricular activities during the Professional Course Phase-I.

Eminent Guest Speakers

- Shri Rajiv Gauba,IAS Cabinet Secretary, New Delhi
- Ms. Palka Sahni, IAS, Resident Commissioner, Bihar Bhawan, New Delhi.
- Ms. Chhavi Bhardwaj,IAS, Managing Director, Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited, Bhopal, Madhya Pradesh;
- Dr. Bagadi Gautham, IAS, Deputy Commissioner & DM, Mysuru, Karnataka.
- Shri Mohammed Y Safirulla K, IAS, Secretary in-charge, Department of Finance, Government of Kerala
- Shri Pradeep Singh Kharola, IAS, Former Managing Director, Bangalore Metro Rail Corporation;
- Shri Giridhar Aramane, IAS, Secretary (RT&H), M/o Road Transport & Highways, GoI
- Ms. Sarda G Muraleedharan, IAS, Additional Chief Secretary, Local Self, Government, Kerala
- Shri Prabhat Kumar, IAS, (Retd.)
- Ms. Radhika Jha,IAS, Secretary, Energy & Renewable Energy, Uttarakhand
- Ms. Bhagyashree Banayat, IAS, CEO, Sai baba Sansthan Trust, Shirdi, Maharashtra
- Shri Manjunath Bhajantri, IAS, Deputy Commissioner, Deoghar, Jharkhand

- Shri Nand Kumarum, IAS, Managing Director, MP State Electronics Development Corporation, Madhya Pradesh
- Shri R Subrahmanyam, IAS, Secretary, M/o Social Justice and Empowerment, GoI.
- Ms. Sujata Saunik,IAS, Additional Chief Secretary, General administration department, Government of Maharastra;
- Shri Deepak Gupta, Ex- Chairman, Union Public Service Commission, New Delhi
- Shri Sanjay Kothari, IAS, (Retd.)
- Shri Ajay Kumar Bhalla, IAS, Home Secretary, M/o Home Affairs,GoI, New Delhi.
- Ms. Manisha Saxena, IAS, Principal Secretary, H&FW, Government of Delhi
- Ms. Sushma Chauhan, IAS, Secretary to Government Planning Development & Monitoring Department, Jammu and Kashmir.
- Ms. Arti Dogra, IAS, Secretary to CM, Chief Minister Office, Jaipur, Rajasthan;
- Shri Suman Billa, IAS, Principal Secretary, Industries & NOKRA, Kerala.
- Dr. M.Angamuthu, IAS, Chairman, Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA), M/o Commerce and Industry, GoI, New Delhi
- Shri Praveen Pardeshi, IAS, Member, Capacity Building Commission, New Delhi
- Ms. S Aparna, IAS, Secretary, Department of Pharmaceuticals, GoI, New Delhi
- Shri Ajay Kumar, Defence Secretary M/o Defence, GoI, New Delhi
- Shri H R Patankar, IAS (Retd.)
- Shri Abhishek Singh, IAS, Chief Executive Officer, NeGD, New Delhi
- Shri Gaurav Dwivedi, IAS, Principal Secretary, Directorate of Statistics and Economics, Chhattisgarh
- Shri Kartikeya Misra, IAS, Special Commissioner of Labour, Vijayawada, AP
- Shri Shekhar Singh, IAS, Collector & District Magistrate, Satara, Maharashtra
- Ms. Arti Kanwar, IAS, Resident Commissioner, Gujarat Bhawan, New Delhi
- Ms. Preeti Sudan, IAS, (Retd.)
- Shri Gauri Shankar Ghosh, IAS, (Retd.)
- Shri P.K Mishra, IAS, Principal Secretary to PM
- Shri Brijesh Pandey, IAS, Secretary, Department of Finance, Govt. of Tripura;
- Ms. Nidhi Srivastava, IAS, Deputy Secretary, M/o Personnel, Public Grievances & Pensions, GoI, New Delhi.
- Ms. Sheetal Verma, IAS, Director of Census & Citizen Registration, UP.
- Dr. Hasmukh Adhia, IAS, (Retd.) Hon’ble Chancellor, Central University of Gujarat.
- Ms. Khushboo Goel, IAS,
- Shri Ratan P Watal, IAS, Chairman, Central Vista Oversight Committee.
- Dr. Milind Ramteke, IAS, PS to Minister of Social Justice and Empowerment, GoI
- Shri Dhruvpal Godra, Former Captain, Indian Polo Team
- Major Aman Singh, Polo Secretary
- Dr. Shyam Singh, Associate Professor, IRMA
- Dr. Rakesh Arrawatia, Associate Professor, IRMA
- Dr. Sushanta Sarma, Professor, IRMA
- Dr. Vivek Pandey, Professor, IRMA

- Dr. HK Misra, Professor, IRMA
- Dr. Umakant Dash, Director, IRMA
- Ms. Jaspreet Talwar, IAS, Principal Secretary, Dept of Water Supply and Sanitation, Government of Punjab
- Dr. Mala Ramanathan, Professor, Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology (SCTIMST), Thiruvananthapuram, Kerala.
- Dr. William Joe, Assistant Professor, Population Research Centre (PRC), Institute of Economic Growth, New Delhi.
- Shri Vishal Chauhan, IAS, Joint Secretary, M/o Health & Family Welfare, GoI.
- Shri Vasantha Kumar N, IAS, Executive Director, UPTSU, University of Manitoba, Lucknow
- Dr. Ravi Prakash, Deputy Director, Monitoring, Evaluations & Operations Research, UPTSU, University of Manitoba, Lucknow.
- Dr. Ravi Verma, Director, International Center for Research on Women, New Delhi.
- Dr. Shajy K Isac, Managing Trustee, India Health Action Trust, Bengaluru
- Dr. Darez Ahamed, IAS, Mission Director, National Health Mission, Tamil Nadu
- Dr. Saurabh Dalal, National Professional Officer, World Health Organization, India
- Shri Kamlesh Nilkanth Vyas, Secretary, Department of Atomic Energy & Chairman, Atomic Energy Commission, Mumbai
- Shri Amit Kumar Ghosh, IAS, Additional Secretary, M/o Road Transport & Highways, GoI, New Delhi.
- Ms. Palka Sahni, IAS, Resident Commissioner, Bihar Bhawan, New Delhi
- Dr. Devesh Chaturvedi, IAS, Additional Chief Secretary, Personal, Appointment and Agriculture Department, Govt of UP
- Dr. Arabinda Kumar Padhee, IAS, Director, Country Relations and Business Affairs, International Crop Research Institute for the Semi-Arid Tropics, ICRISAT New Delhi
- Shri C. Sridhar, IAS, Joint Secretary to PM, Government of India, PMO
- Shri Bipul Haloi, Jagjivan Ram Innovative Farmer Awardee, Nalbari, Assam
- Ms. Trinity Saioo, Padma Awardee, Jaintia Hills, Meghalaya
- Shri S.C.Thimmaiah, Jagjivan Ram Innovative Farmer Awardee, Kodagu, Karnataka
- Shri T.Purushothaman, Jagjivan Ram Innovative Farmer Awardee, Kannur, Kerala.
- Shri Ram Sharan Verma, Padma Awardee, Barabanki, Uttar Pradesh.
- Shri Bharat Bhushan Tyagi, Padma Awardee, Bulandshahr, Uttar Pradesh
- Shri Sultan Singh, Padma Awardee, Karnal, Haryana.
- Ms. Raj Kumari Devi, Padma Awardee, Muzaffarpur, Bihar
- Shri Batakrushna Sahoo, Padma Awardee, Khurda, Odisha.
- Ms. Rahibai Soma Popere, Padma Awardee, Ahmednagar, Maharashtra.
- Ms. Madhuri Raj, Gopal Ratna Awardee, Nandgaon, Chattisgarh.
- Ms. Anu Garg, IAS, Additional Chief Secretary, Water Resources Department, Government of Odisha.
- Ms. Enakshi Ganguly, Co- Founder and Advisor, HAQ Centre for Child Rights, New Delhi.

- Dr. Purnima Menon, Senior Research Fellow, IFPRI.
- Dr. Sanjay B Prabhu, Senior UNICEF Consultant.
- Shri D.Krishna Bhaskar, IAS, Director(Industries),Govt. of Telangana.
- Dr. Rabi N. Sahoo, Principal Scientist, Division of Agri Physics, IARI, New Delhi.
- Ms. Uma Mahadevan, IAS, Principal Secretary, Rural Development and Panchayati Raj Department, Govt. of Karnataka.
- Shri Manoj Rajan, IFoS, Special Secretary, Harvest Technology & Food Processing Agriculture Department, Govt. of Karnataka.
- Dr. P.Chandra Shekara, Director General, National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE), Hyderabad.
- Shri Vikas Chandra Rastogi, IAS, Principal Secretary, Higher and Technical Education Dept., Govt. of Maharashtra
- Shri S.M Vijayanand IAS (Retd.), Former Chief Secretary to Govt. of Kerala.
- Ms Sowjanya, IAS, Chief Electoral Officer, Uttrakhand.
- Dr. P.C.Jaffer,IAS, Secretary (Expenditure), Finance Department, Govt. of Karnataka.
- Shri Vijay Kiran Anand, IAS, District Magistrate, Gorakhpur, Uttar Pradesh.
- Dr. Ranjana Arora, Professor, NCERT, New Delhi
- Dr. Shridhar Srivastava, Joint Director, NCERT & Chairman, National Institute for Open Schooling, Noida.
- Shri Nalin Atul, IAS, Controller of Examinations, Karnataka State Public Service Commission, Karnataka.
- Shri Ritwik Patra, Education specialist, UNICEF, Lucknow.
- Shri Ajit Balaji Joshi, IAS, Chief Administrator, Haryana Shehri Vikas Pradhikaran
- Ms. Gayatri Vaidya, Additional CEO, Educational Initiatives, Gujarat.
- Dr. Milind Ramteke, IAS, PS to Minister of Social Justice and Empowerment, Government of India.
- Shri Abdaal Akhtar, IAS, Collector and DM, Koraput, Odisha
- Mr. R.Gopalakrishnan,IRTS, General Manager(Data Analytics), CRIS, New Delhi.
- Shri Arunish Chawla, IAS, Senior Economist, Institute of Capacity Development, IMF
- Mr. Martin Schinder, Deputy Division Chief, Institute of Capacity Development, IMF
- Mr. Bhaswar Mukhopadhyay, Deputy Director of SARTTAC, IMF
- Dr. Sangita Misra, Director, Planning and Monitoring Division, Monetary Policy Department of the RBI
- Mr. Murli Viswanathan, Professor, CMU Australia
- Dr. Emil Bolongaita , Professor, CMU Australia
- Dr.Zig Zdziarski, , Professor, CMU Australia
- Ms. Sarita Narke, Deputy Collector, Revenue Department, Pune
- Shri Rajiv Mehrishi, IAS(Retd.), Chairman, NSE IFS, Gift city Gujarat
- Thiru D. Manikandan, IAS Joint Secretary, School Education Department Tamil Nadu
- Prof. Samson Thomas, English Literature Department, EFLU
- Prof. M.E Veda Sharan, English Literature Department, EFLU
- Shri Ajoy Sanyamath IAS Additional Secretary, Land & Land Reforms and Refugee and

- Rehabilitation Department, Nabanna, West Bengal & Team
- Ms. Sheetal Verma IAS, Director of Census & Citizen Registration, Lucknow,UP
- Dr. Adarsh Singh, IAS District Magistrate, Barabanki Uttar Pradesh
- Shri Jai Singh IAS, Director, Land records and Measurement,Bihar & Team
- Shri Munish Moudgil IAS, Commissioner, Survey Settlement & Land Records Karnataka
- Shri Jeevan Babu K IAS, Director of General Education, Jagathi,Thiruvananthapuram
- Shri Rajeev Sharma, IAS Commissioner Shahdol Division Shahdol, MP & Team
- Dr. Prashant Bholanath Narnaware, IAS Commissioner Social Welfare Pune
- Shri Avaya Kumar Nayak, OAS (SS) Special Secretary LR & GE (A, B & C), and LA (A, B & C), Revenue & Disaster Management Department, Odisha & Team
- Shri Siddharth Jain, IAS Commissioner, SS & LR, Govt of Andhra Pradesh
- Shri. Hareet Shukla, IAS Secretary (Tourism) Gandhinagar, Gujarat & Team
- Shri B A Shah, IAS Collector Botad, Gujarat
- Shri Pankaj, IAS Special Secretary Finance Department Govt. of Haryana & Team
- Thiru S. Nagaraju, IAS Commissioner, Land Administration Department, Chennai
- Shri Shantimoy Debbarma Deputy Director Directorate of Land Records & Settlement Agartala, Tripura & Team
- Shri Vivek Bhatia, IAS Director (ESOMSA) Directorate for Empowerment of SCs, OB's, Minorities Affairs & The Specially Abled Shimla Himachal Pradesh
- Shri K. K. Sharma, IAS (Retd.) & Team
- Shri Anant Jain, IAS Additional District Magistrate Namchi & Team
- Shri Showkat Ahmad Parray, IAS Dy. Commissioner Bathinda & Team
- Shri K Manicka Raj, IAS, Secretary (Disaster Management), Revenue Department, Government of Telangana
- Shri Shantanu P Gotmare, IAS, Director of land records and survey, Assam
- Shri S. Chockalingam, IAS, Settlement Commissioner & Director of Land Records, Maharashtra
- Ms. V Lalithalakshmi IAS, Director National Institute of Fashion Technology,Kolkata.
- Shri Manish Kumar, IAS, Joint Magistrate SDM Sadar Dehradun
- Dr. Sivabala.S, IFS, Associate Professor, Indira Gandhi national forest academy, New Forest FRI Campus- Dehradun
- Shri Sanjeev Gaur, IFS Additional Principal Chief Conservator of Forests and Chief general Manager(Planning), Forest Development Corporation of Maharashtra limited.
- Dr. Caroline Brassard, Adjunct Assistant Professor, Lee Kuan Yew School of Public Policy National University of Singapore
- Ms. Aditi Singh, IAS, Additional Commissioner, State Tax Gautam Buddhnagar Greater Noida
- Mr. Bharat Chugh, Former judge and Advocate, Delhi High Court
- Dr. Aarushi Jain, Associate Director, Bharti Institute of Public Policy, Indian School of Business, Hyderabad & Team
- Prof Anjal Prakash, Research Director and Adjunct Associate Professor, Bharti Institute of Public Policy, Indian School of Business, Hyderabad & Team

- Dr. Prem Singh, Adviser, NITI Aayog , New Delhi
- Dr. K. P. Krishnan, IAS Former Secretary, Ministry of Skill Development and Entrepreneurship & IEPF Chair & Professor in Regulatory, New Delhi
- Mr. Gyanendra Badgaiyan, Resident Senior Fellow, IDFC Institute
- Dr. Mukul Raizada , Associate Professor National Law University, Delhi
- Mr. Ashok Meena, IAS, Principal Secretary, Panchayati Raj & Drinking Water Department, Govt. of Odisha
- Mr. Sandeep Verma, IAS, Chairman & Managing Director Rajasthan State Road Transport Corporation, Jaipur
- Shri Amrit Lal Meena, Special Secretary, DPIIT
- Ms. Sumita Dawra, Additional Secretary, DPIIT
- Ms. Manmeet K Nanda, IAS, Joint Secretary, DPIIT
- Ms. Shruti Singh, IAS, Joint Secretary, DPIIT
- Dr. Preet Deep Singh, Invest India
- Smt. Geethu Nithyanandan, Lead-Central & State Engagements, Policy and Trade Specialist – ODOP
- Shri Sunil Shukla, Director General, EDII, Gujarat
- Shri Harkesh Mittal, Senior Adviser, EDII, Gujarat
- Shri Amit K Dwivedi, Associate Professor & Incharge Dept of Policy EDII, Gujarat
- Shri Mayank Upadhyay, Distinguished Visiting Faculty, EDII, Gujarat
- Shri Tarun Bedi, Associate Professor, EDII, Gujarat
- Dr. M.Angamuthu, IAS, Chairman, Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA), M/o Commerce and Industry, GoI, New Delhi.
- Shri Rajashekar Reddy Seelam- Founder & Managing Director, Sresta Natural Bioproducts, Ahmedabad
- Shri Pankaj Khandelwal
- Shri Amarjeet Sinha, IAS, Member, PESB, DoPT, Delhi
- Shri C.S Mahesh, Director Anahat, Chennai
- Ms. Janaki Venkat, Senior Consultant, Anahat, Chennai
- Dr. Prem Chand, Assistant Professor, National Law University, Delhi
- Dr. Niraj Kumar, Associate Professor National Law University,Delhi
- Dr. Ritu Gupta, Professor of Law, National Law University, Delhi
- Shri Saurabh Suman Yadav, SDM, Motihari
- Shri Sanjay jaju, IAS ,Additional Secretary, Department of Defence Production, Ministry of Defence
- Shri Bhupendra J. Vasavada, Water Sector Advisor & Techno Legal Expert
- Dr. Mukta Kulkarni, Professor, Organizational Behavior & Human Resources
- Dr. Mukta Kulkarni, Professor, Organizational Behavior & Human Resources
- Management ,Indian Institute of Management, Bangalore
- Dr. Neharika Vohra, Vice-Chancellor Delhi Skill and Entrepreneurship University (DSEU)

- Shri G. Mathi Vathanan , IAS, Principal Secretary Housing and Urban Development Department, Govt of Odisha
- Dr. Alby John Varghese, IAS, District Collector, Tiruvallur District, Tamil Nadu
- Ms. Aditi Garg, IAS, Deputy Secretary Women and Child Development Department, Government of Madhya Pradesh
- Dr. Shalini Narayanan, Independent Media Consultant and Trainer
- Shri Vijay Amruta Kulange, IAS, Commissioner Bhubaneswar Municipal Corporation`-Odisha
- Ms. Shikha Sharma, Founder of Nutri Health and Health Expert
- Shri Rajeev Kumar Jain, Executive Director (HR/Finance and Accounts)
- Shri Kaushal Raj Sharma, IAS, District Magistrate, Varanasi
- Shri Shirsat Kapil Ashok, IAS, District Magistrate, District East Champaran
- Ms. Sanjeev Kumar, IDAS (Retd.) Former Addl. Controller General of Defence Accounts
- Ms. Shreya Gadepalli, Founder and Managing Trustee, The Urban Works Institute, Chennai
- Shri Himanshu Rai, Director, Indian Institute of Management, , Indore
- Shri Kunal Kumar, IAS, Joint Secretary (Mission Director Smart Cities) New Delhi
- Shri Rai Mahimapat Ray, IAS, Deputy Secretary (BC) & IMF, Department of Economic Affairs
- Shri Kapil Kaushik, Project Manager, NIC e-office division
- Shri Shariq Khan, Project Manager, NIC e-office division
- Shri Ramdhar Singh, Distinguished University Professor, Ahmedabad University
- Shri Ranjit Kumar, IAS, Director, Department of Personnel and Training, New Delhi
- Shri Shashi Krishnan, CEO, National Pension Scheme Trust, New Delhi
- Shri Sanjay Dongre, CIO, UTI Retirement Solutions Ltd.
- Shri Nitin Joshi - National Head, Govt Relations (NPS), Protean eGov Technologies Ltd
- Shri Ashish Gupta, IPS, Additional Director General, BSF

- Annexure-1

- Participants in IAS Phase-I (2021 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	09	05	14
Andhra Pradesh	07	01	08
Assam-Meghalaya	05	04	09
Bihar	05	05	10
Chhattisgarh	03	00	03
Gujarat	07	02	09
Haryana	06	01	07
Himachal Pradesh	02	01	03
Jharkhand	06	01	07
Karnataka	06	02	08
Kerala	06	02	08
Madhya Pradesh	06	02	08
Maharashtra	06	04	10
Manipur	01	00	01
Odisha	04	04	08
Punjab	02	03	05
Rajasthan	05	01	06
Royal Bhutan Civil Service	01	01	02
Sikkim	01	00	01
Tamil Nadu	06	07	13
Tripura	04	01	05
Telangana	04	03	07
Uttar Pradesh	08	07	15
Uttarakhand	01	02	03
West Bengal	10	03	13
Total	**121**	**62**	**183**

IAS Professional Course, Phase-II (6 Weeks Online)(2019 Batch)

While theoretical concepts are sought to be imparted in the Foundation and Phase-I courses and ground level realities are studied during the district training; Phase-II is the time to share experience gathered across the country when all the officer trainees return to the Academy from different districts of India. The course content of Phase-II is designed for consolidation of the learning and assimilation of the district experiences gained by the Officer Trainees over a year in the state at the district training, so as to understand the issues involved in administration. This gives them an awareness of problems and situations they will face in the initial years of their career.

(17th May, 2021 to 25th June, 2021)

Programme meant for / Target group	Newly recruited IAS Officer Trainees
Course Coordinator	Mr. Milind Ramteke, Deputy Director
Associate Course Coordinator(s)	Mr. Abhiram G. Sankar, Deputy Director Mr. Nitesh Jha, Professor Ms. Major Disha Pannu, Deputy Director
Valedictory Address by	Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State for the Ministry of development of North Eastern Region, Minister of State for Prime Minister's Office: Personnel, Public Grievances and Pensions and Department of Atomic Energy and Department of Space.
Total No. of Participants	185 (179 OTs, 2019 Batch, 01 from 2010 02 from 2017 Batch & 03 from RBCS) (Male- 127 ; Female-58)

Details of participants of IAS Phase-II (2018-20 Batch) is attached in Annexure- 3

Course Aim

The IAS Professional Course Phase-II imparts rigorous training to the IAS Officer Trainees in a wide range of subjects to enable them to handle varied assignments that the officer typically holds in the first decade of service.

Course Objectives

- **Provide a structured approach for intense reflection and analysis of individual and collective experiences gained during the district training.**
- **Emphasis on practical inputs on office and human resource management.**

- **Offer theoretical and practical sessions in political economy, public service delivery systems, and law.**
- **Hone administrative, managerial, and ICT skills.**
- **Demonstrate proficiency in the regional language of the cadre.**
- **Acquire and exhibit progressive values and attitudes for leadership role.**
- **Exposure to the best national and international practices.**
- **Maintain good health and high levels of physical fitness.**
- **Develop camaraderie and unity within the batch through an active campus life.**

Course Design

The IAS Professional Course Phase–II seeks to draw out and make the OT's realize then potential in terms of attitude, knowledge and skills. The design of this course is very different from the Foundation Course and IAS Professional Course Phase–I where the focus is on equipping the Officer Trainees with basic knowledge of administrative theory, elementary skills, and an overview of government schemes and programmes. In 53-weeks district training, the Officer Trainees experienced the functioning of various facets of district administration at the cutting edge and gained invaluable experience. Their suggestions on the design and structure of Phase-II were solicited and the inputs received formed the basis of the programme design. There was a focus on incorporating sessions, discussions and seminars mainly on gap areas identified by the group, while in the field.

Course Coordinator's Report

IAS Professional Course, Phase-II for 2019 Batch IAS Officer Trainee started from May 17 to June 25, 2021. The group comprisesd of 182 Officer Trainees of Indian Administrative Service and three Officer Trainees from the Royal Bhutan Civil Services. There are total 58 lady Officer Trainees (31%). Due to the Covid situation, the Phase II Course has been conducted online.

The IAS Professional Course Phase-II has been six week short course and mainly aims to consolidate and replenish skill sets of the IAS Officer Trainees which they assimilate and learn during district training. The Course has been participative, interactive and at the same time reflective so that the Officer Trainees can make sense of what they have observed, learnt and assimilated over the 12 months of district training with the benefit of hindsight.

The Phase II Course has been designed taking into consideration the requirement of "Mission Karmayogi: National Programme for Civil Services Capacity Building" recently announced by

the Government of India. Accordingly the course consists of important competencies i.e. domain knowledge, behavioural and functional.

In order to sharpen behavioural competencies, the Officer Trainees are undergoing modules like Reflection Module, Negotiation & Communication Module, Ethics Module etc. Also the Course gives opportunity to all the Officer Trainees for presentations on various topics and assignments submitted by them so as to adopt and learn soft skills of presentation and public speaking.

To take care of functional competencies, the Course consists of six seminars from field level young IAS Officers i.e. SDO/SDM Seminar, CEO/CDO Zilla Parishad Seminar, CEO Smart City Seminar, Municipal Commissioner Seminar, Collector (DM/DC) Seminar, Aspirational Districts Seminar etc. In these seminars the Officer Trainees have opportunity to learn from the field level administrators, the role of whom they will be assuming in the next 8-10 years of their field career.

To impart domain knowledge, the Course consists of seven-eight different developmental modules on important fields i.e. Health & Nutrition, Agriculture & Cooperatives, Education & e-Governance, Energy & Environment, Social Inclusion, Urban Development & Solid Waste Management, Rural Development and Livelihood, Revenue and Disaster Management, Rural Management Module etc. The Officer Trainees will be dealing with these fields during their future 8-10 years career as field administrators. Eminent Field Officers such as working Collectors, CEOs/CDOs, SDMs, Municipal Commissioner, other Field Officers etc who have done exemplary works in the filed were invited to take sessions on the above topics. Preference has been given to the Prime Minister Awardees and National Awardees so that they can also be the role models before the Officer Trainees.

Apart from this, various Eminent Luminary Speakers such as Shri Suresh Prabhu, Hon'ble Member of Parliament, Cabinet Secretary, Shri Bhaskar khulbe Advisor to the Prime Minister, Secretary DoPT, Secretary MoHUA, Secretary Financial Services, Secretary Women and Child Development, Director LBSNAA, Addl Secretary & Establishment Officer DoPT, Chairperson National Women's Commission, Chairperson National Commission on Protection of Child Rights, Ambassador of India to Bhutan, CEO NITI Ayog, Prof S.V. Subramanian Professor from T.H School of Public health Harvard University USA, Shri Parmeshwaran Aiyar Ex Secretary Govt of India and World Bank Lead, Shri Chandramauli Ex Secretary Government of India and now Fellow Sardar Patel Fellowship, LBSNAA, Dr Sanjeev Chopra Ex Director LBSNAA etc addressed the Officer Trainees on various topics so as to broaden their overall understanding and domain knowledge about the prospects and potential of our nation.

There were panel discussion by eminent panellists on Prospects and Potentials of Geographical Indications and Prospects and Potentials of North East. Apart from that the internal faculty member conducted sessions on general administration related issues such as Disciplinary Proceedings, Administrative Enquiry, Conduct Rules etc. Evaluation of Dissertation Reports and Viva Voce on the Dissertation was done by the eminent External Guest Faculty Members.

All the Officer Trainees presented Court Work Assignment and Experience Sharing Presentation. Also all the Officer Trainees submitted two Academic Assignment i.e. Best

Practices in the State & Covid Strategy Paper during the Phase II which were evaluated by the Internal Faculty Members. Also Viva Voce was done on the language Assignments by the Internal Language Faculties.

Due to Covid Pandemic Foreign Study Tour was not held in this Phase II. Every morning online Yoga for all the Officer Trainees was compulsory as morning Physical Activity. Apart from that many online extracurricular activities such as quiz competitions, debates, hobbies competition etc were held by various clubs and societies of the Officer Trainees.

There has been no any exam in Phase II. The overall Assessment of the Officer Trainees has been done on the basis of evaluation of various assignments submitted by the Officer Trainees during District Training, Academic Assignments submitted during the Phase II, Evaluation and Viva Voce of the Dissertation Report, Evaluation of Language Assignment etc. Marks were also assigned for punctuality and Discipline, Peer Assessment, Extra Curricular Activity Participation, Experience Sharing Presentation and Overall Director's Assessment.

The course was designed to include topics that are meaningful, relevant, and applicable in the first 8 years of their service.

Eminent Guest Speakers

- Shri Deepak Khandekar, IAS, Secretary, DoPT, Govt. of India
- Shri K. Srinivas, IAS, EO & Addl. Secretary, DoPT, Govt. of India, New Delhi
- Dr. Sanjeev Chopra, IAS (Retd), Ex Director LBSNAA
- Shri Tejveer Singh, IAS, Principal Secretary to CM Govt. of Panjab
- Shri N. K. Sudhansu, IAS, Settlement Commissioner Pune
- Shri S. Chockalingam, IAS, Director General, YASHADA, Pune
- Dr. Harish Chandra Karnatak, Scientist , SF &Head, GIT & DL Department of Indian Institute of Remote Densing, Dehradun
- Dr. V. Thiruppugazh, IAS, Additional Secretary (Policy and Plan) NDMA
- Ms. Chandni Chandran, IAS, SDM Kanchanpur, Tripura
- Shri Ukesh Kumar, IAS, SDM Chikkodi Belagavi, Karnataka
- Shri Manish Kumar, IAS , SDM Mussoorie Dehradun ,Uttarakhand
- Shri Avinash Lavania, IAS, District Collector, Bhopal
- Ms. Shalini Agarwal, IAS, Collector, Vadodara, Gujarat
- Ms. Harichandana Dasari, IAS, Collector, Narayanapeta, Telangana
- Shri Rajendra Bharud, IAS, Collector, Nandurbar, Maharashtra
- Thiru Sandeep Nanduri, IAS, Tiruvannamalai, Tamil Nadu
- Shri Sandeep Kumar, IAS, Collector, Dadra & Nagar Haveli (A&N)
- Shri Pawan Yadav, IAS, Deputy Commissioner, Churachandpur, Manipur
- Shri Upendra Tripathi, IAS (Retd.), Ex-Director General, Internatonal Solar Alliance, Gurugram

- Shri Saurabh Kumar, Executive Vice Chairman, Energy Efficiency Services Limited, New Delhi
- Shri Sonam Wangchuck, Innovator, Educator & Founding Director, SECMOL, UT Ladakh
- Dr. R. S. Praveen, IPS, Secretary, Social Welfare Residential Educational Institutions Society, Hyderabad
- Shri Abhay Bakre, Director General, Bureau of Energy Effiency, New Delhi
- Shri Ranjitsinh Disale, Teacher (Winner of Global Teacher Award 2020), Solapur Maharashtra
- Ms. Saumya Gupta, Secretary, Education, Govt. of Tripura
- Shri Vijay Kiran Anand, IAS, Special Secretary, Basic Education Department, Director, Sarv Shiksha Abhiyaan & Mid Day Meal, Govt. of U.P.
- Shri Alok Mishra, IIS, Deputy Director General, Niti Aayog, New Delhi
- Shri Raghuraj M. Rajendran, IAS, Director, Prime Minister's Office, New Delhi
- Shri Sanjeev Kr. Chadha, IFS, Managing Director, National Agricultural Cooperative Ltd, New Delhi
- Shri Suresh Prabhu, Hon'ble Member of Parliament (Rajya Sabha), New Delhi
- Shri Meenesh Shah, Executive Director, National Dairy Development Board, Anand (Gujarat)
- Dr. Prashant Narnaware, IAS, Commissioner, Social Welfare Department, Govt. of Maharashtra
- Shri Yogesh Kumbhejkar, IAS, CEO Zilla Parishad, Nagpur
- Shri Arvind Singh, IAS, CDO, Lakhimpur Kheri, Uttar Pradesh
- Ms. Manju, IAS, CEO, Zilla Parishad, Udaipur, Rajasthan
- Shri Saikant Varma, IAS, CEO, YSR Kadapa District, Andhra Pradesh
- Dr. Umakant Dash, Director, Institute of Rural Management, Anand, Gujarat
- Dr. Vishal R., IAS, Commissioner, Karnataka Rural Water Supply & Sanitation, Govt. of Karnataka, Bangalore
- Ms. Jyotsna Sitling, IFS, Joint Secretary, Govt. of India, Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, New Delhi
- Shri Mayur Dixit, IAS, District Magistrate, Uttarkashi, Uttarakhand
- Shri Ram Mohan Mishra, IAS, Secretary, Ministry of Women and Child Development, Government of India, New Delhi
- Shri Priyank Kanoongo, Chairperson, National Commission on Protection of Child Rights, New Delhi
- Mrs. Rekha Sharma, Chairperson, National Commission for Women, New Delhi
- Shri Debasish Panda, IAS, Secretary (Financial Services), Department of Financial Services, Ministry of Finance, Sansad Marg, New Delhi
- Shri Parameshwaran Iyer, Former Secretary, Government of India & Global Lead on Strategic Initiatives, Water Global Practice, World Bank

- Shri G.T. Venkateshwar Rao, IRS, Commissioner (Electronic Service Delivery) & Special Commissioner (e-Governance) and Managing Director, Telangana State Technology Services in ITE&C department, Government of Telangana, Hyderabad
- Dr. Rajender Pensiya, IAS, Vice Chairaman, Agra Development Authority, Jaipur House,Near Sales Tax Office, Agra (U.P.)
- Dr. Siddharth Shiv Jaiswal, IAS, Municipal Commissioner, Agartala Municipal Corporation, City Centre Complex, Paradise Chowmuhani, Agartala
- Shri Akshay Sridhar, IAS, Municipal Commissioner, Mangaluru Municipal Corporation, Karnataka – 575004
- Ms. G. Srijana, IAS, Commissioner, Greater Visakhapatnam Municipal Corporation, Jail Road, Ram Nagar, Visakhapatnam (A.P.)
- Shri Gaurang Rathi, IAS, Municipal Commissioner, Varanasi Municipal Corporation, Varanasi (U.P.)
- Shri V.R. Krishna Teja Mylavarapu, IAS, Chief Executive Officer, Smart City Thiruvananthapuram Ltd., 4th Floor, Felicity Square Building, Opp AG Office, Statue,Thiruvananthapuram
- Dr. Ashish Kumar Srivastava, IAS, DM & Chief Executive Officer,Dehradun Smart City Limited, Saatvik Tower, 777, Kaulagarh Road,Rajender Nagar, Dehradun
- Shri Durga Shanker Mishra, IAS, Secretary (HUA), Ministry of Housing and Urban Affairs, Nirman Bhawan,
- New Delhi
- Shri Amrit Abhijat, IAS, Joint Secretary (Housing) & Mission Director (HFA), Ministry of Housing and Urban Affairs, Nirman Bhawan, New Delhi
- Shri Kunal Kumar, IAS, Joint Secretary (SC), Ministry of Housing and Urban Affairs, Nirman Bhawan, New Delhi
- Ms. Ritu Sain, IAS, Director, Department of School Education & Literacy, Ministry of Education, Shastri Bhawan, New Delhi
- Ms. Gitte Kirankumar Dinkarrao, IAS, Secretary, Urban Development, Industries & Tourism, Government of Tripura, Agartala
- Shri Bhaskar Khulbe, IaS (Retd.), Advisor to Prime Minister, Prime Minister’s Office, New Delhi
- Shri Pravir Krishna, IAS, Managing Director,
- Tribal Co-operative Marketing Federation of India, NCUI Building, New Delhi
- Shri R. Chandra Babu, Vice Chancellor, Kerala Agricultural University, Thiruvananthapura (Kerala)
- Shri D.S. Chauhan, Chief General Manager, NABARD, Lucknow (Uttar Pradesh)
- Dr. Rajani Kant, Expert on GI Products, Varanasi
- Shri Abhishek Singh, President & CEO (Additional Charge), National e-Governance Division (NeGD), 3rd Floor, Room no-3015, Ministry of Electronics and Information, Technology, Electronics Niketan, 6, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi
- Ms. Ranjana Chopra, IAS, Principal Secretary,
- ST & SC Development, Minorities & Backward Classes Welfare Department, Government of Odisha, Bhubaneswar (Odisha)

- Shri Rahul Barhat, IPS, Deputy Inspector General of Police, Jodhpur, Rajasthan
- Shri Ajit Balaji Joshi, IAS, Chief Administrator, Haryana Urban Development Authority,HSVP Office Complex, Panchkula (Haryana).
- Dr. Poma Tudu, IAS, District Magistrate, Collectorate, Nayagarh (Odisha)
- Ms. Rajeshwari B., IAS, District Magistrate, Dumka Distt., Jharkhand
- Shri Devansh Yadav, IAS, Deputy Commissioner, Changlang Distt., Arunachal Pradesh
- Sh. Shrikant Balasaheb, IAS, Deputy Commisioner and CEO, Leh
- Sh. Kapil Shirshat, IAS, District Magistrate, East Champaran (Motihari), Bihar
- Sh. Ravi Capoor, IAS (Retd.), Former Secretary, North East Region & Chief Executive Officer, Sansad TV, New Delhi
- Shri K. Moses Chalai, IAS, Secretary, NEC, Room No. 403, 1st Floor, North Eastern Council Secretariat, Nongrim Hills, Shillong
- Shri J.K. Sinha, IAS, Principal Secretary to the Chief Minister, Health & Family Welfare Department and Finance Department, Government of Tripura, Secretariat, Agartala
- Ms. Shashanka Ala, IAS, Deputy Commissioner, North DMC, North Delhi Municipal Corporation, New Delhi
- Dr. Priyanka Shukla, IAS, Director, National Health Mission, Raipur (Chhattisgarh)
- Shri B.P. Acharya, IAS (Retd.), Ex-Director General, MCHRDI, Hyderabad & Special Chief Secretary, GAD, Telangana
- Ms. Varnali Deka, IAS, Secretary & Mission Director & Commissioner, Assam Skills Development Mission, Government of Assam, Assam
- Prof. S.V. Subramanian, P.hd., Professor of Population Health and Geograpy, Havard University
- Dr. Ayyaj Tamboli, IAS, Chief Executive Officer, Nava Raipur Atal Nagar Development Authority & Commissioner, Chattisgarh Housing Board, ,
- Raipur (Chhattisgarh)
- Shri Kankipati Rajesh, IAS, Collector & DM, Surendra Nagar, Gujarat
- Shri Jenu Devan, IAS, Managing Director & Commissioner of Tourism, Govt. of Gujarat, Gujarat
- Shri Iqbal Singh Chahal, IAS, Municipal Commissioner, Municipal Corporation of Greater Mumbai, Municipal Head Office, Mahapalika Marg, Mumbai
- Shri Kapil Shirsat, IAS, District Magistrate, East Champaran, Motihari, Bihar
- Shri Rajiv Gauba, IAS, Cabinet Secretary, Govt. of India
- Shri Amitabh Kant, IAS, Chief Executive Officer, Niti Aayog, Govt. of India
- Ms. Ruchira Kamboj, IFS, Ambassador of India to Bhutan, Embassy of India, Thimhu
- Dr. C. Chandramouli, IAS (Retd.), Former Secretary, DoPT, Govt. of India, (Fellow, Sardar Patel Fellowship, LBSNAA, Mussoorie

-

- Annexure-3 : Participants in IAS Phase-II (2019 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	07	03	10
Andhra Pradesh	06	04	10
Assam-Meghalaya	05	03	08
Bihar	09	03	12
Chhattishgarh	03	02	05
Gujarat	07	01	08
Haryana	03	03	06
Himachal Pradesh	04	01	05
Jammu & Kashmir	01	00	01
Jharkhand	06	00	06
Karnataka	07	02	09
Kerala	04	04	08
Madhya Pradesh	07	03	10
Maharashtra	06	04	10
Manipur	04	00	04
Nagaland	00	00	00
Odisha	05	01	06
Punjab	03	01	04
Rajasthan	05	02	07
Royal Bhutan Civil Service	03	00	03
Sikkim	00	00	01
Tamil Nadu	06	03	09
Tripura	02	01	03
Telangana	05	03	08
Uttar Pradesh	10	08	18
Uttarakhand	03	00	03
West Bengal	06	06	12
Total	**127**	**58**	**185**

96th Foundation Course (15 Weeks)

The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration conducts its flagship training programme, the Foundation Course each year for the successful young recruits of the All India Services, Central Services and officers from Royal Bhutan Service.

The Foundation Course, as the nomenclature suggests, lays the basis on which the edifice of career of a Civil Servant in Government is built. The Foundation Course marks the formal induction of Civil Servant into the government, the beginning of a life dedicated to the service of people of India and our nation. It gives a glimpse of how the government functions, what are the values and ethos which drive it, what are the main challenges, opportunities and responses that arise in governance of a large, complex and diverse country like India. The 96th Foundation Course was organized from 5th December, 2021 to 17th March, 2022.

As the Officer Trainees are new entrants in the Government, the Academy seeks to familiarize them with the environment of political, economic, social and administrative issues, through a well-defined syllabus. The fifteen week long Foundation Course comprising of more than 15 services of the Indian Union and the three Royal Bhutan Services sought to open the mind of civil servant to new learnings and adventures, immersive experiences in rural India, celebration of resilience, diversity and depth of our rich heritage, a trek of a lifetime amidst the mountains and valleys of Himalayas and a reverential visit to the Statue of Unity at Kevadia.

Academic inputs on a wide range of subjects ranging from law to management, economics, ICT, communication, history, culture, politics and public administration are also given.

Date of Program	5th December, 2021 to 17th March, 2022
Programme meant for / Target group	Newly recruited All India Services and various Central Service (Group- `A') Officers [including Royal Bhutan Services]
Course Coordinator	Mrs. Monika Dhami, Deputy Director (Sr.)
Associate Course Coordinator(s)	Mr. Milind Ramteke, Deputy Director
	Mr. Abhiram G. Sankar, Deputy Director
	Mr. Hari Prakash, Professor
	Mr. Nitesh Jha, Professor
	Dr. Sunita Rani, Professor
	Ms. Anupam Talwar, Assistant Director

Course Inaugurated by	Mr. Srinivas R. Katikithala, Director, LBSNAA
Valedictory Address by	Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India (Online)
Total Participants	Total-488 (Gentlemen- 332; Ladies- 156)

Details of participants of 96th Foundation Course are attached in Annexure- 1

Course Aim

The 96th Foundation Course primary aimed at developing officer-like qualities and attitudes in the 488 young officer trainees. One of the prime objective of the Foundation Course was to inculcate *esprit de corps* in the officer trainees attached to different services of the country. The Academy also facilitated the training of officer trainees of the Royal Bhutan Civil Services, as a part of the 96th Foundation Course.

The Foundation Course marks the transition from the academic world of the college and university to the structured system of government. For most of the course participants, the course was their first introduction to the process of governance, and the role of the government in a society. The course is designed in a manner to achieve the objectives outlined by arranging a combination of academic, outdoor, extra-curricular and co-curricular activities. The Academy intends to equip each of the Officer Trainees with a core set of values, skills and knowledge that helps them in their respective careers. They are given training inputs useful in understanding the basic concepts of governance and rules and regulations, necessary for effective performance in the government sector.

Course Objectives

To orient Officer Trainees to the administrative, social, economic and political environment in the country.

To make Officer Trainees aware of the challenges and opportunities within the Civil Services.

To promote overall development of personality traits i.e. intellectual, moral, physical and aesthetic of the Officer Trainees.

To foster greater coordination among the members of different Civil Services by building esprit de corps.

Course Design

The course design in the 96th Foundation Course makes a significant departure from the past in more ways than one.

One, it is largely thematic, week by week. Each week has a central idea/subject, running through it to enable each Officer-Trainee to understand that topic deeply with all its nuances. The assessment and Evaluation criteria has also been modified to accommodate these changes in course design beginning with Journaling, the essay and the oral presentation at the end.

Secondly, the course design has been aligned with the principles of 'Mission Karmayogi' and indoor classroom experiences have been suitably balanced by outdoor visits which have been consciously designed to be immersive and experiential.

Out of 15 weeks which comprise the Foundation Course, almost five weeks are travel, tours and camping outside the Academy premises. With a longer than usual village visit (12 days) to border areas of Northern India to ten days in Gujarat from Ahmedabad to Kevadia for Aarambh 3.0 to more than a week of Himalayan trek, all of these have been consciously built in to not only expand and hone the intellectual capabilities but also foster qualities of course, fortitude, endurance, sharing, empathy and inclusion.

The course design had two 'critical areas of focus and salience this year. One is the emphasis on communication, both oral and written and the other being emphasis on fitness. This was given the shape of a discipline to bring rigor and at the same time ample exercises and assessments around it were built. Experts from all across the world were gathered to deliver this module and this module ran through the entire Foundation Course constituting its back bone.

The emphasis on fitness, sports and wellbeing was reinforced by ensuring not only mandatory participation but longer hours than usual. For the first time, also due to harsh winter weather, the morning P.T. was replaced by an afternoon evening slot dedicated to sports and staying healthy. This had been necessitated by a design in course structure and timings as all academic/session conclude before lunch to enable trainees to freely participate in field activities of your choice.

Above all, the batch of OT's who attended the 96th Foundation Course would always be remembered for being a part of the historic 75th year of our independence. We celebrated AKAM (Azadi Ka Amrit Mahotsav) at the Academy with full fervour and spirit and an ambitious programme of cultural performances twice a week culminating in the India Day celebrations.

Academic Inputs

In this course, academic inputs were given in Public Administration, Management and Behavioral Science, Law, Basic Economics for Administrators, Political Concepts and Constitutional Law, Indian History and Culture.

In addition, co-curricular inputs were also given by way of outdoor activities (physical training; yoga classes and horse riding), cultural activities, extra-curricular modules.

Officer Trainees are encouraged to call on their House Tutors/counselors and other faculty members and meet them informally at their residence. These informal meetings are considered an important part of the community life of the Academy.

A number of medals and trophies were awarded to the Officer Trainees who excelled in various activities in the Academy.

The main activities organized during the Foundation Course were:

Trekking: The Himalayan trek (26th Feb 2022 TO 4th March 2022) is the high point of the Foundation Course, both literally and metaphorically. It exposes the Officer Trainees to

the natural grandeur and beauty of the Great Himalayas. It provides one of the most exhilarating experiences. It is a significant learning experience in group dynamics and brings out leadership qualities. The mighty Himalayas evoke a sense of respect for nature as well as humility in any person who makes the attempt to know them. It is also a test of endurance and courage.

Village Visit Programme: Assess the dynamics of the socio-economic-political situation existing in a village.

- Understand the problems faced by the rural people, especially the socially disadvantaged sections and women.
- Evaluate the spatial and temporal changes that have occurred in the village in terms of quality of life as a result of Government and non-Governmental interventions or with the passage of time.
- Evaluate the working of various village level institutions, both formal and informal in terms of participation and effectiveness.
- Recognize the importance of the need to learn from the villagers in evolving people-based solutions to their problems.
- Study the physical environment of the village in relation to ecological imbalances and vulnerability to disasters.

The Officer Trainees proceeded for the village visit in Border Districts of North India from December 27, 2021 to January 8, 2022. The Village Visit is a major component of the Foundation Course, not only because it exposes the Officer Trainees to the realities of rural India through a structured study but also because it provides them the opportunity to stay in villages and interact intensively with the rural populace to understand and appreciate their concerns and priorities. They will be given inputs on Data Collection & Analysis, Rural development programs, Social sector, Role of NGOs, PRA techniques, etc to equip them adequately for the visit. Officer Trainees are expected to conduct a survey in the village as per the guidelines provided to them.

The Officer Trainees carried out a cleanliness drive in the village and administer an oath to spread the message of the Swachh Bharat Mission. They also helped villagers to prepare an action plan for cleanliness in their villages. Financial Inclusion and access to better services from banks shall form a part of the awareness campaign during village visit.

On return, they submitted an individual as well as group reports of the activities, findings and recommendations and make group presentations, which was graded on both the data collected and the quality of analysis. In addition to this, they will help villagers to prepare an action plan on their villages

Extra-curricular activities are conducted in the afternoons and evenings in order to impart skills other than pure academics to the trainees in recognition of the need for an officer to have diverse interests and a well-rounded personality.

Aarambh 3.0:

With the vision of making the civil service recruits capable of leading transformation and work seamlessly across departments and fields, common visioning and collaborative exercise named "Aarambh" was started as part of the 94th Foundation Course in 2019 in which all these new entrants came together at Kevadia, Gujarat, to understand changing technology and its possibilities for governance with the help of experts from world class institutions. During "Aarambh", a theme relevant and important for the country in the current context is taken up for deeper understanding and analysis in the form of an exercise by the Officer Trainees.

Last year, during the 95th Foundation Course, Aarambh 2.0 on the theme "Governance in India@2047" was conducted at the Academy and interaction with the Hon'ble Prime Minister was held online. This year Aarambh 3.0 was organised at Statue of Unity, Kevadia from 11th – 12th January, 2022 to deliberate, discuss and dialogue on the theme "*Moving India towards a sustainable 5 trillion-dollar economy*".

Eminent Guest Speakers for the 96th Foundation Course

- Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India
- Shri Ganesh Saili, Writer and Photographer
- Ms. Aparna Kumar, IPS, Deputy Inspector General (DIG), Frontier HQ ITBP, Dehradun
- Dr. S. R. Sarala, Dean (Sports Science), Sports Authority of India, NSNIS, Patiala
- Shri Dheeraj, Lead, Strength and Conditioning Experts
- Shri Ronak Kothari, Lead, Exercise Physiotherapist
- Shri Madan Padaki
- Ms. Chandana T R,
- Ms. Parul Singh,
- Shri Megharaj Mantri
- Shri Popatrao Pawar, Executive Director, Maharashtra State Government's Model Village Programme
- Shri Satyajit Bhatkal , Chief Executive Officer Panni Foundation
- Shri Dhri Jingaran, Founder & Managing Trustee of Language and Learning Foundation, New Delhi
- Shri Javed Ahmad Tak, C/o Humanity Welfare Organisation J & K
- Dr. Nidhi Vinayak, Senior Managar, Literacy, New Delhi
- Dr. Parthajeet Das, Director Central Square Foundation
- Ms. Medhavi, Project Coordinator, Language and Learning Foundation
- Shri Anurag Anthony, Chief Technical Officer, Urban Management Centre
- Shri Xerxes Rao, Head, Urban Planning, Urban Management Centre
- Ms. Manvita Baradi, Director Urban Management Centre, Ahmedabad

- Dr. Arun Singh,Advisor, Ministry of Health and Family Welfare, New Delhi
- Shri Kaninik Baradi, Teaching Assistant
- Ms. Prerana Somani, Teaching Assistant
- Shri Jay Shah, Teaching Assistant
- Shri Shashwat Sethi, Teaching Assistant
- Dr. Neeta Verma, D.G. NIC, New Delhi
- Shri R S Mani, DDG and HoG (Network), NIC, New Delhi
- Shri Pawan Kumar Joshi, DDG and Head Technology Advisory Group NIC, New Delhi
- Dr. Seema Khanna DDG and HoD (Messaging and SMS Service), NIC, New Delhi
- Dr. Rajesh Kumar Pathak, DDG and HoD (Training), New Delhi
- Shri Subodh Kumar Jaiswal, IPS, Director, CBI, New Delhi
- Shri Ajay Bhatnagar, IPS, Additional Director, CBI, New Delhi
- Shri N. Madhusudhana Reddy, IPS, Joint Director, Sardar Vallabhai Patel National Police Academy, Hyderabad
- Shri C. Vamsi Krishna, IPS, Assistant Director, Sardar Vallabhai Patel National Police Academy, Hyderabad
- Shri Shreyas Jayasimha, Advocate | Arbitrator | Mediator, Aarna Law LLP, Bengaluru
- Smt. Jaspreet Talwar, IAS, Principal Secretary, Department of Water Supply and Sanitation, Government of Punjab
- Hon'ble Shri Justice L. Narasimha Reddy, Hyderabad
- Shri Raghuraj M. Rajendran, IAS, Joint Secretary, Ministry of Power, New Delhi
- Shri Suhas Lalinakere Yathiraj, IAS, District Magistrate, Gautam Budh Nagar, U.P.
- Ms. Meghna Malhotra, Deputy Director, Urban Management Centre
- Shri N. Madhusudhana Reddy, IPS, Joint Director, Sardar Vallabhai Patel National Police Academy, Hyderabad
- Shri C. Vamsi Krishna, IPS, Assistant Director, Sardar Vallabhai Patel National Police Academy, Hyderabad
- Shri Raghuraj M. Rajendran, IAS, Joint Secretary, Ministry of Power, New Delhi
- Prof. (Dr.) Y. S. R. Murthy, Vice Chancellor, RV University, Bengaluru
- Shri Rajiv Jain, Member, National Human Rights Commission
- Shri B. K. Sinha, IAS (Retd.)
- Shri Vivek Kumar Singh, IAS, Principal Secretary,Revenue & Land Reforms, Patna
- Shri Ramakrishnan Krishnan, 29/6, Manipallavam, Balakrishna Road, Valmikinager, Thiruvanmiyar, Chennai
- Shri Kushagra Singh, Honorary Director Legal & PR, Extra – C, B-55, Buddha Colony, Patna
- Shri Venkatesh, Member, Extra-C, L/62, Savitri Singh Lane, Sri Krishna Nagar, Patna
- Shri Viren Rasquinha, 3, Union Building 37, John Baptist Road Bandra, Mumbai
- Maj Gen BK Sharma, AVSM, SM & Bar (Retd), Director USI The United Service

Institution of India Rao Tula Ram Marg (Opposite Singles Enclave) Post Bag No. 8, Vasant Vihar PO, New Delhi - 110057

- Lt Gen Ranbir Singh, PVSM, AVSM**, YSM, SM (Retd)
- Lt Gen Arun Kumar Sahni, PVSM, UYSM, SM, VSM (Retd)
- Lt Gen (Dr) RS Panwar AVSM & Bar, SM, VSM, (Retd)
- Maj Gen RPS Bhadauria, VSM (Retd), Head CS3, USI of India
- Maj Gen Arvind Bhatia (Retd)
- Maj Gen RS Yadav, VSM (Retd)
- Lt Gen Sukhdeep Sangwan, AVSM, SM & Bar (Retd)
- Shri Abhishek Singh, IAS, President & CEO, National e-Governance Division, New Delhi
- Shri Rakesh Maheshwari, Scientist, National e-Governance Division
- Ms. Chhutni Mahato, Padamshri,Vill- Birbans, Post- Kolabira, Dist- Seraikella-Kharswan, Jharkhand
- Dr. Rajani Kant, Padamshri, House No. S 15/ 116, Mavaiya behind SBI, Sarnath, Varanasi
- Dr. Niru Kumar, PadamShri, 13 A/4, WEA Karol Bagh, New Delhi
- Ms. Sitavva Joddati, Padmashri, CEO, MASS, Distt. Belgaum, Karnataka
- Mr. Shyam sunder Paliwal, Padamshri,
  House No. 2, Arihant Vihar, Rajasthan
- Smt. Jamuna Tudu, Padamshri, Post- Chakulia, Village- Kankrishol, East Singhbhum, Jharkhand
- Dr. Anil Prakash Joshi, Padam Bhushan, HESCO, Vill- Shuklapur, Post- Ambiwala, Dehradun
- Shri Bipin Ganatra, PadamShri, 27- Debendra Mullick Street Opp. Medical Tropical, Kolkata
- Smt. Usha Chaumar, PadamShri, Nai Disha, Sulabh International Social Service Organisation, Lajpat Nagar, Alwar –Rajasthan
- Shri Balbir Singh Seechawal, PadamShri,Village- Seechewal, Post- Rupewal, Tehsil-Shahkot, District- Jalndhar, Punjab
- Shri Tushar Mehta, Solicitor General of India, New Delhi
- Shri K. S. Samarendra Nath, Former Director, Ministry of Steel, GoI, New Delhi
- Shri Sonmoni Borah, IAS, Joint Secretary,Department of Land Resources, Krishi Bhawan, Dr. Rajendra Prasad Road, New Delhi – 110001
- Ms. Rachna Srivastava, Deputy Director General (Scientist –G), HOG eOffice Project Divison, NIC, New Delhi
- Shri Kapil Kumar Sharma, Sr. Technical Director (Scientist-F), HOG eOffice Project Divison, NIC, New Delhi
- Sri Harpreet Singh, IAS, Director General(FAC), Dr. MCRHRDI, Telangana
- Shri Bivash Pandav, Director Bombay Natural History Society, Mumbai
- Shri K. Tirupathaiah, IFS (Retd.)
- Shri Atul Karwal, IPS, Director General,National Disaster Response Force, New

Delhi

- Ms. Mansi Nimbhal, IAS, Mission Director, State Rural Livelihood Mission, Orissa
- Ms. Shanmuga Priya, IAS, Commissioner, Skill Development, M.P.
- Shri Deependra Singh Kushwah, IAS, Commissionerate, Skill Development, Employment and Entrepreneurship, Mumbai
- Shri Chintan Vaishnav, Director, Atal Innovation Mission (AIM)
- Shri Sunil Dadhe, IAAS, Director General, National Academy of Audit and Accounts, Shimla, H. P.
- Ms. Vidhu Sood, IAAS
- Shri Kandarp V Patel, IAAS, Director, National Academy of Audit and, Accounts, Chaura Maidan, Shimla
- Shri Mansoor H. Khan, IDAS, Integrated Financial Advisor (Capital), Indian Navy, IHQ (Navy), Ministry of Defence, New Delhi
- Shri Ram Kumar Kakani, Professor, Fincance, Accounting & Control, Indian Institute of Management, Kozhikode
- Shri Pravindra yadav, Principal Accountant General, Audit, Uttarakhand, Kaulagarh, Dehradun
- Dr. Seema Khanna, Deputy Director General (Scientist-G), HOD Messaging and SMS Service, New Delhi
- Shri Pawan Kumar Joshi, Deputy Director General (Scientist-G), Head, Technical Advisory Group (TAG), NIC, New Delhi
- Shri Joydeep Shome, Deputy Director General (Scientist-G), HOD Road Transport and Highways Informatics, NIC HQrs, New Delhi
- Shri B. Venkata Reddy, Sr. Technical Director (Scientist-F), Telangana State Centre, Hyderabad
- Ms. P. V. Sindhu, Olympic Medallist, Indian Badmintan Player
- Mr. Stephen Alter, Author, Landour, Mussoorie
- Ms. Megha Pradhan, Associate Director, J-PAL, South Asia
- Shri C. Chandramouli, IAS (Retd.), Former Secretary, DoPT, Ministryof Personnel, Public Grievances and Pension, New Delhi
- Shri Praveen Singh Pardeshi, IAS, Global Prgramme Coordinator, The Defeat-NCD Partnership, (UNITAR), Geneva, Switzerland
- Ms. Aarthie Ramaswamy, Chess Grand Master, Chess Gurukul
- Mr. R B Ramesh, Chess Grand Master, Chess Gurukul
- Shri Harssh A Poddar, Indian Police Service, Maharashtra
- Shri Devranjan Mishra, IRS, Deputy Director, Enforcement Directorate Headquarters, New Delhi
- Shri Raghav Gupta, IRS, Joint Commissioner, Income-Tax (Benami Prohibition)
- Shri Rohit Rajbir Singh, IPS, DCP, Delhi
- Shri Karn Satyarthi, IAS, Deputy Development Commissioner cum Zila Parishad, Gumla, Jharkhand
- Shri Arunish Chawla, IAS, Senior Economist, IMF, Washington, DC
- Shri Bhawar Mukhopadhyay, Deputy Director SARTTAC, IMF, New Delhi
- Shri Souvik Dutta, Assistant Professor

- Ms. Saudamini Das, Professor
- Shri Siddharth Rathore, Assistant Professor
- Ms. Oindrilla De, Assistant Professor
- Shri Vivek Kumar Singh, IAS, Principal Secretary,Revenue & Land Reforms, Patna
- Shri Venkatesh, Member, Extra-C, L/62, Savitri Singh Lane, Sri Krishna Nagar, Patna
- Shri Alan Cowell, Teacher, Don Bosco Academy
- Ms. Pratima Singh, Gold Medal & Gold Medalist, Basket Ball Player
- Ms. Akanksha Singh, Basket Ball Player
- Ms. Divya Singh, Basket Ball Player
- Ms. Prashanti Singh, Padmashri & Arjuna Awardee, Basket Ball Player
- Ms. Prerna Dangi, Mountaineer, Rock Climber
- Dr. Hitashi Lomash, Faculty Sushma Swaraj Institute of Foreign Service, New Delhi
- Dr. Prem Singh, IAS (Retd.), Adviser, NITI Aayog NITI Bhawan, Parliament Street, New Delhi-110001
- Ms. Nidhi Sharma, IRS, CIT (Vigilance) Central Board of Direct Taxes, North Delhi
- Ms. Thulasi Maddineni, IAS, Special Commissioner (Finance) Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike N.R. Square, Bengaluru, Karnataka-56002
- Shri Amar KJR Nayak, Professor of Strategy Room#130 Xavier Institute of Management, XIM Chandrasekharpur, Bhubneshwar, Odisha-751013
- Shri APM Mohammed Hanish, IAS, Principal Secretary to the Government, Department of Sports and Youth Affairs Room No. 138, 2nd Floor, North Block, Secretariat Kerala
- Shri Raghuraj Rajendran, IAS, Joint Secretary Ministry of Power, Govt. of India, New Delhi
- Shri Manoj V. Nair, IFoS, Chief Conservator of Forests (Wildlife) & Director, Nandankanan Biological Park, Principal CCF (WL) & CWLW, Odisha Bhubaneswar
- Shri Mansoor H. Khan, IDAS, Integrated Financial Advisor (Capital) Indian Navy, IHQ (Navy) Ministry of Defence, New Delhi
- Shri Praveen Kumar Sinha, IPS, ADGP, Prisons Punjab Police
- Shri Alok Mishra, IIS, Deputy Director General Development Monitoring & Evaluation Office (DMEO) NITI Aayog, New Delhi
- Shri Ram Kumar Kakani, Professor, Finance Accounting and Control Indian Institute of Management Kozhikode, Kerala
- Shri N.K. Sudhansu, IAS, Settlement Commissioner and Director of Land Records, Pune
- Shri Nishant Warwade, IAS, Commissioner, Medical Education & Ex-officio Secretary Govt. of Madhyapradesh
- Dr. Amit Kumar Jain, IRTS, General Manager Centre for Railway Information Systems Chanakyapuri, New Delhi
- Mr. Manohar Arcot
- Ms. Sowjanya, CEO Uttarakhand

- Ms. Pratima Singh, Basket Ball Players
- Ms. Akanksha Singh Basket Ball Players
- Mr. Divya singh, Basket Ball Players
- Ms. Prashanti Basket Ball Players
- Ms. Prerna Dangi, Mountaineer and Rock climbe
- Hon'ble Justice M.N Venkatachaliah, Former Chief Justice of India and Chairperson to review the working of the Constitution
- Dr. R Balasubramaniam, Founder of Swami Vivekananda Youth Movement (SVYM)
- Shri Mridu Pawan Das, Joint Secretary, Sushma Swaraj Institute of Foreign Service (SSIFS)
- Dr. Sumit Seth, Joint Secretary (Policy Planning & Research)
- Shri Aniket Mandavgane,Director (East Asia)
- Shri Sujan Chinoy, Director General, Manohar Parrikar Institute for Defense Studies and Analyses[
- Shri TCA Raghavan, Former High Commissioner of India to Pakistan
- Lt. Gen. (Retd.) Girish Kumar, Advisor (Policy Planning & Research), MEA
- Ms. Smita Pant, Joint Secretary (Bangladesh & Myanmar)
- Shri Rajiv Bhatia, former Ambassador of India to Myanmar
- Shri Anurag Srivastava, Joint Secretary (North), MEA
- Smt Preeti Saran, Secretary (Retd), East
- Shri Y.K. Sinha, Chief Information Commissioner & former High Commissioner of India to Sri Lanka
- Maj Gen G S Choudhry, VSM
- Shri Junaid Kamal Ahmad, Country Director World Bank-India
- Dr. K P Krishnan, Former Secretary to GOI and IEPF Chair Professor in Regulatory Economics) Bungalow No 113, New Moti Bagh, New Delhi
- Emilia Skrok, Senior Country Economist, The World Bank
- Shri Deepak Mishra, Director and Chief Executive of ICRIER(Indian Council for Research on International Economic Relations) (former World Bank)
- Shri Sabyasachi Kar, RBI Chair, Institute of Economic Growth(IEG),
- Dr. Anup Wadhawan, Former Commerce Secretary to the Government of India
- Sh. Hemang Jani, Secretary, Capacity Building Commission, Department of Personnel & Training
- Shri Ajit Pai, Distinguished Expert, Economics & Finance,NITI Aayog
- Shri Vinayak Chatterjee, Chairman CII's National Council on Infrastructure
- Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director,
- Shri Adarsh Kumar, Senior Operations Officer, The World Bank
- Ms. Geeta Goel, Country Director, Michael & Susan Dell Foundation India, LLP
- Shri Ramesh Dharamji, Former CGM SIDBI

- Shri Aramane Giridhar, Secretary, MORTH Chairman of National Highways Authority
- Shri Arnab Bandyopadhyay, Lead Transport Specialist, Transport & ICT, The World Bank
- Shri Peeyush Kumar, Jt. Secy, DEA
- Shri Shankar Maruwada, CEO Ek Step Foundation, Quorum, No. 85, 7th Cross, 4th Block, Koramangala, Bangalore - 560034, Karnataka, INDIA
- Ms. Rukmani Banerjee, CEO ,Pratham
- Ms. Shabnam Sinha, Lead Education Specialist , World Bank
- Shri Maneesh Garg, Joint Secretary(Samagra Shiksha - II) Department of School Education & Literacy, Ministry of Education, ,Government of India
- Shri Atul Kumar Tiwari, Additional Secretary, Ministry of Skill Development DG(Training)DGT, Goverment of India(Additional Charge)
- Shri Arunkumar Pillai, Chief Strategy Officer, National Skill Development Corporation (NSDC)
- Mr. Achim Schmillen, Practice Leader, The World Bank
- Shri Ram Sevak Sharma,CEO of the National Health Authority
- Shri Pankaj Ramanbhai Patel, Chairman, Zydus Cadilla
- Camilla Holmemo Practice Leader The World Bank
- Shri Vikas sheel, Additional secretary Mission Director
- Shri Saurabh Garg, CEO, UIDAI
- Ms. Shrayana Bhattacharya, SAR - Social Protection & Labour, The World Bank
- Shri Arun Sharma, Director, DBT Mission,
- Ms. Shilpa kumar, Partner, Omidyar Network India
- Shri Amitabh Kant, CEO , NITI Aayog
- Shri Manu Srivastava, Member of the Revenue Board, Gwalior, MP
- Mohua Mukherjee, Solar Energy Expert ,Advisor Smart Grid Forum
- Shri Saurabh Kumar, Former executive chairperson EESL
- Ms. Mani Khurana, Senior Energy Specialist, The World Bank
- Shri Sudhendu J. Sinha, Advisor, Infrastructure Connectivity and Electric Mobility Vertical, NITI Aayog
- Shri Kunal Kumar, Joint Secretary & Mission Director (Smart Cities Mission), Ministry of Housing and Urban Affairs
- Ms. Shreya Gadepalli, Former Regional Director South Asia, Institute for Transportation and Development Policy (ITDP) Chennai
  Founder & Managing Trustee, The Urban Works Institute
- Gerald Paul Ollivier, Lead Transport Specialist, SAR
- Dr. Arabinda Kumar Padhee, Director, Country Relations and Business Affairs ,

ICRISAT, New Delhi

- Andrew Goodland, Lead Agri Specialist, SAR - Agri and Food, The World Bank
- Dr. Bandi Venkateswarlu, Ex-Director CRIDA(ICAR) Former Vice Chancellor, Vasantrao Naik Marathwada Agricultural University, Parbhani
- Shri G.Asok Kumar, Additional Director and Mission Director National Water Mission, Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources,
- Dr Tushaar Shah, Professor Emeritus
  Institute of Rural Management, Anand 388001, Gujarat, India
- Dr Himanshu Kulkarni, Founder Trustee and Executive Director, Advanced Center for Water Resources Development and Management (ACWADAM)
- Dr. Hasmukh Adhia, Hon’ble Chancellor of Central University of Gujarat (Former Union Finance Secretary & Revenue Secretary, Government of India)
- Ms. Rashmi Chowdhary, Additional Secretary,DOPT
- Maj Gen Gurpreet Singh Choudhary, VSM

96th Foundation Course -Inaugural Ceremony

Valedictory Ceremony

Annexure-1: Participants in 96th Foundation Course

Service wise Break-up

Service	Male	Female	Grand Total
Indian Administrative Service	118	60	178
Indian Audit And Accounts Service	05	03	08
Indian Civil Accounts Service	05	01	06
Indian Corporate Law Service	01	00	01
Indian Defence Accounts Service	07	06	13
Indian Defence Estate Service	01	00	01
Indian Foreign Service	19	14	33
Indian Forest Services	38	08	46
Indian Information Services	06	03	09
Indian P And T Accounts And Finance Service	04	00	04
Indian Police Service	83	28	111
Indian Postal Service	05	03	08
Indian Railway Protection Service	02	00	02
Indian Revenue Service (Customs And Central Excise)	14	08	22
Indian Revenue Service(IT)	15	19	34
Indian Trade Service	02	00	02
Royal Bhutan Civil Services	01	01	02
Royal Bhutan Forest Service	01	01	02
Royal Bhutan Police Services	05	01	06
Grand Total	332	156	488

District Training of 2020 Batch (53 Weeks)

The objective behind district training is to expose the Officer Trainees to the entire range of activities at the district level. All the states have their own training schedules and accordingly, the time devoted to various attachments of training may differ. But, during these attachments, Officer Trainees get to become familiar with the functioning of the Collectorate, procedures for Revenue Administration, Role of Executive Magistrates, Various Centrally and State sponsored Development Schemes & Programmes, Police & Forest Administration, Court Work and the working of other District – level Departments etc. Although the duration of attachment and the nature of duties assigned may vary from State to State, it is useful for the Officer Trainees to obtain an exposure to the following functions during their field training.

- Attachments with different Offices and Departments in the District
- Independent Charges to Officer Trainees
- Attachment with the State Training Institutes
- Attachment with the State Secretariat

One of the main purpose of the District Training for an Officer Trainees is to get an opportunity to understand following issues during their attachment with each department/unit.

- Organizational structure, roles and responsibilities in the department.
- Basic understanding of Acts and Rules governing the department.
- Office procedures – understanding a file, methods of noting/ drafting, preparation of office orders and movement of file.
- Budgeting and Audit – understanding the procedure and sequence of resource allocation, guidelines for expenditure, financial powers vested with officials and audit.
- System of programme implementation, monitoring and report.

During district raining, the Officer Trainees also get to undergo the following assignments:

- Drafting of Demi – Official (DO) Letters once in two months
- Village Study Assignment & Land Revenue Assignment
- Tehsildar Survey Assignment
- Brick Kiln Assignments/Migrant Labour Assignment/Geographical Indication Assignment
- Dissertation Report on various important issues assigned by the Academy
- Court Work Assignments
- Language Assignments

Mid- Career Training Program for IAS Officers

The issue of mandatory and structured mid-career training for IAS Officers was formalized with the introductionof the Mid-Career Training Program(MCTP) in 2007. The objective of MCTP was to equip officers to handle the next, higher level of responsibilities at certain identified stages of their careers; broadly when they were primarily working in the field (7-9 years), at the policy formulation stage (15-18 years) and inter-sectoral policy formulation and implementation stage(27-28 years). These three stages were named Phase II, IV and V respectively. In the first three-year cycle, these programmes were outsourced by the Ministry to international/national institutions of repute. However, since 2010 the mandade for the design and delivery of the program was reviewed by Government and the durations were shortened. The revised programme is as follows: Phase-III (weeks), Phase-IV (4weeks including 1 week Foreign Study Tour) and Phase-V (3weeks).

15th Round of Phase-IV of MCTP (4 Weeks)

Aim

To equip officers who have completed 14 to 16 years of service to make effective transition to policy formulation and better implementation.

Course Objectives

- Appreciate the role of political economy and institutions in public policy and governance;
- Understand the process of public policy formulation, analysis, implementation and evaluation;
- Apply tools of policy analysis to better understand and solve policy problems; and
- Strengthen individual leadership, Emotional Intelligence and negotiation skills.

Week-wise design of the Course

- ❑ Inputs based on
  - ❖ Last three years' End of Course Reports, and
  - ❖ Session wise feedback of last three courses
- ❑ Aimed at leveraging on participants experience and knowledge
- ❑ Sessions designed to be interactive and participative
- ❑ Attempt to provide more strategic and global perspective.
- ❑ Mix of speakers- academicians, senior officers, grassroots practitioners, industry: National and International.

Course Design: Broadly the course included the following thematic areas:

Week 1

- Capacity Building for India
- Leadership for Policymakers in a Post COVID World
- Decision making in a Complex Scenario (Responding to COVID Pandemic)
- Rationale for Public Policy
- Module on The Future World and Implications for Policy

- Policy Making Perspective of an Entrepreneur
- Meeting Public Service Expectations-Synergy between Academia and Governance
- Taxation Reforms and Way Forward
- Disaster Management-Planning and Policy
- Urban Governance
- Module on Emotional Intelligence

Week 2

- Public Institutions in India: Capacity Challenges and Prospects
- Policy Making in Diversity-North East Case Study
- Elective sessions in three sectors (i.e. Urban & Infrastructure, Health & Education and Economic Policy Analysis)
- Cyber Security
- Agriculture & Cooperatives
- Rural Development
- Agriculture Roadmap in India-Opportunities and Challenges
- Ayurvedic Cooking-Eat Right
- Using Data/Evidence for Effective Policy Design and Formulation
- Health-Systems Perspective
- EPOD Module (Impact Evaluations)
- Block Chain & AI in Governance
- Grass Root Data Analysis in Health
- Procurement in Government-Policy Challenges

Week-3

- Leveraging India's Soft Power
- National Security
- National Security-Panel Discussion
- Designing PPPs
- Policymaking for Uncertain Times
- Policymaking: A Practitioner's Perspective
- India Economy Post COVID-Way Forward
- Public Policy Exam
- Module on Negotiations

Week -4

Though Phase –IV MCTP course envisaged to include a week of Foreign Study Tour (FST), due to COVID related travel restrictions, physical travel to foreign Universities couldn't take place. In lieu of FST, to ensure that the participants don't lose out on learnings from global best practices in public policy, an on-line learning engagement was organized in last week with Lee Kuan Yew (LKY) School of Public Policy, National University of Singapore. Inputs in this five-day programme included:

- Policymaking and Governance in Singapore
- Conflict Management
- Moral Reasoning and Policy Framing
- Digital Disruption and Policy Innovations
- Principles of Urban Governance
- Big Data, Data Analytics and Public Policy
- Interaction with H.E. Simon Wong, High Commissioner of Singapore to India
- Leadership and Policymaking Challenges in India

In addition to the above, the following sessions have also been included:

- Sustain-Accelerate-Innovate
- Unheard Voices

Eminent Guest Speakers

- Shri Hemang Jani, Secretary, Capacity Building Commission, New Delhi.
- Dr. R. Balasubramaniam, Member (HR), Capacity Building Commission, New Delhi.
- Shri Praveen Pardeshi, Member (Admn), Capacity Building Commission, New Delhi.
- Shri Santosh Mathew, Country Lead Public Policy and Finance, Bill & Melinda Gates Foundation, New Delhi.
- Mr. Anton Musgrave, Senior Partner, Future World International, South Africa.
- Dr. Prodipto Ghosh, IAS (Retd), Distinguished Fellow, Earth Science and Climate Change, TERI, New Delhi.
- Shri Manish Sabharwal, Chairman & Co-Founder, Tem Lease Services Pvt. Ltd. Bengaluru.
- Prof. Manindra Agrawal, N Rama Rao Chair Professor, Department of Computer Science and Engineering, IIT, Kanpur.
- Shri Ajay Bhushan Pandey, Former Finance Secretary, Government of India, New Delhi.
- Shri S.N. Pradhan, IPS, Director General, National Disaster Response Force, New Delhi.
- Shri Durga Shanker Mishra, IAS Secretary to the Government of India, Ministry of Housing and Urban Affairs, New Delhi
- Shri Raj Rajeshwar Upadhyaya, CEO, Par Excellence Leadership Solutions Pvt. Ltd., Mumbai.
- Shri Devesh Kapur, Star Foundation Professor of South Asia Studies, Johns Hopkins University School of Advanced International Studies (SAIS), Washington, DC, USA.
- Shri Ravi Capoor, IAS (Retd), CEO, Sansad TV, New Delhi
- Shri Nandkumar Saravade, Former CEO, Reserve Bank information Technology Private Ltd, Mumbai
- Dr. Sanjeev Chopra, IAS (Retd), Former Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration.
- Shri Amarjeet Sinha, IAS (Retd), Former Advisor to the Hon'ble Prime Minister, New Delhi.
- Dr. A.K. Padhee, IAS, Director, Country Relations and Business Affairs ICRISAT, New Delhi.
- Shri Sanandan Thapliyal, Associate Professor, Shivalik Institute of Ayurveda and Research, Dehradun.

- Shri Iqbal Dhaliwal, Global Executive Director, Scientific Director, J-PAL, South Asia, Cambridge, USA.
- Dr. Vinod K Paul, Member, NITI Aayog, New Delhi.
- Shri Mukul Kanitkar, Organizing Secretary, Bharatiya Shikshan Mandal, Nagpur, Maharashtra.
- Shri Santosh K. Mishra, IAS, Transport and Road Safety Commissioner, Government of Tamil Nadu, Chennai.
- Dr. Rockli Kim, Assistant Professor, Division of Health Policy and Management, College of Health Sciences, Korea University.
- Shri Sandeep Verma, IAS, Chairman and Managing Director, Rajasthan State Road Transport Corporation, Jaipur.
- Shri Gautam Bhan, Senior Lead-Academics & Research, Indian Institute of Human Settlements, Bengaluru.
- Dr. Shabnam Sinha, Lead Education Specialist, South Asia Region, Education, Global Practice, World Bank, New Delhi.
- Mr. Alfred Schipke, Mission Chief of India, International Monitory Fund, Washington, DC.
- Dr. Umamaheshwaran Rajasekar, Chair Urban Resilience-Global Resilience Cities Network, National Institute of Urban Affairs, New Delhi.
- Prof. Vijaya Sherry Chand, Professor and Chairperson, Ravi J Matthai Centre for Educational Innovation, Indian Institute of Management, Ahmedabad.
- Shri Parta Mukhopadhyay, Senior Fellow, Centre for Policy Research, New Delhi.
- Dr. Sunita Narain, Director General, Centre for Science and Environment, New Delhi.
- Shri Manoj Jhalani, IAS, Director, Health System Development, World Health Organization, New Delhi.
- Dr. Rajat Kathuria, Senior Visiting Professor, Indian Council for Research on International Economic Relations, New Delhi.
- Ms. Shreya Gadepalli, Regional Director South Asia, Institute for Transportation and Development Policy, Chennai.
- Dr. Nachiket Mor, Senior Research Fellow, Centre for Information Technology and Public Policy, IIT, Bengaluru.
- Shri Pinaki Chakraborty, Director, National Institute of Public Finance and Policy, New Delhi.
- Shri Alkesh Kumar Sharma, IAS, Additional Secretary to the Government of India, Cabinet Secretariat, New Delhi.
- Shri Rajesh Kotecha, Secretary to the Government of India, Ministry of Ayush, New Delhi.
- Prof. Manoj Pant, Director, Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi.
- Mr. Navtej Sarna, IFS (Retd), Former Indian Ambassador to the USA.
- Shri Ajay Kumar Bhalla, IAS, Home Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.
- Lt. Gen. PJS Pannu, (Retd), PVSM, AVSM, VSM, Gurugram, Haryana.
- Shri Shiv Kunal Verma, Film Maker and Author (Military History), Gurugram, Haryana.
- Dr. A Balasubramanian, Visiting Professor, Indian Institute of Management, Ahmedabad, Gujarat.
- Shri Sanjeev Sanyal, Principal Economic Advisor, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi.
- Dr. Prem Singh, Advisor, NITI Aayog, New Delhi.

- Dr. Krishnamurthy Subramanian, Chief Economic Advisor, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi.
- Shri Himanshu Rai, Director, Indian Institute of Management, Indore, Madhya Pradesh.
- Dr. Franz Wohlgezogen, Senior Lecturer Management and Marketing Faculty of Business and Economics, University of Melbourne, Australia.
- Mr. Woo Jun Jie, Senior Research Fellow, Governance and Economy Department, Institute of Policy Studies, LKY School of Public Policy, Singapore.
- Mr. Francesco Mancini, Vice Dean (Executive Education) and Associate Professor in Practice, LKY School of Public Policy, Singapore.
- Ms. Leong Ching, Vice Provost (Student Life), Dean of Students and Associate Professor, LKY School of Public Policy, Singapore.
- Mr. Ashok Kumar, Centre Director, E-Development Leadership Centre and Chief International Programme, Institute of Systems Science, National University of Singapore.
- Mr. Michael Coh, Executive Fellow, Centre for Liveable Cities, Singapore.
- Mr. Reuben Ng, Assistant Professor, Public Health, Yale University, Singapore.
- H.E. Simon Wong, High Commissioner of Singapore to India, New Delhi.
- Ms. Caroline Brassard, Adjunct Assistant Professor and Consultant, LKY School of Public Policy, University of Singapore.
- Dr. Poonam Khetrapal Singh, Regional Director South East Asia, World Health Organization, New Delhi.
- Mr. Ritu Saini, Acid Attack Survivor,
- Ms. Rujuta Diwekar, Nutritionist, Mumbai

Evaluation of Participants (mention how many secured what grades)

Grade	No. of Participants
A+	3
A	44
B+	2

Course Coordinator's Remarks

The Phase IV MCTP has been successfully completed which was scheduled from 02-27 August 2021. The course was held completely Off-line in the Academy amidst the looming threat of COVID. Due to utmost COVID precautions taken, not a single participant got affected by COVID during the above period.

Phase IV was designed to focus on public policy formulation and implementation. The participants spent four weeks at the Academy from August 02-27 including a week of online learning engagement with Lee Kuan Yew (LKY) School of Public Policy, National University of Singapore from August 23 to 26 2021.

The program sought to equip the participants with skills and attitude of continuous learning for an impactful career in public service in a rapidly changing environment. It focused not only on knowledge, but also on insights; and not just on sectoral inputs, but on policy formulation. It sought to bridge the gap between praxis and academics and impart key skills: Leadership, Emotional Intelligence, Negotiation, EPoD (evidence-based policy design). In consonance with the Mission Karmayogi's emphasis on specialization, Sector specific Electives in three critical areas of Economic Policy analysis, Urban & Infrastructure and Education & Health were

introduced to give the participants the cutting edge in their areas of choice and decision making. The Online learning engagement with LKY, School of Public Policy, NUS provided the participants with a structured exposure to policy formulation and implementation in Singapore.

In addition to mandatory morning activity every day the programme also included Cultural programs, Short Treks, sports and games etc. The participants submitted case studies and Elective Group Presentations and also took a public policy exam at the end of the course.

Cadre	Female	Male	Grand Total
AGMUT	2	7	9
Assam-Meghalaya		2	2
Chhattisgarh	2	2	4
Gujarat		1	1
Haryana	1	1	2
Himachal Pradesh		1	1
Jammu & Kashmir		1	1
Jharkhand	1	2	3
Karnataka	1	2	3
Kerala		2	2
Madhya Pradesh		1	1
Maharashtra		3	3
Manipur	1		1
Punjab	2	5	7
Rajasthan		1	1
Tamil Nadu	1	2	3
Uttar Pradesh	1		1
Uttarakhand	1	2	3
Telangana	2		2
Grand Total	**15**	**35**	**50**

Batch	Female	Male	Grand Total
1994		1	1
1997	1		1
1999		1	1
2000		1	1
2001	2	1	3
2003	4	3	7
2004	4	8	12
2005	2	15	17
2006	2	5	7
Grand Total	**15**	**35**	**50**

Gender	Count of Gender
Female	15
Male	35
Grand Total	**50**

Induction Training for Officers of the State Civil Services Promoted to IAS (4 Weeks)

Induction courses are conducted for officers on a select list of various states or officers promoted to the Indian Administrative Service from the State Civil Services. The aim of these courses is to update levels of knowledge, skills and to provide opportunities for exchange of ideas, views and experiences with people who have developed expertise in different sectors of national development. Considerable focus is given to new managerial thoughts, techniques and skills as well as to the frontier areas of technology and its management. There is an emphasis on imparting an All-India perspective to its participants. The officers are also taken on a tour of premier institutions in the country to expose them to the pan-India character of the service.

123rd Induction Training Programme for IAS Officers

(05th April – 30th April, 2021)

Programme meant for / Target group	Officers from State Civil Service who have been inducted (Promotion/Select List) into IAS
Course Coordinator	Ms. Monika Dhami
Associate Course Coordinator	Shri Milind D. Ramteke, Ms. Sunita Rani, Shri Hari Prakash, Ms. Ekta Uniyal
Inaugural address by	Dr. Sanjeev Chopra, Ex-Director, LBSNAA.
Valedictory Address by	Shri Arif Mohammad Khan, Honourable Governor of Kerala.
Total No. of Participants	Total – 67 [Male- 48; Female- 19]

Course Objectives

- ✓ To understand the all-India nature of Administrative Services and develop an all-India perspective on the working of public administration and the macro-economy of the country.
- ✓ To be better equipped to handle their assignments with the knowledge of latest policies and programmes in various sectors as well as learnings from experiences of the fellow participants
- ✓ To be able to apply the principles of collaborative working and leadership and negotiations in their various work setting.

The pedagogy that was adopted to meet the course objectives included interactive lectures followed by discussion, case studies, Heritage walks/tours, experience sharing presentations, films and discussions, management games, simulation exercises, group work and field visits.

Course Design

Week 1 Reflections, Right to information, Financial Management Urban Mobility, Environment and Sustainability, National Security – Issues and Challenges-panel discussion, Public Policy : Design & Implementation, Role of Cooperative & FPO in Agricultural Value Chain, Perspectives from North East

Week 2 Conserving Wild life, Mainstreaming of vulnerable women, widows deserted and unemployed, Public Policy: Analysis and Communication, Improving learning outcome in Districts, Public Policy & Regulation: An overview of Indian statutory regulatory authorities, Brick Kiln: Case study, Disaster Management, New Idea of India, Smart Cities, Managing Development Interventions, Rural Cooperatives and supply chain, Designing PPP.

Week 3 Development Monitoring and Evaluation Office (DMEO), Leadership Module, Procurement, Negotiation Module, Communication, Urban Governance and Challenges, Module on Emotional Intelligence

Week 4 International Solar Alliance, Enhancing skills to support livelihoods, Market intervention in agriculture, Eat Right, Covid Management and Public Health, Proactive Afforestation and Biodiversity Conservation, Maps and Milestones, Gender, Strengthening lungs capacity and immunity in the time of Covid

The participants were to submit a 1500 words essay/research paper on any intervention made by them in the state, public policy or any topic of interest in administration with their own suggestions. Additionally each participant made an individual presentation about a unique professional experience in the area of interest before a group of internal faculty members.

The participants were evaluated out of 100 marks, 40 of which were Experience Sharing Presentation, 35 for the State specific or public policy paper and 25 for Director’s Assessment.

Weekend Modules

(i) Heritage and Nature walk
(ii) Screening of the movie ‘Invictus”
(iii) Water colors and art with Sachin Musale, a talented artist from Jalgaon in Maharasthra
(iv) Mobile/Smartphone film making by Ritesh Takshande

Domestic and Foreign Study Tour

However, in view of the surge in the Covid cases across the nation, cultural evenings, the Domestic and Foreign Study Tour component were cancelled.

Course Coordinator's Report

The 123rd Induction Training Programme (ITP) had officer Participants from 15 different cadres. The break up for the same is as detailed below:-

State	No. of Officers	Men	Women
AGMUT	09	08	01
Andhra Pradesh	02	-	02
Assam-Meghalaya	01	-	01
Chhatisgarh	08	02	06
Haryana	07	07	-
Himachal Pradesh	04	04	-
Jharkhand	01	01	-
Karnataka	06	04	02
Kerala	02	02	-
Madhya Pradesh	03	03	-
Maharashtra	10	08	02
Manipur	05	03	02
Nagaland	02	02	-
Punjab	02	02	-
Rajasthan	05	02	03
Total	67	48	19

Besides 4 weeks of academic input on diverse topics as mentioned in course design, extra curriculum online modules were held on Saturday (weekends). On Painting, ayurvedic cooking and mobile film making among the others.

Physical activity like yoga, meditation, morning walk and work-out in gymnasium kept the participants fit and active. Besides nature and heritage walks were also organised

The Evaluation report of Participants is as follows:-

Grade	No. of Participants
A+	39
A	27
B+	01

Eminent Guest Speakers

1st Week

Sl. No.	Name of Guest Speaker	Topic	Designation
1.	Shri Prabodh Saxena	Right to Information	IAS, Additional Chief Secretary, Government of Himachal Pradesh, Shimla
2.	Shri Ram Kumar Kakani	Financial Management	IIM, Kozhikode
3.	Shri K. Srinivas	Legacy of Sardar Patel	IAS, Establishment officer & Additional Secretary, DoPT, New Delhi
3.	Ms. Vini Mahajan	IAS in perspective	IAS, Chief Secretary to the Government of Punjab
4.	Ms. Shreya Gadepalli	Urban Mobility	Regional Director South Asia, ITDP, Chennai
5.	Shri A.B. Mathur	National Security	IPS (Retd.), Member, National Security Advisory Board, New Delhi
6.	Lt Gen PJS Pannu		PVSM, AVSM, VSM
7.	Shri Dinkar Gupta		IPS, Director General of Police, Government of Punjab
8.	Shri Vivek Bhardwaj		Additional Secretary, Ministry of Home Affairs, New Delhi
9.	Shri Gyanendra Badgaiyan	Public Policy: Design & Implementation	IAS (Retd.) Resident Senior Fellow, IDFC Institute
10.	Shri Sanjeev Kumar Chadha	Role of Cooperative & FPO in Agricultural value chain	Managing Director, NAFED, New Delhi
11.	Shri Ravi Capoor	Perspectives from North East	IAS, Retd.

2nd Week

Sl. No.	Name of Guest Speaker	Topic	Designation
1.	Ms. Tilottama Varma	Conserving Wild Life	Additional Director, Wildlife Crime Control Bureau, New Delhi
2.	Ms. Ritu Sain	Mainstreaming of vulnerable women, widows deserted and unemployed	IAS, Director of States-I, Ministry of Housing and Urban affairs, New Delhi
3.	Dr. Dhir Jhingran	Improving learning outcomes in	Founder and Managing Trustee of Language and Learning

		Districts	Foundation, New Dehi
4.	Shri Gyanendra Badgaiyan	Public Policy: Analysis & Communication	IAS (Retd.) Resident Senior Fellow, IDFC Institute
5.	Shri K.P. Krishnan	Public Policy & Regulation: An overview of Indian statutory Regulatory authorities	IAS, Retd.
6.	Shri Makarand Paranjape	New idea of India	Director, Indian Institute of Advanced study, Shimla
7.	Shri Ashish Srivastava	Smart cities	IAS, District Magistrate, Dehradun
8.	Shri Sampath Kumar	Managing Development Interventions	IAS, Principal Secretary, Government of Meghalaya
9.	Shri R. Meenakshi Sundaram	Rural cooperatives and Supply chain	IAS, Secretary, School education, Government of Uttarakhand
10.	Dr. Ashwin Mahalingam	Designing PPP	Faculty, IIT Madras

3rd Week

Sl. No.	Name of Guest Speaker	Topic	Designation
1.	Shri Antony Cyriac	Development Monitoring and Evaluation office (DMEO)	Deputy Director General, Development Monitoring and Evaluation Office, Niti Aayog, New Delhi
2.	Shri Sandeep Verma	Procurement	IAS, Director General HCM, RIPA, Jaipur, Rajasthan
3.	Shri G. Mathi Vathanan	Urban Governance and Challenges	IAS, Principal Secretary, Housing and Urban Development, Government of Odisha
4.	Shri Raj Rajeshwar Upadhyay	Emotional Intelligence Module	Director, Par Excellence Leadership Solutions Pvt. Ltd., Mumbai (Maharashtra)
5.	Dr. Sanandan Thapliyal	Eat Right	MD (Ay), Associate Professor, Shivalik Institute of Ayurveda & Research, Dehradun

4th Week

Sl. No.	Name of Guest Speaker	Topic	Designation
1.	Shri Upendra Tripathi	International Solar Alliance	IAS (Retd.), Director General, International Solar Alliance, Gurugram, Haryana
2.	Shri Manish Sabharwal	Enhancing skills to support livelihood	Chairman & Co-Founder, TeamLease Services Pvt. Ltd. Bengaluru, Karnataka
3.	Shri Pawanexh Kohli	Market intervention in agriculture	Former CEO, NCCD & Chief Advisor, British High Commission, New Delhi
4.	Ms Rijuta Pandav	Eat Right	Deputy Lead, Food Fortification Resource Centre, FSSAI, New Delhi
5.	Shri Praveen Singh Pardeshi	Covid Management and Public Health	IAS, Global Programme Coordinator, United Nations Institute for Training and Research, Geneva, Switzerland
6.	Shri Sanjeev Chopra	Maps and Milestones	IAS (Retd.), Former Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
7.	Shri Bharath Shetty	Strengthening lungs capacity and immunity in the time of Covid	Yoga Teacher, INDEA-Foundation, Musore, Karnataka

1st Common Mid-Career Training Programme

Aim

The Common MCTP aims at bringing together officers from different services who head/will go on to head important government organization with the aim of enhancing each one's leadership capacities. This programme strives towards instilling a sense of national pride, mission & camaraderie among its participants which will enable all to lead their teams to learn, build & deliver on national aspirations & goals.

Duration (Specify Dates)	25th October to 02nd November, 2021
Name of Course Coordinator	Ms. Anandhi, Deputy Director (Sr.)
Names of other members of Course team	Ms. Sunita Rani. Professor Sh. Abhiram G Sankar, Deputy Director Ms. Ekta Uniyal , Assistant Director
Number of participants	Total: 242 Male: 182 Female:60
Batches represented	2000 and 2001
Course inaugurated by	Dr. Jitendra Singh, MoS PP
Valedictory Address by	Shri Pradip Kumar Tripathi, Secretary, DoPT

Course Objectives

- Discovers and enhance next level leadership capacities;
- Strengthen the common understanding of national aspirations and challenges;
- Bring a stronger collaborative work ethic in their official functioning; and
- Ensure citizen centric efficient service delivery of the highest standard.

Design of the Course (should provide a schematic overview of main academic inputs)

Course Design

Panel Discussion on National Challenges: Energy, Security & Climate Change, Discovering My True self & My Purpose, Exercising Enlightened Leadership

Eminent Guest Speakers (list prominent speakers along with their designation)

1. Shri V.P. Raja, IAS (Retd.), Ex-Chairman, Maharashtra Electricity Regulatory Commission, Govt. of Maharasthra
2. Shri Upendra Tripathy, IAS (Retd.) Principal Advisor to CM, Odisha
3. Shri Sanjeev Sahai, IAS (Retd.), Former Secretary, Ministry of Power
4. Shri Ravi Shankar Prasad, IAS, Additional Chief Secretary, Agriculture, Animal Husbandry & Fisheries Department
5. Shri Manu Srivastava, IAS, Administrative Member, Board of Revenue
6. Dr. Manashvi Kumar, IAS, Director, Ministry of Rural Development, New Delhi
7. Shri Vipul Tuli, Managing Director, Sembcorp Energy India Ltd.

8. Ms. Xiaodond Wang, Senior Energy Specialist, World Bank
9. Shri Sunil Savara & Team, Impossible Transformation, Bangalore
10. Dr. R. Subramaniam, Member-HR, Capacity Building Commission, New Delh
11. Ms. Mohua Mukherjee, Advisor, India Smart Grid Forum
12. Shri Junaid Ahmad, Country Director, World Bank

Course Coordinator's Remarks (in not more than 250 words to sum up some of the key highlights and achievements of the course)

1st Common Mid-Career Training program was designed to de-siloize leadership and create a shared national vision. It aimed to forge a Senior Civil Leadership which gives wider and broader tools to the participants with a focus on excellence in implementation. Inputs on National Challenges, Energy, Security & Climate Change, Modules on Leadership were appreciated. Outdoor activities – Nature Walk to Cloud's End, Benog Hill, was appreciated by the participants. Overall the program was received very well in spite of being quite hectic schedule.

<u>Details of the Participants</u>

Service	Female	Male	Total
IAAS	2	8	10
IAS	8	15	23
ICAS	1	3	4
IDAS	2	9	11
IDES		2	2
IFS	4	4	8
IFS(AIS)	7	10	17
IIS	4	3	7
IOFS	1	1	2
IPOS	1	10	11
IPS	4	10	14
IPTAFS	1	1	2

Female	60
Male	182
Grand Total	242

Batch	No. of Participants
2000	133
2001	109
Grand Total	242

IRAS	5	13	18
IRPFS	1	14	15
IRPS	4	8	12
IRS(C&IT)	7	25	32
IRS(IT)	6	22	28
IRTS	2	22	24
RPF		2	2
Grand Total	60	182	242

27^{th} Joint Civil-Military Training Programme

(06^{th} September – 11^{th} September, 2021)

Course Coordinator	Ms. Disha Pannu, Course Coordinator
Associate Course Coordinator(s)	Dr. Anupam Talwar, Associate Course Coordinator Dr. Sristhee Sethi, Research Fellow
Programme inaugurated by	Gen. Bipin Rawat, PVSM,UYSM,AVSM,YSM,SM,USM,ADC CDS & Secretary, Department of Military Affairs, Ministry of Defence
Valedictory address by	Hon'ble MoS Dr. Jitendra Singh
Composition of Group–Service represented and male/female breakup	Total = 53(Male- 51; Female- 02)
Programme meant for/Target Group	All India Services -IAS, IPS, IFoS, Central Civil Services- IFS, IC&CES, IRS, IRTS, IDAS, IDES Paramilitary Organizations- BSF, CRPF, NSG, ITBP, SSB Defence Services- Indian Army, Indian Navy, Indian Air Force, Coast Guard, Integrated Defence HQ, Raksha Sewa Staff College Intelligence-IB, Cabinet Secretariat Other Organizations- CBI
Seniority Level	Joint Secretary/Director to the Govt. of India Major General/Brigadier/Colonel in the Armed Forces

Details of participants in 27^{th} JCM Course are attached in Annexure- 1.

Introduction of the Course

The Joint Civil-Military Training Programme on National Security is a flagship course of the Academy. It was introduced in 2002 consequent to the report of the Group of Ministers on reforming the National Security apparatus.

Objectives, Course Activities and Highlights:

- To increase awareness levels about the different dimensions and elements of National Security and the various threats to the Indian state;
- To familiarize the participants with challenges to management of national security, external security environment and internal security environment;

- To create awareness on different dimensions of security (Cyber, Environmental, Economic, Energy) as well as threats to such security;
- To expose them to the imperatives of civil-military interface; and
- To provide an opportunity for the participants to interact and exchange ideas on the subject

The instructional inputs comprised lectures, Panel Discussions, Case Studies, seminars, simulation exercises, Visits, group discussions and films. The programme attempted to juxtapose alternate view points on critical issues for deeper understanding of security challenges. It also aimed to harness the rich and diverse experience of the participants for more effective learning. The proximate objective of this programme was to meet the perceived gaps in knowledge, skill and attitude in respect of comprehensive national security through appropriate training inputs.

Eminent Guest Speakers

- Lt. Gen. PJS Pannu (Retd.), Deputy Chief of integrated Defence Staff (Operations)
- Shri Sanjeev Chopra, IAS (Retd.), Former Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
- Col. Bharat Gupta (Retd.), Expert on Data Privacy & 5-G Networks
- Shri Asoke Mukherji, Former Ambassador & Permanent Representative to the United Nations
- Maj Gen Manjeet Singh, Joint Secretary, National Secretary Council Secretariat
- Shri Navtej Sarna, IFS (Retd.), Former Indian Ambassador to USA, New Delhi
- IG Donny Michael, TM
- Ms. Sonali Mishra, IPS, Inspector General, Frontier Headquarter Punjab
- Shri Nilabh Kishore, IPS, Inspector General Norther Frontier, ITBP
- Shri Ratn Sanjay, IPS, IG, Ftr Hqs Lucknow
- Brig Digvijay Singh
- Shri Gyaneshwar Singh, IPS, Deputy Director General NCB, Northern REgion
- Ms. Shamika Ravi, Senior Fellow of Governance Studies Programme at Brookings India
- Rear Admiral R. Sreenivas, Additional Director General Acquisition Tech (Marine & System), New Delhi
- Lt Gen Subrata Saha, PVSM,UYSM,YSM,VSM** (Retd.), Former Deputy Chief of Army Staff and Member National Security Advisory Board (NSAB)
- Shri Rajiv Jain, Member, National Human Rights Commission
- Lt. Gen Syed Ata Hasnain, PVSM, UYSM,AVSM,SM(Bar), VSM(Bar) (Retd.), Former Military Secretary and Commander

- Shri Ravi Capoor, CEO, Sansad TV
- Maj Gen Rahul R Singh, General Officer Commanding, 14 Infantry Division, Dehradun
- Shri P.K. Vohra, AVMF
- Radm Vineet Samuel McCarty (03482N) ACNS (SR)
- Shri AB Mathur, IPS (Retd.), Member, National Security Advisory Board & GoI Representative and Interlocutor of Peace talk for Assam & North East, New Delhi
- Maj Gen BK Sharma, AVSM, SM** (Retd.), Director, United Service Institution of India, New Delhi
- Shri PS Raghavan, Distinguished Fellow, Vivekananda International
- Maj Gen PD Naidu, Joint Secretary, Net Assessment, NSCS
- Prof. Kanti Prasad Vajpayee, LKY, Singapore
- Shri Saurabh Kumar, IFS (Retd.)

Group Photo of 27th Joint Civil-Military Training Programme

- Participants in 27th Joint Civil Military program on National Security

Service wise Break-up

Sl. No.	Service	No. of Participants
1	Air Force	3
2	Army	6
3	BSF	2
4	Coast Guard	2
5	CRPF	2
6	IAS	9
7	IC&CES (IRS)	1
8	IRS	3
9	IDAS	1
10	IFS	1
11	IPS	13
12	IRTS	1
13	ITBP	2
14	Navy	3
15	NSG	1
16	SSB	1
17	IB	1
18	Cabinet Secretariat	1
	Total	**53**

Research Centres

Centre For Disaster Management

Centre for Disaster Management (CDM) is a research and training centre and a unit of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA), Mussoorie, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India. It was established in the year 2003, and registered as autonomous society under Societies Registration Act (Reg.No-199/2007-2008 Dt. 26-05-2007). The Centre has is involved in training of civil service officers (the IAS and other Group-A civil services) at induction as well as at Mid-Career level in various aspects of disaster mitigation (policy, planning, programme formulation and implementation) through classroom sessions, case studies, experience sharing presentations, panel discussions, workshops, mock drills, besides undertaking action research projects, the centre was also involved in publication activities such as documentation of best practices, development of case studies, books, and development of IEC materials in the area of Disaster and Emergency management and Science and Technology.

Since 2007, the Centre is also engaged in conducting a number of tailor-made training programmes under the XI Five Year Plan for the Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists & Technologists working in the Government Sector" in collaboration with the Department of Science & Technology, Government of India, New Delhi. Hundreds of scientists and technologists across the country have got exposed to the training environment of this premier institute with its unique pedagogical approach. The Centre was supported by the Ministry of Home Affairs since 2012-13. The CDM has been receiving support from National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India, and New Delhi under the Project entitled "Capacity Building on Disaster Management for IAS / Central Civil Services Officers".

A. Inputs on major initiatives/ achievements of CDM for the development and management of Human Resources

CDM, LBSNAA has successfully conducted the following offline training programmes for IAS/ Central Civil Services Officers and online Scientists & Technologists working in Government Sector.

1. Offline Training programme Customized regional Training Programme on "Management and Mitigation Strategies for Cyclone Risk Reduction (29th September, 2021 to 1st October, 2021)

Programme meant for/ Target Group	IAS/ Central Service Officers in India (Secretary/ Joint Secretary (DM department), District Magistrates/ Deputy Commissioners, Additional District Magistrates/ Additional Deputy Commissioners, Sub-Divisional Magistrates from multi hazard prone districts)
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM

	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Associate Course Coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
Course Inaugurated by	Shri Suresh Chandra Mahapatra, IAS Chief Secretary to the Government of Odisha Shri Pradeep Jena, IAS Development Commissioner-cum-Additional Chief Secretary and Managing Director, OSDMA Government of Odisha
Valedictory Address by	Shri Srinivas R Katikithala, IAS Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Smt. Radhika Rastogi, IAS Joint Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 25 (Gentlemen-24; Ladies- 8)
Project details	"Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers"

Objectives of the Training Programme:

The aim of the programme was to enhance the knowledge and understanding of the participants about the principles and concepts of management and mitigation strategies for cyclone risk reduction and to provide skills to enable a quick and efficient disaster response. The training programme included both classroom sessions as well as field visits for experimental learning. The training programme intended to provide specialized orientation to officers on prevention, mitigation, preparedness, planning, and response, build back better in recovery, rehabilitation and reconstruction strategies through field visits, and presentation and group activities on best practices and learning in cyclone risk reduction.

The 03 (three) day Customized Regional Training Programme for IAS Officers on "Management and Mitigation Strategies for Cyclone Risk Reduction" was organised from 29th September to 1st October, 2021 at Madhusudan Das Regional Academy of Financial Management (MDRAFM), Chandrasekharpur, Bhubaneswar, Odisha. The programme was a part of the **'Azadi Ka Amrit Mahotsav', commemorating 75 years of India Independence,** designed especially for the IAS officers serving as DM/ADM/SDM from 09 Coastal States and 4 Union Territories of India. The three-day training programme was organised by the Centre for Disaster Management (CDM), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Department of Personnel & Training (DoPT), Government of India in association with Odisha State Disaster Management Authority (OSDMA), Government of Odisha, under the National Disaster Management Authority (NDMA), Government of India scheme titled "Capacity Building on Disaster Management for IAS/ Central Civil Services Officers"

While the class room sessions were held in the training hall of Madhusudan Das Regional Academy of Financial Management (MDRAFM), Chandrasekharpur, Bhubaneswar, the practical demonstrations and field sessions were organised at the State Emergency Operation Centre (SEOC), Rajiv Bhawan, Bhubaneswar; Odisha Disaster Rapid Action Force (ODRAF) unit of OSAP 7th Battalion, Bhubaneswar; field site at Ramchandi near Puri and at Tikana Multipurpose Cyclone Shelter (MCS) of Khalkata Patana Gram Panchayat under Gop Block of Puri district. Participant were provided with boarding and lodging facilities at MDRAFM, Chandrasekharpur, and Bhubaneswar during the entire period of training programme.

25 IAS Officers serving in different positions in 8 States -Andhra Pradesh, Goa, Karnataka, Kerala, Maharashtra, Odisha, Tamil Nadu, Gujarat and 01 UT- Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu and 1 NE region (Tripura) participated in the training programme.

Eminent Guest Speakers of these programmes:

- Shri Suresh Chandra Mahapatra IAS, Chief Secretary to the Government of Odisha, Bhubaneswar
- Shri Srinivas R Katikithala, IAS, Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
- Shri Pradeep Jena IAS, Development Commissioner-cum-Additional Chief Secretary and Managing Director, Odisha State Disaster Management Authority (OSDMA), Govt. of Odisha, Bhubaneswar
- Smt. Radhika Rastogi, IAS, Joint Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
- Shri S. P. Thakur IAS, Director General, Gopabandhu Academy of Administration (GAA), Bhubaneswar
- Dr. Satyajit Mohanty IPS (Retd.), Chairman, Odisha Public Service Commission (OPSC),
- Shri Hemant Sharma IAS, Principal Secretary Industries Department, Government of Odisha
- Shri Suresh Kumar Vashishth IAS, Commissioner-cum-Secretary, Agriculture and Farmers' Empowerment Department, Government of Odisha, Bhubaneswar
- Shri Ashok Kumar Kaluaram Meena IAS, Principal Secretary, Panchayati Raj and Drinking Water Department, Government of Odisha, Bhubaneswar
- Shri R. Raghu Prasad IFS, Commissioner-cum-Secretary, Fisheries and Animal Resources Development Department of Government of Odisha, Bhubaneswar
- Shri Abhiram G. Sankar IAS, Deputy Director & Director, CDM, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
- Shri Nihar Ranjan Swain OFS, Director, Madhusudan Das Regional Academy of Financial Management (MDFAFM), Bhubaneswar
- Dr. Gyana Das IAS, Director (PR), Panchayati Raj & Drinking Water, Department, Government of Odisha

- Dr. Kamal Lochan Mishra, Executive Director, Odisha State Disaster Management Authority (OSDMA), Govt. of Odisha, Bhubaneswar
- Dr. Ekta Uniyal Assistant Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie
- Shri Sunil Kumar Sahoo, Dy. General Manager (T & C), OSDMA.

2. Online Training Programme "Climate Change: Challenges and Response" for Women Scientists & Technologist (09 - 13 August 2021)

Programme meant for/ Target Group	Women Scientists and technologists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course Coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Smt. Anju Bhalla, CSS Joint Secretary, Department of Science & Technology, Government of India, New Delhi
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 56 (Female: 56)
Scheme	XI Five Year Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists and Technologists working in government sector" in collaboration with Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi.

Objectives of the Training Programme:

- to discuss Climate change and changing thresholds;
- to deliberate on the mechanisms (tools, frameworks, methodologies, action plans, guidelines);
- to discuss emerging issues, Challenges and policies;
- to examine the adequacy of existing legal, institutional frameworks and recent developments;
- to identify the policies, governance and planning and coordination mechanisms for inclusive climate resilience;
- to collate information and exchange technical knowledge/ experiences and information for climate change mitigation and adaptation;
- to discuss learnings and recommendations for future course of action;
- to suggest future strategies, policies and options; and
- to facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).

Thematic Areas:

- Water security
- Biodiversity Loss & Ecological Imbalances
- Food security
- Climate Refugees
- Tectonic shifts in geopolitics
- Role of Technology
- Disaster Risk Reduction

3. Online Training Programme "Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation" for Scientists & Technologists (08- 12 November 2021)

Programme meant for/ Target Group	Scientists and technologists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Shri Anil K. Sinha, IAS (Retd.) Hony. Chief Editor, Know Disasters & Sr. Advisor, CDM, LBSNAA Founder Vice Chairman, Bihar State Disaster Management Authority (BSDMA), Patna
Valedictory Address by	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 24 (Male-17; Female 7)
Scheme	XI Five Year Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists and Technologists working in government sector" in collaboration with Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi.

Objectives of the Training Programme:

- to deliberate on the mechanisms (various tools and techniques) for enabling community level disaster mitigation.
- to discuss emerging issues, Challenges and policies related to Climate change
- to provide exposure on effects of disasters on Various Socio-economic sectors and livelihoods integrating
- to provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Risk Mitigation Planning
- to identify the policies, governance and planning and coordination mechanisms for inclusive disaster resilience
- to collate information and exchange technical knowledge/ experiences and information for climate change adaptation and Disaster Risk Reduction
- to discuss learnings and recommendations for future course of action
- to suggest future strategies, policies and options

- to facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Paris Agreement, Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR).

Thematic Areas:

- Governance in Science and Technology
- Science and Technology for Rural Communities
- Role of Technology in Community level Disaster Risk Mitigation
- Gender Mainstreaming
- Climate Change Adaptation and Disaster Risk Reduction
- Participatory Learning and Action (PLA)

4. Online Training Programme "Climate Change: Challenges and Response" for Scientists & Technologists (20 - 24 December 2021)

Programme meant for/ Target Group	Scientists and technologists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Dr Akhilesh Gupta Sr. Adviser & Head & Nodal officer for COVID-19 (Actions/Key Decisions), Department of Science & Technology (DST), Govt. of India
Valedictory Address by	Dr. Ekta Uniyal Assistant Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 34 (Male-29; Female: 5)
Scheme	XI Five Year Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists and Technologists working in government sector" in collaboration with Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi.

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of climate change adaptation and disaster risk reduction
- To provide exposure on effects of climate change on various socio-economic sectors and livelihoods
- To provide exposure on role of science and technology in climate change adaptation and disaster risk reduction
- To facilitate peer and involved learning to achieve the UNFCCC- Paris agreement, Sustainable Development Goals (SGDs) and Sendai framework for disaster risk reduction (2015-2030).

Thematic Areas:

- Gender dimensions of climate change
- Low carbon life styles
- Climate change adaptation and disaster risk reduction
- Role of technology and its applications in CCA & DRR
- Mainstreaming climate change adaptation & disaster risk reduction into developmental planning

5. Online Training Programme "Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation" for Scientists & Technologists (7 - 11 February 2022)

Programme meant for/ Target Group	Scientists and technologists working in the Government sector
Course coordinator	Shri Abhiram G. Sankar, IAS Deputy Director & Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Associate Course coordinator	Dr. Pankaj Kumar Singh Associate Professor, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Course Inaugurated by	Co-Chair, UNDRR ARISE FICCI for India, ICIMOD Fellow - Policy Advisor, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Kathmandu
Valedictory Address by	Dr. Ekta Uniyal Assistant Director, CDM Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration
Total no. of Participants	Total: 35 (Male- 26 and Female-9)
Scheme	XI Five Year Plan Scheme "National Programme for Training of Scientists and Technologists working in government sector" in collaboration with Department of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi.

Objectives of the Training Programme:

- To sensitize participants towards various aspects of Disaster Mitigation
- To provide exposure to various tools and techniques for enabling community level disaster mitigation
- To provide exposure on effects of disasters on various socio-economic sectors and livelihoods integrating
- To provide exposure on Role of Science and Technology in Community level Disaster Mitigation Planning
- To facilitate peer and involved learning to achieve the objectives of Sustainable Development Goals (SDGs) and Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR 2015-2030)

Thematic Areas:

- Disaster Risk Reduction (DRR)
- Participatory learning and action (PLA)
- Community-based Disaster Risk Mitigation (CBDRM) Planning
- Role of Technology in Disaster Mitigation

- Office Disaster Management Plan

Eminent Guest Speakers of these programmes:

- Shri Sarbjit Singh Sahota, Emergency Specialist, Disaster Risk Reduction Section, United Nations Children's Fund (UNICEF), UNICEF India Country Office, New Delhi
- Dr. V. Bhanu Murthy, Associate Director (retd.), National Remote Sensing Centre (NRSC), Indian Space Research Organisation (ISRO), Department of Space, Govt. of India, Hyderabad
- Prof. Vinod K Sharma, Vice Chairman, Sikkim State Disaster Management Authority & Sr. Professor, Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi
- Dr. Nisha Mendiratta, Scientist G & Head, Women in Science & Engineering (WISE) - KIRAN Division & Climate Change Programme, Department of Science and Technology (DST), Govt. of India
- Prof. Harish C. Pokhriyal, Executive Director, School of Open learning, University of Delhi, Delhi
- Dr. Ajinder Walia, Assistant Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi
- Dr. J. Sanjay, Scientist F, Centre for Climate Change Research, Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM), Ministry of Earth Sciences (MoES), Pune
- Shri Anil K. Sinha, IAS (retd.), Hony. Chief Editor, Know Disasters & Sr. Advisor, CDM, LBSNAA Founder Vice Chairman, Bihar State Disaster Management Authority (BSDMA), Patna
- Dr. Nilesh M. Desai, Director, Space Application Centre (SAC), Indian Space Research Organisation (ISRO), Department of Space, Govt. of India, Ahmedabad
- Dr. Surya Parkash, Professor & Head, Geo-meteorological Risks Management Division, National Institute of Disaster Management (NIDM), Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi
- Dr. Santosh Kumar, Professor, National Institute of Disaster Management (NIDM), Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi
- Shri Bishnupada Sethi IAS, Principal Secretary to Government, School & Mass Education Department, Government of Odisha, Bhubaneswar
- Dr. Pavan Kumar Singh, Joint Advisor (Ops), National Disaster Management Authority (NDMA), Govt. of India, New Delhi
- Dr. V. B. Mathur, Chairman, National Biodiversity Authority (NBA), Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MOEF&CC), Government of India, Chennai
- Dr. S D Attri, Scientist G, Agromet Advisory Service Division, Office of Director General of Meteorology, India Meteorological Department (IMD), New Delhi
- Dr. Harish Chandra Karnatak, Scientist/Engineer - SF & Head, Geoweb Services, IT & Distance Learning Department, Geospatial Technologies and Outreach Programme Group, Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Department of Space, Dehradun
- Shri Rajiv Ranjan Mishra IAS, Director General, National Mission for Clean Ganga (NMCG), Department of Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation, Ministry of Jal Shakti, Govt. of India

- Dr. M Ariz Ahammed IAS, Principal Secretary, Public Works Department, Govt. of Assam
- Dr. Anjal Prakash, Research Director and Adjunct Associate Professor, Bharti Institute of Public Policy, Indian School of Business (ISB), Hyderabad
- Dr. V. B. Mathur, Chairperson, National Biodiversity Authority (NBA), Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MOEF&CC), Government of India, Chennai
- Dr. I.D. Bhatt, Scientist-F & Centre Head, Centre for Biodiversity Conservation and Management (CBCM), G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment (NIHE), Almora, Uttarakhand
- Dr. Ramesh Ramachandran, Director, National Centre for Sustainable Coastal Management (NCSCM), Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, Chennai
- Dr. Anup Kumar Nayak IFoS (retd.), Former Additional Director General (Project Tiger) & Member Secretary, National Tiger Conservation Authority, New Delhi
- Prof. Ramesh Chand, Member & Agricultural economics and Policy expert, NITI Aayog, New Delhi
- Dr. K. Sreenivas Reddy, Principal Scientist (Soil & Water Conservation Engineering), Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA), Hyderabad, Telangana
- Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, National Academy of Agricultural Research Management (NAARM), Rajendranagar, Hyderabad, Telangana
- Padma Shri Prof. V. C. Thakur, Former Director, Wadia Institute of Himalayan Geology (WIHG), Department of Science & Technology (DST), Govt. of India, Dehradun
- Dr. N H Ravindranath, Professor (Retd.), Centre for Sustainable Technologies (CST), Indian Institute of Science (IISC), Bangalore
- Dr. K. Sekar, Professor, Department of Psychiatric Social Work, National Institute of Mental Health and Neuro-Sciences (NIMHANS), Bangalore
- Dr. Debapriya Dutta, Scientist-G & Adviser & Head, Mission Societal-Science for Equity Empowerment and Development (SEED), State Science & Technology Programme (SSTP)/ Patent Facilitation Programme (PFP), Department of Science & Technology, Government of India, New Delhi
- Brig. Kuldeep Singh, Senior Consultant, (IRS & Mock Exercise), National Disaster Management Authority (NDMA), New Delhi
- Shri Vishal Vasvani, Emergency Officer, United Nations Children's Fund (UNICEF), UNICEF Office for Chattisgarh, Raipur
- Shri P. N. Rai IPS (retd.), Hon’ble Member, Bihar State Disaster Management Authority (BSDMA), Pant Bhavan, Bailey Road, Patna
- Shri. Anand Kumar Sharma, Scientist-G & Former Additional DGM & Head, Regional Meteorological Centre, India Meteorological Department (IMD), New Delhi
- Dr. Umamaheshwaran Rajasekar, Chair, Urban Resilience Unit & Head, Climate Centre for Cities, National Institute of Urban Affairs (NIUA), Ministry of Housing and Urban Affairs, Govt. of India
- Dr. Alok Sikka, Country Representative-India, International Water Management Institute (IWMI), New Delhi

- Dr. K. Satyagopal IAS (retd.), Expert Member, Southern Zone, National Green Tribunal, Chennai & Former Additional Chief Secretary/ Commissioner Revenue Administration & State Relief Commissioner, Government of Tamil Nadu
- Dr. Aakash Shrivastava, Addl. Director & Head, Centre for Environmental & Occupational Health, Climate Change & Health, National Centre for Disease Control (NCDC), Delhi
- Dr. Vinod Kumar Singh, Director, ICAR-Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA), Hyderabad
- Dr. Ramesh Krishnamurthy, Scientist-E, Wildlife Institute of India (WII), Dehradun & Country Representative, Association for Tropical Biology and Conservation and Member, IUCN SSC, CEM &WCP
- Dr. Akhilesh Gupta, Sr. Adviser and Nodal Officer for CoVID-19 (Actions/Key Decisions), Department of Science & Technology (DST), Government of India, New Delhi
- Prof. Pradeep Srivastava, Executive Director, Technology Information Forecasting and Assessment Council (TIFAC-Technology Think Tank), Department of Science and Technology (DST), Govt. of India
- Shri Kunal Kumar IAS, Joint Secretary & Mission Director (Smart Cities Mission), Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India
- Dr. Mrutyunjay Mohapatra, Director General of Meteorology, Indian Meteorological Department, Ministry of Earth Sciences, Government of India, New Delhi

B. Research & Case studies

As part of the Continuous Engagement with the officers posted in filed level assignments, CDM has collected the following case studies during the F.Y. 2021-22.

1. Mitigation and Management of Cyclone YASS
2. Mitigation and Management of Cyclone TAUKTAE

C. Publications

1. Special Publication Series “CoVID-19 Governance in India” ISSN: 978-81-928670-7-6, 2022 (7 Volumes) (In Progress)

   In the light of COVID 19, it is imperative that each officer trainee at the academy has a clear understanding of public health emergency management and exposure to its governance aspects. As directed by Centre Director, this initiative was taken forward under Continuous Engagement with the officers posted in filed level assignments and a total of 77 manuscripts/ case studies were received by CDM related to 1st and 2nd Wave of Covid 19 management strategies/ interventions. Now, CDM would like to bring the special publication series entitled “COVID-19 Governance in India” (ISSN: 978-81-928670-7-6, Series 8, 2021) in 7 volumes, each volume consist of 11 manuscripts after the process of reviewing and editing of these manuscripts by a core group of expert editorial members headed by Dr. V. Thiruppugazh IAS (retd), Former Additional Secretary (policy & planning), National Disaster Management Authority (NDMA),

Government of India as Chief Editor. These series of publications will be used as training resource to enrich the knowledge of officer trainees at the Academy.

2. Journal on "Disaster: Response and Management" ISSN: 2347-2553, Volume-9, Issue-I, 2022 (In Progress)
3. Case study book series "Disaster Governance in India" ISBN: 978-81-928670-8-3, Series 8, 2022 (In Progress)
4. Toolkit on Disaster Risk Reduction for CIVIL SERVICE OFFICERS OF INDIA (For 96th Foundation Course) - 2nd Edition (In Progress)

D. Reading Materials for Capacity Building

Developed Course Specific training and reading materials and distributed to the Officer Trainees of the above-mentioned training programmes:

a. Basics of Disaster Management
b. Legal Framework of Disaster Management
c. District Disaster Management Planning
d. Incident Response System
e. Public Health Emergency Management (COVID 19)
f. Role of Technology in Disaster Management
g. Role of Technology in Community Level Disaster Mitigation
h. Climate Change: Challenges and Response

E. Other Activities

- Provided orientation to OTs on operation of wireless communication sets & GPS and prepared trek route maps for 96th FC during Himalayan Study Tour (26-02-2022 to 05-03-2022)
- Conducted Fire Safety & search and rescue Mock drill
- Mapping of Roles and Responsibilities for various emergencies; Preparation of DM Plan & Emergency Exit Plans for Academy

B. N Yugandhar Centre for Rural Studies (BNYCRS)

VISION OF THE CENTRE

"Help building and promoting an environment for training, research and policy debate on various issues of land, rural development, agrarian movement, livelihood, gender, and panchayati raj."

MISSION OF THE CENTRE

"Develop training material and manuals for training of Officer Trainees, conducting research studies, organizing workshops and policy seminars, networking with partner organizations and professionals, ensuring publication of journals, research papers, reports etc. and disseminating research based knowledge with a view to help government agencies for policy initiation or changes, and exposing young professional to socioeconomic realities of the country."

NAME OF CENTRE DIRECTOR Ms Anandhi, IAS
(Since 21.12.2020)

A BRIEF BACKGROUND OF THE CENTRE

B N Yugandhar Centre for Rural Studies (BNYCRS), since its establishment in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the year 1989, has emerged as a leading resource/ establishment for training of Officer Trainees (OTs) of the Indian Administrative Service (IAS) and policy recommendations. It is mainly funded and supported by Department of Land Resources, Ministry of Rural Development, Government of India. Presently it is registered as a scientific training and research society under the Indian Societies Registration Act 1860. Director of the Academy is ex-officio Chairperson and he is authorized to appoint any Joint Director, Deputy Director or the Professor as the Centre Director.

The Centre conducts and promotes research, training and publications in the field of land reforms, land records management, wage employment, common property resources, displacement and rehabilitation, contemporary agrarian movements, and various issues of rural development, panchayati raj etc. It fundamentally organises Field Study and Research Programme (Earlier known as Village-Visit Programme) for the OTs during the Foundational Course. Inputs on Participatory Rural Appraisal (PRA) Techniques are given to the OTs for assessing priorities of villagers to improve their socio-economic conditions. It is also involved in preparation and canvassing of schedules through OTs during their district training. The data on tenancy, land ceiling, land records, land consolidation, wasteland management, homelessness, rural development programmes including poverty alleviation programmes is captured and used by OTs for preparing socio-economic and land reform reports of assigned villages. Based on these reports the Centre has published a series of 'Land Reforms in India' and three series of 'Socio-Economic Profile of Rural India.' Other publications of the Centre include books,

articles, research papers and most importantly the peer reviewed Journal of Land and Rural Studies, published by Sage Publications-New Delhi, is an international platform for disseminating and sharing opinions on above mentioned subjects. The Centre is also engaged is organizing workshops for regular exchange of views on land administration and rural development.

<u>ACTIVITIES DURING THE REFERENCE YEAR</u>

(A) Training Programme

The BNYCRS actively participates during the Foundation Courses and IAS Professional Courses organized by the Academy. During the reference year the Centre undertook following training activities:

(i) <u>IAS Professional Course Phase-I</u>

- <u>Land Administration Module:</u> The Land Administration Modules were delivered as per the design approved by the Academic Council Members (ACM) for 182 IAS Officer Trainees of 2020 Batch.

A Class Room Session by the Ms Anandhi, Deputy Director (Sr.) & Centre Director, B N Yugandhar Centre for Rural Studies

- <u>Hands-on Training on Land Surveying:</u> The Centre duly coordinating with the Survey of India, Dehradun and District Survey and Settlement Office, Dehradun organised a hands-on training programme on 'Introduction to Survey Techniques' for IAS Professional Course Phase-I (2020 Batch). The programme was focused on demonstrating traditional and modern survey equipment and their usability during revenue surveys.

Photographs during Hands on Training on Land Surveying

(ii) ***<u>Village Study Assignment (VSA) for District Training under IAS Professional Course</u>***

- <u>Village Study Assignment (VSA):</u> VSA is major part of the District Training Assignment given to IAS OTs during their training. During the reference year, the Centre had received 182 Socio-Economic (SE) and Land Reforms (LR) Reports from the IAS OTs of 2019-21 Batch. These reports were scrutinised and evaluated for coverage of existing situation, socio-economic and political analysis and poverty alleviation initiatives. These evaluations play major role in identifying best reports and later used for compiling, editing and publishing as edited volumes on *Socio-Economic Profile of Rural India*. Until now three series of these volumes have been published.

- <u>Longitudinal Study:</u> Through IAS Officer Trainees (2020-22 Batch) the Centre has conducted longitudinal study in 65 villages duly identifying the villages studied between 1990 to 2009 by the then IAS Officer Trainees. Idea of these longitudinal studies is to observe and capture the pace of development that has taken place in select villages during previous two/three decades. Various issues like poverty, agriculture, education, health, land reforms and panchayati raj institutions are covered. A comparative and analytical picture those emerge in the reports of IAS OTs may be useful for academics and planning. Various Ministries may monitor impact of their schemes and, if required, redesign them based on the recommendations highlighted in these reports.

- <u>Ethnographic Study of Rural Households (ESRH)</u>: Schedules executed and Reports/ Case Studies covered under the VSA not only present the development of village/ villagers as a community but also of select households. However, as most of the data is normally time-point based, a longitudinal Ethnographic Study is possible only when same villages and same households are covered at different time-points. It is with this vision that BNYCRS has adopted and designed a research strategy from this year onwards allocating one OT per State the task of preparing an “Ethnographic Study of Rural Households

(ESRH)” instead of Case Study on “Poorest of the Poor”. Aim of this qualitative research is to capture ‘everyday lived realities’ of the households and understand the processes of change within the individual household and track 'developmental' changes in 'community' at large.

(iii)Field Study and Research Programme (FSRP) for Foundation Course

The Field Study and Research Programme (FSRP) comprises of three activities: classroom inputs, field study, and evaluation of reports, presentations and films submitted by the OTs. During 96th Foundation Course following exercises were done:

a) Planning Phase of FSRP

- ‘Field Study and Research Programme Manual’ was redesigned as reference document for OTs.
- 80 border villages of 16 districts of 4 states (Bihar, Rajasthan, Uttar Pradesh and Uttarakhand) were selected for the conduct of FSRP. Concerned DMs were contacted and requested to coordinate with Para-Military Forces to select BOPs.
- Sub-Groups of OTs (6-8 members per Group) were formed with a Group Leader (GLs) for each District and a Sub-Group Leaders (SGLs) for each village.

Shri Srinivas R. Katikithala, Director of the Academy addressing OTs during the Briefing Session of FSRP (96th FC)

- OTs were given inputs on the Participatory Learning and Action (PLA) techniques through class room teachings followed by mock exercises.

b) Execution Phase of FSRP

- It was ensured that during the conduct of FSRP OTs would stay in respective villages, interact with villagers & grass-root functionaries and conduct PLA/ FGD exercises. They were also taken to BOPs for petrol and New Year celebrations with Officers and Soldiers of Para-Military Forces.

- Faculty of the Academy and the BNYCRS Officials visited various villages to oversee the activities conducted by the OTs in the field. They also take note of the general behavior and conduct of OTs during their stay in the field.
- Each Sub-Group of OTs prepared a detailed Field Study and Research Report and a Film to depict activities performed with the villagers in the field and also to give an overview of rural life.

c) Completion Phase of FSRP

- All the Sub-Groups made presentations based on their field studies. These were evaluated by the Faculty of the Academy and the BNY-CRS Officials.
- The Field Study and Research Reports submitted by various Sub-Groups were evaluated by the BNYCRS Officials. These Reports are now part of the repository maintained by the BNYCRS.
- Select Sub-Groups were awarded Gold Medal, Silver Medal and Bronze Medal on the basis of quality of their presentations and reports.
- Select Sub-Groups were also awarded suitable cash prizes on the basis of the quality and coverage in the Films produced by them. These Films are now part of the repository maintained by the BNYCRS.

(B) Continuous Engagement with Officers between Phase-II & Phase-III

During the reference year the BNYCRS chose ‘Forest related Acts and its Impact on Tribal Rights’ as theme to facilitate Officers. Various sub-topics under the broad theme were identified and available reading material (Relevant Acts/ Policy/ Plan/ Advisory etc.) was extracted. Contact details of Officials of the concerned Ministries/ Organisations were also listed.

(C) Research Studies/ Projects

Sl. No.	Title	Status
1	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Goa	Completed
2	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Mizoram	Completed
3	Impact Assessment of Digital India Land Records Modernization Programme (DILRMP) of Lakshadweep	Completed

(D) Other Research Studies

Sl. No.	Title	Status
1	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in Maharashtra	Draft report is under progress
2	Status of Implementation of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act – 2006 & Amendment Rule – 2012 in Himachal Pradesh	Draft report received.

(E) Publications: Current and Forthcoming

Sl. No.	Title
Current Publications	
1	Impact Assessment of DILRMP in Madhya Pradesh
2	Impact Assessment of DILRMP of Uttar Pradesh
3	Impact Assessment of DILRMP of Karnataka
4	Impact Assessment of DILRMP of Bihar
5	Impact Assessment of DILRMP of Gujarat
6	Impact Assessment of DILRMP of Sikkim
7	Impact Assessment of DILRMP of Manipur
8	Impact Assessment of DILRMP of Uttarakhand
Forthcoming Publications	
1	Impact Assessment of DILRMP of Punjab
2	Impact Assessment of DILRMP of Rajasthan
3	Impact Assessment of DILRMP of West Bengal
4	Impact Assessment of DILRMP of Kerala
5	Impact Assessment of DILRMP of Maharashtra
6	Impact Assessment of DILRMP of Mizoram
7	Impact Assessment of DILRMP of Goa
8	Impact Assessment of DILRMP of Lakshadweep
9	Hand Book on Land Survey in India
10	Socio-Economic Profile of Rural India (Series IV)
11	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS)

	in Punjab
12	Impact Assessment of National Generic Document Registration System (NGDRS) in Jharkhand
13	Journal of Land and Rural Studies (Vol. 10, Issue 2: July 2022)

(F) Dashboard and Digitization of Old Reports

During the reference year the BNYCRS has started an IT Project with following objectives:

- Creating a single digital repository of the Socio-Economic (SE) Reports and Land Reforms (LR) Reports through digitization of the Reports and the filled-in Schedules submitted by Officer Trainees of various Batches.
- Creation of a well-structured user-friendly Dashboard and database; thereby facilitating administrators in decision making and encouraging researchers/ academicians to utilise it for future research

Idea is to facilitate Administrators in examining the impact of development schemes in their region (State/ District/ Village). They may like taking strategic decisions for better implementation (if needed). At the same time, individual researchers, academicians, data scientists etc. across globe would find it easy to cull out data for future research, and Institutions/ Universities with whom Academy or its Centres has undergone an MOU may be requested to access the data, conduct research and come out with policy suggestions.

(G) Journal of Land and Rural Studies

Journal of Land and Rural Studies, a peer reviewed journal, is being published by Sage Publications India Pvt. Ltd. on behalf of the Centre since 2012. It covers articles, policy briefs, working papers, book reviews etc. on topics like land reform, land administration and management, rural development, rural infrastructure and industrialisation, micro-finance/credit, etc., and policies, schemes and programmes related to these areas. This journal is a member of the Committee on Publication Ethics (COPE). It is available in Print (ISSN: 2321-0249) and Online (ISSN: 2321-7464). Its tentative circulation, national and international, is around 10,446 at present. Full text usage and downloads from the journal platform during the prior calendar year has been reported as 9,145.

Following Volumes and Issues of the Journal of Land and Rural Studies have been published during the reference year:

<u>Volume 9 Issue 2 (July, 2021)</u>; Article and book reviews included are:

1 Land Tenure, Land Property Rights and Adoption of Bio-fortified Cassava in Nigeria: Policy Implications by *Kolapo Adetomiwa, Abimbola Esther Iseoluwa and Omilaju Samuel Babatunde*

2 Distress Migration Among Ultra-poor Households in Western Odisha by *S.N. Tripathy*

3 Unravelling the Multifaceted Development Consequences of Agricultural Land Grabbing on Rural Migrant Women in Ghana by *Mohammed Abubakari, Victoria Mensah Nyamadi and Patrick Arhin*

4 Impact of Improved Agricultural Technology Use on Household Income in Eastern Ethiopia: Empirical Evidence from a Propensity Score Matching Estimation by *Muluken G. Wordafa, Jemal Y. Hassen, Getachew S. Endris, Chanyalew S. Aweke, Dereje K. Moges and Debbebe T. Rorisa*

5 Irrigation and Inclusiveness in Heath: A Study of Two Villages in North East Karnataka by *Suma Scaria*

6 Availability and Spatial Inequality of Rural Infrastructure in Jungle Mahal Blocks of Purulia District, India by *Uttam Kumar Patra and Suman Paul*

7 Securing Insecure Livelihoods Through Group Synergies: The Case of Violent Namatala Transboundary Wetland in Rural Eastern Uganda by *Constance Mudondo, Robert Kabumbuli and Dauda Waiswa Bátega*

8 Climate Change Adaptation in Akropong, Ghana: Experiences of Female Smallholder Farmers by *Michael Addaney, George Effah Sarpong and Jonas Ayarbilla Akudugu*

9 APJ Abdul Kalam & Srijan Pal Singh's book '*Target 3 Billion (PURA: Innovative Solutions Towards Sustainable Development)*' is reviewed by *Bhaskar Kumar Kakati*

Volume 10 Issue 1 (Jan, 2022); Article and book reviews included are:

1 The Process and Shortcomings in Paddy Procurement: A Case Study of Bhandara District of Maharashtra by *Minal Karanwal**

2 Land Governance in Fifth Schedule Areas: A Critical Analysis of Chhattisgarh State by *Nayakara Veeresha*

3 Development, Prosperity and Aspirations: A Narrative from the Peri-Urban Areas of Noida by *Bhawna Bali and Neha Bhatia*

4 The Role of Financial Inclusion in Eliminating Household Poverty: Evidence from the Rural Wa West District of Ghana by *Adams Nuhu Timbile and Richard Angelous Kotey*

5 What Is the Nature of Women's Tenure Security in Sub-Saharan Africa Rural Land Markets? Some Evidence from Nigeria by *O. Olayemi Soneye*

6 Land-use Dynamics in Lupila Ward of Makete District in Southern Highlands of Tanzania by *Faraja Sanga, Emma T. Liwenga and Evaristo Haulle*

7 Katharina Pistor's book '*The Code of Capital Reviewed*' is reviewed by *C. E. Ajith Kumar*

*** NOTE:** From the reference year onwards BNYCRS has started publication of Dissertations submitted by the Officer Trainees in partial fulfilment of the requirements for the completion of IAS Professional Course Phase-II. Awarded Dissertations are abridged and re-written by the concerned Officer Trainees in the form of research papers. This paper by an Officer Trainee of 2019-2021 Batch is a result of the same exercise.

National Gender and Child Centre

- **Name of Centre:**
  National Gender and Child Centre

- **Name of Centre Director :**
  Ms. Disha Pannu

- **Brief Background of the National Gender and Child Centre:**

  The Centre was established in 1995, with the foremost aim of mainstreaming gender and child rights in policy, programme formulation and implementation in Government. NG&CC is a capacity building centre under the aegis of the Academy, driven by the mandate of gender mainstreaming and its commitment to build synergies with different institutions, working on gender equality and child rights.

  Working towards that end, the Centre, since inception has been actively involved in trainings (thematic workshops, programmes and training including Training of Trainers for trainers), development of knowledge repository (content development, development of online courses, designing of programmes and modules) and publications for policy makers – both to enhance gender sensitization but also to increase capacities for gender analysis and gender planning.

  Since the Centre was established, the Centre has successfully ensured the mainstreaming of gender training into all courses at the LBSNAA viz. Induction trainings and in-service mid-career training programmes for IAS officers at all levels besides conducting programmes on myriad aspects for officers from All India/ Central Services.

In 2021-2022, the following projects/activities were undertaken by the Centre:

A. Trainings:

Training Programmes for Protection Officers in Addressing Domestic Violence :-

The Training Programmes (four sets of one week intensive programmes) for Protection Officers in Addressing Domestic Violence were organized by the National Gender and Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration and National Commission of Women (NCW), New Delhi.

The project was designed, developed and rolled out by the Centre highlighting the evident and subtle reasons for domestic violence and provided the PO's a clear framework of their roles and responsibilities given under the Act. Experts on the subjects were invited who guided the PO's on all the Acts provisions, including the landmark judgements. The virtual training programmes were organized on:

- Uttar Pradesh (Batch 1) – 28th June to 2nd July, 2021
- Haryana (Batch 2) – 05th to 09th July, 2021
- Uttar Pradesh (Batch 3) - 12th -16th July, 2021

- Uttar Pradesh (Batch 4) – 26th to 30th July, 2021

1. **Stepping up to Tackle the Nutrition Challenges – with focus on POSHAN Abhiyaan on 07th October, 2021:-** In the context of India celebrating Poshan Maah, the National Gender & Child Centre (NG&CC), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, had organised a workshop on "Stepping up to Tackle the Nutrition Challenges – with focus on POSHAN Abhiyaan" on 07th October, 2021. The objective of the programme was to drive awareness and dissemination of information regarding the importance of nutrition challenge and early childhood development.

2. **Towards an inclusive Society:-** In the ongoing 96th Foundation Course for the Officer Trainees, the National Gender and Child Centre has developed, designed and rolled out the session on Gender Sensitisation, under the deconstruction module.

B. Publications:

1. **Training Module on Addressing Domestic Violence:-** Basis the Training Programme for Protection Officers in collaboration with NCW, a Training Module has also been designed to strengthen the capacities of Protection Officers in the prevention of domestic violence and addressing the challenges they face on-the-ground in implementation of the related legal provisions. The module is a result of the consolidated feedback, shared learnings and best practices shared by the participants over the course of the training programmes. Developed for the purpose of trainings of PO's, the module is a ready reckoner for facilitators, trainers, and institutions to leverage and build capacities of Protection Officers across states.

2. **Case Studies on Violence against Women & Children (VAW&C):-** The National Gender and Child Centre has developed a compendium of case studies on violence against women and children. Each case study is accompanied by detailed teaching notes that act as a guiding light for the instructors. This compendium was circulated to Ministry of Women and Child Development, Department of Personnel & Training, National Commission for Women, National Commission for Protection of Child Rights and all State Commissions for Women, State Commissions for Protection of Child Rights, WCD & Social Welfare Departments for their knowledge of challenges and strengths in implementing the Acts and Rules besides enhancing their overall understanding of the subject.

C. Ongoing Project:-

1. **Development of Online Course on Child Rights with a special focus on Juvenile Justice Act-** A 3 weeks online course is being designed and developed on JJ act for duty holders. Each week would cover one module, covering a specific dimension of the topic for the module. At the end of each week/module, there would be an evaluation to measure learnings vis-à-vis the expected outputs of all modules would be necessary for a

certificate. The module will be hosted on the Gyan Portal of the Academy and going forward may be made available on I-got platform of the government as well.

2. **Development of Online Course on Tackle the Nutrition Challenge in India with focus on POSHAN Abhiyaan -** To develop an online course module for policy makers and administrators for to be uploaded on the Igot platform. This course will help in the capacity building of policy makers and administrators for use of data and evidence to address the issue of malnutrition among women and children in India. NG&CC will develop the nutrition course module which will take participants through understanding the nature, causes and consequences of malnutrition among women and children and exploring ways of addressing malnutrition in all its forms. The course will highlight the gender-related causes of malnutrition throughout the life course.

3. **Capacity Building Training programmes for Elected Women Representatives :-** National Gender and Child Centre, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, will be organizing series of Capacity Building programmes for Elected Women Representatives in collaboration with National Commission for Women. The objective of the programme is to enhance the knowledge and understanding of women political members on gender mainstreaming.

Sardar Patel Leadership Centre

Sardar Patel Leadership Centre was inaugurated on 31October, 2021 by Hon'ble Union Minister of State Science & Technology; Minister of State Earth Sciences; MoS PMO, Personnel, Public Grievances, Pensions, Atomic Energy and Space, Dr Jitendra Singh and dedicated this centre to the nation at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration on the occasion of Rashtriya Ekta Diwas, marking the birth anniversary of Sardar Vallabhbai Patel.

The Centre aims to lay the foundation capacity building for future generations of Civil Servants so that they learn from the best practices of leadership across the world while at the same time they remain connected with their cultural ethos, values and roots. He added that Good governance needs good leadership skills among the field officers as well as officers at the policymaking level. The Sardar Patel Leadership Centre aims to be Resource Centre to provide continuous study and learning opportunities to Civil Servants from India

The objective behind this centre's establishment is to enable a civil servant to constantly remain in touch with Sardar Patel Leadership Center, an entity that can provide them with upgraded skills and guidance for their own personal pathways.

The following workshops and Training of Trainers (ToT) were conducted:

- **1st Common Mid-Career Training Programme (CMCTP)-LEAD -26th -2nd November, 2021:** The 1st round of CMCTP was conducted for 2000 and 2001 Batch IAS Officers. This programme aimed at bringing together officers from different services to head important government organizations with the aim of enhancing each other's leadership capacities and instil a sense of national pride, mission and camaraderie among its participants which will enable all to lead their teams to learn, build and deliver on

national aspirations and goal. It’s objective was to discover and enhance the next level leadership capacities.

- **27th December, 2021:** A workshop was conducted for brainstorming about the design and delivery of leadership modules for various courses. The objective of this workshop was to identify the leadership competencies required at various levels of training and how these competencies can be addressed from leadership course offered by reputed organizations. In this workshop, the entire faculty members discussed and identified the competencies for various levels of courses and drafted the leadership modules for each course. This workshop was attended by 19 outside experts (online & off-line) and in-house faculty.

- **18th – 19th January, 2022:** Online ToT on Inclusive Leadeship was conducted and attended by outside experts and in-house faculty. This was subsequent to the leadership workshop conducted on 27th December, 2021.

- **18th -20th February, 2022:** A refresher Training of Trainers (ToT) is scheduled for faculty and outside experts before conducting final leadership modules for the Officer Trainees of 96th Foundation Course with the objective to revise the concepts for the experienced facilitators and to help the new faculty members in understanding the concepts. The ToT will be conducted offline as well as online.

- **21st- 22nd February, 2022:** The Leadership Module is scheduled for the Officer Trainees of 96th Foundation Course which will be conducted by outside experts and in-house faculty. The objective this module is to enhance the leadership skills needed at all levels.

Centre for Food Planet Health (CFPH)

The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) in collaboration with Centre for Public System Management (CPSM) of the Academy had set up a Centre for Food, Planet, Health in 2019.

The main aim of the Centre is to inculcate in civil servants the competence to think and act in a holistic manner and promote policies and actions on food that are healthy, for both, people and planet. The Centre is involved in training of civil servants at induction level as well as in service level on sustainable food systems, food safety and security, and nutrition and public health through sensitization workshops and introducing comprehensive training modules in the courses.

Centre's Executive Director: Shri. Vizay B Vasanta

Activities undertaken during 2021 – 2022

Overview on Eat Right India Movement by Ms. Rijuta Pandav on 26th April 2021

Target Group: Promoted IAS Officers of 123rd Induction Training Programme Programme

Coordinator: Ms. Monika Dhami

Number of Participants: 67

Programme Highlights

Ms. Rijuta Pandav, Deputy Lead,Food Fortification Resource Centre (FFRC) of FSSAI

Centre for Food, Planet, Health had organized a training session on Eat Right India for participants of 123rd Induction Training Programme on 26th April, 2021 through online mode. The objective of the session was to make participants understand the broader picture of the Eat Right India initiative that Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) launched to ensure safe, nourishing and sustainable diets in the country. The training session led by Ms. Rijuta Pandav, Deputy Lead, Food Fortification Resource Centre (FFRC) of Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) highlighted how Eat Right India movement which is based on three pillars i.e. Eat Safe, Eat Healthy, and Eat Sustainable that includes initiatives such as combatting adulteration, eliminating toxic industrial trans fat, reduce consumption of salt, sugar and saturated fat, Eat Right campus, FoSTaC and food fortification etc aids in addressing three critical problems of Unsafe food, Unhealthy diets and environmental degradation in the country. Since the participants are the policy makers and connects with the people on a day-to-day basis and have a better understanding of their eating behaviours and associated problems discussion about safe, healthy and sustainable diets would aid in promoting policies and actions on food that are safe and healthy, for both, people and planet. The session ended with a short quiz on eat right, followed by an interactive Q & A session which addressed each query put forward by the participants.

Pre-Dinner talk by Ms. Rijuta Diwekar on 26th August, 2021

Target Group:Participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 49

Programme Highlights

Ms. Rijuta Diwekar, Nutritionist

Ms. Rijuta Diwekar, Celebrity nutritionist was invited on 26th August, 2021 to raise awareness about nutrition and healthy eating habits among the participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme at the Academy. She stressed on the importance of eating right and healthy to achieve a wholesome lifestyle and debunked many myths regarding certain foods. She gave her views on diet fads such as intermittent fasting and emphasized on a blend of a traditional food wisdom which is available in indigenous languages for a healthy body and mind. She further stressed on eating local and seasonal food to encourage sustainable eating and most importantly mentioned about health benefits of exercising and working out regularly to stay fit. Ms. Diwekar personally interacted with the participants and clear their misconceptions on food.

"Slimming is not about cutting calories, but improving nourishment, body composition and taking a holistic approach to health. Weight lossis a byproduct, not the goal," -Ms. Rijuta Diwekar

Ayurvedic Physician Dr Sanandan Thapliyal speaks at LBSNAA, Mussoorie on 10th August, 2021

Target Group: Participants of 15th Round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 49

Programme Highlights

Dr. SanandanThapliyal, Ayurvedic Physician

The Academy in association with Centre for Food, Planet, Health organized a session on by Dr. Sanandan Thapliyal, MD(Ay) for the participants of 15th round of Phase-IV of Mid-Career Training Programme on the topic 'Ayurvedic Cooking - Eat Right'

Dr. Thapliyal began his talk by a presentation on the need of Eat Right India movement an initiative of FSSAI in the present Indian scenario; when the country is going through an epidemiological shift from communicable to non-communicable diseases, particularly the rising incidence of diet- related diseases. He further explained the principles of healthy lifestyle, what makes super foods so super and discussed the Ayurvedic concept of food and nutrition such as ten ayurvedic rules for healthy eating, logical explanation of how to balance food according to

one dosha and physical needs and benefits of practicing Ayurveda and fasting to enhance the quality of life. The talk was interactive and informative and helped the participants to know about the ayurvedic concept of eating right and benefits of it in daily life. He also assisted in preparation of Eat Right menu for the day.

Eat Right - Ayurveda Cooking for Healthy Living

Food based on Ayurveda recipes served to the participants of 15th Round of Phase-IV of MCTP on 10th August, 2021

ToT on Eat Right India Movement held by Ms. Inoshi Sharma, Director FSSAI

Target Group: Faculty Members, Representative Members of the Centres, Research Fellows and Teaching Associates of the Academy

Programme Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 24

Programme Highlights

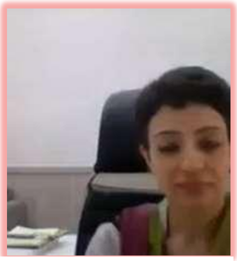

Ms. Inoshi Sharma, Director, FSSAI

A training of trainers (ToT) on the topic Eat Right India movement was conducted jointly by Centre for Food, Planet, Health and Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) here in the Academy on 16th July, 2021.

Ms. Inoshi Sharma, Director, FSSAI imparted training to the trainers that includes all the faculty, representative members of the centres, research fellows and teaching associates of the Academy.

The training covered core functions of FSSAI, regulatory framework of Eat Right India movement and various Eat Right India initiatives such as food safety rating and certification, Eat Smart Cities Challenge, FoSTaC, Eat Right Campus, Eat Right Toolkit and social and behavioural change campaigns like food safety on wheels and fortification.

She underscored the importance of active involvement of the field functionaries in the successful implementation of this ambitious movement. The session was followed by Q & A session wherein the faculty members interacted with Ms. Sharma.

FSSAI's COVID-19 FoSTaC Programme held at LBSNAA, Mussoorie on 12th October, 2021

Target Group: Personal employed in Officers' Mess and Departmental Canteen Programme

Coordinator: Shri. Vizay B Vasanta

Number of Participants: 40

Programme Highlights

20 food handlers of the Academy were awarded the 'Food Safety Supervisor's Certificate" from FSSAI on completion of FoSTaC

Centre for Food, Planet, Health in collaboration with Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) on 12th October, 2021 organized a COVID-19 focused Food Safety Supervisory Training in Basic Catering under the FoSTaC programme for personal employed in Officers' Mess and Departmental Canteen of the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie.

Dr. Pulkit Mathur

Dr. Pulkit Mathur, Head, Dept of Food and Nutrition and Food Technology, Lady Irwin College, Delhi was the key facilitator to deliver the training. The focus of the training was to deepen the understanding of food safety, creating an improved environment of self-compliance to FSS Act, Rules and Regulations and hygiene requirements to be followed by food handlers in the Academy.

The food handlers were assessed, scored, declared passed/failed and provided with FoSTaC Certificate on successful completion of this training.

Food Habit Assessment during Field Visit and Research Programme conducted for Officer Trainees of 96th Foundation Course

Officer Trainees spent one week between 29th December, 2021 and 8th January, 2022 in selected villages in Uttar Pradesh, Rajasthan, Kerala, Bihar and Uttarakhand in groups of 6 under Field Visit and Research Programme of 96th Foundation Course to study rural realities very closely. Centre for Food, Planet, Health shared a questionnaire to officer trainees to sensitize them towards the food habit and health challenges faced by the rural population. The data collected aids the Centre in understanding the present

scenario of villages in regard to health and nutrition of the rural people. The Highlights are as follows:-

Rajasthan: Village of 14Bd of Bikaner and Dhok of Barmer district were the part of this study. Key findings are as follows:

It has been observed that the inhabitants of these villages do not have access to fortified industrialized food or are not covered by public nutrition programmes using fortified food. Health issues observed were diabetes, cardio vascular diseases, weak knee joints due to salinity in water and no diversification of meals, excessive dependence on crops like bajra is found.

Uttar Pradesh: Janakpur, Bhatgawan, Mathura Nagar and Vishnupur vishram villages of Uttar Pradesh were covered for the study.

It was observed that Mathura Nagar and Vishnupur inhabitants are provided with fortified ration. Carbohydrate intake is more due to high intake of Potatoes.

Here regional and traditional dishes were Kalanamak Rice (GI Tagged), Litti Chokha, Raseela Aloo Tamatar Sabzi, Litti chokha, Mutton Curry, various types of parathas and rotis main traditional dishes is Chawal ka maad that they used to take in the morning however, now their food habits are majorly similar to north India. Lack of nutritional diversity due to less intake of green leafy vegetable which is almost missing leading to lack of iron in diet. Health issue observed were diabetes blood pressure and malnutrition.

Bihar: Dhum Nagar, West Champaran of Bihar was covered for the study.

Access to fortified foods not found. Local fruit grown were litchi and mango , regional dishes is malpua and baati chokha and traditional dishes is champaran mutton health issue observed is Malnutrition, Stunting due to carbohydrate rich & nutrient deficient diet.

Kerala: Kalliyoor village of Thiruvananthapuram district of Kerala.

Paddy, Spinach, drumsticks, bitter gourd, peas are the local crops grown. Tapoica puzhukku, Aviyal, sambar, fish curry are the traditional dishes made by them. They grow fortified paddy provided by Kerala Agriculture University.

Uttarakhand: Jurka of Kashipur district and Sarpura of Udham Singh Nagar district.

Health challenges observed at Jurka is protein deficiency among children and at Sarpura is pre-diabetic due to high sugar intake. Consumption of fortified food is observed at Jurka village.

A Menu Booklet with calorie information has been prepared by the Centre for the Academy

Beverages

Juices

Juice	Quantity	Calories
Freshly Squeezed Fruit Juices	250 ml	125
Buransh Juice	5 ml	12
Fresh Lime Juice/ Lime Water	200 ml	60
Vegetable Juice	250 ml	55
Aam Panna	250 ml	113
Lemon Squash	250 ml	706
Orange Squash	5 ml	7
Rooh-Afza	5 ml	21

Milkshakes

Milkshake	Quantity	Calories
Banana Shake	250 ml	230
Mango Shake	250 ml	191
Strawberry Shake	250 ml	162
Chocolate Shake	250 ml	239
Vanilla Shake	250 ml	365

Appetizers

Soups

Indian Shorba / Soup / Rasam	Quantity	Calories
Palak Shorba	150 ml	107
Dal Shorba	150 ml	79
Makai Ka Shorba	150 ml	55
Mutton Shorba	150 gm	71
Mulligatawny Soup	350 ml	125
Pepper Rasam	100 gm	48
Tomato Rasam	150 gm	43

Continental Soups	Quantity	Calories
Tomato Soup	150 ml	40
Mexican Soup	150 ml	94
Cream of Vegetable Soup	150 ml	68
Almonds Soup	150 ml	173
Minestrone Soup	250 gm	123
Wild Mushroom Soup	350 ml	407

Calorie content on menu to help the participants of various programmes to make informed and healthful decisions about meals and snacks.

Renewal of LBSNAA's Eat Right Campus Certification is in Pipeline

The food available in the Academy should be safe, healthy given that diet related diseases are risingat an alarming rate the Centre conducted the self assessment of the officers' mess and identified gaps and areas of improvement based on a check list. To address the gaps training of food safety supervisors was conducted. Soon, the Academy's mess will undergo a third party audit to be certified as an Eat Right Campus.

During Inaugural of 96th Foundation Course Centre distributed Food Journals and Eat Right lapel pinsto the Officer Trainees

The Centre for food, planet, health to spread education and raise awareness on eating right distributed the food journal and lapel pins which was sent by FSSAI to the officer trainees of 96th Foundation Course that can be incredibly beneficial for them. The food journal to help to keep track of what they eat and drink throughout the day, understanding their eating habits a little better, and in finding out which foods or ingredients they are sensitive to. According to research studies using dietary self- monitoring methods like keeping a food journal is also linked to significant weight loss.

Clubs and Societies

The all-round development of the personality of the Officer Trainees is the prime objective of training in the Academy. Various indoor and outdoor activities are organized by Officer Trainees through Clubs and Societies. These are run by the Officer Trainees themselves under the overall guidance of Director's Nominees. Activities of the Clubs and Societies provide an excellent medium to the Officer Trainees for their self-expression and development. Officer Trainees through their creative innovations, conduct activities which are not only entertaining but also enrich the Academy's campus life. All the Officer Trainees are expected to actively participate and make optimal use of the facilities. The Office bearers of Clubs and Societies are elected by the Officer Trainees themselves but the activities of Clubs and Societies are run with the cooperation and assistance of all the Officer Trainees. The Director's Nominee/ Associate Director's Nominees provide necessary guidance and assistance in running of the Clubs and Societies and in organizing activities undertaken by them. The Faculty Members and their families are invited to join the Officer Trainees in all such activities. For running their activities the Clubs and Societies are provided with annual and bi-annual grants-in-aid apart from the fund which they receive through membership fees. The participation in the activities of the Clubs and Societies is evaluated at the end of the Course as part of the Director's assessment. A brief outline in respect of the objectives and activities of each of the Clubs and Societies is given below.

Adventure Sports Club

- Composition of the committee : 1 Secretary and 3 Members
- Director's Nominee : Dr. Milind Ramteke, Deputy Director
- Director's Associate Nominee : Mr. Hari Lal Chouhan

Objectives: -

To inculcate the spirit of adventure among the Officer Trainees by organizing various adventure sports activities. To organize periodically, adventure sports activities like cross-country run, horse riding show, river rafting, mountaineering, rock-climbing, hang-gliding, para-sailing etc.

Activities : -

The adventure sports club aims at organizing events and activities in order to keep & promote zeal of adventure among the Officer Trainees. In pursuance of this goal, the first activity which the club organized was "**a trek to Lal Tiba**". Herein OTs with some faculty members tested their endurance in climbing the peak in lesser Himalayas. To provide a mix of adventure and entertainment, the club also organized a **River Rafting** in the holy city of Rishikesh.

Computer Society

IAS PROFESSIONAL COURSE PHASE I (2021 BATCH)

- Organised a workshop on "IoT-enabled Smart Decision Making" on the applications of Internet of Things (IoT). OTs were guided to assemble the components, configure the components to create "Smart City" and Smart Farming" IoT solution.
- Provided feedback on AI training module proposed by INTEL.
- Along with Innovation club, the Computer Society discussed with INTEL and ISB to setup a gentry of excellence in Emerging technologies at LBSNAA. Computer Society created draft memorandum and conducted several meetings to understand each other's view point and consolidate the draft memorandum.
- Organized Counter Strike tournament along with Rifles and Archery club.
- Started ICT buddy system to help the fellow OTs who face difficulty in ICT hands on sessions.
- Organized Microsoft Power Bi hands-on session for the OTs.
- Created live dashboards for LPL badminton and lawn tennis events using Google data studio.
- Organized mega Hackathon event.

IAS PROFESSIONAL COURSE PHASE II (2019-21 BATCH)

- A successful event was held for best IT initiatives by the officer trainees. In the event, 135 officer trainees actively participated.
- An on line Quiz was conducted. 120 OTs participated in the quiz.
- Following on line games were conducted:
    - Ludo - 135 OTs participated
    - Chess – 25 OTs participated
    - Poker – 37 OTs participated

Fine Arts Association

Objectives

The Fine Arts Association bonded the officer trainees through a wide variety of cultural program in which group participation was given priority. The programs organized by the association generated esprit de corps amongst the officer trainees and broad the barriers of region and language.

Cultural programs gave an opportunity to several officer trainees to explore their creative side. The Fine Art Association was also actively involved in organizing the programs of various visiting artists and groups. The Fine Arts Association also organized extra-curricular modules for Indian vocal music, guitar and drums.

FC 96 2021

	BASANT SINGH	
Members	CATHERINE SARANYA A	E12
Members		

Phase I 2021

Directors Associate Nominee	HARI LAL CHOUHAN	
	APARNA M B	
Members		
Members	T PRATEEK RAO	U20

Director Nominee	ANANDHI	--		
2	Directors Associate Nominee	HARI LAL CHOUHAN	--	
3	Accountant	DEV SINGH RANA	--	
4	Secretary		E02	
5	Members	SHRESTH KUMAR KRISHNA	B29	
6				
7	Members	RIA DABI	J03	
8		Vacant	--	--

Director Nominee	ANANDHI	--		
2			--	
3	Accountant	DEV SINGH RANA	--	
4	Secretary		D20	
5	Members	Y MEGHA SWAROOP	V22	
6		SHAILJA PANDEY	G22	
7	Members	PEDDITI DHATRI REDDY	M10	
8				

Film Society

With reference to TRPC's Circular dated 6th April, 2021, the following activities were organized by the Film Society during FY 2020-21 :

1. During 2020-21, 22 movies on various themes including social issues were screened for the Officer Trainees of the Foundation Course and IAS Phase-I.
2. Organised different online quiz events of Films for the Officer Trainees of IAS Phase-II of 2018 batch.
3. Organised Movie Review Competition for the Officer Trainees of 95th Foundation Course.
4. Organised Quiz on films for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.
5. Organised Film Review Competition and Dumb-Charades Competition for the Officer Trainees of IAS Phase-I of 2020 batch.

Hobbies Club

Objectives

6. To develop, promote and popularize interest to various hobbies such as -photography, painting, philately, plant collection and
7. Quizzes based on films and songs etc.
8. To arrange talks, discussions, exhibitions etc. to inculcate interests in the hobbies and encourage the OTs to learn and be proficient in them.
9. To serve as a forum for exchange of views
10. To provide necessary facilities including materials and equipments to pursue hobbies.

Highlights of the Activities

No activity was held during this financial year (April 2021 to March 2022) due to the outbreak of COVID 19 Pandemic.

Shri Milind Ramteke, Deputy Director was the Director's Nominee and Ms. Anupam Talwar was the Associate Director's Nominee for the period.

House Journal Society

House Journal Society

- Composition of the Executive Committee: 1 Secretary and 4 Members
- Director's Nominee: Ms. Aswathy S., Deputy Director (Sr.)

Objectives

The Executive committee of House Journal Society consists of one Secretary and four members. The Secretary of the House Journal Society is the coordinator of all the activities of the Society. The Society provides a platform to the Officer Trainees and the alumni to showcase their creative and literary skills. The Society also publishes a monthly newsletter "311". The newsletter captures the spirit of the Officers Trainees and the training that they undergo and it is made available in soft copies as well as in print in the Academy and its associated Research Centres. Special issues are brought out on the Himalayan Trek, Village Visit and the Bharat Darshan. The Editorial Team for the Foundation Course and the Phase-I, design the newsletter in-house. Copies are printed in-house through the Reprography Section. Further, the House Journal Society is also working to bring out a directory of their batch which will serve as a coming together of memories.

INNOVATION CLUB –LBSNAA

Objectives

1. Awareness about the importance of the Ground level innovation in the administration and ease of doing administration among Officer Trainees
2. Maintenance and upgradation of the LINK Portal
3. Collecting ground level Innovative idea for the unmet needs posted in the LINK Portal
4. Conducting Innovation Seminars for the Interaction between the Officer trainees and Innovators in various fields
5. Organising Innovation Exhibitions
6. Organising events like Quiz to improve the participation of officer trainees in the activities of the club

96TH FOUNDATION COURSE

Director's Nominee and Office Bearers during 96th Foundation Course:

S.NO.	ROLE	OFFICE BEARER NAME
1.	**Director Nominee**	**SHELESH NAWAL**
2.	Directors Associate Nominee	AMARJEET SINGH DUTT
3.	Directors Associate Nominee	AZAD SINGH
4.	Accountant	AWADH DABAS
5.	Secretary	JAYANT NAHATA
6.	Members	KANDARKAR KAMALKISHOR DESHBHUSHAN
7.	Members	POOJA ASHOK KADAM
8.	Members	AAKASH SHARMA
9.	Members	BHARAT SINGH
10.	Members	VAIBHAV JINDAL
11.	Members	NIRJA ANISH SHAH
12.	Members	KANDARKAR KAMALKISHOR DESHBHUSHAN
13.	Members	AKSHITA GUPTA
14.	Members	MITHUN PREMRAJ

Activities conducted by the Club

1. Ideathon:

   Organised 'Ideathon' competition on 19th January, 2022 on the Theme - Village based Innovations.

2. SHG:

   SHG products stall display in LBSNAA to promote women entrepreneurs.

3. Open Access:

   Open Access to online group meetings via Zoom facilitated via Gyan portal.

4. Innovation In Governance:

   Organised lecture by Dr Chintan Vaishnav, Director, Atal Innovation Mission on 28th January, 2022 on the theme 'Innovation in Governance'

5. Data Analytics Module:

Collaborated with faculty to facilitate a more holistic 'Data Analytics Module' by Carnegie Mellon University

IAS PROFESSIONAL COURSE PHASE-I

Director's Nominee and Office Bearers during IAS Professional Course Phase I (2021 Batch):

Sr. No.	ROLE	OFFICE BEARER NAME
1.	**Director Nominee**	**SHELESH NAWAL**
2.	Directors Associate Nominee	AZAD SINGH
3.	Directors Associate Nominee	AMARJEET SINGH DUTT
4.	Accountant	AWADH DABAS
5.	Secretary	PRATIK CHANDRASHEKHAR JUIKAR
6.	Members	PRATIK ASHOK DHUMAL
7.	Members	CATHERINE SARANYA A
8.	Members	PRAKHAR JAIN
9.	Members	AVHAD NIVRUTTI SOMNATH
10.	Members	RAKESH KUMAR

Phase-I course is still running after completion of Phase-I course activity details will be sent to TRPC Section.

MANAGEMENT CIRCLE

Management Circle of the 96th foundation course was a group of 5 officer trainees who were enthusiastic about management and various applications of the same in bureaucracy and governance. The team consisted of Vinayak Narwade as Secretary and Meera K, Prateek Rao, Divyanshu Choudhary and Chinthnidhi as members. The guidance of faculties in charge Ms Sunita Rani and Ms. Anupam Talwar was present as a constant in arranging the club activities. The primary focus of the team was to introduce to the officer trainees, the element of case studies, finance, personal management, etc. through games, competitions, and treasure hunts. The objective was to make management skills available to OTs without making it feel like a B school environment. Important fact that we all admit is that we had more fun while preparing for and arranging the competitions, than the participants would have had playing them. Though time constraints amidst an already hectic foundation course was evident, maximum possible events were conducted, details of which follows.

1. An event on self management called the "art of management" was conducted by Prof. Leena Chatterjee, IIM Calcutta and BITSoM, to kickstart the activities for Management Circle this year. Prof. Chatterjee has taught at IIM Calcutta for 37 years, and has now joined the BITS School of Management

in Mumbai after superannuation. She taught courses on managing self, understanding people and managing interpersonal relationships. Prof. Chatterjee is considered a stalwart in the field of leadership and career management and has won several awards for the same. The event was attended by more than 70 OTs and was greatly appreciated by the same.

2. A Treasure hunt was organized inside the campus premise with the aim of testing the analytical and spatial management skills, time management, group coordination and ultimately observation skills of the trainees. More than 30 teams consisting of 120 OTs participated in it enthusiastically. It was a fun event and helped the trainees explore and discover various hidden secrets and corners of the academy, all the while stimulating their greycells.

3. The last event for the course was on personal finance management by Mr Varun Pal who's been an investment consultant for 18 years. He has work experience working in ICICI bank and is the founder at Simplifysors, an investment consulting firm. The session was greatly appreciated by the trainees, most of whom were in their very first jobs and needed guidance on investing and managing their personal finances. Requests to make this session a compulsory one for all the officer trainees in the coming years is in process.

Besides this, the circle coordinated with other clubs such as the officer's club and the nature lover's club in promoting sustainable habits among the OTs by releasing a survey on various day to day activities in the campus including water usage, electricity consumption, waste generation and management etc. The circle members also helped out the officer trainees who needed help with the management modules which was part of the curriculum. The events provided us a great sense of satisfaction and helped us hone our own organizational and management skills as well as enabled the OTs adapt to some much-needed management skills. Above all, it helped us in nurturing lasting friendships and memories in the campus.

Nature Lovers' Club

Name of Club : Nature Lovers' Club

Name of Director's Nominee : Shri Abhiram G. Sankar, Deputy Director

Office Bearers : Shri Himanshu Gupta, Secretary (Phase-I 2021 Batch)
Shri Himanshu Gupta, Secretary (96th FC)
Mr. Harvinder Singh, Secretary (Phase-II 2019-21 batch
Ms. Anamkia Ramesh, Secretary (Phase-I 2020 batch)
Ms. Saranya R, Secretary (95th FC)

The following activities were conducted by Nature Lover's club:

1. Conducted a nature photography competition during the village and Kevadia visit and received participation of over 100 OTs.

2. Conducted a bird watching tour led by Abhiram Sir in the Dalai hills region (Early February)

3. Started a 'know your species' series in which the house symbols of each house were chosen. We provided valuable information in the form of beautifully designed flyers for all the 12 houses.

4. Conducted a shramdaan exercise along with the social service club during weekend trek and collected over 260 kgs of garbage from the roadsides of Mussoorie (January end)

5. Floated a form under the banner 'Sustainable LBSNAA' and received many valuable suggestions in making LBSNAA a greener and more sustainable place, this will immensely help the future OTs and planning authorities. (January)

Officer's Club

- Composition of the Committee: 1 Chairman, 1 Secretary and 6 Members
- Director's Nominee: Ms Disha Pannu
- Director's Associate Nominee: Dr. Anupam Talwar

Objectives:

- The Officers' Club provided Outdoor & Indoor games facilities to all its members i.e. Officer Trainees, Participants of In- Service courses i.e. Phase V, Phase IV, Phase III and faculty members of Academy.
- The main aim of the Club is to provide broad avenues to the members whereupon they can focus not only on health and overall confidence but develop better leadership skills, and team –working abilities.
- The Outdoor facilities include Lawn Tennis, Basketball, and Volley ball, Cricket, Football, Skating and Athletics Events. Outdoor Activities include Riding Establishment. The Academy has 23 Horses for the purpose of imparting basic skills of Riding. The Officer Trainees and interested Officers from different Courses are given training and exposure in Horse Riding in the Riding Arena. The Riding Instructors are called from President Body Guard's Regiment on deputation, which is an elite cavalry regiment of the Indian Army.
- The Indoor games facilities include Billiards, Carom, Swimming, Chess, Snooker, Table Tennis, Squash, Foosball and Badminton.
- Extending the concept of Vocal for Local in the area of Sports Training, trained instructors in the field of Yoga, Meditation, Aerobics and Zumba are hired to make the activity sessions interesting, engaging and fun filled.
- The Club has well equipped Gymnasium operating throughout the year.

Activities:

1. Arranged short treks for Officer Trainees of Phase-1. Two routes were chosen- George Everest and Lal Tibba.
2. LBSNAA Premier League was organized for the participants of Phase 1 in which Matches of all the games like Cricket, Badminton, Chess, Lawn Tennis, Volley Ball, Table Tennis and Foosball were conducted by the Committee. Few matches of Phase 1 and Phase 3 participants were also conducted to build the camaraderie.
3. The Officer Trainees of Phase-1 were divided in four teams namely Gun Hill Shooters, Dalai Hill Raiders, George Everest Conquerors and Lal Tibba Warriors to encourage the spirit of

participation and healthy competition. T-shirts of 4 different colors (different for each Team) with the names and numbers were given to each and every Officer Trainee to instill the sense of belonging to the Team.

4. Athletics Championship was also conducted in the Polo Ground in which there were 11 Track Events and 6 Field Events (including Men and Women)
5. One experienced and trained instructor for Skating was also engaged for the Officer Trainees of 2020 Batch.
6. One new Boxing Ring has been established in the Academy which has been dedicated to the achievements of Hon'ble MP Rajya Sabha and Olympic Medalist Ms. MC Mary Kom and was inaugurated by her to celebrate International Women's Day.

THE OFFICERS' MESS

Activities

The Officers' Mess in the premises of Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is a sacred institution. It is a place where cultures, traditions, practices and beliefs converge through a variety of cuisines. This institution endlessly fosters and nurtures the spirit of universal brotherhood and fraternity amongst the officer trainees. The Mess has a mandate to achieve the highest standards in terms of decorum, conduct and services. Every officer trainee is an integral part of this institution.

The Officers' Mess is run by a Mess Committee. The members of the mess committee are from amongst the officer trainees. The mess committee consists of a President, a Secretary, a Treasurer and five other members, who take upon themselves the unquestioned duty to boost the underlying philosophy of esprit-de-corps.

The Mess Committee functions under the overall guidance and supervision of the Director's Nominee of the Officers' Mess. The Mess is assisted by a full time Mess Officer, Manager (Accounts), Store Keeper, and Supervisors. The strength of this institution, are the employees of the Officers' Mess which include cooks, helpers, table bearers, room bearers, sweepers and, dishwashers.

Officers' Mess caters to about 700 people at the Karamshila, Gyanshila and Indira Bhawan Mess premises. The Officers' Mess serves (Prepared in house) a variety of cuisines from and across the corners of this nation for the participants. Officers' Mess also offers its services through its cost centers:-

1. A.N. Jha Plaza Cafe,
2. Home Turf Cafeteria,
3. Souvenir Shop, LBSNAA

Office Bearers of the Officers' Mess during the calendar year 2021-22

IAS Phase I (2020-21 Batch)

Director Nominee: Shri Vizay B. Vasanta, Professor of Economics

Associate Director's Nominee: Sh. Abhiram G. Shankar, Deputy Director

- Tatimakual Rahul Kumar Reddy — President Mess Committee
- Abhsihek Kumar, — Secretary
- Deepak Babulal Karwa, — Treasurer
- Nupur Goel, — Member Mess Committee
- Priyanka S., — Member Mess Committee
- Harjinder Singh, — Member Mess Committee
- Abhinav Kumar Singh., — Member Mess Committee
- Hemanth N. — Member Mess Committee

IAS Phase II (2020-21 Batch) Online

Director Nominee: Shri Vizay B. Vasanta, Professor of Economics

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

- Prateek Bayal, — President Mess Committee
- Mohd. Sajad P. — Secretary
- Anuraj Jain, — Treasurer
- Harvinder Singh, — Member Mess Committee
- Saurabh Kumar Bhuwania, — Auditor Mess Committee
- Vikas Marmat, — Member Mess Committee
- Rahul Jain, — Member Mess Committee
- Dharmalashri, — Member Mess Committee
- Dr. Anand Kumar Sharma — Associate Member, Mess Committee
- Akshay Sunil Agarwal — Associate Member, Mess Committee
- Viswadeep — Associate Member, Mess Committee

96th Foundation Course

Director Nominee: Dr. Sunita Rani, Professor of Management

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

- Satabdi Mazumdar, — President Mess Committee
- Dilpreeet Singh, — Secretary
- Pema Thinley, — Treasurer
- M V N V LAKSHMI SOUJANYA., — Member Mess Committee
- AMAN PRAKASH MEENA, — Member Mess Committee

- CHINTHNIDHI K, Member Mess Committee
- SANTHOSHA H., Member Mess Committee

IAS Phase I (2021-22 Batch)

Director Nominee: Dr. Sunita Rani, Professor of Management

Associate Director's Nominee: Sh. Hari Prakash, Professor

- Satabdi Mazumdar President Mess Committee
- Rehan Khatri, Secretary
- Yash Jaluka, Treasurer
- Sunny Raj, Member Mess Committee
- Dheenah Dastager., Member Mess Committee
- Sara Ashraf, Member Mess Committee
- Pooja Gupta, Member Mess Committee

Major Activities:

1) Food menu were prepared to cater to the nutritional and health requirement of officers trainees.
2) New Coral Crockery was purchased for the Officers Mess.
3) Organize the Zonal days, India Day and State days.
4) Regional cuisines were introduced.
5) Various competitions were held among the officer trainees like, cooking, baking, Golgappa eating competition etc.
6) Food Cart at Class rooms, Gym and other various locations were introduced from 96th Foundation Course.
7) Formal Dinner for a week was done in IAS Phase- I Batch of 2021-23.
8) Bearer uniform was provided to Mess staff for Formal Dinners.
9) During the curfew announced by the state government for taking preventive measures for pandemic Novel Corona were taken and food was served in the hostels.
10) Inclusion of new items in the Souvenir Shop. The discounted sale was also been organized at Souvenir Shop for clearance of the old stocks, and sale on perishable items was also done by Officers Mess.
11) Mess Committee of 96th Foundation Course took an initiative to collect contribution from each officer trainee and provided cash incentives to the mess staff who did duty during COVID-19.

The Officers' Mess has, as always, been instrumental in adding life, colour and flavor in all academic and non-academic activities of the Academy.

Rifle and Archery Club

Clubs and Societies

- Name of Club/ Society – Rifle and Archery Club
- Name of Director's Nominee – Dr. Sunita Rani
- Office Bearers
    - FC 96th Foundation Course
      1. RINKU (Secretary)
      2. SWAATHI RATNA (Member)
      3. RAJDEEP SINGH (Member)
      4. ABHISHEK SAINI (Member)

    - Phase-1
      1. MD HARISH SUMAIR (Secretary)
      2. VAISHALI JAIN (Member)
      3. RAJDEEP SINGH (Member)

    - Phase-2
      Online

(a) .22 Rifle and Archery shooting practice conducted followed by completion also in 96th foundation course. Total 140 Ot's Participated.

(b) .22 Rifle and Archery shooting practice conducted followed by completion also in IAS Phase-1(2021) batch. Total 55 Ot's participated.

Society of Contemporary Affairs report

Directors' Nominee- Nitesh Jha

Directors' Associate Nominee- Dr.Bhawana Porwal

During the 95th Foundation Course, the Society of Contemporary Affairs kicked off its activities with the Diwali Quiz. This was an open quiz where everyone participated with great vigour.

The Diwali quiz was followed by the Inter Hostel Quiz in which the team from Narmada bagged the first prize, Kaveri second and Happy Valley third. The team from Narmada included Sweety Sahrawat, Jeydev CS and Vipul Khanna, Kaveri consisted of Navneet Mann, Aishwarya Sheoran and Saurav Pandey and lastly, Happy Valley included Sumit Kar, Vivek KV and Ebin Benny.

SoCA, then, collaborated with the Rahul Sankrityayan Society for the MELA Quiz on the topics of Music, Mythology, Entertainment, Literature and Arts. This was won by Gunjan Singh, Divya Shakti and Shashank Shekhar. At second and third were Mayank Mittal, Nikita Jain and Pradeep Singh and; Jatin Kishore, Yuvraj Seddharth, Abhishek Oswal

The last event by SoCA, the Sports Quiz, was a collaboration with the Officers' Club. The first position was bagged by Nikhil Dubey & Shreshta Anupam. At second place were Manush & Muthu S. and at third place was a tie between Shubham & Sachin and Jatin & Aranyak.

Society For Social Services

Various Activities by the Society for Social Services:

Society for Social Services (SSS) comprises of a Director's Nominee (who is usually a Deputy Director rank officer) heading the Society, one alternate nominee, a Secretary and four Members. The Secretary and members are elected as representatives of a particular course (training batch) by the participants of the concerned course to manage the affairs of the Society. Under the guidance of the Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration and the Director's Nominee, the Society is instrumental in organizing several initiatives to take care of not only the workers of the Academy, but also the residents of the local community and beyond.

The year 2021-22 was a challenging year for Society of Social Service as Covid-19 struck and had an adverse impact on carrying out activities with a social outreach. Keeping in mind Covid related guidelines/instructions, the Society were conducted their regular activities such as - Balwadi School online/offline mode, Homeopathic Dispensary, granted financial assistance to needy workers, Tuition Classes and Sewing Classes etc. Apart of above, this year the Society has established a self-help group of

women for producing woolen knitted items to enable them to earn their own income that will give them greater financial means to improve their livelihoods.

The Covid pandemic has changed our lives in multifarious ways. More so, the disadvantaged sections of our society have faced hardships in vital sectors such as Education and healthcare. The closure of off-line classes has seriously disrupted the study cycle of the children. In this context, the Officer Trainees has initiated a 'SAVERA' (Social Act of Voluntary Education for Rising Aspirations) under the aegis of its Social Service. The objective of as follows –

- Focus on the underprivileged children in the vicinity of the academy, which will include the wards of mess staff, cleaning staff, contractual labourers, rag-pickers families residing near Dalai Hills, etc.
- Special focus on the children appearing in 10th and 12th board exams.
- Basic course correction modules, like bridge courses following the strategies of Teaching at the right level instead of normal class wise segregation like in schools.
- Lifetime mentorship - Each Officer Trainee (OT) will be assigned few students and these OTs can become mentors for life. Guidance regarding entrance exams, future prospects based on their capabilities and directing them to select the right career path.
- Career Counselling for 10th and 12th class students.
- Special Skill classes like computer skills, typing, etc.

राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच

<u>क्लब का नाम</u>- राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच
<u>निदेशक नामिती का नाम</u>- श्री हरि प्रकाश
<u>निदेशक सहनामिती का नाम-</u> डॉ.भावना पोरवाल
<u>पदाधिकारी (96वें आधारिक पाठ्यक्रम 2021 बैच)</u>-

क्रम सं.	प्रशिक्षु अधिकारी का नाम	पद
1.	गौरव बुदानिया	सचिव
2.	सृष्टि सिंह	सदस्य
3.	आयुषी जैन	सदस्य
4.	सुनील	सदस्य
5.	सुमित कुमार पाण्डेय	सदस्य
6,	प्रकाश कुमार चौधरी	सदस्य
7.	गिरधारी लाल मीणा	सदस्य
8.	देवेन्द्र प्रकाश मीणा	सदस्य
9.	उर्वशी सेंगर	सदस्य
10.	विकास सेंथिया	सदस्य
11.	जितेंद्र कुमार मेहरा	सदस्य

<u>गतिविधियों का विवरण</u> – (96वें आधारिक पाठ्यक्रम 2021 बैच)

96वें आधारिक पाठ्यक्रम की गतिशील अवधि में राहुल सांकृत्यायन भाषा मंच ने विविध उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। निदेशक नामिती श्री हरि प्रकाश एवं सह. निदेशक नामिती डॉ. भावना पोरवाल के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में, मंच में सम्मिलित प्रशिक्षु अधिकारियों ने जोर-शोर से अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

सर्वप्रथम भाषा मंच के द्वारा गांवों के परिप्रेक्ष्य में, कविता/ यात्रा वृतांत/ लेख/ कहानी/ संस्मरण, साहित्य की किसी भी एक विधा पर अपने भाव प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ''गांव बोलते हैं'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता ग्राम भ्रमण के साथ एकीकृत थी, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों के भीतर के लेखक को जन-जन तक पहुंचाना था। प्रतियोगिता के अंतर्गत भेजी जाने वाली प्रवृष्टियों को किसी भी भारतीय भाषा में प्रस्तुत करने का प्रावधान दिया गया था। साथ ही उन्हें समझने हेतु लेखन का एक छोटा सा सारांश अंग्रेजी में भेजना था।

वेलनटाइन दिवस के अवसर पर विशेष रूप से प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ''ओपन माइक'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें कविता, गीत, ग़ज़ल, शायरी, प्रस्तुत करनी थी। प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा मंच पर विविध स्वलिखित एवं प्रचलित कविताओं, शायरी, गीत, ग़ज़ल की प्रस्तुति हुई।

भाषा मंच के द्वारा ग्राम भ्रमण से संबंधित तथा अन्य किसी विषय या शैली से जुड़ी कविता, कहानी, लेख भी आमंत्रित किए गए। इन सभी को भाषा मंच की ओर से प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका में शामिल किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रशिक्षु अधिकारियों की उत्कृष्ट रचनाओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय नकद पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

भाषा मंच द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में अधिकतम संख्या में प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया तथा मंच के सदस्यों द्वारा सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

NIC Training Unit

NIC Training Unit (NICTU), Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie provides Information and Communication Technology related training to the officers of All India Services during all the training programmes conducted at the Academy. The following courses and activities were conducted during the training calendar of 2021-22:

TRAINING:

IAS Professional Course Phase-I (2020-21 Batch) :	Sessions 14	Participants 180
ICT Input: Interactive Dashboard Creation, Artificial Intelligence, overview of Geographical Information System(GIS), An overview of e-office and demonstration, PFMS, GeM, Aadhar, Cyber Security, e-Governance Application – DBT, What-if-analysis, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Time Value of Money, Capital Budgeting, Introduction to Relational Database Management System, Multiple Table with Primary Key concept, Application Utility of database, Introduction to MS Project, Project Appraisal with Management Faculty, Technological demonstration on AI applications.		
Phase-III Mid-Career Training Programmes (2021)	Sessions 06	Participants 84
ICT Input: What-if-analysis, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Time Value of Money and Capital Budgeting		
96th Foundation Course (15 Weeks)	Sessions 06	Participants 489
ICT Input: • A Multi-Dimensional View of use of Technology in Government by Dr Neeta Verma, Director General, NIC HQ, Delhi • E-Gov ICT Infrastructure and emerging cyber security threats by Sh. R.S. Mani, DDG and HoG(Networks) NIC HQ, Delhi • NextGen Digital Government by Sh. Pawan Kumar Joshi, DDG and Head (Technology Advisory Group – TAG) NIC HQ, Delhi		

• Government Messaging Services by Dr. Seema Khanna, DDG and HoD (Messaging and SMS Services),NIC HQ, Delhi • Anatomy of an e-Gov Application: A case study of e-Transport by Sh. Pawan Kumar Joshi, DDG and Head (Technology Advisory Group – TAG) NIC HQ, Delhi, Sh. Joydeep Shome, DDG, NIC HQ, B Venkata Reddy, STD, NIC Telangana State Unit, Hyderabad		
123rd Induction Training Programme for IAS Officers	Sessions 01	Participants 67
ICT Input: Cyber Security		

- Conducted online training on Data analysis to more than 450 Doctors, Research officers, Para Medical staff and officials of Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH), an apex body under the Ministry of AYUSH, GoI in 5 batches for a period of 3 weeks in 2021.
- Coordinated for conducting a module on "Data Analytics Master Certificate (DMRC) Programme" for the officer trainees of 96th Foundation Course with Carnegie Mellon University- Adelaide, Australia (CMU-A). It covered four components namely Modern Data Management, Analytics for Public Policy, Business Intelligence & Data Analysis and Data Driven innovations in public.
- Conducted Training of Trainers (ToT) - cum - workshop on "Data Analytics and Data Visualisation" from 7th-14th, July 2021. The ToT participants were the members of Academy's faculty and research centres. Dr Neeta Verma, DG NIC, senior NIC officials and NICTU faculty delivered the sessions.

ToT at LBSNAA in progress

METHODOLOGY ADOPTED:

- Lectures–cum-demonstrations,
- Workshops/Activities
- Assignments
- Hands-on lab sessions

- Essays & Presentations
- Case Studies
- Curating training videos and assessment exercises for LMS
- Evaluation

E-LEARNING CONTENT DEVELOPMENT:

- **Developed contents for Pre-FC Common Foundation Course on the 72 nos. of ICT topics under the following broad categories: Computer Fundamentals, Standalone office applications, Online Social collaboration tools and meetings solutions, Proprietary v/s Open Source software, Basics of Emerging technologies and their applications in Government/ Public Administration. The content were provided to develop e-learning material for uploading on iGOT, an online portal of Government of India under mission "KARMAYOGI".**

- Designed, Curated and finalized 72 Nos videos and assessments in Hindi and 06 video sessions for Visually Challenged officers. These videos were uploaded on the Academy's Learning Management System (GYAN).

SOFTWARE DEVELOPED:

- Developed software for Ayurveda Wellness Centre, LBSNAA. The software comprises modules on Patient Registration, Medicine Prescription with Patient History and Pharmacy counter with Pharmacy Inventory.

WORKSHOP CONDUCTED:

Conducted "IoT-enabled Smart Decision Making" workshop on the applications of Internet of Things (IoT), for the IAS Officer Trainees on 11-Jan-2021. They were guided to assemble the components, configure them and create' Smart City' and 'Smart Farming' IoT Solutions.

IoT Workshop for IAS Phase-I

TRAININGS / WORKSHOPS ATTENDED BY THE NICTU FACULTY:

- CDAC Pune's "Government Officials Training" program on "Augmented and Virtual Reality" under the "FutureSkills PRIME" Programme (22-Jun to 02-Jul '21) attended by Sh. V.K. Taneja, Head, NICTU.

- CERT-IN (Cyber Capacity Group)'s Cyber Security training on "Understanding MITRE D3FEND Framework" (18-24 Oct '21) and "Leadership Programme for Insider Threat Management" (27th Oct, 21) attended by Sh. V.K. Taneja, Head, NICTU.
- IIM Indore's ToT on "Negotiations" (Jul '21) by IIM Indore and "Facilitate with stories" by the Learning Gym (June'21) for LBSNAA faculty attended by Sh. V.K. Taneja, Head, NICTU.
- Workshop on "Strengthening of cyber security for the prevention of Cyber Crime" representing LBSNAA at New Delhi on 18th Oct. 2021 by Sh. Azad Singh, Technical Director, NICTU.

ICT CONSULTANCY, INFRASTRUCTURE, IMPLEMENTATION AND COORDINATION SUPPORT TO THE ACADEMY:

- Head NICTU contributed as LBSNAA's CISO, as Director's Nominee for LBSNAA's Computer Society and as a special invitee to LBSNAA's Academic Council.
- Designed, developed and implemented workflow-based software as per requirements of Ayurveda Wellness Centre, LBSNAA
- Coordinated with, and arranged presentations/ Solutions demonstration by, different teams of NIC, NICSI, NeGD and other agencies as per Academy's requirements.
- Contributed significantly in arranging software solution, demonstration of Commercially Of the Shelf, SAAS based Alumni's network solutions and upgrade of existing ICT infrastructure of the academy for academy's requirement.
- Designed EA based Solution Architecture for Academy's current software requirements and arranged its implementation.

- **Coordinated the process of nationwide deployment of Honeypots devices at for Cyber Threat Intelligence (CTI) generation for National Cyber Coordination Centre (NCCC) under a project of Indian Computer Emergency Response Team (CERT-in) and MeiTY at LBSNAA, Mussoorie.**

- Designed and curated document on "Technology in Governance" under the theme of "Digital Transformation of Aspirational Districts" as a part of celebrating India@75. Conceptualize DigiTAG' 22, and international Confenrce/conclave focusing on the theme of Digital Transformation of Aspirational Districts. Its documentation curated for the purpose was submitted by LBSNAA to DOPT as one of the 12 projects for celebrating India@75. The officer trainees of IAS Professional Course Phase-I (2020) were also part of it
- Coordinated for and arranged implementation of Bharat-VC platform for LBSNAA's training programmes and significantly large number of online meetings.

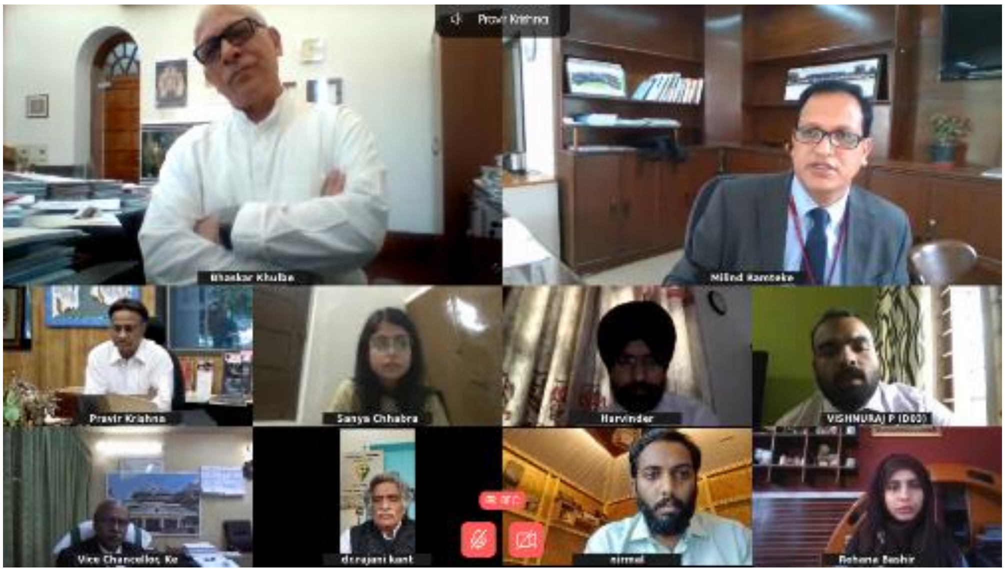

BharatVC platform, in use, during LBSNAA's training programmes

Gandhi Smriti Library

The Academy has a well-stocked library. It is located in scenic surroundings which gives it a panoramic view of the majestic Himalayas and an eternal sense of togetherness with Nature. The library is named the "Gandhi Smriti Library". The library is computerized and the complete catalogue of the library is accessible online.

The books CDs/DVDs are RFID tagged and a RFID self-issue/return kiosk is installed at the library counter for issuing, renewing and returning of books by the users without using the library circulation counter. RFID Book drop kiosks are placed at the entry of the Karmshila building and in Gyanshilla building in the main campus. Library users can use this facility for returning the books without coming to the library. This service is available 24x7.

Library Collections: The Gandhi Smriti library is a treasure trove of resources containing over 1.90 documents, including books- 1.63,534, bound volumes of journals- 8679, audio cassettes-2109, video cassettes 1708 and CDs/DVDs- 8496 (contains lecture recordings, documentaries, movies (English, Hindi, regional) and digital rare and old books - 6259 from the 19th Century,

The Library subscribes to Newspapers (18), Magazines (72), Foreign Journals (19), Indian Journals (75) and e-Journals (25), published by various National and International Organizations/Institutions.

The library subscribes to the following E-resources:

- **EBSCO's Business Source Complete:** database providing a full text contents of more than 3000 journals/journal articles, covering disciplines of business, including marketing, management, management information systems, production & operations management, accounting, finance and economics.
- **EBSCO's Econlit with Full Text:** database providing full-text articles in all fields of economics, including capital markets, country studies, econometrics, economic forecasting, environmental economics, government regulations, labour economics, monetary theory, urban economics and much more.
- **EBSCO's Political Science Complete:** database provides more than 340 full-text reference books and monographs and more than 44,000 full-text conference papers, which includes those from the International Political Science Association.
- **EBSCO's SocIndex:** is a comprehensive sociology research database. It has nearly 900 full-text journals and contains informative abstracts for more than 1,500 core journals dating to 1895.
- **IndiaStat** Which covers secondary level data i.e. Socio-economic statically data about India and its States.
- **Jstor**: A digital archive of scholarly journals in anthropology, Asian Afro American studies, ecology, economics, education, finance, general science, history, literature, mathematics, music, philosophy, political science, sociology, and statistics.
- **Indian journals.com**: **(Business, Economics and Management)** Which covers around 52 Indian Academic Journals and Research publications.
- **Manupatra:** A legal database which covers law materials related to Indian and overseas.

- **SCC Online:** A legal database which covers legal cases etc. from Supreme Court, all High Courts, Tribunals and Commissions, Statutory material and many foreign jurisdiction and International material.
- **EPWRF India Time Series:** The database relates series online in about thirteen modules covering a wide range of macro-economic and financial sector variables in for research and analytical work.
- **EBC Reader:** The EBC Reader eLibrary, allows you to read eBooks of legal content. EBC Reader Comes with Single Search feature enabling you to search for books, Topics, Phrases within your eLibrary, Annotations and Notes.
- **RemoteXs:** Remote authentication & access servicefor accessing the above e-resources irrespective of the location has been subscribed. **RemoteXs** is a service which allows remote access to e-resources subscribed by the library for users while they are away from the campus.

Besides, the library has been releasing out the following services for enriching the knowledge of readers on regular basis:

- New Arrivals- A monthly Bulletin

The library has added about 920 books during April 2021 to March 2022.

राजभाषा

भारत सरकार के कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए -

भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, ‘क’, ‘ख’ तथा ‘ग’ क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया गया। तदनुसार, अकादमी द्वारा ‘क’ क्षेत्र के साथ 91%, ‘ख’ क्षेत्र के साथ 79% और ‘ग’ क्षेत्र के साथ 71% पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, इस अकादमी ने हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 25.45% प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया है। अकादमी के प्रोफेसर प्रबंधन एवं प्रभारी राजभाषा की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की गई तथा यथोचित मार्गदर्शन किया गया।

अकादमी में दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर, 2021 तक ’दो सप्ताह हिन्दी के नाम’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ के लिए आशुभाषण, सभी वर्गों के लिए अलग-अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुतलेखन, यूनिकोड टाइपिंग तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना 2020-21 के कुल 10 प्रतिभागियों को भी निदेशक महोदय तथा संयुक्त निदेशक महोदया ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा पुरस्कार स्वरूप नकद धनराशि प्रदान की।

इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका 'सृजन' के नौवें अंक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर निदेशक महोदय और संयुक्त निदेशक महोदया ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट किया और सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 25 नवंबर, 2021 को डॉ.जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। यह शील्ड माननीय मंत्री जी के करकमलों से अकादमी के निदेशक श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथाला ने प्राप्त की।

अकादमी को राजभाषा की प्रगति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा दिनांक 30 दिसंबर, 2021 को समिति की बैठक के दौरान की गई।

COMPUTER CENTRE

The LBSNAA is using Information Technology ssolutions for most of its critical processes. LBSNAA has a fully networked campus and is increasingly relying on IT for its training and administrative needs. The critical components of IT infrastructure at LBSNAA are:

- Procurement and distribution of computer hardware and Software to all the employees and trainees of LBSNAA through GeM.
- Development and strengthening of existing computer facilities.
- Knowledge Management (KM) cloud has been setup for sharing of Course related data with the participants of different courses.
- Computer Centre (hosting e-Office Application, Workflow Application, Website, Learning Management System (LMS) and Firewall Servers with redundancy)
- Stand-alone applications covering various modules for managing the activities of Academy such as Training, Estate, Administration, Accounts, Dispensary, Online feedback systems, online sharing of content, online examination systems, opinion pools/question answers for engaging Officer trainees and participants of various courses using clickers, Photo server, Learning Management Software (LMS), CGHS software for Medical Centre, KOHA software for online catalogue.
- Network Devices, Security Systems and LAN (which is primarily UTP based, but has been integrated with Wi-Fi devices in the classrooms).
- Computer Centre revamped the website of LBSNAA which is more interactive and dynamic.
- Computer Centre is also involved in the designing the course manual, training calendar, brochures, banners, posters, officer's directory, memoirs, photo rosters, LBSNAA diary and monthly calendar etc. Besides this computer centre is also involved in video film editing and mixing for the course participants. Thereafter the movie is being showcased during the valediction Programme.
- Centre helps Controller of Examination in preparing the course-related examination result and also involved in preparing the result of MA in Public Administration, JNU.
- Computer Centre gives computer assistance from time to time to the faculty, officer trainees and staff also.
- Computer Centre gives computer assistance from time to time to the faculty, officer trainees and staff also.
- LBSNAA is having 1 Gbps National Knowledge Network link for the use of Internet along with 100 Mbps backup link from Airtel.
- Computer Centre provides laptops to the Participants and Officer Trainees of different courses. Trainees could access the network through Wi-Fi and wired LAN from Hostel rooms and communicate to each other apart from enhancing their skill and getting acquainted with latest software's.
- Training Programmes are also organized by the Computer Centre time to time for all the employees of the Academy to train them on the new software's. Computer Centre also provides on-job training to all the sections of the Academy about the use and features of e-office.

- Most of the class rooms and conference halls are equipped with the Video Conferencing (VC) facility and other webinar software's. Most of the courses/classes were organized online using VC and other Webinar Software's by the Computer Centre during the COVID period.
- Artificial Intelligence/ Machine Learning Lab have been setup in LBSNAA for Digital Transformation of Administration & Governance.

Financial Statement of LBSNAA

Budget allocation of LBSNAA is made under "Demand No.073-Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions". The provision includes establishment related expenditure under Non-Scheme (Revenue).Infrastructure related expenditure is provided under Scheme (Revenue) and Scheme (Capital). The budget allocation is made for various core activities of the Academy that include training programme such as the Foundation Course, Refresher Courses, Mid-Career Training Programmes etc. Allocations are made under Scheme (Capital) and Scheme (Revenue) for improvement of Infrastructure and up-gradation of essential facilities at LBSNAA.

The details of actual expenditure for 2019-20, 2020-21, progressive expenditure for 2021-22 and allocation for upcoming financial year 2022-23 is as under.

(Figure in thousands)

S.No	Non-Scheme(Revenue)	Actual Expenditure		Progressive Expenditure As on 31st January, 2022	Budget Allocation
		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	Salaries	1,68,540	1,62,878	1,47,434	1,92,000
2.	Wages	22,390	33,496	24,279	42,500
3.	Overtime allowance	14	0	0	50
4.	Medical Treatment	4,200	4,480	3,729	5,500
5.	Domestic travel expenses	5,000	5,995	4,021	6,000
6.	Foreign travel expenses	117	85	0	500
7.	Office expenses	65,589	88,960	71,616	90,000
8.	Rent, rates & taxes	1,492	1,999	1,440	2,000
9.	Publication	649	350	257	650
10.	Other administrative expenses	200	199	9	200
11.	Minor works	1,000	1,500	1,500	2,500
12.	Professional services	64,300	1,22,494	79,173	1,20,000
13.	Grant-in-aid	500	500	0	500
14.	Other Charges	3,900	5,200	2,304	4,000
15.	Salaries	2,493	1,660	3396	3500
16.	Overtime allowances	1	-	0	100

17.	Medical treatment	199	31	50	200
18.	Other Charges (Inf. Tech)	594	596	423	600
19.	Swachhta Action Plan	597	590	301	600
20.	Professional Services	44,398	9,000	27,845	60,000
21.	Total (Non-Plan)	**3,86,173**	**4,40,013**	3,66,284	5,31,400
22.	Scheme (Revenue)	1,10,000	1,09,900	75,902	1,20,000
23.	Scheme (Capital)	1,77,500	2,84,430	1,46,058	5,00,000
	Grand Total	**6,73,673**	**8,34,343**	5,88,244	11,51,400

Activities related to budget management/payments etc will remain continued during current FY 2021-22 for optimum utilization of allocated budget as per the guidelines issued in this regard.

Faculty & Staff Skill Development Program

There is a systematic process at the Academy to upgrade and update the skills, knowledge and the instructional techniques of its faculty. To achieve this, programs are organised on campus and by deputing faculty members to reputed institutitons both within India and outside the country. The following faculty members were deputed for training, attending workshops, seminars and for exploring possibilities for collaboration both in India and abroad under Faculty Development Program:

Faculty Name (Mr./Ms./Dr.)	Training/Workshop/Seminar	Duration	Institute
Milind Ramteke	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Sunita Rani	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
P. Amudha	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Gauri Parasher Joshi	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Nandini Paliwal	How to Teach Online	06.07.2020	IIM Indore

		to 11.07.2020	
Vidya Bhushan	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Alankrita Singh	How to Teach Online	06.07.2020 to 11.07.2020	IIM Indore
Sanjeev Chopra	Course in "History and Appreciation of Indian Art and Culture"	08.08.2020 to 09.08.2020	IHC, Delhi
Sunita Rani	Organisational Leadership for the 21st Century	27.02.2021 to 21.03.2021	IIM, Ahmedabad
Alankrita Singh	Online Training Programme	One year beginning 30.06.2020	National Law University, Bangalore
Alankrita Singh	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Milind Ramteke	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Gauri Parasher Joshi	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Vidya Bhushan	LLM (Professional) Online Programme	August, 2020 to June, 2021	National Law University, Delhi
Sunita Rani	Online FDP on Pedagogy and Research Methodology	22.06.2020 to 28.07.2020	IIM, Ahmedabad
Vinod Kumar Taneja	To GAF 9 combined level 1 and level 2 (online) training programme	11.04.2020	Simplilearn
Vidya Bhushan	Challenges of Global poverty	18.08.2020	MIT

	(part of DEDP Micro Masters programme)		
Vdiya Bhushan	Microeconomics (part of DEDP Micro Masters at MIT)	18.08.2020	MIT
Alankrita Singh	Fundamentals of Gender Equality	18.08.2020	Udemy
Alankrita Singh	Understanding Gender Inequality	18.08.2020	University of EXETER
Alankrita Singh	Gender and Intersectionality	18.08.2020	EDX, Harvard University
23 officials	Weninar on e-Procurement of Goods and Services, and related GoI Financial Rules	16.12.2020	National Productivity Council, New Delhi

Publications:

LBSNAA has been publishing *"The Administrator"* since 1961. Over its half a century long existence, the journal has provided a forum to civil servants and academicians to share their knowledge distilled from their experiences in the field. The contributors have primarily been civil servants but not exclusively so. The journal has been receiving contributions from intellectuals, scholars and eminent public figures who have applied their knowledge in the areas of Public Administration, Public Policy etc. In 2020–21, the Academy brought out Special editions on *Aarambh I, Silver Jubilee of National Gender and Child Centre*, *Em-Powering India* and *Paths to Good Governance: Thoughts and Words*.

Delegations/Teams that visited LBSNAA

Students of various institutions, participants of different training programmes and delgations of various nations visit the Academy every year. This is a mutual learning experience The visitors, as well as the Academy benefir from such interactions. However owing to restrictions and as measures of abundant preacaution in view of the ongoing Covid-19 Pandemic, only the following visit was held during 2020–2021:

Visit of 52 students including 2 faculty members of Forest College and Research Institute, Telangange on 08.02.2021

Details of Visit of various Schools/Institutions to LBSNAA, Mussoorie being organised by Security Section from 01.04.2021 to 31.03.2022

Sl. No.	Name and Address of Institution	Remarks
1.	Visit of 30 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Senior Officials of Jammu & Kashmir Administrative Service on 02.09.2021	Request sent by NCGG, Mussoorie
2.	Visit of 63 FRO officials from	

	Telangana Forest Academy, Hyderabad on 01.10.2021	
3.	Visit of 30 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Civil Servants of Maldives on 04.10.2021	Request sent by NCGG, Mussoorie
4.	Visit of 32 Engineers of National Institute of Hydrology, Roorkee, Uttarakhand on 13.10.2021	
5.	Visit of 15 Guest of DG, ATVP cum vise Admiral on 19.112021	
6.	Visit of 32 Officer Trainees of IPS 73 RR from SVPNPA, Hyderabad on 23.11.2021	
7.	Visit of 30 participants of Capacity Building Programme in Field Administration for Senior Officials of Jammu & Kashmir Administrative Service on 18.12.2021	Request sent by NCGG, Mussoorie
8.	Visit of 58 participants of Capacity Building Programme in field Administration for Civil Servants of Maldives on 03.03.2022	Request sent by NCGG, Mussoorie
9.	Visit of 32 participants of Capacity Building Programme in field Administration for senior officers of Jammu and Kashmir Administration service and Ladhakh UT Administration on 17.03.2022	Request sent by NCGG, Mussoorie
10.	Visit of 38 students of National Academy of Railway, Lalbagh, Vadodra, Gujarat on 24.03.2022	

Annexure-1: Physical Infrastructure

A.	CLASS/LECTURE/CONFERENCE ROOM	Capacity
1.	Dr. Sampoornanand Auditorium	469 seats
2.	Ambedkar Hall (Aadharshila Block)	158 seats
3.	Tagore Hall (Aadharshila Block)	190 seats
4.	Vivekananda Hall (Aadharshila Block)	190 seats
5.	Homi Bhabha Computer Hall (Aadharshila Block)	108 Terminals
6.	Conference Hall (Karamshila Block)	35 seats
7.	Govind Ballabh Pant Hall (Karamshila Block)	115 seats
8.	Nehru Auditorium (Gyanshila Block)	110 seats
9.	Seminar Room – 2 to 5 (Gyanshila Block)	06 (Round Table) each total 30 seats
10.	Seminar Room – 1 & 6 (Gyanshila Block)	65 seats each
11.	Seminar Room – 7 to 12 (Gyanshila Block)	12 (Round Table each)
12.	Seminar Room – A & B (Gyanshila Block)	55 seats each
B.	**HOSTELS/ACCOMMODATION**	
1.	Brahmaputra Niwas	12 rooms
2.	Ganga Hostel	78 rooms
3.	Happy Valley Hostel	25 rooms
4.	Indira Bhawan Hostel (Old)	20 rooms
5.	Kalinidi Visitors' Hotel	21 rooms
6.	Kaveri Hostel	33 rooms
7.	Mahanadi Hostel	39 rooms
8.	Naramada Hostel	22 rooms
9.	Silverwood Hostel	54 rooms
10.	Valley View Hostel (Indira Bhawan)	48 rooms
11.	Gyanshila	06 rooms

Annexure-2: Our Directors and Joint Directors

An officer of the rank of Secretary of Government of India heads the Academy. The Academy has had illustrious members of the service heading it. The name and tenure of Directors and Joint Directors of the Academy since the inception of the Academy are as follows:

Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. A.N. Jha, ICS	01.09.1959 to 30.09.1962
2.	Mr. S.K. Datta, ICS	13.08.1963 to 02.07. 1965
3.	Mr. M.G. Pimputkar, ICS	04.09. 1965 to 29.04.1968
4.	Mr. K.K. Das, ICS	12.07.1968 to 24.02.1969
5.	Mr. D.D. Sathe, ICS	19.03.1969 to 11.05.1973
6.	Mr. Rajeshwar Prasad, IAS	11.05.1973 to 11.04.1977
7.	Mr. B.C. Mathur, IAS	17.05.1977 to 23.07.1977
8.	Mr. G.C.L. Joneja, IAS	23.07.1977 to 30.06.1980
9.	Mr. P.S. Appu, IAS	02.08.1980 to 01.03.1982
10.	Mr. I.C. Puri, IAS	16.06.1982 to 11.10.1982
11.	Mr. R.K. Shastri, IAS	09.11.1982 to 27.02.1984
12.	Mr. K. Ramanujam, IAS	27.02.1984 to 24.02.1985
13.	Mr. R.N. Chopra, IAS	06.06.1985 to 29.04.1988
14.	Mr. B.N. Yugandhar, IAS	26.05.1988 to 25.01.1993
15.	Mr. N.C. Saxena, IAS	25.05.1993 to 06.10.1996
16.	Mr. B.S. Baswan, IAS	06.10.1996 to 08.11.2000
17.	Mr. Wajahat Habibullah, IAS	08.11.2000 to13.01.2003
18.	Mr. Binod Kumar, IAS	20.01.2003 to 15.10. 2004
19.	Mr. D.S. Mathur, IAS	29.10.2004 to 06.04.2006
20.	Mr. Rudhra Gangadharan, IAS	06.04.2006 to 20.09.2009
21.	Mr. Padamvir Singh, IAS	02.09.2009 to 28.02.2014
22.	Mr. Rajeev Kapoor, IAS	20.05.2014 to 9.12.2016
23.	Ms. Upma Chawdhry, IAS	11.12.2016 to 31.12.2018
24.	Dr. Sanjeev Chopra, IAS	01.01.2019 to 31.03.2021
25.	Mr. Lok Ranjan, IAS	15.04.2021 to 04.09.2021
26.	Mr. Srinivas R Katikithala, IAS	05.09.2021 to ……

Joint Directors of LBSNAA

Sl. No.	Name	Duration
1.	Mr. J.C. Agarwal	19.06.1965 to 07.01.1967
2.	Mr. T.N. Chaturvedi	27.07.1967 to 09.02.1971
3.	Mr. S.S. Bisen	01.04.1971 to 09.09.1972
4.	Mr. M. Gopalakrishnan	20.09.1972 to 05.12.1973
5.	Mr. H.S. Dubey	03.03.1974 to 18.12.1976
6.	Mr. S.R. Adige	12.05.1977 to 07.01.1980
7.	Mr. S.C. Vaish	07.01.1980 to 07.07.1983
8.	Mr. S. Parthasarathy	18.05.1984 to 10.09.1987
9.	Mr. Lalit Mathur	10.09.1987 to 01.06.1991
10.	Dr. V.K. Agnihotri	31.08.1992 to 26.04.1998
11.	Mr. Binod Kumar	27.04.1998 to 28.06.2002
12.	Mr. Rudhra Gangadharan	23.11.2004 to 06.04.2006
13.	Mr. Padamvir Singh	12.03.2007 to 02.02.2009
14.	Mr. P.K. Gera	24.05.2010 to 20.05.2012
15.	Mr. Sanjeev Chopra	09.09.2010 to 05.12.2014
17.	Mr. Dushyant Nariala	24.12.2012 to 16.01.2016
16.	Ms. Ranjana Chopra	06.08.2013 to 15.12.2014
18.	Mr. Tejveer Singh	06.08.2013 to 31.3.2017
19.	Ms. Jaspreet Talwar	24.10.2014 to 31.3.2017
20.	Ms. Arti Ahuja (Special Director)	19.07.2017 to 19.05.2020
21.	Mr. Manoj Ahuja (Special Director)	06.11.2017 to 19.05.2020
22.	Ms. Radhika Rastogi(Special Director)	01.09.2021 to 27.03.2023

Annexure-2 : Participants in IAS Phase-II (2019 Batch)

Participants from the State of	Male	Female	Participants
AGMUT	07	03	10
Andhra Pradesh	06	04	10
Assam-Meghalaya	05	03	08
Bihar	09	03	12
Chhattishgarh	03	02	05
Gujarat	07	01	08
Haryana	03	03	06
Himachal Pradesh	04	01	05
Jammu & Kashmir	01	00	01
Jharkhand	06	00	06
Karnataka	07	02	09
Kerala	04	04	08
Madhya Pradesh	07	03	10
Maharashtra	06	04	10
Manipur	04	00	04
Nagaland	00	00	00
Odisha	05	01	06
Punjab	03	01	04
Rajasthan	05	02	07
Royal Bhutan Civil Service	03	00	03
Sikkim	00	00	01
Tamil Nadu	06	03	09
Tripura	02	01	03
Telangana	05	03	08
Uttar Pradesh	10	08	18
Uttarakhand	03	00	03
West Bengal	06	06	12
Total	127	58	185

Annexure-4: Participants in 96th Foundation Course

Service wise Break-up

Service	Male	Female	Grand Total
Indian Administrative Service	118	60	178
Indian Audit And Accounts Service	05	03	08
Indian Civil Accounts Service	05	01	06
Indian Corporate Law Service	01	00	01
Indian Defence Accounts Service	07	06	13
Indian Defence Estate Service	01	00	01
Indian Foreign Service	19	14	33
Indian Forest Services	38	08	46
Indian Information Services	06	03	09
Indian P And T Accounts And Finance Service	04	00	04
Indian Police Service	83	28	111
Indian Postal Service	05	03	08
Indian Railway Protection Service	02	00	02
Indian Revenue Service (Customs And Central Excise)	14	08	22
Indian Revenue Service(IT)	15	19	34
Indian Trade Service	02	00	02
Royal Bhutan Civil Services	01	01	02
Royal Bhutan Forest Service	01	01	02
Royal Bhutan Police Services	05	01	06
Grand Total	332	156	488

Annexure-5: 15th Round of Phase-IV (MCTP) August 02 – 27, 2021

Cadre	Female	Male	Grand Total
AGMUT	2	7	9
Assam-Meghalaya		2	2
Chhattisgarh	2	2	4
Gujarat		1	1
Haryana	1	1	2
Himachal Pradesh		1	1
Jammu & Kashmir		1	1
Jharkhand	1	2	3
Karnataka	1	2	3
Kerala		2	2
Madhya Pradesh		1	1
Maharashtra		3	3
Manipur	1		1
Punjab	2	5	7
Rajasthan		1	1
Tamil Nadu	1	2	3
Uttar Pradesh	1		1
Uttarakhand	1	2	3
Telangana	2		2
Grand Total	15	35	50

Batch	Female	Male	Grand Total
1994		1	1
1997	1		1
1999		1	1
2000		1	1
2001	2	1	3
2003	4	3	7
2004	4	8	12
2005	2	15	17
2006	2	5	7
Grand Total	15	35	50

Gender	Count of Gender
Female	15
Male	35
Grand Total	50

Annexure-6: 123rd Induction Training Programme (ITP)

The 123rd Induction Training Programme (ITP) had officer Participants from 15 different cadres. The break up for the same is as detailed below:-

State	No. of Officers	Men	Women
AGMUT	09	08	01
Andhra Pradesh	02	-	02
Assam-Meghalaya	01	-	01
Chhatisgarh	08	02	06
Haryana	07	07	-
Himachal Pradesh	04	04	-
Jharkhand	01	01	-
Karnataka	06	04	02
Kerala	02	02	-
Madhya Pradesh	03	03	-
Maharashtra	10	08	02
Manipur	05	03	02
Nagaland	02	02	-
Punjab	02	02	-
Rajasthan	05	02	03
Total	67	48	19

Annexure-7: Participants in 1st Common Mid-Career Training Programme

Details of the Participants

Service	Female	Male	Total
IAAS	2	8	10
IAS	8	15	23
ICAS	1	3	4
IDAS	2	9	11
IDES		2	2
IFS	4	4	8
IFS(AIS)	7	10	17
IIS	4	3	7
IOFS	1	1	2
IPOS	1	10	11
IPS	4	10	14
IPTAFS	1	1	2
IRAS	5	**13**	**18**
IRPFS	1	**14**	**15**
IRPS	4	**8**	**12**
IRS(C&IT)	7	**25**	**32**
IRS(IT)	6	**22**	**28**
IRTS	2	**22**	**24**
RPF		**2**	**2**
Grand Total	**60**	**182**	**242**

Female	60
Male	182
Grand Total	242

Batch	No. of Participants
2000	133
2001	109
Grand Total	242

Annexure-7: Participants in 27th Joint Civil Military program on National Security

Service wise Break-up

Sl. No.	Service	No. of Participants
1	Air Force	3
2	Army	6
3	BSF	2
4	Coast Guard	2
5	CRPF	2
6	IAS	9
7	IC&CES (IRS)	1
8	IRS	3
9	IDAS	1
10	IFS	1
11	IPS	13
12	IRTS	1
13	ITBP	2
14	Navy	3
15	NSG	1
16	SSB	1
17	IB	1
18	Cabinet Secretariat	1
	Total	53

Annexure-8:- Participants in 28th Joint Civil Military Training Programme on National Security

Service wise Break-up

Service	Female	Male	Total
BSF		2	2
Cabinet Secretariat		1	1
CRPF		1	1
HQ IDS		1	1
IAS		2	2
IB		1	1
IDAS/CBI		1	1
IDES		1	1
IFoS		2	2
IFS		1	1
IIS		1	1
Indian Air Force		3	3
Indian Army		5	5
Indian Coast Guard		2	2
Indian Navy		3	3
IPS		4	4
IRS (C&IT)		4	4
IRS (IT)		3	3
IRTS	1		1
ITBP		2	2
NSG		1	1
SSB		1	1
Scientist	1	3	4
Grand Total	**2**	**45**	**47**

Annexure-9: Faculty & Administration in the Academy

Faculty (As on 18.05.2022)

Sl.	Name	Designation
	Mr. Srinivas R. Katikithala, IAS	Director
	Ms. Radhika Rastogi, IAS	Joint Director
	Ms. Nandini Paliwal, IAS	Deputy Director (Sr.)
	Ms. Aswathy S., IAS	Deputy Director (Sr.)
	Ms. Monika Dhami, IRS	Deputy Director (Sr.)
	Mr. Vizay B. Vasanta, IRS	Professor of Economics
	Ms. Anandhi, IAS	Deputy Director (Sr.)
	Ms. Gauri Parasher Joshi, IAS	Deputy Director
	Mr. Abhiram G Sankar, IAS	Deputy Director
	Ms. Disha Pannu, IPoS	Deputy Director
	Mr. Shelesh Nawal, IAS	Deputy Director
	Mr. Hari Prakash, IAAS	Professor of Management
	Dr. Sanjay J. Joshi	Professor of Political Theory & Const. Law
	Ms. Sunita Rani	Professor of Social Management
	Mr. Nitesh Jha, IIS	Reader in Political Theory & Const. Law
	Ms. Ekta Uniyal	Assistant Director
	Mr. Hari Lal Chauhan, IPS	Assistant Director
	Dr. (Ms.) Anupam Talwar, IDES	Assistant Director
	Mr. Romeo Vincent Tete	Assistant Director
	Mr. A. S. Ramachandra	Professor of Pol. Theory & Const. Law (on deputation to other department)
	Mr. Sachiv Kumar	Reader in Law (on deputation to other department)
	Ms. Bhawana Porwal	Assistant Professor. of Hindi
	Mr. Arshad M. Nandan	Language Instructor (Urdu & Punjabi)
	Mr. K. Brijbhashi Singha	Language Instructor (Assamese & Manipuri)
	Mr. Sarfaraz Hussain Khan	Hindi Instructor

Administration (As on 18.05.2022)

Sl.	Name	Designation
	Mr. Rajesh Kapoor	Asstt. Director (Rajbhasha)
	Mr. Prakash Singh Dasila	Administrative Officer (Accounts)
	Mohd. Aslam	Data Processing Assistant

	Mr. Ramesh Kumar	Asstt. Library & Info. Officer
	Mr. Ram Milan Kewat	Asstt. Library & Info. Officer
	Mr. Vijendra Singh Rana	Principal Private Secretary
	Mr. Prakash Singh Dasila	Administrative Officer (Accounts)
	Mr. Kailash Chand	Administrative Officer
	Mr. Pawan Kumar Pal	Assistant Administrative Officer
	Mr. Mukesh Kumar Garg	Assistant Administrative Officer
	Mr. Rakesh Chandra	Assistant Administrative Officer
	Mr. C. S. Subburaj	Assistant Administrative Officer (On deputation to other department)
	Mr. Laxmi Prasad	Senior Private Secretary
	Mr. Mahesh Kumar Tyagi	Senior Private Secretary
	Mr. Naryan Lal Bunker	Private Secretary
	Mr. Ashish Kumar Patel	Private Secretary (on deputation to other department)
	Mr. Sunil Negi	Private Secretary
	Ms. Neeraj Kumar	Private Secretary
	Ms. Darshani	Private Secretary
	Mr. Jaismail Singh	Riding Instructor
	Mr. Rajendra Singh	Physical Training Instructor
	Mr. Girdhari Lal	Asstt. Riding Instructor

Officers who were relieved from the LBSNAA during the year

Sl	Name	Date of Relieving
	Mr. Siva Prasad Senapathi, Library & Information Officer	31.05.2021
	Ris Major Baljit Singh, Riding Instructor	13.12.2021
	Dr. Milind Ramteke, Deputy Director	17.03.2022

Superannuation of staff in LBSNAA during the year

	Name	Date of Relieving
1	Mr. J. P. Bahuguna, AAO	31.01.2021
2	Mr. Poonam Sinha, DPA	28.02.2021
3	Mr. Sanjeev Chopra, Director	31.03.2021
4	Ms. Alka Kulkarni, Language Instructor	31.03.2021
5	Mr. Ashim Kumar Debnath, DEO	31.01.2022

6	Mr. Prem Singh Bisht, Radiographer	31.01.2022
7	Mr. Arjun Singh, MTS	31.03.2022

Voluntary retirement of staff in LBSNAA during the year

Sl	Name	Date of Relieving
1.	Mr. Sucha Singh, ALIO	01.11.2021